

जिनमणिमालायाः चतुर्थो मणिः ४

प्रतिष्ठा लेख संग्रहः

प्रथमो विभागः



उपाध्याय-विनयसागरेण, साहित्याचार्य,
त्रैनचण्डनछात्री, साहित्यरत्न, काम्यतीर्थ,
शास्त्रविद्यारत्नप्रभृत्युपाधिधारकेण
नेमिदूतम् अरजिनस्तथादीनाञ्च सम्पादकेन सम्पादितः



डा० श्रीवासुदेवशरण-अग्रवालेन
एन० ए० डी० लिट् इत्युपाधिधरितेन
काशी विश्वविद्यालय-आध्यापकेन लिखितया
भूमिकया समलङ्कृतम् ।



प्रकाशकः—

मुनि-विनयसागर साहित्याचार्य

अध्यक्ष-सुमतिसदन

कोटा (राजस्थान)



मुद्रकः—

जैन प्रिंटिंग प्रेस,
कोटा.



समर्पण

अगरचन्दजी नाहटा

को

सप्रेम

अपनी बात



वि० सं० २००० का चातुर्मास मेरे शिरच्छत्र पूज्येश्वर आचार्य देव श्रीजिनमणिसागरसूरिजी महाराज का घीकानेर में श्री नाहटाजी के शुभ प्रासाद शुभविलास में हुआ। उस समय मेरी अवस्था १६ वर्ष की थी। पूज्येश्वर गुरुदेव ने अध्ययन के लिये व्यवस्था कर रखी थी। शिक्षक व्याकरण, भाष्य आदि का अभ्यास करवाता था। उस समय मैं सिद्धान्त-कौमुदी का दूसरा खण्ड पढ़ रहा था; पर बाल्यावस्था के कारण अध्ययन में तनिक भी रुचि नहीं थी और व्याकरण जैसा शुष्क विषय होने के कारण मैं अध्ययन से घबड़ाता था तथा बहाने किया करता था। ऐसी मेरी मानसिक स्थिति और पढ़ाई चोर भावना को देखकर श्री अगर-चन्दजी नाहटा ने (जो पूज्येश्वर गुरुदेव के भक्त होने के साथ साथ मुझे विद्वान और क्रियापात्र साधु देखना चाहते थे) गुरु महाराज की आज्ञा प्राप्त कर साहित्य की तरफ मेरी रुचि को बढ़ाना प्रारंभ किया। उन्होंने सर्वप्रथम हस्तलिखित ग्रन्थों की लिपि के अभ्यास की ओर मुझे प्रवृत्त किया। मैं भी उस समय 'पढ़ाई' से विरक्तमना सा था। अतः मुझे भी यह मार्ग रुचिकर प्रतीत हुआ और मैं इस प्रयत्न में अग्रसर हुआ। वहाँ के आशीर्वाद से इसमें मैं सफल भी हुआ। उन्हीं दिनों मैंने नाहटा जी के संग्रह के लगभग ३००० हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची भी तैयार की।

उन्हीं दिनों चातुर्मास में ही गुरुदेव भक्तवर्ग को 'उपधानतप' की तपश्चर्या करवा रहे थे। इसी समय घीकानेर के प्रमुख मन्दिर (चिन्ता-मणिजी) के भण्डारस्थ लगभग १२०० प्रतिमाएँ, जो विशिष्ट समय पर भण्डार से बाहर निकाली जाती थी और अष्टाहिका महोत्सव, शान्तिस्नात्र, रथयात्रादि महोत्सव के साथ पुनः भूमिगृह में विराजमान करदी जाती थी, इस 'उपधानतप' महोत्सव के उपलक्ष्य में बाहर निकाली गईं। वहाँ के दूसरे प्रधान मन्दिर महावीरस्वामी जी के भण्डारस्थ प्रतिमाएँ भी इस समय प्रयत्नपूर्वक निकाली गई थीं।

श्री नाहटाजी का कई वर्षों से विचार और प्रयत्न था कि 'वीकानेर जैन लेख संग्रह' निकाला जाय। वे वीकानेर नगर और उस राज्य के समस्त स्थित मन्दिरों के लेख ले चुके थे। पर चिन्तामणिजी के भण्डारस्थ मूर्तियों के लेख जो उन्होंने पूर्व लिये थे, वे गुम हो गये थे। अतः उनकी पुनः आवश्यकता थी। इस प्रसंग को लेकर लेखों की लिपि-वाचन के उद्देश्य से उन्होंने मुझे भी इस कार्य में लगाया। मैं उत्साह पूर्वक तैयार था ही, जुट गया। श्री अगरचन्दजी एवं श्री भँवरलालजी नाहटा के सहयोग से उस समय लगभग २००—२५० लेख मैंने लिये थे। उस समय से मेरा लेखों की लिपि वाचने का भी अभ्यास हो गया।

सं० २००२ में वीकानेर से विचरण करते हुए गुरुश्री एवं मैं नागोर आये। इस कार्य में मेरी रुचि भी थी और अब तो अभ्यास भी हो चला था; साथ ही नाहटाजी की तरफ से समय समय पर प्रोत्साहन मिलता रहता था। अतः मैंने नागोर के सब मन्दिरों के पापाण और धातु दोनों के लेख लेना प्रारम्भ किया। तदनन्तर तो हम जहाँ कहीं भी गये, वहाँ के मन्दिरों के दर्शन करना और मूर्तियों के लेख लेना, यह एक ध्येय सा बन गया था। इस प्रकार नागोर से चलने के बाद, कुचेरा, खजवाना, मेड़तारोड, जड़ाड, गोविन्दगढ़, अजमेर, किशनगढ़ आदि स्थानों से मैंने लगभग ८०० लेख एकत्र कर लिये।

सं० २००२ का चातुर्मास जयपुर में हुआ। इस चातुर्मास में भी मैंने वहाँ के श्वे० जैन मन्दिरों के लेख लेने का क्रम चालू रखा। शहर के सब मन्दिर और गृहदेरासरों के लेख मैं ले चुका था। इस चातुर्मास में नाहटाजी गुरुदेव के दर्शनार्थ जयपुर आये। उस समय उन्होंने मुझे प्रोत्साहित किया कि—“जिस प्रकार हमने 'वीकानेर लेख संग्रह' तैयार किया है; उसी प्रकार आप भी 'जयपुर लेख संग्रह' तैयार कर लें तो बहुत अच्छा रहेगा। शहर के तो सारे लेख आपने ले ही लिए हैं; जयपुर राज्य के अन्य स्थानों में भ्रमण कर अवशिष्ट लेख भी ले लें, फिर इन्हें स्वतन्त्र ग्रन्थ रूप में प्रकाशित कर दिए जायँ।” राजस्थान-मान्य प्रसिद्ध श्री गुलाबचन्दजी ढड्डा की भी यही भावना थी कि यह कार्य मैं पूर्ण कर दूँ। इसमें जितने भी सहयोग या सहायता की आवश्यकता थी, उसको भी उन्होंने देना स्वीकार किया और यह भी कहा कि जयपुर जैन समाज की तरफ से ही इसको प्रकाशित भी करवा दिया जायगा।

अस्तु, मैं भी नामलिप्सा से अभिमूत होकर इस कार्य में संलग्न हो गया। पूज्येश्वर गुरुदेव की आज्ञा और आशीर्वाद को प्राप्त कर फाल्गुन मास में श्रीसंध के, विशेषतः श्री गुलाबचन्दजी सा० ढड्डा और श्री सोहन-मलजी गोलेछा, सा० श्री हमीरमलजी गोलेछा के सहयोग से बिहार के लिये जयपुर से चल पड़ा। दोसा, बसवा, मण्डावर, महावीर जी, हिएडोन, बजीरपुर, गंगापुर, मलारणा का झूंगर, सबाई माधोपुर, टोंक, चाहसू, सांगानेर होकर मैंने प्रथम दौरा १५ दिवस में २२५ मील चलकर पूर्ण किया और पुनः गुरुदेव की सेवा में जयपुर आ पहुँचा। दूसरे दौरे में जोधनेर, फुलेरा सांभर, नरेना, दूधु, पचेवर, मालपुरा, टोडारायसिंह, पनबाड़ होकर मैं कोटा पहुँच गया। इस प्रकार लगभग ४० गाँवों के लेख संग्रह कर चुका था केवल शेखावाटी प्रदेशस्थ ग्राम ही अवशिष्ट रहे थे।

दोसा महावीरजी तथा सबाई माधोपुर वाले प्रथम प्रयास में मुझे वहाँ के दि० जैन मन्दिरों के व्यवस्थापकों की साम्प्रदायिक मनोवृत्ति का अवांछनीय परिचय मिला। सर्व प्रथम महावीरजी का ही लीजिये। यह तीर्थ वस्तुतः श्वेताम्बरों का ही है। इसके निर्माता और प्रतिष्ठाता श्वेताम्बर ही थे। लगभग इसी एक शती से इसकी व्यवस्था दिगम्बर जैनों के हाथ में गई। व्यवस्था दिगम्बर जैनों के हाथों में होते हुए भी कई विशिष्ट अधिकार पल्लीवाल श्वेताम्बर जैनों को प्राप्त थे। पर जो देवालय और देवमूर्तियाँ आदर्श की, सन्मार्ग की और आध्यात्मिकता की प्रतीक थीं, उनको अहम्न्यता की भावना से साम्प्रदायिक कर्दम के दल-दल में फँसाकर सारे 'आदर्श' समाप्त कर दिये थे। यहां तक कि श्वेताम्बर जैनों का पूजन दर्शन आदि व्यवहार भी बन्द कर दिया गया। फलतः 'कानून' की उपासना में दोनों दलों ने अपने रक्तसिञ्चित द्रव्य को न्योछावर करना प्रारंभ कर दिया। वस्तुतः इन साम्प्रदायिक तत्त्वों ने जैनत्व क्या मानवता को ही कलंकित किया है।

प्रयास में भ्रमण करता हुआ, मैं महावीरजी के दर्शन करने और वहाँ के लेख लेने की भावना से लगभग १२ बजे पहुँचा। द्वार पर ही द्वारपाल ने श्वेताम्बर जैन साधु का वेप देखकर मुझे रोका और कहा— "आप श्वे० साधु हैं, इसलिये आप अन्दर नहीं जा सकते।" खैर वहाँ के आफिस से इजाजत प्राप्त करने पर मैं भीतर गया, पर मन्दिर के प्रवेश द्वार पर फिर द्वितीय द्वारपाल ने मेरे 'रजोहरण' (धर्म-चिह्न, जो प्रत्येक श्वेताम्बर साधु के पास रहता है) को देखकर प्रश्न किया कि,

“क्या यह ऊन का है ?” मैंने कहा—“हाँ ।” तो उस द्वारपाल ने कहा—
 “तो आप भीतर नहीं जा सकते ?” मैंने कहा—“क्यों ?” उत्तर—“पहिले
 तो आप श्वे० साधु हैं दूसरे आपके पास ऊन है !” जब पुनः आफिस
 से इजाजत प्राप्त कर मन्दिर के सभामण्डप में पहुँचा, तो आफिस की
 तरफ से एक कर्मचारी मेरे साथ साथ जासूस की तरह लगा रहा, मानों
 मैं कोई भेदू मन्दिर के भेद लेने आया हूँ। अस्तु, मेरी दर्शन करने की
 भावना भी कुण्ठित हो गई और इस साम्प्रदायिक मनोवृत्ति पर कुछ
 क्षोभ भी हुआ। मैं ऐसी परिस्थिति में दर्शन भी ठीक तरह से नहीं कर
 सका अतः वहाँ से चलकर मैंने ‘हिएडोन’ आकर विश्राम किया।

इस प्रकार की तथा इससे कुछ भिन्न प्रकार की कई घटनाएं इस
 प्रवास में अन्यत्र भी हुई। उनका यहाँ उल्लेख करना भी अनवश्यक सा
 प्रतीत होता है।

इस प्रकार केवल जयपुर राज्य के लगभग १००० लेख मैंने संगृहीत
 कर लिये, किन्तु ८—१० ग्रामों के लेख अवशिष्ट रहने के कारण इसको
 मुद्रण के लिए प्रेस में न दे सका। विचार था कि भविष्य में इधर का
 एक दौरा और करके इस कार्य को पूर्ण कर लूँगा, पर विचार विचार ही
 रहा और वह आज तक ७ वर्ष पूर्ण होने पर भी पूर्ण नहीं हो सका और
 अब तो आशा भी नहीं रही।

हाँ, तो दूसरा प्रवास पूर्ण कर कोटा आगए थे। यहाँ आने के कुछ
 समय पश्चात् अर्थात् सं० २०१४ में मेरी मानसिक वृत्तियाँ बदली। अब
 मुझे अपनी अपूर्णता का अनुभव हुआ। इस समय ‘पढ़ाई-चोर’
 जीवन पर हृदय में पश्चाताप भी हुआ। अतः अन्य सारी प्रवृत्तियों
 को (चाहे वे साहित्यिक भी क्यों न हों) त्याग कर विद्याभ्यास में
 ही मैं एकनिष्ठ हुआ। कुछ समय पश्चात् मेरे विद्यागुरु डा० फतहसिंहजी
 के संरक्षण व प्रयत्न और परिश्रम से मैंने साहित्याचार्य, जैन दर्शनशास्त्री,
 साहित्यरत्न, काव्यतीर्थ आदि उपाधियाँ सं० २००७ के अन्त तक प्राप्त कीं।
 तदनन्तर सम्पादन कार्य में व्यस्त हो गया।

मेरा गत चातुर्मास अहमदावाद था। उस समय मैं ‘सहस्रदलकम-
 लभय अरजिनस्तव’ के सम्पादन और ‘वल्गुम-भारती’ के ग्रन्थों की प्रेसकापी
 करने में व्यस्त था। इन्हीं दिनों सुहृदों ने मुझ से कहा कि “आपने जो
 मूर्तियों के लेख संग्रह किए हैं उनको प्रकाशित क्यों नहीं करवा देते ?
 प्रकाशित हो जाय तो पुरातत्त्वज्ञ उसका उपयोग करेंगे अन्यथा परिश्रम पूर्वक

की गई उनकी प्रेस कोपी वैसे ही नष्ट हो जायेंगी ।” मैंने भी विचार किया कि वस्तुतः यह कथन युक्तियुक्त है । मुझे इन लगभग २००० लेखों को लिए हुए सात वर्ष व्यतीत हो गए । प्रेस कोपी के कागज भी जीर्ण हो रहे हैं और त्याही फीकी पड़ जाने के कारण लिपि भी अस्पष्ट होती जा रही है अतएव ग्रह का प्रकाशन कर देना ही उचित प्रतीत हुआ ।

उस समय मेरे लेख संग्रह की कोपी कोटा में थी । अतः तत्काल कार्य प्रारम्भ न कर सका । संयोगवश चातुर्मास पश्चात् मेरा अहमदाबाद से कोटा आना हुआ और पूर्व विचारों के अनुसार लेख संग्रह का प्रकाशित कराना निश्चित कर लिया । उसके लिये प्रेस कोपी का पुनर्नीरक्षण किया । पूर्ववर्ती क्रम (जो प्रत्येक मन्दिर के पापाण, धातु आदि के आधार पर था) उपयुक्त नहीं जँचा । अतः उनका संवतानुसार वर्गीकरण किया गया । वर्गीकरण करते समय यह विचार आया कि—“लेख तो लगभग २२०० हैं । यदि सम्पूर्ण एक साथ प्रकाशित करेंगे- तो पुस्तक बहुत बड़ी हो जायगी । अतः १७ वीं शती तक के ही लेखों का इस प्रथम भाग में समावेश में किया जाय, अवशिष्ट १८ वीं शती से २० वीं शती तक के लेख द्वितीय भाग में रखे जायँ ।”

इसी विचारानुसार इस प्रथम भाग में ११ वीं शती से लेकर १७ वीं शती तक के १२०० लेख संकलित किये गये हैं । मूर्ति किस स्थान पर और किस मन्दिर में है, इसका उल्लेख लेखांक नम्बर के अनुसार ही नीचे टिप्पणी में सूचित कर दिया है । साथ ही मूर्ति पापाण की है अथवा धातु की, इसका स्पष्टीकरण लेखांक नम्बर के साथ ही हो जाता है यदि नम्बर के साथ ‘आदिनाथपंचतीर्थीः’ अथवा ‘पार्वनाथचतुर्विंशतिपट्टः’ अथवा ‘शान्तिनाथ एकतीर्थीः’ है-तो धातु की मूर्ति समझनी चाहिये और यदि केवल ‘नमिनाथः’ आदि भगवान का ही नाम है तो पापाण की मूर्ति समझनी चाहिये ।

लेखों के प्रारम्भ में जहाँ “॥ ६० ॥” यह चिह्न आता है, उसके स्थान पर मैंने सब ही जगह ॥ ॐ ॥ का प्रयोग किया है ।

ये सारे लेख मेरे बाल्यकाल के ही लिये हुये हैं । अतः लिपिवाचन आदि में भ्रम रह जाने से कई जगह अस्पष्ट से रह गये हैं उनपर प्रश्नवाचक चिह्न रख दिया है ।

श्वेताम्बर मन्दिरों में स्थित दिगम्बर लेखों को भी इसमें स्थान दिया गया है जोकि लगभग ५० होंगे।

अन्त में मैं मान्यवर डा० श्री वासुदेवशरण अग्रवाल एम० ए० पी० एच० डी० का बहुत ही आभारी हूँ कि जिन्होंने मेरे आग्रह को स्वीकार कर अत्यन्त व्यस्त रहने पर भी भूमिका लिखकर भेजने की कृपा की। डा० श्री फतहसिंहजी का भी मैं कम कृतज्ञ नहीं हूँ जिनके तत्वावधान में यह ग्रन्थ प्रकाशित हो रहा है। साथ ही श्राद्धवर्य श्री उम्मेद-सलजी नाहटा को भी धन्यवाद दिये बिना नहीं रह सकता, जिन्होंने इसका मुद्रण करवाकर आप लोगों के सन्मुख रखा है।

श्रा० शु० ५
कोटा.

उपाध्याय विनयसागर



भूमिका



उपाध्याय भी विनयसागर जी ने अपने प्रवासकाल में नागौर, मेड़ता, अजमेर, किसनगढ़, जयपुर, कोटा और रतलाम आदि स्थानों, के जैन मंदिरों में सुरक्षित मूर्तियों के लेखों का संग्रह किया था। वही इस संग्रह के रूप में प्रस्तुत है। इस संग्रह में बारह सौ लेख हैं। श्री विनय सागर जी साहित्यिक अभिरुचि के व्यक्ति हैं। धर्म प्रचार के साथ साथ अपनी यात्रा को उन्होंने इस प्रकार के सुन्दर और उपयोगी साहित्यिक यज्ञ में परिणत कर दिया, इसके लिये मैं ऐतिहासिक जगत की ओर से उनका विशेष अभिनन्दन करता हूँ। सचमुच जहाँ कुछ नहीं था वहाँ से भी उन्होंने ऐतिहासिक सामग्री का यह बड़ा सुमेरु खड़ा कर दिया है। अपने देश में यदि उचित रीति से ऐतिहासिक अनुसंधान का कार्य किया जाय तो कितनी अपरिमित सामग्री संकलित की जा सकती है, इसका सुन्दर दृष्टान्त विनय सागरजी का यह प्रयत्न है। मेरा अनुभव है कि उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, मध्य-प्रदेश, मालवा, गुजरात आदि विस्तृत भूभाग के सब मंदिरों की छान-बीन की जाय तो ऐसे मूर्ति-लेखों की मख्या बारह सौ क्या, बारह सहस्र तक पहुँच सकती है। जैन इतिहास और साहित्य के समृद्ध भण्डार का सचमुच कोई अन्त नहीं जान पड़ता। जैन-भण्डारों से जैन ग्रन्थराशि हाल में ही प्रकाश में आई है उसने देश के विद्वानों को आश्चर्य में डाल दिया है। अभी तो इन भण्डारों की कुंजियाँ खुलने का आरम्भमात्र ही हुआ है। इन भण्डारों में मानों प्राकृत, अपभ्रंश प्राचीन हिन्दी, राजस्थानी, गुजराती आदि देश्य भाषाओं के सहस्रों ग्रन्थों की पर्वताकार-राशि ही भारतीय-साहित्य के गोप्ता किसी अधिदेवता ने हमारे सामने लाकर पूज्यमूर्त कर दी है। इस प्रकार साहित्य और इतिहास के क्षेत्रों में काम करने वाले भारतीय विद्वानों के सामने बीसवीं शती के उत्तरार्ध भर घटते रहने के लिये कार्य का पुष्कल अंश सामने आगया है। फलफत्ते से जैसलमेर तक एवं अमृतसर अम्याला से दक्षिण के

मूढ़विद्री तक जैन मंदिरों में कितने सरस्वती भण्डार हैं और इन भण्डारों में कितनी ग्रन्थ-सामग्री है यह प्रश्न राष्ट्रीय महत्व का है एवं उसी धरातल पर अनुसंधान चाहता है। यहाँ न धर्म भेद का प्रश्न है, न जाति का। यह तो भारत के अतीत इतिहास साहित्य और संस्कृति का ऐसा वैश्रवण-कोश है जिसकी सार-सँभाल होनी ही चाहिए। क्योंकि काल के विस्मृत गर्भ से बची हुई इस सामग्री में देश और विदेश के सभी विद्वानों में रुचि है। विशेषतः भारत की मध्यकालीन संस्कृति के परिचय के लिये तो इस साहित्य का अत्यधिक महत्व है। दूसरा लाभ यह है कि हिन्दी, राजस्थानी, गुजराती आदि भाषाओं के विकास और इतिहास के शोधन की भी अपरिमित सामग्री इस साहित्य में मिलने की आशा है।

प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थों के अन्त में लिखी हुई प्रशस्तियों में धार्मिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक इतिहास के कितने ही महत्व पूर्ण उल्लेख पाए जाते हैं। उसी प्रकार मूर्तियों की चरण चौकी पर या उनके पृष्ठभाग में खुदे हुए प्रतिष्ठा लेखों में भी इस प्रकार की सामग्री पाई जाती है। श्री मुनि जिनविनय जी ने 'जैन पुस्तक प्रशस्ति संग्रह' नाम से पाँच सौ से अधिक ग्रन्थ प्रशस्तियों का एक संग्रह सिन्धी जैन ग्रन्थ माला में प्रकाशित किया था। उसमें सं० ११०६ से संवत् १५०८ तक के बीच में लिखे हुए ताडपत्रीय-ग्रन्थों की पुष्पिकाओं का संग्रह है। इसी प्रकार दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी जयपुर की ओर से श्री कस्तूरचंद कासलीवाल ने आमेर शास्त्र भण्डार के संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश और हिन्दी भाषा के उपलब्ध ग्रन्थों की प्रशस्तियों का संकलन करके 'प्रशस्ति संग्रह' नाम ग्रन्थ प्रकाशित किया। प्रशस्ति लेख और मूर्ति लेखों की इस बढ़ती हुई सामग्री को देख कर भविष्य के लिये नई आशा का उदय होता है कि इनके द्वारा साहित्य और इतिहास की कितनी अपूर्व जानकारी हमारे ज्ञान-क्षेत्र में आ-जायगी। इन लेखों में अनेक जैनाचार्य ग्रन्थकार विद्वान् साधु एवं साध्वियों के नाम, अनेक गण, गच्छ, जाति एवं कुलों के नाम, अनेक स्थान (ग्राम, नगर, दुर्ग आदि) और तत्कालीन नृपति तथा अन्यान्य राज्याधिकारियों के नाम एवं कई सौ श्रावक श्रावकियों के नाम आए हैं। मुनि जिन विजय द्वारा संपादित 'जैन पुस्तक प्रशस्ति संग्रह' की भाँति उपाध्याय विनय सागर जी ने भी नामों की इन सूचियों का कई परिशिष्टों में संग्रह किया है। सांस्कृतिक इतिहास निर्माण के लिये

ये मूल्यवान् हैं। भाषाशास्त्र की दृष्टि से श्रावक-श्रावकियों के नामों का कम महत्व नहीं है, क्योंकि अधिकांश नाम अपभ्रंश और तत्कालीन लोक भाषा के रूप को प्रकट करते हैं। मध्यकालीन भारतीय नाम अपभ्रंश के साँचे में ढल गए थे। भाषाशास्त्र की दृष्टि से उन नामों का अध्ययन करने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिये चौदहवीं शती के लेखों में जाल्हण, माहण, गोलण, माँमँण, चाहड़, कल्हण, बीसल, कडुआ, बाहड़, लणग, राजड़, आहड़, देदा, गोगा, माल्हण, उजोअण, तिहुण, गोसल, दाहड़, आदि नाम मिलते हैं। इनमें से कुछ नामों की व्युत्पत्ति तो समझ में आती है। जैसे—बाहड़, बाग्भट्ट का रूप है। चाहड़—त्यागभट्ट, बीसल—विश्वमल्ल, लणग—लाधण्य-प्रसाद, तिहुण—त्रिभुवन, उजोअण—उद्योतन, कल्हण—कलयदेव, कडुआ—कटुक से लोक भाषाओं में बने हुए रूप हैं। गोगा, गोगाक, गोगिल ये तीन नाम जैन पुस्तक 'प्रशस्ति संग्रह' में भी आए हैं। 'पाइय सद्द महणणवो' के अनुसार गोगगह (सं० गोप्रह) नाम का शब्दार्थ गौओं को आक्रमणकारियों से छीनने वाला, ऐसा विदित होता है। गोगगह से देश भाषा में गोगा नाम विकसित हुआ जान पड़ता है। गोसल (प्रश० संख्या १०७) और उससे सन्धिगत गोसली, गोसा जैन पुस्तक 'प्रशस्ति संग्रह' में भी आए हैं (पृ० १७१) हेमचन्द्र की देशी नाममाला के अनुसार गोस=प्रभात। अतएव गोसल उस बच्चे का नाम हुआ जिसका जन्म ब्राह्ममूर्त में हुआ हो। माल्हण (प्रशस्ति संख्या १०३) से मिलते जुलते अन्य नाम मल्हना, मल्हा, मल्हादे मुनि जिन विजयजी की सूचियों में हैं। इन नामों का सम्बन्ध लीला याचक अपभ्रंश मल्ह धातु से है। भविस्सयत्त कहा (दलाल पृष्ठ १५३) में मल्हते=लीलायमाना। देशीनाममाला ६। ११६ में मल्हण=लीला। अथवा महापुराण २६। २५। ५ वैद्य संस्करण के अनुसार मल्हण=मदयुक्त। इस प्रकार अपभ्रंश, देशी और लोक भाषाओं में कई शताब्दियों की साग्री हमारे सामने भाषा शास्त्र के अनुसंधान का नया क्षेत्र प्रस्तुत करती है। नामों के इस प्रकार के रूप प्रस्तुत संग्रह के बारह सौ लेखों में से यदि सत्र एकत्र किये जाँय तो उनके अध्ययन में एक स्वतंत्र पुस्तक ही लिखी जा सकती है। रोचक होते हुए भी इस विषय को यहाँ आगे बढ़ाना उचित नहीं जान पड़ता। देदा नाम देहक से भी और आगे घिस ढर बना हुआ जान पड़ता है। भण्डारकर लेख सूची सं० १३७८ के अनुसार देहक एक शिल्पी का नाम था मूल में संस्कृत देवदत्त से देहक रूप का विकास संभव ज्ञात होता है।

इन्हीं नामों में प्रवृत्ति यह भी ज्ञात होती है कि विवाह के उपरांत स्त्रियों के नाम पति के नाम के अनुसार परिवर्तित हो जाते थे। पितृ गृह में कन्या का जो नाम होता था वह 'पैतृक नाम' कहलाता था और वह नाम पति के घर में आकर बदल दिया जाता था। जैन पुस्तक प्रशस्ति संग्रह के सं० १३२८ की एक प्रशस्ति में इसका पक्का प्रमाण इस प्रकार उपलब्ध होता है—

“श्रेष्ठ वीरदेव पत्नी वीरमति मोल्ही इति, पैतृक नाम ।”

(जैन पु० प्रश० सं० पृ० ६८)

प्रतिष्ठा लेख संग्रह में भी चौदहवीं शती के कई लेखों से यही बात प्रकट होती है। जैसे सं० १३६४ के एक लेख में श्रे० (श्रेष्ठ) महणा भार्या महणादे (ले० सं० ११०)। अथवा संवत् १३६२ के दूसरे लेख में श्रे० खीमसीह भार्या खीमसरि अथवा लेख सं० १६५ में श्रेष्ठिसुत नागसीह अपने पिता का नाम राजा और माता का राजदेवि लिखता है। लेख १६८ में साहु ललता की भार्या ललतादे, उसके पुत्र लखमा की भार्या लाखणादे, लेख २०२ में आसाक की भार्या आसलदे इसी प्रथा के कुछ अन्य उदाहरण हैं। इस प्रकार यह बात विचारने योग्य हो जाती है कि पति के नाम के अनुसार पत्नी के नाम के परिवर्तन की प्रथा भारतीय व्यक्तिगत नामों के इतिहास में कब से प्रारम्भ हुई और कब तक जारी रही। हरिपेण कृत बृहत्कथाकोष में भी इसका उदाहरण आया है, जहाँ सोमशर्मा की पत्नी का नाम सोमश्री रखा गया है (पृ० ३१७)। वस्तुतः नामों के अनुसंधान का यह एक ऐसा विषय है जिसमें साहित्य ग्रन्थों की प्रशस्तियाँ शिलालेख और ताँबे पीतल की मूर्तियों पर खुदे हुए लेख इन सबकी सामग्री एक ही सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि का चित्र हमारे सम्मुख रखती है। अतएव एक से दूसरे का समर्थन होता है। अध्ययन के ये नए नए दृष्टिकोण तभी संभव हैं जब मुनि जिन विजय जी एवं उपाध्याय श्री विनय सागर के सदृश मौलिक संग्रह का कार्य हमारे सम्मुख इतने सुंदर और सुविधा जनक रूप में किया गया हो। जैन धार्मिक संघ का सांगोपांग इतिहास अनेक आचार्य और उनकी गुरु शिष्य परम्परा एवं नई नई गहियों के इतिहास निर्माण के लिये प्रशस्ति और मूर्ति इन दोनों की सामग्री अनमोल कही जा सकती है। किसी दिन इस विषय का भी पर्याप्त अनुसंधान किया जायगा ऐसी आशा है।

इन लेखों में कुछ संक्षिप्त चिह्न भी बार बार प्रयुक्त हुए हैं, जैसे व्य० (व्यवहारिक), सा० (साहु), श्रे० (श्रेष्ठ) ठा० (ठक्कुर), सु० (सुत), पु० (पुत्र), भा० (भार्या), श्रे० सु० (श्रेष्ठ सुत), प्र० (प्रतिष्ठापित) इत्यादि। संक्षेप चिह्नों के सामने बिन्दी लगाने की प्रथा लेखक की इच्छा पर निर्भर थी, क्योंकि कितनी ही बार बिन्दी के बिना भी वे लिखे गए हैं।

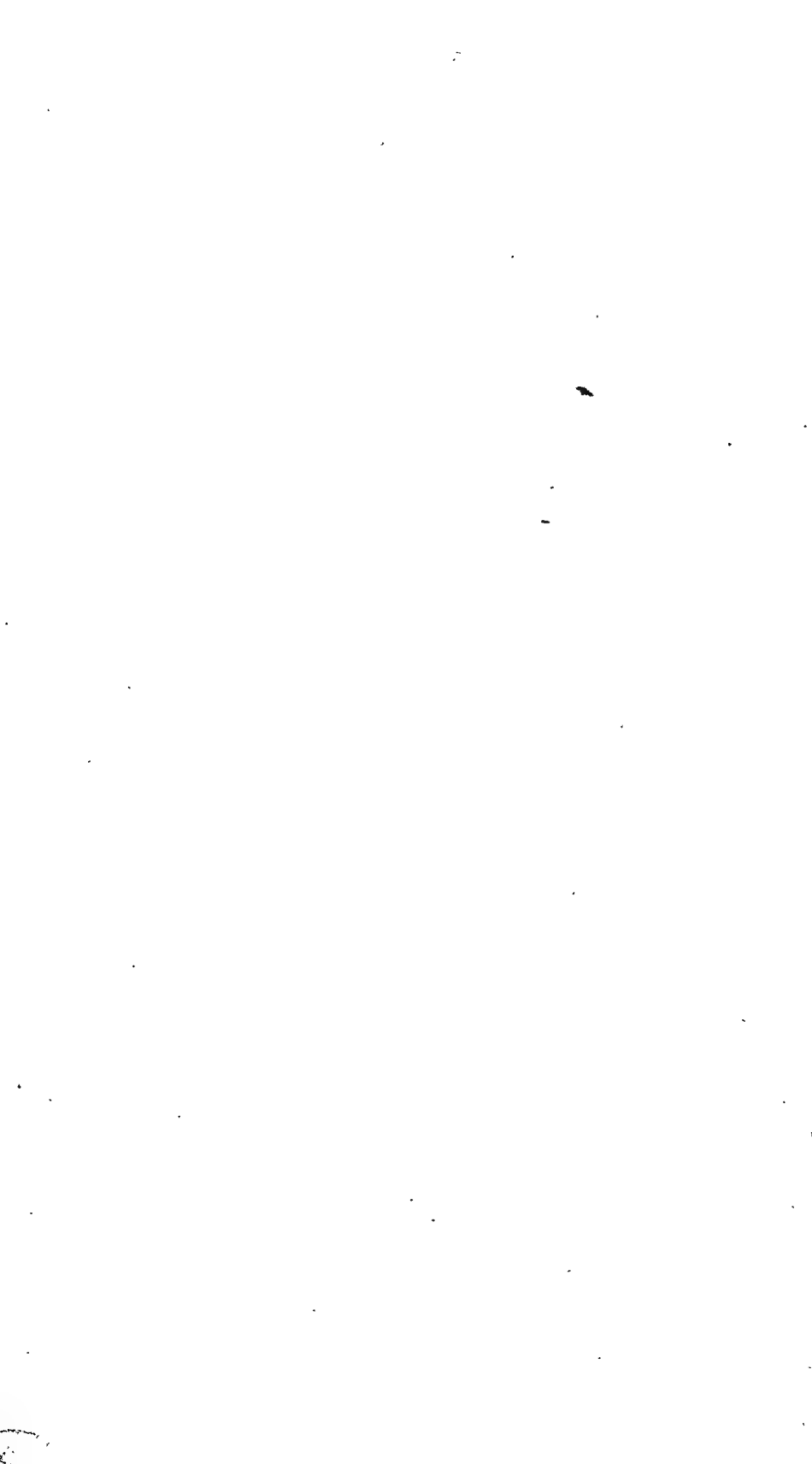
भारतीय स्थापत्य शास्त्र की दृष्टि से इन लेखों में उत्तानपट्ट (लेख ३०), नागमयूरपट्टिका (लेख १६८), नवपदयंत्र (लेख १०१६), चन्द्रक (लेख २६) आदि कई पारिभाषिक शब्द प्रयुक्त हुए हैं जिनको चित्रों द्वारा समझा जा सकता है।

काशी विश्वविद्यालय

७-१०-५३

वासुदेव शरण





✽ अहम् ✽

श्रीमज्जिनमणिसागरसूरिपादपद्मेभ्यो नमः

प्रतिष्ठा-लेख-संग्रहः ।



(१)

श्रीसुरसेनोपदे नेनसिंहेक यशोराज नोन्नैकैः सहोदरैः संसार रूपसी-
हैः येनहि.....कारितमिति जयति श्रीवाराटरूप्यः॥ संवत् १०५१ कृष्ण-
पणो न..... ।

(२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

- [१] ॐ संवत् सु १०६६ फाल्गुन घदि २
- [२] मंडलिक वसती प । हरि आ-
- [३] वक्षेण सन्तड मुतेन नित्य-
- [४] स्नात्रार्थ कारितः ॥

(३) कुन्धुनाथः

ॐ गच्छे प्र० गुरुभिः । कुन्धुनाथविंश कारितम् ॥

(४)

ॐ सं० ११११ वैशाख सु० ३ स्फारकतनयै चंदूक माणिमद्र सह
देवादिभिः कारिता ॥

(५) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

नोज सो व कारिता सं० ११२० फा० सु० ३ प्रद्यु स्नाचार्य महेराल्ह प(?)

-
- १ अजमेर म्युजियम (मेज्जिन)
 - २ नागौर बड़ा मन्दिर
 - ३ पापड़दा शान्तिनाथ मंदिर. पापोण
 - ४ सिरोही आदिनाथ मन्दिर
 - ५ सांगानेर महावीर मंदिर

(६)

ॐ संवत् ११३० फाल्गुन सुदि ११ सोम दिने पुनर्वसुनक्षत्रे नागम-
वर्षे (१) सुव्रतिसुत भारती... प्रति० ॥

(७)

श्रीवायदगच्छे पासु-सुत नेवेन कारितो । र० सं० ११३५ गंभू भार्या

(८)

चन्दन-सुत वीप्रा प्रतिमा-कारापितं प्रलंमां संवत् ११३७ वैशाख
सुदि ५ वा० शुक्र विसोडीयादा आमल

(९)

ॐ सं० ११३८ मार्ग० सु० १० धारा० गच्छे मडाहडजस्थाने वद्ध-
मानश्रेयोर्थ देवचन्द्र सुतेन धरणदेवेन कारितं ॥

(१०)

सं० ११४६ ज्येष्ठ सुदि ६ सुहव कारितम् ।

(११)

ॐ संवत् ११५५ वर्षे माह वदि ५ शनौ श्रा० हेमसेन संग गृ... ॥

(१२) सप्तफणा-पार्श्वनाथः

ॐ संवत् ११६१ कार्तिके श्रीवायटीयगच्छे वीरणाग सुत नेमिकुमारेण
आत्मश्रेयोर्थ कारितः ॥

(१३) आदिनाथः

संवत् ११६३ चैत्र सुदि १० श्रीसहने प्रतिष्ठति लीपप्युटी ग प ।

६ अजमेर न्युजियम

७ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

८ अजमेर न्युजियम (मेग्जिन)

९ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

१० मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

११ किशनगढ़ यति स्वरूपचन्दजी का उपाश्रय

१२ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

१३ नागोर चोसठियाजी का मन्दिर, मूलनाथक

(१४)

A. ॐ सं० ११८१ मा० सुदि १ शनौ मुराणा गोत्रे मेस..... ।

B. ॐ संवत् १२०३ आ० सुदि ३ गुरौ वीरदेव सुतेन कोहटा
कारापितमिति ॥

(१५)

ॐ सं० ११८५ बलहा सुत जिणदत्तेन मातुनिमिच्चं कारितं देमति
आयिकायाः

(१६) चतुर्विंशतिपट्टः

ॐ संवत् ११८६ वैशाख सुदि ११ यण्णिगुपुत्र पत्नी जाला सुत
दामोदर-गोविन्द-महोदय-चादिभिः [ः] कर्मक्षयार्थं... त्वसतिकप्रतिष्ठापिता ॥

(१७)

ॐ सं० ११६१ वैशाख सलदेव भार्या सलक्ष्ण आ० श्रीशान्तिनाथ
प्रतिमा कारिता ॥

(१८) शान्तिनाथः

ॐ सं० ११६५ वैशा० सुदि ३ आचार्यनन्दीकृते पंडित-गुणचन्द्रेण
शान्तिनाथ-प्रतिमा-कारिता

(१९) महावीरः

सं० ११६५ फागुण वदि ४ श्रे० भानवेन महावीरप्रतिमा कारापिता

(२०) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० ११६७ अषाढ सुदि ६ सं० घाघा भार्या मुस्तमति उदयमति
निमित्तं प्रतिमा कारिता

१४ जयपुर पार्श्व चन्द्रग० उपाश्रय

१५ सिरोही आदिनाथ मन्दिर

१६ नागौर यति मुक्कनसुन्दरजी का उपाश्रय

१७ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

१८ अजमेर म्युजियम

१९ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

२० सिरोही अजितनाथ मन्दिर

(३६)

ॐ श्रीधारा० गच्छे मडाहडे आ० ब्रह्मा पुत्र आसल भार्या राजमति
उभयश्रेयर्थ श्रीवीरनाथ प्रतिमा-कारितः ॥ ॐ सं० १२३४ माघ सु० १०
बुध ।

(३७) पार्श्वनाथ-एकतीर्थः

श्रीमूलसंघे भ० श्रीभुवनकीर्त्यादिशात् १२३४

(३८) सरस्वती मूर्तः

संवत् १२३६ वैशाख सुदि ४ माथुर संघे आचार्य-चारुकीर्ति भक्त
गहिल भार्या सोनल तयो [ः] पुत्रो वोग (?) प्रणमति नित्यः॥ कुणं विणी ।
(मस्तक के आस पास) केला बेला

(३९)

संवत् १२३६ चैत्र सुदि १५ बुधे श्रीलाडवागड संघे सा कमानस
साधु लखम लाडण लाला सुत सुककि भार्या यमणि सुत वाहडसोमे भार्या
माणिक सुत क सुत राम सुनित्य न सुत कान्हा महीपाल
चांप सीरुडगामे नामनागदे यशःक्रीर्त्याचार्य नणवण समुत्पन्न विपुल
सुद्रव्येण सतल पल्ही सूलहा चूल्हेरायं तालीसुत ।

(४०) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थः

ॐ संवत् १२३७ ज्येष्ठ सुदि १३ गुरौ राहड तद्धार्या गुणदेवि
तत्पुत्र जिनचन्द्रादिभिः गुणदेवि श्रीपास प्रतिमाकारिता प्रतिष्ठा पं०
अभयभद्रेण ।

(४१) महावीर-पंचतीर्थः

सं० १२३७ पोषः सु० १३ आ संवर भार्या राणी स्वश्रेयसे श्रीमहावीर
प्रति । कारिता ।

३६ सिरोही आदिनाथ मन्दिर

३७ वेंतेड विमलनाथ मन्दिर

३८ अजमेर म्युजियम

३९ अजमेर म्युजियम

४० जयपुर स्टेशन पर पुगलियों का मन्दिर

४१ पापड़दा शांतिनाथ मन्दिर

(४२) ऋषभदेव-पञ्चतीर्थीः

व्यव० कुलिचन्द्र पुत्र व्यव० वीरेण स्वश्रेयोर्थं श्रीऋषभदेव प्रतिमा कारिता ॥ ॐ सम्बत १२३६ वैशाख सुदि ६ शुक्रे प्रतिष्ठिता श्रीसूरिभिः

(४३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १२४२ श्रे० महणसीह भा० सहिणी पु० महीपालेन पित्रोः श्रेयसे श्रीपार्श्व विंशं कारितं प्र० श्रोसोम...वर्द्धन...।

(४४) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १२५४ वर्षे माघ सुदि १३ गुरौ पितामह ठ० देवसा नामके मातृ श्रियादेव्या वाचाऊ आम्यणाय च सुत ठ. मगागेन श्रीपार्श्वनाथाय प्रतिमा कारापिता ॥

(४५) सरस्वती मूर्तिः

१ संवत् १२५४ वर्षे फागुण सुदि ११ गुरौ साह उधरण श्रीनाथ पितुरु सर्व्वे नागभट्ट जातीय नानकराज श्रीपद सुत नाथ० वीजुत... भायां हिता मीता नाथी सुत आसा दकू सुत राज वयजल स्वस्य सुत...रत्न सुत शुभ मूर्ति प्रणमति सुत भोज जय श्रेयोर्थं सरस्वती प्रणमति... विविधनाथ० दादूसहिता सलखमते प्रणमति (मस्तक के आस पास) मूलसंघे पांडित्याचार्ये दाननन्दिशिष्य आचार्य उमहचन्द्र आभितु सरस्वती श्रीनमिवाद्य प्रतिवय ।

(४६) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १२६० वर्षे फागुण सुदि २ बुधौ श्रे० सोहिय भार्या सलखणदे पुत्र ... श्रेयोर्थं प्रतिमा कारिता प्रतिष्ठिता श्रीअकलंकसूरिभिः ।

(४७) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १२६१ ज्येष्ठ सुदि ७ गुरौ जिदा भार्या चंददेवि पुत्र रोयत... मसा सुत सा० देवस...श्रीमहावीर प्रतिमा कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीदेवचन्द्र-सूरिभिः ।

४२ सिरोही आदिनाथ मन्दिर

४३ सांगानेर महावीर मन्दिर

४४ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

४५ अजमेर म्युजियम

४६ भिनाथ महावीर मन्दिर

४७ जयपुर पंचायती मन्दिर

(६१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १३०२ वर्षे श्रावण सुदि २ शनीं श्रीऋषभविंशं...भावत श्रे० साजण श्रेयसे साहारन साह । सोढल । राजा लग्न काराणितं ।

(६२) पार्श्व नाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३०५ पोष सुदि ११ सोमे रा० दं० पार्श्व नाथ विंशं कारितं ।

(६३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३०६ फागुण वदि ३ सा० ज्य० राता भार्या लग्नमनिरि मुत थाहुरु भार्या करणदेवि श्रीआदिनाथविंशं प्र० श्रीश्रीभद्रसूरिशिष्यैः श्री-वर्द्धमानसूरिभिः ॥

(६४) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३०८ वर्षे मि० वै० सु० ५ लृणियागोत्रे सा० होषा । श्री-शान्तिनाथविं० का० प्र० खरतरगच्छे ।

(६५)

॥ सं० १३११ फा० सु० १२ श्रेष्ठि-महानन्दश्रेयोर्थ माणिकचन्देन कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमुनिचन्द्रसूरिभिः ।

(६६)

सं० १३१३ वर्षे मा सु० ६ नालग्रामवा० चो० ब्रह्मकीर्त्तिसुपदेशेनमहं० जालहणेन कारितं ॥

(६७) पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १३१४ वर्षे फा० सुदि ११ शनीं श्रे० साजण भार्या जाली पु० कर्मण-साहण-पूनसीहैः श्रे० देल्हा भार्या साचू मातृपितृश्रेयोर्थ विंशं कारितं प्र० श्रीदेवेन्द्रसूरिसन्ताने श्रीअमरचन्द्रसूरिभिः ॥

६१ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

६२ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

६३ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

६४ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

६५ टोडा रायसिंह नेमिनाथ मन्दिर. पापाण

६६ जयपुर पार्श्व नाथ मन्दिर. श्रीमालों को दादावाड़ी

६७ मेड़तासिटी उपकेशग० शान्तिनाथ मन्दिर

(६८) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३१४ फागुण सुदि १४ श्रीनाथकीयगच्छे श्रे० जोगडेन पितृ
वाहीथ श्रेयोर्थ श्रीपार्श्वनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठापितं श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥

(६९) पार्श्वनाथः

[१] सं० १३१५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ६ सोमे सा० केलहण पुत्र । सा०
सलखण पुत्र हेमा लोहडेन श्रीपार्श्वनाथ-विंशं

[२] कारापितं श्रीवर्मघोषसूरिपट्टे श्रीदेवप्रभसूरिः तत्पट्टे श्रीपद्मप्र-
भसूरिः तत्पट्टालंकार श्रीमुनिचन्द्रसूरिशि-

[३] प्यः प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णचन्द्रसूरिभिः ॥

(७०) महावीर-पंचतीर्थीः

ॐ श्रे० शुभंकर भार्या देवुः तयोः पुत्रेण श्रे० सोमदेवेन भार्या
पूनादेवि पुत्र वच्छ नागदेवादियुतेन आत्मश्रेयोर्थ श्रीवीरजिनविंशं कारितं
॥ संवत् १३१६ चैत्र यदि ६ सोमे श्रीवृहद्गच्छीय श्रीउद्योतनसूरिशिष्यैः
श्रीहरिभद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(७१) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थीः

सं १३१८ चैत्र सुदि ४ सोमे लंथकरा वा । जयसीहै।

(७२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १३१६ वर्षे पोष यदि ५ सोमे निज पितुः महं० उदयसिंह
श्रेयोर्थ पुत्र जगपालेन विंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीजिनेन्द्रप्रभसूरिभिः ॥

(७३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

१ संवत् १३१६ वर्षे माघ सुदि ६ बुधे काष्ठासंधे हुं. चाहड श्री ऋषभ-
नाथविंशं कारापितं । प्रणमति ॥

६८ कोटा सरतरग० आदिनाथ मन्दिर

६९ भानपुरा पार्श्वनाथ मन्दिर पाषाण, परिकरसह

७० नागौर शान्तिनाथ मन्दिर

७१ हिण्डोन श्रेयांमनाथ मन्दिर

७२ सांगानेर महावीर मन्दिर

७३ रतलाम मोतीसा० का मन्दिर

(७४) आदिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

संवत् १३२० वर्षे । माघ सु० १३ श्रीमूलसंघे सा० गोल्लण भा०
जसाविति । सुत जासू प्रणमति नित्यं ॥

(७५) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३२५ ज्येष्ठश्रावत्य व्य० चन्द्र.....भा० पूनि पुत्र हरिवर
भा० वीरिकाया स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथ-विंशं कारितं प्रतिष्ठितं रु० श्रीश्री-
चन्द्रसूरिभिः ॥

(७६) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३२८ फागुण...साह लाटहदीय गो० वरदेव पु० वीसल
लखमणोनार्य श्रीपार्श्वनाथविंशं कारितं । श्रीभावदेवसूरिभिः ॥

(७७) चतुर्विंशतिपट्टः

संवत् १३२६ वैशाख सु० ८ बुधदिने सा० पीपा सु० देउ भार्या
दूदा प्रणमति नित्यं

(७८)

सं० १३३० ज्येष्ठ व० ५ शनौ.....प्राग्वाटश्रावत्य कुंभा सुत सा०
कडुआ देदा.....

(७९) आदिनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३३० ज्येष्ठ वदि ५ श्रीसंडेरगच्छे श्रे० माणिक माता साऊ श्रे०
चाप पुत्र पुण्या० श्रीआदिनाथविंशं प्र० श्रीशालिसूरिभिः

(८०) नेमिनाथ-पंचतीर्थीः

ॐ ॥ सं० १३३१ ज्येष्ठ सु० ११ श्रीबृहद्गच्छे प्राग्वाटवंशे सा०
धणदेव संताने श्रे० छूहदेव पुत्र श्रे० सांति पुत्र श्रे० सालिग पुत्र श्रे०
आमकुमार पुत्र श्रे० संकर पुत्र श्रे० चाहड भार्या रीठी पुत्र श्रे० भांमण-
जगडाभ्यां सकलनिजकुटुम्बश्रेयसे श्रीनेमिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं च
श्रीपरमानन्दसूरिभिः ॥

७४ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

७५ नागौर वड़ा मन्दिर

७६ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय

७७ जयपुर पंचायती मन्दिर

७८ सिरोही भैरूपोल

७९ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

८० वृन्दी पार्श्वनाथ मन्दिर

(८१) शान्तिनाथः

संवत् १३३१ आषाढ वद ६ रायणस्तपह ना जा वा प हा (?)
श्रीशान्तिनाथ प्रतिमा ॥

(८२) अजितनाथः

सं० १३३१ माघ सुदि १३ सो० श्रे० धरण-कल्हण-श्रेयसे अजित-
नाथविं का० प्र० प्रागल श्रीप्रभानन्द (? चन्द्र) सूरिभिः ॥

(८३) अजितनाथः

सं० १३३१ माघ सुदि १३.....श्रीअजितनाथ विं का० प्र० श्री-
हरिभद्रसूरशिष्यैः श्रीगुणचन्द्रसूरिभिः ॥

(८४) नेमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३३१ वर्षे ४ सोमे.....श्रीनमिनाथ विं कारितं प्रति०
श्रीचैत्रगच्छे श्रीजिनेन्द्रसूरशि० श्रीधर्ममूर्तिसूरिभिः ॥

(८५) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३३२ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ गुरौ व्य० महीधर सुत मांभणेन आत्म-
श्रेयोर् श्रीपार्श्वनाथ-विं कारितं प्रतिष्ठितं सूरिभिः ॥

(८६) पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ संवत् १३३४ वैशाख सुदि ५ गुरौ ठ० साजा सुतेन ठ०
तिहुणाकेन निजपूर्यजानां श्रेयसे विं कारितं प्रतिष्ठितं चित्रापल्लीय
श्रीभद्रेश्वरसूरशिष्य श्रीनरचन्द्रसूरिभिः ॥

(८७) पञ्चतीर्थीः

संवत् १३३५ वर्षे मार्ग० १३ सा० महीपाल भार्यया मिहसिरिश्राधिकया
प्रति श्रेयसे..... प्राग्वाटान्वये ।

८१ पापड़दा शान्तिनाथ मन्दिर. मूलनायक

८२ टोडारायसिंह नेमिनाथ मन्दिर. पापाण

८३ टोडारायसिंह नेमिनाथ मन्दिर. पापाण

८४ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

८५ जयपुर पंचायती मन्दिर

८६ जयपुर पंचायती मन्दिर

८७ सांगानेर महावीर मन्दिर

(८८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १३३८ माघ सु० १ सोमे सं० लग्णदेव पुत्र बाह्वदेव यामाहि
श्रीशान्तिनाथ-विंशं कारितं प्र० श्रीधर्मयोगसूरिपट्टे श्रीशील-
 प्रभसूरिभिः ।

(८९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १३३९ फागुण सुदि ८ श्रीनाणकीयगच्छे श्रे० गुणधर भार्या गुण-
 सिरि पुत्र मना भा० कपूरदे पुत्र कर्मण श .. राणा कुमारसीह सहितेन स्वप्रयुज
 श्रेयसे श्रीशान्तिनाथविंशं कारितं प्र० श्रीमहेन्द्रसूरिभिः ।

(९०) महावीर-पञ्चतीर्थः

ॐ संवत् १३४० वर्षे वैशाख चदि ११ शुक्रे निज-पितृ-मातृ श्रेयार्थ
 गा० मलवसीहेन श्रीमहावीरविंशं कारितं प्रतिष्ठितं सूरिभिः ।

(९१) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १३४० वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ शनौ सिमडजातीय पूना सुत श्रे०
 धरणाकेन श्रीशान्तिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितं ।

(९२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थः

ॐ॥ सं० १३४० वर्षे ज्येष्ठ सुदि १३ रवौ गुर्जरजातीय ठ० राजड सुत
 महं० देल्हणेन पितृव्य व्यव० वीरमश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं
 श्रीचैत्रगच्छीय श्रीदेवभद्रसूरिसन्ताने श्रीअसरचन्द्रसूरिशिष्यैः श्रीअजित-
 देवसूरिभिः ॥

(९३) पार्श्वनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

ॐ संवत् १३४२ वर्षे वैशाख सुदि [] बुधे देवश्रीपार्श्वनाथः
 मंडलाचार्य श्रीकुमुदकीर्ति प्रतिष्ठितं साद्राण भार्या जाल्हणदेविश्रेयसे सुत
 सा .. कारापितं प्रणमति नित्यं ॥

८८ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

८९ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

९० सिरोही अजितनाथ मन्दिर

९१ कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर

९२ जयपुर पंचायती मन्दिर

९३ जयपुर पंचायती मन्दिर

(६४) महावीर-पञ्चतीर्थः

सं० १३४४ फा० सु० १० उषसगच्छे सिद्धसूरिसन्ताने श्रीमहावीर-
विं० का० प्रति० श्री..... ।

(६५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १३४६ वैशाख सु० ७ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय व्यव० गजाकेन
आत्मपितृ व्यव० जसकुमार सुतस्य व्यव० कल्हण.....श्रीशान्तिनाथ
विं० प्रतिष्ठितं श्री प्रज्ञातिलकसूरीणामुपदेशे [न] कारापितं ॥

(६६) पञ्चतीर्थः

सं० १३४४ वदि (पें) ज्येष्ठ बाहङ्गरात्र्ये.....लतीप महं० रानीग
भार्या सहजलदेयी सुतेन मदनमानिकेन..... शुभंभूयात् ॥ शुभंभवतु ॥ छ ॥
प्रतिष्ठितं.....श्रीरत्नप्रभसूरिशिष्यैः.....भोजपुत्र..... ।

(६७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १३४६ ज्येष्ठ शुदि १२ श्रीखंडेरगच्छेश-यशोभद्रसूरिसन्ताने सा०
आत्त्वच (?) मूला) भार्या कल्ह पु० रतना-गोगा-करमा-भीमादिभिः पितृ श्रे०
श्रीआदिनाथविं० कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीसुमतिसूरिभिः ॥

(६८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १३५१ वर्षे.....१ बुधे श्रीखंडेरकीयगच्छे सा०.....सई सिंह-
देव आत्मश्रेयसे आदिनाथविं० कारा० प्र० श्रीस.....

(६९)

सं० १३५२ वर्षे माह सुदि ६ गुरौ पोरवाटान्वये सा० आहूत सुत देवा
दाया.....

(१००) पार्श्वनाथः

ॐ संवत् १३५२ वर्षे फागुण सु। ११ गुरौ छोहरियान्वये सा० पोपा पु०
.....पु० सा० केनूकेन निजभ्रातृ सा० मेतू मूर्ति-कारिता ॥ शुभंभवतु

६४ हरसूली पार्श्वनाथ मन्दिर

६५ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

६६ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

६७ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

६८ सांगानेर महावीर मन्दिर

६९ सिरोही भैरुपोल

१०० कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर पापाण. परिकरसह

(११५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३७० वर्षे फाल्गुण सुदि २ रवौ श्रे० चावडसंतानीय सा० पजून
सु० सा० कुलधरात्मज कुडडि तोल्हा सा० समरा प्रति० श्रीआदिनाथधिवं
का० प्र० श्रीधर्मसूरिक्रम-श्रीज्ञानचन्द्रसूरिभिः ॥

(११६) नेमिनाथ-एकतीर्थीः

संवत् १३७२ ज्ये० वदि ३ भौम स (?)

(११७) पंचतीर्थीः

॥ सं० १३७३ वर्षे वैशाख शुदि ११ शुक्रे मूलसंघे भ । ... श्रीपदमनंदि
गुरुपदेशेन हुंउडज्ञातीय व्य० सीलणं भार्या माल्दणदेव्या पु० व्य०
देवाकेन प्रतिष्ठापितं ॥

(११८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३७८ वर्षे वैशाख वदि ५ गुरौ प्राग्वाटज्ञातीय पट्टक भार्या
संसारदेवि पुत्र पाल्हाकेन पितृ-श्रे० श्रीशान्तिनाथविं० का० ५० श्रीमहेन्द्र
सूरि कृपचैत्यं ॥

(११९) आदिनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३८० वर्षे ज्येष्ठ सुदि १० खाडगोत्रे सा० बहुचंद सुत भाभा-
केन पितृमातृश्रेयसे श्रीआदिनाथविं० का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे भ०-
श्रीगुणप्रभसूरिः ॥

(१२०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १३८० वर्षे माघ शुदि ११ शनौ श्रीमूलसंघे राउल श्रीमाघनंदि
देवौ पादाकेन वोरासिद्धिवास्तव्य सिंहपरज्ञातीय ... आदिनाथस्य प्रतिमा
कारापिता ।

११५ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

११६ महुवा नेमिनाथ मन्दिर

११७ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

११८ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

११९ रतलाम चन्द्रप्रभदेरासर, महात्मा कन्हैयालालजी का

१२० मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(१२१) महावीर-पञ्चतीर्थः

सं० १३८१ वैशाख शुदि १५ सोमे सा० पदम भा० भेदाअरि आत्म-
श्रेयसे श्रीमहावीरविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवयरसेणसूरिभिः ॥

(१२२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १३८२ ज्येष्ठ शुदि ७ रवौ हांगरुआ ग्रामे श्रीमालज्ञातीय पितृव्य
लाखा श्रेयसे व्य० मांमणेन श्रीआदिनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभि-
रुपदेशेन ॥ छ ॥

(१२३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १३८२ ज्येष्ठ सु० १५ गुरौ श्रे० मदन भार्या लक्ष्मी श्रेयसे
पुत्र हरिपालेन आदिनाथविंव कारितं ॥

(१२४) अम्बिकामूर्तिः

ॐ ॥ सं० १३८४ माघ सु० ५ श्रीजिनकुशलसूरिभिः प्रतिष्ठितं कारितं
च...सा० उ...पाली स ॥

(१२५) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थः

ॐ ॥ सं० १३८६.....श्रीपार्श्वनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥
पूर्णिमापत्ते ॥

(१२६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १३८६ वैशा० सु० १३ श्रीउणसगच्छे श्रीककुदाचार्यसंताने
देल्हाशाखायां सा० साहब भार्या मुहडटी सुत सा० तीडा धीपा भा० तेजू
पूर्वजश्रे० श्रीकृष्णमविंव कारितं प्रति० श्रीकृष्णसूरिभिः ।.....।

(१२७) महावीर-पञ्चतीर्थः

सं० १३८६.....पूनसिंह भा० नायकदे श्रीमहावीरविंव का० प्र०
श्रीकमलाकरसूरिभिः ॥

१२१ पापडदा शान्तिनाथ मन्दिर

१२२ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

१२३ रतलाम मोतीसा मन्दिर

१२४ जयपुर पार्श्वनाथ मन्दिर श्रीमालों की दादावाडी

१२५ जयपुर पंचायती मन्दिर

१२६ गागरड्ड आदिनाथ मन्दिर

१२७ सांगानेर महावीर मन्दिर

(१२८) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३८८ वर्षे वैशाख व० १५...श्रे० सिरिपाल भा० गडर पितृ
चांपसिंह...श्रीपार्श्वनाथविं०... ।

(१२९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३८८ वर्षे । वैशाख सुदि ११ श्रीगुर्जरवासी सा० पूनपाल पुत्र
खेतू । पुत्र भौता विं० कारापितं श्रेयोर्थं प्रतिष्ठितं श्रीश्रीचन्द्रसूरिभिः ॥

(१३०) शांतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३८८ वैशाख शु० १५ श्रीमालज्ञा. पितृ साल्हा मातृ पोखी श्रेयसे
सुत लादाकेन श्रीशांतिविं० का० प्र० ब्रह्माणगच्छे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः ॥

(१३१) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३८९ ज्येष्ठ वदि ११ सोमे श्रीउपकेशगच्छे श्रे० लज्मा भा०
पूजल पु० खीदा पितृश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथविं० का० प्र० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

(१३२) पार्श्वनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १३९०...श्री...शुभवस्ता भार्या राजलश्रेयोर्थं श्रे० रतना
भार्या वीभल प्रणमंति नित्यं शुभमस्तु... ॥

(१३३) चतुर्विंशतिपट्टः

संवत् १३९० वर्षे माघ सुदि १३ सोमे श्रीकाष्ठासंघे श्रीलाडवागडगणे
श्रीमत् आचार्य श्रीतिहुणकीर्ति उपदेशेन हुंवडज्ञातीयव्य० बाहड भार्या लाछी
सु० व्य० खीमाभार्या राजलदेवि श्रेयोर्थं सु० का० देवाभार्या रामलदेवि
नित्यं नमति ॥

(१३४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३९२ वर्षे ज्येष्ठ वदि ८ श्रीकोरंटगच्छे श्रे० देदा भा० खिमसिरि
पुत्र...आत्मश्रेयोर्थं श्रीआदिविं० कारितं प्र० श्रीकक्षसूरिभिः

१२८ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

१२९ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

१३० रतलाम मोतीसा का मन्दिर

१३१ मालपुर ऋषभदेव मन्दिर

१३२ जयपुर पंचायती मन्दिर

१३३ जयपुर पंचायती मन्दिर

१३४ सांगानेर महावीर मन्दिर

(१३५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६२ वर्षे फागुणवदि... सा० लखमण पु० पालकेन मातृ-पितृ
श्रेयोर्थ श्रीआदिनाथविं वं प्र० श्रीकृष्णसूरिभिः ॥

(१३६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६२ व० फागुण व० ११ जावडागोत्रे... श्रीशान्तिनाथविं वं
का० प्र० श्रीवृहद्गच्छे श्रीरामचन्द्रसूरिविनेयैः श्रीपासभद्रसूरिभिः ॥

(१३७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६३ ज्येष्ठ वदि १ शुक्ले श्रीऊकेशगच्छे सिद्धाचार्यसन्ताने
ओसवालहातीय श्रे० खीमसीह भा० खीमसिरि मातापिताश्रे० महणसीहेन
कारापितं श्रीपार्श्वनाथविं वं प्रतिष्ठितं श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

(१३८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६३ वर्षे माघ सुदि १५ शुक्ले वस्तु भार्या पूनम तत्सु० हेमा
गदा भ्रातृ सहृदा संय निमित्तं श्रीआदिनाथविं वं कारितं वृह० प्रतिष्ठितं
श्रीपद्मदेवसूरिभिः ॥

(१३९) पञ्चतीर्थीः

सं० १३६४ चै० शु० ३ आ० नाणकीयगच्छे सा० जयता मा०
भायणि पु० वसताकेन भ्रातृ आसकरणनिमित्तं विं वं कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीसिद्धसेनसूरिभिः... ॥

(१४०) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६४ वर्षे... षपकेशहातीय भूरागोत्रे सा० मगन श्रीपार्श्व-
नाथविं वं कारितं प्रतिष्ठितं संडेरगच्छे श्रीसाल (? लि) मूरिभिः ।

(१४१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६५... वदि २ सोमे श्रीकाष्ठा सुत पण्ड श्रेयोर्थ श्रीसुम-
तिनाथ-प्रतिमा ॥

१३५ सांगानेर महावीर मन्दिर

१३६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

१३७ कोटा चन्द्रग्रभ मन्दिर

१३८ नागौर यति मुक्तसुन्दरजी का उपाश्रय

१३९ किसनगढ़ खरतरगच्छीय उपाश्रय

१४० जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

१४१ जयपुर पंचायती मन्दिर

(१४२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६७ वै० सु० १ पाल्हरणसन्ताने श्रे० केलहरण भा० भावलदे
पुत्र धरणपाल मेघपाल सहितेन श्रीपार्श्वनाथविं का० प्र० श्रीधर्मदेवसूरिभिः

(१४३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १३६६ वर्षे माघ व० ५ गुरौ प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० देदा भार्या जेसल
श्रे० वूँटा पुत्र नणाभ्यां श्रीपार्श्वनाथविं का० ५० गुरुभिः ॥

(१४४) पञ्चतीर्थीः

सं० १३०० वैशाख सुदि ११ गुरौ श्रे० धिणा पुत्र जयताकेन सा०
महं० उदा श्रेयसे विं का० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीदेवेन्द्रसूरिभिः ॥

(१४५) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४०३ वैशाख सुदि ३ शनौ ज्ञा० साजण भार्या सहजलदे
पुत्र जगपाल भा० धरणी पुत्र कर्मपालेन पित्रोः श्रेयसे श्रीपद्मप्रभविं का०
प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(१४६) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४०८ वैशाख सुदि ५ प्राग्वाट श्रे० थिरपाल भार्या तेजलदे
पुत्र जगसीहेन पित्रोः श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथविं का० प्रति० डेकात्रीय
श्रीपद्मप्रभसूरिभिः ॥

(१४७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४१० वर्षे माघ सुदि १ डीसावालज्ञातीय श्रे० सजालदेव भा०
'कालणदे श्रे० पु० कडूयाकेन श्रीनेमिचन्द्रसूरीणामुपदे० ॥

(१४८) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

सं० १४११ ज्ये० सु० १२ श्रीदेवचन्द्रसूरिभिः आत्मश्रे० श्रीणारि ।

(१४९) पार्श्वनाथः

॥ सं० १४१३ वर्षे माघ सुदि ६ श्री पारस्व (? पार्श्व) नाथ हेमल ।

१४२ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

१४३ मेडतासिटी धर्मनाथ मन्दिर

१४४ किसनगढ़ यति स्वरूपचन्द्रजी का उपाश्रय

१४५ वामणवास सुमतिनाथ मन्दिर

१४६ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

१४७ वून्दी पार्श्वनाथ मन्दिर

१४८ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

१४९ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(१५०)

। सं० १४१४ वैशाख सुदि...जयता भा० जयतलदे पु० नंदनकेन
भ्रातृ वाना निमित्तं का०...अंबडचैत्ये श्रीमाणिक्यसूरिपट्टे श्रीवयरसेण-
सूरिभिः ॥

(१५१) पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ सं० १४१५ श्रीश्रीमालज्ञातीय सादाश्री सोमा भा० अणयसदे पु०
धिरपालेन भा० लूणसिंह सा० तेजा भार्या २, १-नानगदे २-कपूरी
पुत्रेण सीहा निमित्तं श्रीपञ्चतीर्थी का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीपद्मचंद्रसू-
रिपट्टे श्रीरत्नाकरसूरिभिः ॥

(१५२) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १४२० वर्षे आषाढ शुदि १० शुक्रे प्राग्वाटज्ञा० श्रे० बीजा
भा० वयजलदे सुत सहसाकेन पितृश्रेयोर्य श्रीमहावीरविंशं कारितं ॥

(१५३) शीतलनाथः

सं० १४२२ फा० शु० ६ ऊकेश ज्ञा० सा० विजपाल सुत वंगाकेन
स्वमातृ-राजुल-श्रेयसे श्रीशीतलनाथविंशं कारितं प्रति० श्रीतपाग० श्रीसोम-
सुन्दरसूरिभिः ॥

(१५४) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४२४ माघ शुदि...श्रीशान्तिनाथविंशं का० प्र० श्रीजिन-
चन्द्रसूरीणामुपदेशेन ।

(१५५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४२५ वर्षे वैशाख सु० १...मं० श्रीधर पुत्र देवयाकेन भ्रातृ पय-
लणदे (?) श्रेयोर्य श्रीआदिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं स्वर्तरगच्छीय
श्रीजिनचन्द्रसूरिशिष्यैः श्रीतिनेश्वरसूरिभिः ॥

(१५६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४२६ वैशाख सु० ६ रवौ श्रीकोरटकगच्छे श्रे० लीमसी भा०
धांधलदे पु० महीपाल मेहा । नाहड कडरसिंह पितृ-मातृ-भ्रातृ जाणा
पुनपाल निमित्तं श्रीशान्तिनाथ पञ्चतीर्थी का० प्र० श्रीकवसूरिभिः ॥

१५० मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

१५१ नागौर चोसठियाजी का मन्दिर

१५२ रतलाम मोतीसा का मन्दिर

१५३ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. पापाण

१५४ जयपुर पंचायती मन्दिर

१५५ नागौर चोसठियाजी का मन्दिर

१५६ चोयका वरयाड़ा महावीर मन्दिर

(१५७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ संवत् १४३० वर्षे वैशाख सुदि ३ सा० महोपाल पुत्र भीमा सुश्रावकेण स्वपुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथविंशं कारापितं प्रतिष्ठितं खरतरभट्टारक श्रीजिनोदयसूरिभिः ॥

(१५८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३२ वर्षे फागुण सुदि २ शुक्ले महं० आमसीद् भार्या मोहिणि पुत्र अरसिंहेन पित्रोः श्रेयसे श्रीआदिनाथविंशं का० साधुपू० श्रीधर्मतिलकसूरीणां ॥

(१५९) अनन्तनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३३ वर्षे वैशाख सुदि ५ शनौ श्रीमालज्ञा० आ०.....ममी भार्या लीलादे श्रेयार्थं पितृव्य मेहाकेन श्रीअनन्तनाथविंशं कारितं प्र० पूर्णिमाप० श्रीविद्याकरसूरीणामुपदेशेन ।

(१६०) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४३३ वर्षे वैशाख सुदि ६ शनौ अंचलगच्छे उपकेशज्ञातीय महं० वीकम पुत्र मेधाकेन आत्मश्रेयार्थं श्रीवासुपूज्यविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः । श्रीः ॥

(१६१) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३४ वर्षे वैशाख वदि २ गोदुङ्गोत्रे सा० जयपाल गजणी धणसिंह भार्या तील्ही पु० जीवराज-हालादिभिः स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वपञ्चतीर्थी कारिता प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीवीरभट्टसूरिभिः ॥

(१६२) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४३५ फागुण सुदि २ शुक्ले उपकेशज्ञातीय सा० खीमा भा० खीमसिरि पु० आल्हाकेन आत्मश्रेयार्थं श्रीचन्द्रप्रभविंशं कारितं प्र० श्रीपल्लिगच्छे श्रीअभदेवसूरिपट्टे श्रीआमदेवसूरिभिः ॥

(१६३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३७ वर्षे द्वि० वैशाख वदि ११ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय श्रेष्ठि गोहा भार्या ललतादे पुत्र मूजाकेन । पितृ-मातृ-श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथ का० प्र० श्रीरत्नप्रभसूरीणामुपदेशेन ॥

१५७ कोटा आदिनाथ मन्दिर

१५८ जयपुर सुमतिनथा मन्दिर

१५९ रतलाम मोतीसा का मन्दिर

१६० किशनगढ़ खरतरगच्छीय उपाश्रय

१६१ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

१६२ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

१६३ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(१६४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३८ वर्षे ज्येष्ठ वदि ४ शनी श्रीश्रीमालज्ञा० सं० नयणसी
भा० तेलनी पुत्र सामन्तेन पित्रोः श्रेयोर्थ श्रीआदिनाथविं का० प्र०
महाणीय श्रीदेमतिलकसूरिभिः ॥

(१६५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३६ पौष वदि ६ सोमे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमा० पितृ मातृ
सीमा मोखलदे श्रे० सुत सामन्तेन श्रीशान्तिनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः ॥ श्रीः ।

(१६६) संभवनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

। सं० १४४० वर्षे पौष शुदि १२ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० पितृ महं०
पाल्हाणसिंह मातृ पद्मलदेवि पितृव्य वंसल पितृव्य लाख.....श्रेयोर्थ
महं० प्रतापमल्लेन श्रीसंभवनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः कारितः । वृद्धयारापट्टीय
श्रीसीलभद्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ।

(१६७) पार्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४४१ वर्षे फागुन सुदि १० सोमे श्रीमालज्ञा० पितृ मेधा मातृ
पाल्हाणदे श्रेयसे सुत तेजाकेन श्रीपार्वनाथविं कारितं प्र० नानेन्द्रग०
श्रीगुणाकरसूरिभिः ॥

(१६८) नागमयूरपट्टिका

॥ सं० १४४३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि २ शुक्रे श्रीनागमयूरपट्टिका श्रीआदिनाथ
राजादेव.....

(१६९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४४४ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ शनी श्रीभावडारगच्छे उपकेशज्ञा०
व्य० पासवीर भा० पुनसिरि पुत्र सा० लखणसीह व्य० जगमाल प्रमुख-
पितृ-पितृव्य व्य० सा० घरणाकेन श्रीआदिनाथ विं का० प्र० श्री... ।

(१७०) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १४४५ वर्षे फागुण वदि १० रवौ श्रीहारीजग० पल्लीयालज्ञा०
सैष्टि भूमा भा० पाल्हादे पूजू सुत कलुआ-हापाभ्यां पित्रोः श्रेयसे श्रीमहावीर-
विं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसीलभद्रसूरिभिः ।

१६४ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

१६५ तयपुर पंचायती मन्दिर

१६६ रतलाम सुमतिनाथ मन्दिर

१६७ किशनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

१६८ सेमलिया शान्तिनाथ मन्दिर

१६९ जोमनेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

१७० हरमूली पार्श्वनाथ मन्दिर

(१८३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १४५८ वर्षे फागुण वदि ११ शुके उपकेशज्ञा० हट्टसुरि नंडा सा० पानात्मज सा० सजना भा० श्रीयादे पुत्र महणकेन श्रीसुमतिविंवां कारितं प्रति० श्रीपल्लीगच्छे श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(१८४) आदिनाथ पञ्चतीर्थः

॥ सं० १४६१ वर्षे आ० सु० ११ गुरौ प्रग्वाट्ज्ञा० श्रे० कालू भा० ऊमादेव्याः सु० व्य० लूणाकेन श्रीतपागच्छे श्रीदेवसुन्दरसूरिगुरोपदेशेन, श्रीआदिनाथविंवां कारितं प्रतिष्ठितं । श्रीसूरिभिः ॥

(१८५) महावीर-पञ्चतीर्थः

संवत् १४६१ वर्षे मार्ग० सुदि १० बुधे । प्राग्वा० ज्ञातीय श्रेष्ठि कडुया सुत नरसिंघेन मातृ श्रेयोर्थ श्रीमहावीरविंवां कारितं । पूर्णिमाप-
क्षीयभट्टारक श्रीसोमतिलकसूरिभिः शुभं०

(१८६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १४६२ वर्षे माघ व० ४ शुके उपकेश सा० चांपधर पु० कडुआ भा० पूरी पु० खररुदेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथविंवां कारितं श्रीसीतर-
गच्छे (?) श्रीसवतसूरिभिः (?) ॥

(१८७) पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १४६२ वर्षे माघ सुदि १३ शुके । श्रीमूलसंघे श्रीपद्मनन्दि-
देवाः गोमाराडान्वये सीपव... तयोः पुत्रास्तु यः स्वपुण्येन महोलिकर्मा-
साधारः प्रणमतिः

(१८८) अनन्तनाथः

॥ ॐ ॥ सं० १४६४ आषाढ सु० १३ प्राग्वाटज्ञातीय सा० जुगा भार्या जसु पु० सा० केल्ला कडुया... स भार्या समीरदे श्रीअनन्तनाथ-
विंवां कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

१८३ नागोर वडा मन्दिर

१८४ " " "

१८५ मालपुरा ऋषभदेव मंदिर

१८६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मंदिर

१८७ जयपुर पंचायती मंदिर

१८८ मालपुरा मुनिसुव्रत मंदिर, पाषाण

(१८६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६५ वर्षे वैशाख शुदि ३ सांपुडागोत्रे सा० वेलाभार्या सा०
विल्हणदे पु० साधु स्वमराज-भेमाभ्यां पितृ-मातृ-श्रेयसे श्रीशान्तिनाथ-
विंशं कारितं ॥ प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीसागरचन्द्रसूरिपट्टे श्रीमलयचन्द्र-
सूरिभिः

(१६०) शान्तिनाथः

॥ सं० १४६५ ज्ये० व० प्राग्वाट कमी***सामंत सा० धारा सुत सा०
ढूंगरेण भा० देउती सुत पुणसी ठाकुरसी*****श्रीशान्तिनाथविंशं कारितं
प्रतिष्ठितं श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

(१६१) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६५ ज्ये० व० ११ श्रे० सोमा भा० रुडी सुतेन व्य० भीमाकेन
भा० चापू सुत मंडणपदयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुविधिविंशं कारितं प्रतिष्ठितं
तपापक्षीय श्रीदेवसुन्दरसूरिभिः ॥ भद्रम् ॥

(१६२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६७ वर्षे ज्येष्ठ यदि पञ्चमी श्रीमालवं । महं । जेसा पुत्र
आसा-पूजन श्रीपार्श्वनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं खरतरगच्छे श्रीजिनवर्द्धन-
सूरिभिः ॥

(१६३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६७ माह यदि ५ चंडालियागोत्रे सा० खेहा पुत्रेण सा० रुल्हा-
केन श्रीआदिनाथविंशं कारितं प्र० श्रीमणिसागरसूरिभिः

(१६४) पार्ष्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६८ काती यदि २ सोमे श्रीअञ्जललगच्छेश श्रीक०*****
मंडलीक भा० गोल्ह माता-पिता-श्रेयोर्थ श्रीपार्ष्वनाथविंशं श्रीमेरुतुङ्गसूरि-
णा उप० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ।

(१६५) आदिनाथः

सं० १४६८ प्राग्वाट सा० धारा सुत सा० ढूंगरेण स्वमातृ गांगी
पुण्यार्थ श्रीआदिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥***** ।

१८६ जयपुर श्रीमालों का मंदिर

१६० मालपुरा मुनिसुव्रत मंदिर, पाषाण

१६१ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

१६२ „ मुनिसुव्रत „

१६३ सांगानेर महावीर मन्दिर

१६४ नागोर चोसठियाजी का मन्दिर

१६५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर, पाषाण

(२०८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४७३ वर्षे वैशाख वदि १ दिने उकेशवशे श्रे० पञ्चाढा पुत्र
श्रे० केल्हाकेन कुंउरपाल दे(व)पालादियुतेन श्रीशान्तिनाथविं स्वपुण्यार्थ
कारितं प्रतिष्ठितं खरतरगच्छे श्रीजिनवर्धनसूरिभिः ॥

(२०९) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४७३ वै० व० ८ प्रा० ज्ञा० व्य० कान्हा भा० कानलदे पुत्र
भीमाकेन भा० भावलदे पु० केल्हादियुतेन पार्श्वविं का० प्र० तपागच्छे
श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(२१०) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १४७३ व० वै० शुक्ल १ प्राग्वाटज्ञातीय व्य० साजण भार्या
मोडी पुत्र देदा भा० देवलदे सहितेन आत्मश्रेयसे श्रीअभिनन्दनविं का०
प्र० मडाहडी श्रीमुनिप्रभसूरिभिः तपागच्छे

(२११) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४७३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ५ डांगीगोत्रे सा० ईल्हा भार्या
ईल्हश्री पु० सा० कालू सा० टीलण खीमसी भ्रातृ कर्मण-श्रेयसे श्रीसुपा
र्श्वविं कारितं प्र० श्रीकृष्णपिंगच्छे श्रीपुण्यप्रभसूरिभिः ॥ शुभम् ॥

(२१२) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४७३ वर्षे माह सुदि ६ बुधवासरे उपकेशज्ञातीय व्य० धर्मा
भा० रत्नादे पु० गोईद पितृ-भ्रातृश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिविं का० प्र०
श्रीबृहद्गच्छे श्रीकमलचन्द्रसूरिभिः ॥ छ ॥

(२१३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४७४ वर्षे फागुण वदि २ सुराणागोत्रे सं० हेमराज भा०
हेमादे पु० सं० देल्हाकेन श्रीआदिनाथविं कारितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे
मलयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीपद्मशेखरसूरिभिः ॥

२०८ नागोर बड़ा मन्दिर

२०९ सिरोही आदिनाथ मन्दिर

२१० वून्दी पार्श्वनाथ मन्दिर

२११ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

२१२ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

२१३ नागोर बड़ा मन्दिर

(२१४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४७५ वर्षे मागसिर वदि ४ दिने बडाहडा गोत्रे सा० डूंगर पुत्रेण सा० शिखरकेन निजश्रेयसे श्रीआदिनाथ-प्रतिमा कारिता प्र० तपा० श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे भट्टारक श्रीदेमहंससूरिभिः ॥

(२१५) महावीर-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १४७६ वर्षे चैत्र वदि १ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीय सं० रामा सु० सं० पापा भार्या मेचू श्राविकया स्वश्रेयसे श्रीआगमगच्छे श्रीअमरसिंहसू-रीगणमुपदेशेन श्रीमहावीरविंश कारितं ॥

(२१६) आदिनाथः

ॐ ॥ सं० १४७६ वैशाख सुदि ३ भांमे श्रीउपकेशज्ञातीय श्रेष्ठिगोत्रीय
... संसारदे श्रीआदिनाथविंश कारितं प्र० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

(२१७) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

संवत् १४७६ श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० सांड भार्या रुडी सुताभ्यां पु० आंवा-डूंगराभ्यां श्रेयोर्थ श्रीशान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितं पिप्पलाचार्य-त्रिभवीया श्रीधर्मप्रभसूरिः ॥

(२१८) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४७८ वर्षे चैत्र सुदि ७ सोमे प्राग्याटज्ञातीय श्रे० हीरा सुत सोमा भा० मूल्ही आत्मश्रेयसे श्रीकुन्धुनाथविंश कारितं प्रतिष्ठितं श्रीदेव-गुप्तसूरिभिः.....

(२१९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४७८ वर्षे चैत्र सुदि १५ सोमे रोयठाणा था० बेजपाल भा० पूरी पु० सा० पैथा स्वमातृ-पितृश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविंश कारापितं श्रीधर्म-घोषगच्छे श्रीमलयचन्द्रसूरिपट्टे प्रतिष्ठितं श्रीपद्मशेखरसूरिभिः ॥

२१४ नागौर चोमठियाजी का मन्दिर

२१५ आँतरसुवा वामुपूज्य मन्दिर

२१६ सवाई मोघोपुर विमलनाथ मन्दिर

२१७ केरुही चन्द्रप्रभ मन्दिर

२१८ अलाय शान्तिनाथ मन्दिर

२१९ नागौर बड़ा मन्दिर

(२२०) आदिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

ॐ ॥ सम्वत् ॥ १४७८ वर्ष पोष वदि १ गुरौ । श्रीउपकेशवंशे चिचट गोत्रे
 वेशटाय (?) सा० श्रीसमर सुत सा० संडो नरसिंह पु० सुवरासा पितृ-मातृ-
 श्रेयसे श्रीयुगादिनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः का० श्रीउपकेशगच्छे ककुदाचार्य-
 सन्ताने प्र० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

(२२१) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४७६ वर्षे पोष वदि ५ शुक्ले बुधगोत्रे श्रीफूवडजातीय फू०
 लींवा भा० फतू सुत भाखर-रामसीभ्यां पितृ-मातृ-श्रेयोर्थ श्रीशीतलनाथ-
 विंबं कारितं कुलगुरु-श्रीसिंहदत्तसूरिभिः ॥ भावगुरु-श्रीजयशेखरसूरिभिः
 प्रतिष्ठितं ॥ श्रीः ॥

(२२२) नेमिनाथः

ॐ ॥ सं० १४७६ फागुण १० बुधवारे श्रावकान्वये सांख्यलेखा गोत्रे
 साधु वरदेव सुत सा० मोढ भार्या जयतुनामिकया आत्मश्रेयोर्थ श्रीनेमि-
 नाथविंबं कारितं प्र० श्रीदेमहंससूरिभिः ॥

(२२३) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८० वर्षे ज्ये० सु० ७ भौमे प्राग्वाटजातीय व्य० साढा भा०
 सादी पु० सहसा भा० सीतादे पु० पाल्हा स्वआत्मश्रेयसे श्रीसंभवनाथविंबं
 का० प्र० पूर्णिमापत्ते श्रीसर्वाणंदसूरिभिः ॥

(२२४) शान्तिनाथः

॥ सं १४८० आ० व० ६ शुक्ले उकेशवं० सं० सहसराज भार्यापासू
 लीलाई नाम्न्या पु० श्रीधरसुताया सा० कमलराजादि-कुटुम्बयुतया
 श्रीशान्तिनाथविंबं का० प्रति० श्रीसूरिभिः ॥

(२२५) शान्तिनाथः

॥ सं० १४८० आषा० व० ८ उकेश सा० परवत भा० सं० प्रथमसिरि
 दियुतेन स्वमातृश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविंबं कारितं प्र० श्रीसोमसुंदरसू-
 रिभिः ॥

२२० अलाय शांतिनाथ मन्दिर

२२१ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

२२२ नागोर हीरावाडी आदिनाथ मन्दिर

२२३ नागोर वडा मन्दिर

२२४ मालपुरा मुनिसुन्नत मन्दिर. पाषाण

२२५ "

"

"

"

"

(२२६) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८० वर्षे माघे यदि ५ गुरु मूलसंघे श्रीसरस्वतीगणे भट्टार०
कुन्दाचार्यान्यये भट्टारक... देयरत्न उपदेशात् सोदागरे सु० पाल्हा-
नीदेऊ भ्रा० सार..... महीपा भट्ट श्रीसंभवनाथविं वं प्रतिष्ठितं..... ।

(२२७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८० वर्षे फा० सु० १० बुधे उ० गूँगलीया गोत्रे सा० घीरा
पु० सीहाकेन श्रीआदिनाथविं स्वश्रेयसे श्रीसन्डेरगच्छे प्रतिष्ठि० श्रीशान्ति-
सूरिभिः ॥

(२२८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

। सं० १४८० वर्षे सुदि १० सोमे श्रीकोरंटकीयगच्छे प्राग्याटझातौ
ठ० मांजा सुत पर्वत भार्या वड्जणकु सुत ठ० नायाकेन पित्रोः श्रेयसे
श्रीआदिनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीनन्नसूरिपट्टे श्रीककसूरिभिः ॥

(२२९) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

। सं० १४८१ वर्षे वैशाखे यदि ११ श्रे... भ्रा० आल्हा पु० खेता
सधारण सारंग । श्रीपार्श्वनाथविं का० पूर्वजनि० प्र० आत्मश्रे० उपके-
शगच्छे कु० संता० प्रतिष्ठितं श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

(२३०) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८१ वर्षे वैशाख शु० ३ रवी रेखाणीगोत्रे सा० घीजल भार्या
पितृयश्री पु० यानु पितृ-मातृ-श्रेयोर्थं श्रीअजितनाथविं प्र० धर्मघोष०
प्रतिष्ठितं श्रीजयशेखरसूरिभिः ॥

(२३१) पद्मप्रभः

॥ सं० १४८१ वर्षे माघ सुदि ३ सोमे वसुवालझातीय भरटाणा
गोत्रे..... सं० पुत्र डालू श्रीपद्मप्रभविं कारितं प्रतिष्ठितं आत्मश्रेयसे
श्रीगुणदेवसूरिभिः ॥

२२६ साँगानेर महावीर मन्दिर

२२७ मेढतासिटी धर्मनाथ मन्दिर

२२८ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

२२९ हिन्दोन श्रेयांसनाथ मन्दिर

२३० अजमेर संभवनाथ मन्दिर

२३१ टोडारावसिंह नेमिनाथ मन्दिर. पापाण

(२३२) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४८१ माघ सु० १० प्राग्वाटज्ञा० लाखा भा० सुल्बी सुत
सा० मोकलेन स्वश्रेयसे जा० श्रीपद्मप्रभविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसोम-
सुन्दरसूरिभिः

(२३३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८२ वर्षे वैशाख वदि ८ रवौ उपकेशज्ञातीय नाहर गोत्रे
सा० जसद भा० जसमादे सु० रणसीहकेन आत्मपुण्यार्थं श्रीसुमतिनाथ-
विंशं कारितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिभिः ॥

(२३४) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४८२ व० वैशाख वदि ८ रवौ मंडोवरागोत्रे सा० गुणराज
पु० पाडवा भा० उनादे पु० करणीसी समधर साधकेन आत्मपुण्यार्थं
श्रीमुनिसुव्रतनाथविंशं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिभिः ।

(२३५) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८२ ज्येष्ठ वदि ५ ऊकेशज्ञातीय सं० देवराज भ्रातृ हेमराज
भा० । हेमादे सुत ऊदा भा । आल्हणदेव्यां श्रेयर्थं कारितं श्रीकुन्धुनाथ-
विंशं । प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः

(२३६) अरनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८२ वर्षे फागुण सुदि ३ रवौ लोढागोत्रे सा० सुयश-पुत्रेण
सा० खेता श्रीअरनाथ-कारितं प्र० भट्टारिक श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(२३७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८२ फा० शु० १५ प्राग्वा० सा० खेता सुत सा० राणा भा०
रयणादे सुत सा० जयता भा० वाभणदे पुत्र० सं० मोडाकेन भा०
जाणी मांजू सुत सांगा कुंरपाल बांधव सं० कर्मसी सुत नरसिंह भग्नी
(भगिनी) नयणू प्रमुखकुटुम्बसहितेन निजपूर्वजस्यश्रेयसे ॥ समाधि-
प्राप्तये च । सं० १४८२ श्रीसुमतिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपापक्षे श्रीभ-
ट्टारिक श्रीदेवसुन्दरसूरि-शिष्य-श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः मंगलमिति ।

२३२ अजमेर विमलनाथ मन्दिर. केसरगंज

२३३ सांगानेर महावीर मन्दिर

२३४ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

२३५ करमदी आदिनाथ मन्दिर

२३६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

२३७ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

(२३८) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८३ वर्षे वैशाख वदि ११ बुधे श्रीमालज्ञातीय सा० करणा
भार्या करमलदे सुत साह नरवद भा० अमकू सुत भीमसिंह-खेताभ्यां
मातृ-पितृ श्रेयोर्थ श्रीचन्द्रप्रभविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीरत्नशेखर-
सूरिभिः ॥

(२३९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८३ वर्षे वैशाख शु० ५ गुरौ चंडालियागोत्रे सा० ईसर पुत्र
साह ठाकुर पु० शिवरीजन (?) भोजा श्रेयसे श्रीआदिनाथविंशं कारितं प्र०
मलचारी श्रीविद्यासागरसूरिभिः ॥

(२४०) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४८३ वर्षे वैशाख सुदि ५ गुरुवारे लोढागोत्रे सा० धीरा पुत्र
सा० चाडकेन निजजनकनिमित्तं श्रीशीतलनाथप्रतिमा-कारिता प्र० तपा
म० श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(२४१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १४८३ वर्षे वैशाख शुदि ३ भौमदिने ओसवालज्ञातीय
हागीयगोत्रे सा० तोल्हा भा० तिहुराश्री पु० सोमा आत्मपुण्यार्थं श्रीआदि-
नाथविंशं फा० प्र० कृष्णर्पिगच्छे तपापक्षे पुण्यप्रभमूरिपट्टे श्रीजयसिंह-
सूरिभिः ॥

(२४२) अम्बिकामूर्तिः

॥ सं० १४८३ वर्षे वै० शु० ५ दिने प्राग्वाटज्ञाति सा० अभयपाल
भा० अहिषदे सु० सा० रामसिंहेन भा० लली पुत्र सा० आसठ अखयराज
आम्बदत्तादि-कुटुम्बयुतेन श्रेयसे अम्बिकामूर्तिः का० प्रतिष्ठिता श्रीसोम-
सुन्दरसूरिभिः ॥

(२४३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८३ वर्षे वैशाख सुदि ७ उप० सुराणागोत्रे सा० लक्ष्मण
पु० भोला भा० माणिकदे पु० सा० साढाकेन श्रीशान्तिविंशं फा० प्र०
धर्मधोपगच्छे श्रीमलयचन्द्रसूरिप० श्रीपद्मशेखरसूरिभिः

२३८ अजवगढ़ वड़ा मन्दिर

२३९ किसनगढ़ चिन्तामणिपार्श्वनाथ मन्दिर

२४० कोटा खरतरन० आदिनाथ मन्दिर

२४१ जयपुर पंचायती मन्दिर

२४२ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

२४३ सांगानेर महावीर मन्दिर

(२५६) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १४८५ वर्षे माघ सुदि १४ वृषे लिगागोत्रे सं० माला सांगू
सुतेन सं० जिल्हाकेन निजपित्रोः श्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथविंशं कारितं प्रति-
ष्ठितं तपागच्छे श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(२५७) अजितनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १४८६ वर्षे वै० शु० १३ सोमे दूगङ्गोत्रे मं० डीडा पु० वील्हा-
केन निजश्रेयसे श्रीअजितनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं वृहद्गच्छे श्रीमुत्ती-
श्वरसूरिपट्टधरैः श्रीरत्नप्रभसूरिभिः ॥

(२५८) महावीरः

॥ ॐ ॥ सं० १४८६ वर्षे ज्येष्ठ वदि ५ शुक्ले श्रीमालाहातीय सा०
पदमा सुत गुणराज पुण्यार्थं श्रीमहावीरविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतर-
गच्छेश श्रीजिनवर्धनसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(२५९) नमिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १४८६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १३ सोमे श्रीनागूणागोत्रे सोमलश-
खायां सा० वीरपाल जेसा.....नमिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृहद्-
गच्छे श्रीमुत्तीश्वरसूरिपट्टे श्रीचन्द्रप्रभसूरिभिः ॥

(२६०) आदिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ ॐ ॥ संवत् १४८६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १३ सोमवासरे जाइलवाल
पवित्रगोत्रे सङ्गवी छीहल पुत्र सं० जेजा भा० जसमार्या पु० बाहडसहितेन
आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मवोपगच्छे श्रीमही-
तिलकसूरिभिः ॥

(२६१) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १४८६ वर्षे माह सुदि १ शनौ पल्लीगच्छे उप० झा० जोजाउरा-
गो० सा० ऊदा पु० गोला भा० गुणसिरि सु० बीजाकेन श्रीशान्तिनाथविंशं
का० प्र० श्रीयशोदेवसूरिभिः ॥

२५६ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

२५७ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

२५८ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर-पाषाण

२५९ सवाई साधोपुर विमलनाथ मन्दिर

२६० जयपुर नया मन्दिर

२६१ सांगानेर महावीर मन्दिर

(२६२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८६ वर्षे माघ शु० ५ गुरो० उ० झा० बलाहडीयागो० सा०
मनां भा० मावित्री पु० देवण भा० देवत्री पु० समधर-धर्माभ्यां पूर्वजनि०
श्रीपार्श्वनाथविं का० प्र० श्रीपल्लिगच्छे श्रीयशोदेवसूरिभिः

(२६३) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १४८६ वर्षे माघ सु० ११ शनौ श्रीखंडेरकीयगच्छे
उपकेशज्ञा० गूगलियागोत्रे सा० महण पु० पोना पु० नेमा पु० नेनाकेन
भा० लखी पु० करमा बाल्हासहितेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतविं का० प्रति-
ष्ठितं श्रीशान्तिसूरिभिः ॥ शुभंभूयात् ॥ श्री ।

(२६४) चिन्तामणिपट्टः

सं० १४८६ माघ सु० ११ मण० भादा पु० कान्हाकेन चिन्तामणिपट्ट-
कारितं प्र० मुनिरत्नसारं

(२६५) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४८७ वर्षे वैशाख सुदि ३ भीमे श्रीमाल० श्रेष्ठ साजन भा०
रूपिणि सुत अर्जन भीमा भा० मा३ सु० कान्हा सा० ऊ बाल्हा भार्या
मनि सुत आल्हाण भीमा पितृश्रेयसे श्रीविमलनाथविं कारितं प्र० संडेर-
गच्छे श्रीरत्नप्रभसूरिसुपदेशेन श्रीशुभमस्तु ॥

(२६६) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८७ वर्षे सा० वादि ५ रवी० खाटडागोत्रे सा० लीला पु० हेम-
सीष्ट भार्या हेमश्री पु० सा० हेमराजेन पित्रोः श्रे० श्रीवासुपूज्यविं का० प्र०
श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मशेखररिसूभिः ।

(२६७) अरनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४८७ वर्षे मार्गसिर सुदि ५ दुसाम्भगोत्रे सा० रतन भा०
रतनसिरि पुत्राभ्यां गोविंद-स्त्रीमराजाभ्यां पित्रोः श्रेयसे श्रीअरनाथविं
कारितं प्र० श्रीमलंधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिभिः ॥

२६२ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

२६३ अजमेर विमलनाथ मन्दिर, केसरगञ्ज

२६४ किसनगढ न्तरतरगच्छीय उपाश्रय

२६५ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

२६६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

२६७ मानपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(२७६) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६० वर्षे वैशाख सुदि ६ शनौ श्रीकाष्ठासंघे नंदीतटगणे
श्रीलखमसेन प्र० श्रीनरसिंघजातीय संपडियागोत्रे सा० राणा भा० धरणी
पु० हेमा खेता महिमा भा० गांगी भा० खेता भा० राणी युताभ्यां श्रीसुम-
तिनाथविंबं कारितं स...यत्महित आचन्द्रार्क नंदात् ॥

(२८०) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६० वर्षे माह सुदि पक्षे श्रीउसवंशे कच्छगजातीय सा०
अजीआ सुत जेसा भार्या जासू सुत्र पोमा सारंगादिभिः श्रीअंचलगच्छेश
श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदेशेन श्रीचन्द्रप्रभविंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसू-
रिभिः

(२८१) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १४६० वर्षे माह सुदि ५ दिने श्रीउसवंशे सा० पेथा पुत्र
सा० वील्हाकेन पितुः श्रेयसे श्रीअंचलगच्छेश श्रीजयकान्तिसूरीणा मुपदेशात्
श्रीकुन्थुनाथविंबं कारितं

(२८२) सुविधिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १४६० वर्षे फा० सु० ६ जाइलवालगोत्रे सा० शिखर पुत्रा-
भ्यां सा० संग्रामसी-धनाभ्यां निज मातृ साह्लीश्रेयो० निमित्तं श्रीसुविधि-
नाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः । प्रतिष्ठितः तपा० भ० श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे
भट्टारक श्रीहेमहंससूरिभिः ॥ श्रीशुभंभवतु ॥ १

(२८३) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६१ आषा० वदि ७ श्रीश्रीमालवंशे वडलीवास्तव्य सं० सांडा
भा० कामलदे पुत्र सं० मन्ना भा० रत्नादे पुत्राभ्यां सं० समधर सं०
सालिग आभ्यां भा० राजू सुत साधू सुत सिंघा माणिक रत्ना प्रमुखकुटुम्ब-
सहिताभ्यां श्रीसुपार्श्वनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छाधिराजैः
श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः शुभंभवतु कल्याणमस्तु ॥

२७६ जयपुर पार्श्वचन्द्रग ० उपाश्रय

२८० नागौर वडा मन्दिर

२८१ सांगानेर महावीर मंदिर

२८२ नागौर शान्तिनाथ मन्दिर

२८३ जयपुर सुमतिनाथमन्दिर

(२८४) पद्मप्रमः

सं० १४६१ नाथ सु० ५ उपदेश कलधयीय साधु विजयपाल सुत
सा० पाल्हा भा० मीयसा श्रीपद्मप्रभविं क० प्र० श्रीसोमसुन्दर-
सूरिभिः ॥

(२८५) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६१ वर्षे माघ सुदि ५ बुधे ऊर्ध्वेश्वरं रांकागोत्रे सा० राणा
सुत सा० नगराज भार्या सापू तत्पुत्र सा० नरसा वरसाभ्यां । निजपुण्याय
श्रीअजितनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीस्वरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिपट्टे
श्रीजिनसुन्दरसूरिभिः ॥

(२८६) पार्व्यनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १४६१ वर्षे माघ सुदि ५ बुधवारं ऊर्ध्वेश्वरं लोदा-
गोत्रे सा० मोक्षसी भार्या भोली पुत्र सा० परेतकेन सपरिवारेण निजपितृ-
पुण्यार्थं श्रीपार्व्यनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीस्वरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसू-
रिपट्टे श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥ शुभंभूयान् ॥ छ ।

(२८७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६१ वर्षे ज्येष्ठ यदि ५ शुके ऊर्ध्वेश्वरं लालणगोत्रे श्रे ।
हं गुर भार्या पूरो पुत्र सोभाकेन भार्या भीमणा युक्तेन श्रीअचलगच्छेश्वर
श्रीजयकीर्तिसूरीणामुपदेशेन स्वभेयसे श्रीआदिनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीसंघेन । श्री

(२८८) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६२ वर्षे चैत्र यदि ५ शुके सा० पेया भा० रट्ट पु० नरसिंघ
भा० रासलण्डे पितृभेयसे श्रीश्रेयांसविं कारितं गूढा प्रति० श्रीसर(सूर)-
प्रभमसूरिभिः ॥

(२८९) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६२ वर्षे चैत्रा० सुदि ३ गुरु श्रीकोरं (ट) कोयगच्छे व० शर्तीय
पोसात्रियागोत्रे भा० भाना सा० वारी पुत्र मोला मातृ-पितृभेयसे श्रीश्रेयांस-
मविं लोलाकेन कारा० प्र० श्रीमानदेयसूरिभिः ॥

२८४ मालपुरा शुनिमुग्रन मन्दिर, पाषाण

२८५ जूनीआ

२८६ मानपुरा शृपभक्ष मन्दिर

२८७ रतनाम भोगीमा वा मन्दिर

२८८ पाटमू शान्तिनाथ मन्दिर

२८९ कोटा मारिकमागरजी का मन्दिर

(३०३) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थः

॥ ॐ ॥ सं० १४६४ वर्षे माह सु० ११ गुरौ उ० ज्ञा० नगडियाणा
जयता पु० लाखा पु० हरिचन्द भा० भीति पु० गोसल राजा-सहितेन
पूर्वजपुर्यार्थ श्रेयसे श्रीश्रीवासुपूज्यविं० का० प्र० श्रीसंडेरगच्छे श्रीयशो-
भद्रसूरिपद्रे भ० श्रीशान्तिसूरिभिः ॥ शुभंभूयात् ॥

(३०४) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १४६४ वर्षे माह सुदि ११ गुरौ श्रीसंडेरगच्छे उ० ज्ञा०
संलवाडिगोष्ठिक सा० सुरत्राण पु० धर्मा भा० धर्मसिरि पु० वीसलेन भा०
कान्हू पु० नापा नाल्हा सपित्रोः श्रेयसे श्रीश्रेयांसविं० का० प्र० श्रीशान्ति-
सूरिभिः शुभम् ॥

(३०५) श्रेयांसनाथः

सं० १४६४ फा० व० ५ प्राग्वाट सं० भाखर धरमादे पुत्र नन्दी भा०
सरत् पुत्र पद्माकेन निजसावणसादि-कुटुम्बयुतेन श्रीश्रेयांसविं० का० प्र०
श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(३०६) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १४६४ वर्षे फागुण वदि ४^{***}श० दिने चू० भूणा भा० भावलदे
.....स्मादे भ्रातृ लाला मेधा ठाकुर प्रभृति-सहितेन श्रीसुवि-
धिनाथविं० कारितं प्र० पूर्णिमापक्षीय श्रीजयप्रभसूरिपद्रे श्रीजयभद्रसूरिभिः

(३०७) महावीर-पञ्चतीर्थः

सं० १४६४ वर्षे प्रा० व्य० सरवण भा० सिरि सुत व्य० देपाल
वीर-द्वयोर्मध्ये व्य० वीराकेन भा० पूरी पुत्र जिनदास देवराज हेमराजा
दिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयोर्थ श्रीवर्द्धमानविं० का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीसोम-
सुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(३०८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १४६५ वर्षे ज्येष्ठ वदि १४ बुधवारे । श्रीकोरंटकीयगच्छे नन्ना-
चार्यसंताने उप० ज्ञा० कांकरियागोत्रे साह कुंरा भा० रूढी पुत्र रामाकेन
पिता-निमित्तं श्रीशान्तिनाथविं० कारापितं प्रति० श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

३०३ भिनाय केसरियानाथ मन्दिर

३०४ जयपुर पंचायती मन्दिर

३०५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर, पाषाण

३०६ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

३०७ मेढतारोड़ पार्श्वनाथ मन्दिर

३०८ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(३०६) शान्तिनाथः

ॐ ॥ सं० १४६५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ बुधे खाहरडागोत्रे श्रीमाल-
ज्ञातीय सा० भूपर भार्या जसा पुत्र बाढा भार्या० लीलू पुत्र वरसिंघ सा०
उदयसिंघ पुण्यार्थ श्रीशान्तिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीजिनसागर-
सूरिभिः ॥

(३१०) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६५ ज्येष्ठ सु० १३ उक्केश सा० आजा भीति सुत बहुआकेन
भा० देवलदे पुत्र हीरावुतेन श्रीसम्भवनाथविंशं का० प्र० तपा श्रीसोमसु-
न्दरसूरिभिः ॥

(३११) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १३ श्रीसंडेरगच्छे उ० ज्ञा० भण्डारी-
गोत्रे सा० वयासी भा० वयजलदे पु० रामण पु० पुंजूकेन पित्रोः श्रे०
श्रीसंभवनाथविंशं का० प्र० श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(३१२) धर्मनाथः

सं० १४६५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १४ शुक्रवारे उक्केशवशे नवलक्ष्मगोत्रे
सा० सहसा भार्या आ० नारिगदेव्या निजपुण्यार्थ श्रीधर्मनाथविंशं कारितं
प्र० खरतरग० श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(३१३) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १४ बुधे उक्केशवशे साधुशाखामण्डन
सा० मंडलिक भा० फदकू सुत सा० हंगर भार्या दूल्हादे पुत्र सा० सोना
जीवण निजमातृपुण्यार्थ श्रीमुनिसुव्रतविंशं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे
श्रीजिनवर्धनसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरितत्पट्टे श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(३१४) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १४६५ वर्षे आपाठ वदि १३ भौम ओसवालज्ञातीय सा०
जेल्हा पु० सा० मेघा भार्या राखीनाम्न्या आत्मपुण्यार्थ श्रीपद्मप्रभनाथविंशं
कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीकोरंटगच्छे श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

३०६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. पापण

३१० मेढतासिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

३११ भिनाथ

३१२ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. पापण

३१३ नागोर घडा मन्दिर

३१४ जयपुर पंचायती मन्दिर

(३१५) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ वर्षे फागुण सुदि ८ बुधे उपकेशज्ञा० व्यच० हापा भा० चांपू पुत्र उधरणकेन भार्या देपुसहितेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यविं० कारितं प्र० वोंकडीयागच्छे भ० श्रीधर्मतिलकसूरिभिः ॥

(३१६) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ वर्षे श्रीमालज्ञाती सं० पोमा भ० सोभाइ सुत सं० देव-राज भा० हर्षस्तयोः स्वभर्तृ युतयोः श्रीसंभवविं० कारितं प्र० तपागच्छेश श्रीश्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(३१७) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४६७ वर्षे चैत्र सुदि उकेशज्ञातीय डागागोत्रे सा० पेथा भार्या पूरी पुत्र गजा आत्मपुण्यार्थं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिविं० कारितं प्र० श्रीपूज्य भ० श्रीदेवसुन्दरसूरिपट्टे श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(३१८) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६७ वर्षे ज्येष्ठ सुदि २ सोमे श्रीसंडेरगच्छे उ० श्रीसाहुला-गोत्रे सा० मोहण पु० मग्गा पु० भीमा भा० लाडी पुत्र सेल्हा भा० मोहनी आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथविं० कारि० प्रति० श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(३१९) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६७ ज्येष्ठ सु० २ श्रीउपकेशगच्छे । रांकागोत्रे । सा० भूणा पु० रूल्हा भा० रयणादि पु० केल्लाकेन श्रीमुनिसुव्रतविं० का० कुक० प्र० श्रीसिद्धसूरिभिः ।

(३२०) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६७ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ६ उपकेशज्ञा० सुचिंतीगोत्रे सा० सलषा भा० लाई पु० कोचर भा० सुखमादे पु० महीराजेन श्रीसुमतिनाथविं० स्वपुण्यार्थं श्रीउपकेशगच्छे कुक० प्र० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

३१५ नागोर बड़ा मन्दिर

३१६ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

३१७ जयपुर पंचायती मन्दिर

३१८ किसनगढ़ आदिनाथ मन्दिर

३१९ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

३२० साथां पार्श्वनाथ मन्दिर

(३२१) पार्ष्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६७ जेठ सुदि २ सोमे उ० सांगण भा० अगचे चाहु पु०
मं० पासिक पु० लखमा भा० माई पु० केल्ला पोमा केल्ला भा० कोयवादे-
व्या.....माता माई-केल्हाभ्यां पितृ-मातृ-श्रे० श्रीपार्ष्वविं का० प्र०
श्रीचैत्रगच्छे श्रीजयाणंदसूरिपट्टे श्रीमुनितिलकसूरिभिः ॥

(३२२) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६७ ज्येष्ठ शुक्ला ७ सोमे लोढागोत्रे सारू पु०.....भ्रातृ
रूपानिमित्तं श्रीकुन्धुनाथविं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे भ०
श्रीदेमहंससूरिभिः ॥

(३२३) आदिनाथः

संवत् १४६७ वर्षे माघ सुदि ४ सोमे उपकेशाहातीय.....
श्रीऋषभदेवविं कारितं.....प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीसोमसुन्दर-
सूरिभिः ।

(३२४) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४६७ वर्षे प्राग्वाद्गहातीय व्य० गीगा भार्या माल्हाणदे सुन
सोनपाल भार्या सुहागदे भुत वनादि कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथ
विं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(३२५) वामुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६८ वर्षे फागुण वदि १० सोमे उपकेशाहातीय वरहढीयागोत्रे
मा० पदमसीह भार्या पदमश्री पु० अर्जुन निजमातृपुण्यार्थं श्रीवामुपूज्य-
विं कारितं प्र० श्रीवृहद्गच्छे भ० मुनीश्वरसूरिपट्टे श्रीरत्नप्रभसूरिभिः ॥

(३२६) वामुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६८ वर्षे फागुण सुदि २ कांकरियागोत्रे सा० मेहण भा०
कुमरी पुत्र मा० मेहा-कान्हाभ्यां स्वश्रेयसे श्रीवामुपूज्यविं का० प्र० श्रीधर्म-
पोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिपट्टे श्रीविजयचन्द्रसूरिभिः ॥

३२१ रत्नाम शान्तिनाथ मन्दिर

३२२ मानपुरा मुनिसुप्रन मन्दिर

३२३ भैमराडगढ़ केसरियानाथ मन्दिर, मूलनाथः

३२४ निरोही अजितनाथ मन्दिर

३२५ चोयका वरवाहा नद्दावीर मन्दिर

३२६ नागौर बहा मन्दिर

(३२७) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६८ वर्षे वैशाख सुदि ५ उपकेशज्ञा० कर्णाटगोत्रे । सा० रेड्ड पुत्र थडसीह भा० फलू पु० सावड । तोलाकेन श्रीपद्मप्रभविं का० श्रीउपकेश० कुकडा० प्र० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

(३२८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ संवत् १४६६ वर्षे सावण वदि २ सनिवारे मूलनक्षत्रे लोडा-गोत्रे सा० सहणसीह पुत्र सा० पन्ना नेना भार्या मुनी तत्पुत्र सा० खीमराज भ्रातृ करमसिंह निजमातृ-पितृश्रे० पुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथविं कारा० प्रति० बृहद्गच्छे श्रीपद्माणंदसूरिभिः ॥

(३२९) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ माघ सु० ५ प्राग्वाट व्य० धीरा धारलदे पुत्र । भीमा भावलदे सुत व्य० वेला पत्न्या वीरणि नाम्न्या श्रीसंभवविं का० प्र० तपा श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(३३०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६६ माघ सुदि ६ गहिलडागोत्रे सा० फमरु पु० सा० खीमपाल वानूभ्यां पितुः पुण्यार्थं श्रीश्रेयांसविं कारितं प्रति० श्रीमलधारि-गच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(३३१) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ वर्षे माघ शुदि १० शुक्रे श्रीमूलसंघे भ० श्रीपद्मनन्दि-न्वये० भ० श्रीसकलकीर्ति त० भवनकीर्ति हुम्बडज्ञातीय सा० डूंगर भा० राणी ढाला भा० काउस्तेपां मध्ये सा० डूंगर श्रीवासुपूज्यं नमति ।

(३३२) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ वर्षे फागुण वदि २ गुरौ उपकेशज्ञाती० श्रीधरकटगोत्रे सा० हीरराज प्रसिद्धनाम सा० वगुला पुत्रेण सा० लाखा श्रावकेण भार्या गजसीरी पुत्र बलिराज युतेन श्रीसंभवनाथविं का० प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीरत्नप्रभसूरिभिः ॥

३२७ जयपुर पंचायती मन्दिर

३२८ बूँदी पार्श्वनाथ मन्दिर

३२९ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

३३० नागौर बड़ा मन्दिर

३३१ भैंसरोड़गढ़ केसरियानाथ मन्दिर

३३२ जयपुर नया मन्दिर

(३३३) त्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १४६६ वर्षे फागुण वदि २ गुरौ उपकेशहातीय वरहडीयागोत्रे
सा० गोसल पुत्रेण सा० दुलहत द्वे० नाम राउलेन भा० हर्षमदे पु० अर्जन
सदारङ्ग सहितेन आत्मत्रे० श्रीत्रेयांसवि० का० प्र० वृहद्ग० श्रीरत्नप्रम-
सूरिभिः ॥

(३३४) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १४६६ वर्षे फागुण वदि ४ तियो शनिवारे घांघगोत्रे सा०
अदा पु० देल्हाकेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथविं० का० प्र० श्रीमलघारिगच्छे
श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(३३५) महावीर-पञ्चतीर्थः

संवत् १५०० वर्षे वैशाख सुदि ५ श्रीमालहातीय चिणालीयागोत्रे
सा० सेदू भार्याहीरीपुत्र सा० जाटाकेन भार्या प्रा० स्याणी-पुण्यार्थ श्रीमहा-
वीरविं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीस्वरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरि-श्रीजिनसागर-
सूरिभिः चिरनंघात् ॥ छ

(३३६) महावीर-पञ्चतीर्थः

सं० १४.....सोमे वृ०.....लाय ठ० नायक
सु० मह० छाडा भा० पुंजल सु० मह० श्रीपालेन स्वश्रेयसे श्रीमहावीरविं०
का० प्रति० श्रीजयमङ्गलसूरिशिष्यैः अमरचन्द्रसूरिभिः ॥

(३३७)

श्रीअनिलस्वामीमू.....श्रीजिनभद्रसूरिभिः

वेदी पर (सिंहासनस्थ)

अर्पणकरनार नातिम गुलाबचन्द दहा की मासा सेठाणी रामकंथर घाई
कार्तिक शुक्र १५ संवत् १६६२

(३३८) अजितनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५०१ वर्षे वैशाख सु० ३ शनी ठ० इटोदियागोत्रे सा० धाना
भा० स्त्रीमसिरि पु० कर्माकेन आ० तोल्हा तेजा युतेन पितृमातृश्रेयसे
श्रीअजितनाथविं० का० श्रीचैत्रगच्छे श्रीलक्ष्मीप्रभसूरिपट्टे प्र० श्रीसीलचंद-
सूरिभिः

३३३ गगारहू आदिनाथ मन्दिर

३३४ फोटा नरतरग० आदिनाथ मन्दिर

३३५ जयपुर मुमतिनाथ मन्दिर

३३६ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

३३७ मालपुरा आपभदेय मन्दिर० मूलनायक

३३८ दग पद्मप्रभ मन्दिर

(३५०) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०१ वर्षे माघ सुदि १० सोमे श्रीसंडेरगच्छे उपकेशज्ञा० साह कालू भार्या वाल्ही पुत्र कान्हा भार्या सारू पितृ-मातृश्रेयोर्य श्रीनमिनाथविंव कारापितं प्रति० प० श्रीशान्तिसूरिभिः श्री ॥

(३५१) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०१ वर्षे माघ सुदि १० सोमे उसवंशे जंडियागोत्रे सा० काला भा० अणभू पुत्र खीमाकेन लीला दुहड बाहड्युतेन श्रीशान्तिनाथविंव का० प्र० कृष्णर्षिग० श्रीनयचन्द्रसूरिभिः ।

(३५२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०१ माघ सुदि १० सोमे नाहरगोत्रे मना पु० पाल्हा भा० भामिणि पु० लाला हेमाभ्यां श्रीशान्तिनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीमहीतिलकसूरिभिः आ० विजयप्रभसूरियुतैः ॥

(३५३) अभिनन्दन-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५०१ वर्षे फाल्गुन शु० १३ शनौ । वणवटगोत्रे सं० । जयसिंह भा० सं० जसमादे पु० सं० खीदाकेन निजभ्रातृ सं० खेढा पुण्यार्थ श्रीअभिनन्दनविं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिपट्टे । श्रीविजयचन्द्रसूरिभिः ॥

(३५४) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०१ वर्षे फागु० सुदि १३ शनौ उ० ज्ञा० जोजा उराणा सा० कर्मा भा० सांगू पु० खेता जइता पेता भा० राणी पु० पञ्चायण जयता भा० मूली पित्रोः श्रे० श्रीशान्तिनाथविंव का० श्रीचैत्रगच्छे प्र० श्रीमुनितिलकसूरिभिः ।

(३५५) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०१ फागुण सुदि १३ उकेशवंशे जावडगोत्रे । सा । बाछा पुत्रेण देवाकेन निजपितृपुण्यार्थ श्रीमुनिसुव्रतस्वामिविंव कारितं प्र । श्रीसूरिभिः ।

३५० आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

३५१ पनवाड़ महावीर मन्दिर

३५२ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

३५३ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

३५४ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

३५५ गागरडु आदिनाथ मन्दिर

(३५६) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०१ श्रीनन्नाचार्य सन्ताने । श्रीकोरटगच्छे । मांडुत्रगोत्रे ।
सा० हीरा भा० हीरादे पु० चांपा-कृपाभ्यां पित्रोः श्रेयसे श्रीअभिनन्दन का०
प्र० श्रीसावदेवसूरिभिः ।

(३५७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०२ वै० सुदि २ सोमवारे । खटवडगोत्रे सा० सायर पुण्यार्थ
सा० कंयरा श्रेयसे आदिनाथविंशं कारापितं श्रीमल्लधारगच्छे श्रीगुणकीर्त्ति-
सूरिभिः । महा० लक्ष्मीसागरसूरिभिः प्रतिष्ठापितं ।

(३५८) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०२ वै० व ५ प्रा० व्य० लाखा लाखणदे पु० सामन्तेन
सिंगारदे पु० पाल्हा रतना डीडादियुतेन श्रीकुन्धुनाथविंशं का० प्र० तपा०
श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ।

(३५९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०२ वर्षे माघ वदि २ रविवारे प्रा० ज्ञा० मांडण भा० मेधादे
सुत लाखण भा० फाल्हु पुत्र सांगायुतेन श्रीशान्तिनाथविंशं कारितं श्रीसाधू
पू० ग० प्र० म० श्रीहीराणंदसूरिभिः ।

(३६०) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०२ वर्षे मा० व० ६ प्रा० म० वरना पाल्हाणदे पु० नाभा-
केन भा० तेजराजि पु० नरसी.....जइतादि कुटुम्बयुतेन श्री-
पद्मप्रभविंशं का० प्र० तपा श्रीजयचन्द्रसूरिभिः ॥

(३६१) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०२ वर्षे माघ सुदि २ रविवारे प्रा० व्य० मांडण भा०
मेधादे.....पुत्र सांगायुतेन श्रीशान्तिनाथविंशं कारितं प्र० साधुपू०
गच्छे म० श्रीहीराणंदसूरिभिः ॥

३५६ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

३५७ मेड़तासिटी

३५८ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

३५९ सांगानेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

३६० करमदी आदिनाथ मन्दिर

३६१ सांगानेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(३६२) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०२ वर्षे माघ शु० ५ ऊकेशज्ञा० सं० चांपा पु० पूता भा०
 अचू पु० राजाकेन भ्रातृ मदा रुडा सणायुतेन निजमातृ-पितृश्रेयोर्थ
 श्रीश्रेयांसनाथविंवं कारितं भावडारगच्छे प्र० श्रीवीरसूरिभिः ॥ उपसगच्छे
 श्रीककसूरिभिः ।

(३६३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०२ वर्षे फागुण सुदि ५ गुरौ श्रीभावहारगच्छे ऊ० ज्ञा०
 प्राह्मेचागोत्रे सा० वीडा भार्या हीरु पुत्र भीक्षा-गुणाभ्यां पूर्वजनिमित्तं
 स्वश्रेयसे च श्रीसुमतिनाथविंवं का० प्र० श्रीभावदेवसूरिभिः ॥

(३६४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०३ वर्षे वैशाख सु० ५ श० श्रीमालवंशे स्वर्णगिरिया-
 गोत्रे सा० चाहड भार्या गौरी सुतस्य सं० चन्द्रस्य स्वपितृव्य-भ्रातुः पुण्यार्थं
 सं० देहड भा० गंगा सुत सं० धनराजेन ल० भ्रातृ सं० खीमराज सं०
 उदयराजादियुतेन श्रीआदिनाथविंवं कारितं श्रीखरतरग० श्रीजिनचन्द्रसू-
 रिभिः प्रतिष्ठितं नंदतात् ॥

(३६५) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०३ ज्ये० सु० ३ प्रा० व्य० मांडण माल्हण सुत सा० व्य०
 खीमा श्रीवासुपूज्य का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य श्रीजयचन्द्र-
 सूरिभिः ॥

(३६६) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ७ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० वजसा
 भार्या कडतिगदे पितृ-मातृश्रेयोऽर्थं मातृश्रेयसे व्य० चुथा आत्मश्रेयसे
 श्रीमुनिसुव्रतस्वामिविंवं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीगुणसागर-
 सूरिपट्टे श्रीगुणसमुद्रसूरिभिः ॥

(३६७) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ शुक्रवारे ओसवालज्ञातीय बहुरा-
 गोत्रे बा० व० खेता भा० देल्ह पु० देवदत्तेन मातृ-पितृ-निमित्तं श्रीसंभव-
 नाथविंवं का० प्र० पूर्णिमापक्षे भ० श्रीजयभद्रसूरिभिः ॥

३६२ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर

३६३ भिनाय महावीर मन्दिर

३६४ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

३६५ जयपुर पञ्चायती मन्दिर

३६६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

३६७ जूनीआ

(३६८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५०३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ शुके द० ज्ञातीय व्य० राउल भा०
रयणादे पुत्र सोढा भार्या सूरमदे सहितेन । स्वश्रे० श्रीआदिनाथविं० का०
प्र० पू० श्रीधर्मशेखरसूरि उपदेशेन । श्रीः । श्रीः ॥

(३६९) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५०३ वर्षे आपाद वदि ७ सोमे श्रीदेवकुलपादकयास्तव्य
श्रे० पातल भार्या श्रीपालनदे तयोः सुत श्रे० चांदाकेन स्यमातृश्रेयसे
श्रीश्रेयांसविं० कारितं प्रति० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(३७०) संभयनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५०३ मार्ग० वदि १० द० डोंवडडागोत्रे सा० दूदा भा० देल्ह-
णदे पु० पाल्हा मा० चांदूयुतेन नाना पु० संभयनाथविं० का० प्र० चित्रा-
वालगच्छे श्रीमुनितिलकसूरिभिः ॥

(३७१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५०३ य० माघ वदि ३ शुके उपकेशगच्छे उ० ज्ञा० श्रे०
गोत्रे वैद्यशा० सा० हूंगर पु० अर्जुन उदा अर्जुन पु० संसारचंद-सोभाभ्यां
पितृपुण्यश्रे० श्रीसुमतिनाथविं० का० प्र० श्रीकृष्णसूरिभिः ॥

(३७२) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५०३ वर्षे माघ शुदि ७ बुधे प्राग्वाटज्ञातीय महं० मण्डलीक
भार्या लाडी पुत्र देवसिंहेन भा० देवलदे सुत नासण जयतादियुतेन श्रीशीत-
लनाथविं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीद्विवन्दनीकगच्छे श्री.....सेनसूरि-
भिः.....॥

(३७३) महावीर-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५०३ वर्षे माघ सु०.....म० श्रीधर्मशेखरसूरिशिष्य पु०
मित्रदत्त जीपितस्यामिविं० कारितं पु० क्षमासुंदरेण प्रतिष्ठितं ।

३६८ मंदसौर पोरवालों का मन्दिर

३६९ किसनगढ़ आदिनाथ मन्दिर

३७० रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

३७१ फोटा मालिकसारजी का मन्दिर

३७२ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

३७३ " " " " "

(३७४) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०३ वर्षे माल्हूगोत्रे सा० भाखर भरमी श्राविकायाः पुण्यार्थं
सा० काच्छाकेन जीदा खीदा भीदा भादा पुत्रयुतेन कारितं स्वपुण्याय
श्रीअजितनाथविं प्रतिष्ठितं श्रीजिनभद्रसूरिभिः श्रीखरतरगच्छे ।

(३७५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०३ वर्षे श्रीमालज्ञातीय ठाकुर पुत्र कादा नाल्हा हांसा
श्रावकपुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथविं० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः प्रति-
ष्ठितं ॥

(३७६) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०४ वर्षे वैशाख सुदि ७ दिने वुघे ऊकेशवंशे दरडा-
गोत्रे सा० कालू पुत्र सा० छूदा श्रावकेण पुत्र चाचा समन्वितेन श्रीशीतल-
नाथविं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ।

(३७७) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५०४ वर्षे वैशाख सुदि ७ दिने ऊकेशवंशे भांडशालिक
गोत्रे भ० वीकम भार्या वडलदे तत्पुत्रौ भ० जोगा गाऊदसिंहो तत्र ठाकुर-
सिंहेनात्मस्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छेः
श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

(३७८) पार्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०४ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १० सोमे श्रीओसवालज्ञातीय सो०
वरसिंग सुत सो० धनाकेन भार्या वाछू प्रमुख-कुटुम्बयुतेन निजश्रेयर्थं
श्रीपार्वनाथविं कारितं श्रीवृहत्तपागच्छे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(३७९) कुन्थुनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १५०४ वर्षे आषाढ सुदि २ सोमे उसवालज्ञातीय । सुराणा-
गोत्रे । सा० लखणा भा० लखणश्री पु० सा० सकर्मण सा० शिवरामेन
श्रीकुन्थुनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितं प्रतिष्ठितं श्रीराजगच्छे । भट्टारिक
श्रीपद्माणंदसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

३७४ नागोर शान्तिनाथ मन्दिर

३७५ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

३७६ जयपुर पंचायती मन्दिर

३७७ सेमलिया शान्तिनाथ मन्दिर

३७८ कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर

३७९ जयपुर पंचायती मन्दिर

(३८०) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०४ वर्षे मार्गशीर्ष सुदि. ७ दिने उक्तेशवंशे साधुशास्त्रायां
सा० लखमण सुत सा० महीपाल सा० वील्हाख्य तेज (१) सा० महीपा
भा० रूपी पुत्र सा० तेजा सा० वस्ताभ्यां पुत्रादिपरिवारयुताभ्यां स्वश्रेयोर्थ
श्रीपार्श्वनाथविंशं कारितं श्रीस्वरत्न-श्रीजिनराजसूरिपट्टे श्रीजिनभद्रसूरिभिः
प्रतिष्ठितं ॥ श्रीः ॥

(३८१) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०४ वर्षे माह यदि ६ शनौ श्रीज्ञानकीयगच्छे व० तेलहरगोत्रे
सा० लूणा भा० लूणादे पुत्र० हचिन पाल्हा सोनाभिः पितृ-भ्रातृश्रेयोर्थ
श्रीसंभवनाथविंशं कारापितं प्रतिष्ठितं ।

(३८२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०४ फागुण सुदि ११ डुंगरिया श्रीमाल । सा० साधारण
पुत्रेण सा० समुधरेण श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारिता प्रतिष्ठिता तपा०
भट्टारक-श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे श्रीहेमहंससरिभिः ॥

(३८३) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०४ वर्षे फागुण शुदि ११ गुरौ श्रीकाष्ठासंघे वागडगच्छे
म० श्रीहमकी (१ हेमकीर्ति) उपदेशेन म० धर्मसेन म० श्रीभीमसेन प्रति ॥
हुंयडहातीय कमलेश्वरगोत्रे क० विरूआ भा० करपू सुत नरपाल भा० रत्नू
श्रीचन्द्रप्रभविंशं प्रतिष्ठितं ॥ भ्रातृ गोपाल भ्रातृ कान्हा स्व सम—

(३८४) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०४ वर्षे फागुण शुदि ११ चंडालियागोत्रे सा० पाल्हा पु०
सा० साल्हाकेन पित्रोः पुण्यार्थं श्रीकुन्धुनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं मलधा-
रिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिपट्टे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(३८५) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०४ व्य० वील्हा रत्नादे पुत्र लखमण जाल्हाणदे पुत्र नाथू
भा० देदा भ्रातृ सली नामा वीढा युतया का० श्रीसुपार्श्वः । म । तपा-
श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

३८० नागोर चोसठियाजी का मन्दिर

३८१ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय

३८२ जयपुर पंचायती मन्दिर

३८३ करमदी आदिनाथ मन्दिर

३८४ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

३८५ नागोर घड़ा मन्दिर

(३६७) मुनिसुव्रत पञ्चतीर्थीः

सं० १५०५ माह वदि ७ उ० झा० लोढागोत्रे सा० सीहा भा० रामू
पु० पेथा रामा पेथा भा० सीतादे पु० नेमा नाथू जी० दा नेमाकेन भा०
वालहदे युतेन पितृ-मातृश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतवि० का० प्र० चित्रावालगच्छे
श्रीमुनितिलकसूरिभिः । श्रीः

(३६८) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०५ वर्षे फागुण सुदि २ शनौ ऊकेशवंशे श्रे० सांगा
भार्या पाडू पुत्र अमराकेन भार्या सहजलदे सहितेन निजश्रेयोऽर्थ श्रीमत्
श्रीवासुपूज्यविं० कारितं श्रीसूरिभिः प्रतिष्ठापितं ॥

(३६९) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०५ वर्षे फागुण सुदि २ शनौ ऊकेशवंशे श्रे० सांगा
भार्या पालू पुत्र अमराकेन भार्या सहजलदे सहितेन निजश्रेयोर्थ श्रीमत्
श्रीवासुपूज्यविं० कारितं श्रीसूरिभिः प्रतिष्ठापितं ॥

(४००) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०५ प्राग्वाटज्ञातीय । सा० पीचन भार्या केलही पु०
देल्हाकेन भ्रातृ लखमण निमित्तं श्रीसंभवनाथविं० कारापितं प्र०

(४०१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ४ दिने सोनीगोत्रे सा० जीऊसन्ताने
सा० खीमा पुत्र सा० करमान्देन महणा-पुण्यार्थ श्रीआदिनाथविं० कारितं
प्रतिष्ठितं रुद्रपल्लीयगच्छे श्रीजिनहंससूरिपट्टे श्रीजिनराजसूरिभिः ।

(४०२) पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०६ वर्षे कार्तिक वदि ७ शुके श्रीभावडारगच्छे । ऊकेश-
ज्ञा० आसोलियागोत्रे सा० रामा भार्या लाखू पुण्यार्थ

(४०३) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०६ पोष सु० ५ उ० पंचाणेचागोत्रे सा० मेधा भा० माणिकदे
पु० गेहा भा० पूंजी पुत्रयुतेन गेहाकेन आत्मश्रेयसे श्रीकुन्धुनाथवि० का०
प्र० श्रीचैत्रगच्छे भ० श्रीमुनितिलकसूरिभिः ॥

३६७ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

३६८ कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर

३६९ जयपुर पंचायती मन्दिर

४०० कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

४०१ भैंसरोड़गढ़ आदिनाथ मन्दिर

४०२ चाडसू आदिनाथ मन्दिर

४०३ सांगानेर महावीर मन्दिर

(४०४) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५०६ पो० शु० १५ सोमे श्रीसामकठगोत्रे सा० करमा
भा० करमादे पुत्र सा० जगसी-रत्नाभ्यां पुत्र देल्हा पौत्र छाजू प्रमुखपरि-
वारयुताभ्यां श्रीसुविधिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं खरतर० श्रीजिनभद्र-
सूरिसर्वप्रवरगमैः ॥

(४०५) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५०६ पौ० शुद्ध १५ ऊकेशवंशे नाहरशाखायां सा०
सरवरण भार्या धर्मिणी पुत्र सा० सामल भार्या सामलदे पुत्र सा० श्रीरंगेण
भार्या राजलदे पुत्र सा० सधारण प्रमुखपरिवारयुतेन स्वश्रेयोर्थ श्रीसुम-
तिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छाधिपति-श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥
शुभंभवतु पूजकानाम् ।

(४०६) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५०६ वर्षे पोष सुदि १५ दिने श्रीऊकेशवंशे अजित-
नाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे-श्रीजिनभद्रसूरि गुरुराज्ञाविधेयी
सं० पूना भा० विल्ही श्राविकया ।

(४०७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०६ भाद्र वदि ११ तिथौ श्रीमालान्वये ढोरगोत्रे सा०
तोल्हा तड्यार्या सरामानी तत्पुत्र सा० महराजी श्रीशान्तिनाथविंशं कारापितं
प्रतिष्ठितं । श्रीखरतरगच्छे भ० अजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ।

(४०८) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०६ वर्षे माह वदि ६ श्रीकोरंटकीयगच्छे श्रीनन्नाचार्य-
सन्ताने । ऊ० ती० सुचन्तीगोत्रे सा० आमरमुण्या पु० हाता भा० हुति
पु० मांडण भार्या माणिक पु० खेतादि श्रीवासुपूज्यविंशं कारापितं प्र०
श्रीसावदेवसूरिभिः ।

(४०९) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०६ वर्षे काल्गुन वदि ५ सोमवारे ओसवालजातीय
नाहरगोत्रे सा० कील्हा पु० सा० महिराज भार्या महणश्री पु० बीजा-
पर्वताभ्यां स्वपितृपुण्यार्थं श्रीसुविधिनाथविंशं का० प्र० श्रीधर्मचोपगच्छे
श्रीविजयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥ श्री ॥

४०४ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

४०५ रतलाम यति लालचंदजी का मन्दिर

४०६ मिनाथ महावीर मन्दिर. पापाण

४०७ जयपुर पञ्चायती मन्दिर

४०८ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

४०९ कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर

(४१०) संभवनाथ-पञ्चतीर्थाः

सं० १५०६ फा० व० च श्री३० ग० कहुदाचा० गो० सा०
स० भा० रत्नादि पु० सुन्दरदास-सदारंगाभ्यां पितुः श्रे०
श्रीसंभवनाथविंशं कारितं । प्रतिष्ठितं । श्रीकलसूरिभिः ।

(४११) अजितनाथ-पञ्चतीर्थाः

सं० १५०६ फा० शु० ६ प्रा० सा० अरसी भा० आल्टी पुत्र सा०
उदाकेन भा० नाडी पुत्र मोहणादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथ-
विंशं का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्र-
सूरिभिः ॥

(४१२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थाः

ॐ ॥ सं० १५०६ वर्षे श्रीउकेशज्ञातोय कांकरियागोत्रे सा० महीपाल
भार्या वारु पुत्र सा० नरसिंहसुभ्रवकेण भ्रातृ अरसी पुत्र पूजा सहितेन
निजश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्र-
सूरिभिः ॥

(४१३) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थाः

सं० १५०७ वर्षे चैत्र वदि ५ रानी लोढागोत्रे । श्रे० गुणा भार्या
गुणश्री पुत्र श्रे० पूजा-काचरभ्यां पितृव्य धन्ना पुण्यार्थं श्रीधर्मनाथविं०
का० प्र० खरतर० श्रीजिनभद्रसूरि-श्रीजिनलगरसूरिभिः ॥

(४१४) सुपार्वनाथ-पञ्चतीर्थाः

॥ सं० १५०७ ज्येष्ठ व० ६ उकेश श्रे० धन्ना भा० वर्जी सुत लाड-
लियासि श्रे० साल्हाकेन भा० दाही प्रमुखकुटुम्बसहितेन श्रीसुपार्वविंशं
कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(४१५) धर्मनाथः

॥ संवत् १५०७ वर्षे ज्येष्ठ वदि २ दिने सोमवारे उकेशवंशे बुहरा-
गोत्रे सा० अजु तत्पुत्र सा० महिराज तत्पुत्र गोरा प्रमुखसारपरिवारयुतेन
माल्हाणदे पुण्यार्थं श्रीधर्मनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे
श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

४१० जयपुर पञ्चायती मन्दिर

४११ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

४१२ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

४१३ अमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

४१४ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

४१५ मालपुरा सुनिसुव्रत मन्दिर. पापाण

(४१७) नमः शिवाय . वि. वि. वि.

॥ सं० १५०७ वर्षे ज्येष्ठ सु० १० ॥ सा० देवा भा० सांपड़ पु० सं० मेला भा० सुहव पु० सा० जाल्हा वणवीर ।
दसरथ संयुतेन श्रीवासुपूज्यजिनप्रमिते श्रीचतुर्विंशतिजिनपट्टः कारितं
श्रीकृष्णपिंगच्छे तपापक्षे श्रीजयसिंहसूरिपट्टे प्रतिष्ठितं श्रीजयशेखरसूरिभिः
शुभंभवतु ॥

(४१७) संभवनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५०७ वर्षे कार्तिके सु० ११ शुके प्राग्धा० कोठा० लासा भा०
लाखणदे पु० को० परवत भार्या लोला दाहा नाना डंगूर
युतस्तेन श्रीसंभवनाथविं वं का० उएसगछे श्रीसिद्धाचार्यसन्ताने प्रति०
श्रीकृष्णसूरिभिः ॥

(४१८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५०७ वर्षे मार्गसिर सुदि २ नाहरगोजे सा० देपाल पु०
घनाफेन भा० हरसु पु० भांडा सांडा ऊघायुतेन पितृपुण्यार्थ श्रीशीतल-
नाथविं कारितं प्र० श्रीधर्मतिलकसूरिभिः ॥॥ शुभंभवतु ॥

(४१९) विमलनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ ॐ ॥ सं० १५०७ वर्षे मार्गसिर सुदि ३ शुके उपकेशज्ञातीय
जावडगोजे सं० घणसीह भार्या दादह वीसल भार्या (भ्राता) महिपाल पु०
नगराज साधो आत्मपुण्यार्थ श्रीविमलनाथविं वं का० प्र० श्रीवृहद्गच्छे
श्रीसागरसूरिभिः ।

(४२०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५०७ वर्षे माघ सुदि ५ शुके । श्रीगुर्जरज्ञातीय मं० परवत
भा० प्रोमलदे पु० राणा भा० वीरु तयोरात्मश्रेयसे श्रीआदिनाथविं वं कारा-
पितं प्रतिष्ठितं श्रीआगमगच्छे श्रीसिंहदत्तसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु कल्याणाम्ब ।

(४२१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५०७ माघ सु० ५ सा० खीवर भा० खेढी पुत्र सा० जिनदत्तेन
भा० अर्चू सुत भांभणादिकुटुम्बयुतेन श्रीसुमतिनाथविं वं का० प्र० श्रीसो-
मसुन्दरसूरिशिष्य-श्रीरत्नरोक्षरसूरिभिः ।

४१६ सैलाना ऋषभदेव मन्दिर

४१७ नागौर वडा मन्दिर

४१८ किशनगढ खरतरग० तपाश्रय

४१९ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

४२० जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर. घाट

४२१ बेंतेह विमलनाथ मन्दिर.

(४२२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०७ वर्षे माघ सुदि १३ शुक्ले खटवडगोत्रे सा० साल्हा भार्या सोना पुत्र सा० कुशलाकेन भा० कमलश्री पु० धन्नादियुतेन श्रीआदिनाथ-विं० का० प्रति० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्माणंदसूरिभिः ।

(४२३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०७ वर्षे माघ सुदि १३ भणसालीगोत्रे । श्रीकोरटगच्छे उसवालज्ञा० सा० सादा भा० पु० श्रीधर पितृ-मातृश्रेयोर्थ श्रीआदिविं० कारितं प्र० श्रीकक्षसूरिपट्टे ।

(४२४) वासुपूज्यः

॥ संवत् १५०७ वर्षे फागुण वदि ३ दिने श्रीउपकेशगच्छे श्रीककुदाचार्यसन्ताने श्रीउपकेशज्ञातो श्रीचिचटगोत्रे चि० देसल आस द्वयनग भार्या सुनखत पु० सा० श्रीचन्द्र भा० उमादेव्या स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यविं० का० प्र० श्रीकक्षसूरिभिः (आगे पलांठी पर) श्रीउमादे श्रीवासुपूज्य सं० १५०७ वर्षे ।

(४२५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०७ वर्षे फा० व० ३ बुधे ओशवंशे बहुरा हीरा भा० हीरादे पु० व० खेता भा० खेतलदे पुत्र व० महीपति पितृश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविं० कारितं खरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरि-श्रीजिनसागरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ।

(४२६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०७ वर्षे फागुण वदि ३ उस० ज्ञा० सा० महिपा भा० तेजू पु० लोला भा० लीलादे सहितेन पित्रोः श्रेयसे श्रीशान्तिनाथविं० का० प्र० वृत्राणा । श्रीउदयप्रभसूरिभिः ॥

(४२७) अभिनन्दनः

॥ सं० १५०७ वर्षे फागुण वदि ३ श्रीसहजपालेन श्रीअभिनन्दनविं० कारि० श्रीखरतरगच्छे प्र० श्रीजिनसागरसूरिभिः ।

४२२ नागोर वडा मन्दिर

४२३ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

४२४ भिनाय महावीर मन्दिर. पाषाण

४२५ मेडतासिटी युगादीश्वर मन्दिर

४२६ मेडतासिटी युगादीश्वर मन्दिर

४२७ केकडी चन्द्रप्रभ मन्दिर. पाषाण

(४२८) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०७ वर्षे फागुण वदि ३ गुरौ कोरंटकीयगच्छे वित्रांगच्छरु-
गोत्रे.....पूजा भा० वादू सुहडाहरआदि श्रीसंभवनाथ-
विं वं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमदेव० पूर्णिमा.....।

(४२९) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०७ प्राग्वट् सा० पांचा भार्या सरसू पु० सा० पेथाकेन भा०
जीधिणी भ्रातृ सा० मूना हांपादिकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्रीपद्मप्रभुविं वं
कारितं प्रति० श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-श्रीरत्नशेखरसूरिभिः । श्री ।

(४३०) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०८ वर्षे वैशाख वदि २ श्रीपल्लिकीयगच्छे उ० छाहडगोत्रे
सा० जइता पुत्र हेला भा० करमादे पुत्र भीमड भार्या जायलदे पु० देया सह
श्रीसुमतिनाथविं० का० प्र० श्रीयशोदेवसूरिभिः ॥

(४३१) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०८ व० वै० शु० ५ सोमे ओसवालज्ञा० लोढागोत्रे सा०
विजयसी भा० धारू तत्पुत्र सा० पांचू भा० अंपायू आ० पुण्यार्थ श्रीशीत-
लनाथविं वं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(४३२) नेमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०८ वर्षे ज्येष्ठ सुदि २ कुकदाचा० ओसवालज्ञातीय सा०
कमला भा० लाघु तत्पु० गातयेन स्वश्रेयसे श्रीनेमिविं वं का० प्र० श्रीओस-
वालगच्छे श्रीकक्षसूरिभिः ।

(४३३) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०८ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १० श्रीमालन्याती डींढावतगोत्रे सा०
भोजा भा० असू पुत्र तंवाभ श्रीफल श्रीधर्मनाथविं वं कारापितं प्रति-
ष्ठितं.....।

४२८ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय

४२९ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

४३० खजवाना धर्मनाथ मन्दिर

४३१ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

४३२ मैसरोडगढ आदिनाथ मन्दिर

४३३ जयपुर पार्वचन्द्रग० उपाश्रय

(४४६) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०६ वर्षे माघ सुदि १० ओकेशवंशे गहिलडागोत्रे सा०
नेना पु० मा० तोल्हा-खिमराजाभ्यां स्वपुण्यार्थं श्रीपद्मप्रभस्वामिविवं का०
प्र० श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(४४७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०६ वर्षे माघ सुदि १० ओकेशवंशे अजमेरागोत्रे सा० सधा-
रण पु० सा० लाखा वाल्हा केल्हाकेः स्वपुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथविवं का० प्र०
मलधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिपट्टे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(४४८) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०६ वर्षे माघ सुदि १० उपकेशज्ञातीय सत्यकीशाखायां सा०
सांगा भा० सुहडादे पु० जगमाल भा० जसमादे कान्हा भा० कउतिगदे
श्रीसुमतिनाथविवं का० प्र० पूर्णिमापक्षीय भ० श्रीजयभद्रसूरिभिः ॥

(४४९) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०६ वर्षे फाल्गुण वदि १० शनिवारे काकलवाड्यागोत्रे
सा० देवराज भार्या लखमा तयोः पुत्रेण सा० पाल्हाकेन आत्मश्रेयसे
श्रीसंभवनाथविवं कारितं धर्मघोषगच्छे भ० श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ।

(४५०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०६ वंशे उसवंशे सा० हउदा भार्या आल्हणदे पुत्र कोल्हा-
केन श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेशरीसूरीणां उपदेशेन पितृश्रेयर्थं श्रीआदिना-
थविवं कारितं प्रतिष्ठितं

(४५१) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१० वर्षे चैत्र वदि ४ तिथौ शनौ हिंगडगोत्रे गौइन्द पुत्रेण
सा० सिंघाकेन निजश्रेयो० निमित्तं श्रीसु (वि) धिनाथविवं कारितं प्रतिष्ठि०
तपा० भ० श्रीहेमहंससूरिभिः ।

४४६ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

४४७ जयपुर पञ्चायती मन्दिर

४४८ किसनगढ़ खरतरग० उपाश्रय

४४९ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

४५० जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय

४५१ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(४५२) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१० वर्षे चैत्र व० ८ बुधे श्रीमालज्ञा० काणागोत्रे सा० जयता मा० कान्हू पुत्र । सा० हांसा-चांपाभ्यां स्वश्रेयर्थे श्रीअभिनन्दनविं० का० प्र० श्रीवृहद्गच्छे श्रीमत्सुन्दरसूरिभिः ॥

(४५३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१० चैत्र वदि ८ बुधे श्रीमालज्ञा० चढचहयागोत्रे पं० गोसल मा० गुरादे पुत्र अर्जुनेन स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथविं० का० प्र० श्रीवृहद्गच्छे श्रीसांतिमुन्दरसूरिसूरिभिः ॥

(४५४) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१० चैत्र वदि ८ बुधे श्रीमालज्ञा० हरियाणागोत्रे सा० हापा मा० करण पु० सारंगेन स्वश्रेयसे श्रीकुन्धुना० विं० का० प्र० श्रीरुद्र-पल्लीय श्री.....(देवसुन्दरसूरिभिः ?)

(४५५) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१० चैत्र वदि ८ बुधे श्रीमालज्ञा० धराहरियागो० सा० लाहड मा० मंदोयरी पुत्र राघवेन भा० लासी पु० चालापर्वत हंसादियु० स्वश्रेयसे श्रीकुन्धुविं० का० प्र० श्रीरुद्रपल्लीयगच्छे श्रीहरिमद्रसूरिभिः ॥

(४५६) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१० वर्षे चैत्र व० ८ बुधे श्रीमालज्ञातीयगोत्रे सा० वीरड मा० भीनी पुत्र पाल्हाकेन भा० पाल्ही पु० पूणायुतेन स्वश्रेयसे श्रीपद्मप्रभ० का० प्र० श्रीरुद्रपल्लीयगच्छे भ० श्रीहरिमद्रसूरिभिः ॥

(४५७) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१० वर्षे वै० व० ५ प्रा० सा० मना भा० माल्हाणदे पुत्र चाम्पाकेन भा० रतनू पुत्र चोजा सोमा रङ्गसादिकुदुन्वयुतेन स्वश्रेयसे श्रीचन्द्रविं० का० प्र० भ० श्रीरत्नरोखरसूरिभिः ॥ श्रीचिरंभूयात् ॥ मालचे ॥

(४५८) महावीरः

संवत् १५१० वर्षे वैशाख वदि १३ सोमे आलाआमै (?) श्रीसंघ श्रीमहावीरविं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीराजगच्छे.....सूरिभिः ॥

४५२ चंदलाई शान्तिनाथ मन्दिर

४५३ रतलाम सुमतिनाथ मन्दिर

४५४ सांगानेर महावीर मन्दिर

४५५ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

४५६ नागौर वड़ा मन्दिर

४५७ भैंसरीङ्गद आदिनाथ मन्दिर

४५८ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय

(४५६) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१० वर्षे ज्येष्ठ सु० ३ गुरौ उकेशज्ञातीय द्वाजहङ्गोत्रे सा० जगडा भार्या कुंति पु० तिहुणाकेन भार्या वयजलदे पु० गेंदा देदा सहितेन मातृ-पितृ-स्वपुण्यार्थं श्रीसुविधिनाथविंवं कारितं प्रतिष्ठितं । श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनशेखरसूरिपट्टे । भ० श्रीजिनधर्मसूरिभिः ॥ छ ॥

(४६०) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१० वर्षे ज्येष्ठ सुदि ३ गुरु श्रीश्रीनालहातीय पितृ महिषा मातृ माल्हाणदे श्रेयोर्थं सुत मोकलेन श्रीसंभवनाथविंवं कारितं श्रीपूर्णमापत्ते श्रीसाधुरत्नसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना ।

(४६१) महावीर-पञ्चतीर्थीः

संव० १५१० ज्येष्ठ सु० ३ रवौ प्राग्वाट पीपलियावासी सा० वीरा पुत्र सा० झूंगरसी भ्रातृ खेतसी सहसा समधर देवधर कर्मा भा० जाखू तीजू वर्ई जाई कर्म्यादिकुटुम्बयुतैः श्रीमहावीरविंवं का० प्र० तपा० श्रीसो-मसुन्दरसूरि भ० मुनिसुन्दरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(४६२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५१० वर्षे आपाद वदि १० सोमे श्रीउकेशवंशे माल्हा-गोत्रे सा० जिणदत्त भा० वरगु पु० गांगा भा० गांगादे पुत्र कूमादियुतेन श्रीशान्तिविंवं कारितं प्रति० श्रीखरतरग० श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

(४६३) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१० वर्षे आपाद वदि १३ रवौ श्रीभावडारगच्छे उपकेश-ज्ञातीय वांहीयागोत्रे सा० साचा भा० श्रीआदे पु० वरसिंह भा० जीवादे पु० श्रीमल्ल भ्रातृ सा० होला भा० हीरादे पु० चाहड योधा प्रमुखकुटुम्बेन श्रीसंभवनाथविंवं कारितं प्रति० श्रीकालिकाचार्यसन्तानीय श्रीश्रीवीरसू-रिभिः ॥

(४६४) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१० वर्षे आपाद सुदि २ उके० सीसोदियागो० सा० कर्मा भा० कर्मादे पुत्र जांगू भा० जसमादे पु० वील्हा चहुवदेवा-नेमाभ्यां स्व-पुण्यार्थं श्रीधर्मनाथविंवं का० प्र० श्रीसंडेरगच्छे श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

४५६ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

४६० सांगानेर महावीर मन्दिर

४६१ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

४६२ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय

४६३ विलाव शान्तिनाथ मन्दिर

४६४ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

(४६५) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५१० माघ सु० ५ श्रीमालवशे नवलगोत्रे । सा० वीना पु०
सा० गणपति पुत्र जगमाल । श्रीकुन्धुनाथविंशं कारितं श्रीस्वरतरगच्छे ।
श्रीजिनप्रभसूरिश्च । प्र० श्रीजिनतिलकसूरिभिः ॥

(४६६) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५१० वर्षे माघ सुदि ५ दूगड़गोत्रे सा० सीहा भा० इदी पु०
सहदे साऊं सोढा सहजा सलखा तेपु सहदेवं गौरीपुण्याय कुन्धुनाथविंशं
कारितं प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीअमरप्रभसूरिपट्टे श्रीरत्नचन्द्रसूरिभिः

(४६७) नमिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५१० वर्षे माघ सुदि ५ शुक्ले श्रीनाणकीयगच्छे उ० तेलहर-
गोत्रे सा० जाला भार्या कपूरदे पुत्र करणा-कालद्वाभ्यां पितृ-मातृश्रेयोऽर्थं
चतुर्विंशतिपट्टकं श्रीनमिनाथविंशं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीमहेन्द्रसूरिपट्टे श्री-
शान्तिसूरिभिः ।

(४६८) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ ॐ ॥ सं० १५१० वर्षे माघ सुदि १० उकेशहाती० पीपाडागोत्रे
सा० रामराज पुत्र सा० छाजूकेन सोनपाल कुंवरपाल माढादि पुत्र-पौत्र-
सहितेन श्रीशीतलविंशं का० प्र० तपा-भट्टारक श्रीक्षेमहंससूरिभिः ॥

(४६९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १५१० वर्षे श्रौसवशे सं० अर्जुन भा० लहोला बोहथकेन सं०
नाल्हू नीया भा० नाल्हू श्री पु० मेघादि कुटुम्बयुक्ते श्रीशान्तिनाथविंशं का०
प्रति० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिपट्टे मुनिसुन्दरसूरि चैत्र वदि ४ शनियासरे ।

(४७०) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५१० वर्षे देवरवा० उ० झा० पीपाडागोत्रे सं० कमला
भा० फील्हणदे सु० कलाकेन भा० कपूरदे पुत्र देल्हा पद्मा कर्मसी धर्मसी
भा० देवलदे पोमलदे कश्मीरदे सोनादे प्रमुखकुटुम्बयुक्तेन श्रीधर्मनाथविंशं
कारितं प्रतिष्ठितं श्रेयसे पल्लीवालगच्छे श्रीनन्नसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ॥

४६५ सांगानेर महावीर मन्दिर

४६६ सांगानेर महावीर मन्दिर

४६७ करमदी आदिनाथ मन्दिर

४६८ चूदी पार्श्वनाथ मन्दिर

४६९ मालपुरा मुनिसुन्नत मन्दिर

४७० सिरोही अजितनाथ मन्दिर

(४७१) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५११ वर्षे ज्ये० सु० ३ गुरौ श्रीहंगडगोत्रे सा० श्रीपोपा-
सन्ताने सं० अर्जुन भार्या सणखी पु० सं० सिवराज सु० धनराज भार्या
सालिगही सुतेन भावदेवेन भा० वीरी पु० जगमलयुतेन श्रीपद्मप्रभस्वामि-
विंवं का० प्र० वृ० श्रीमहेन्द्रसूरिपट्टे श्रीरत्नाकरसूरिभिः शुभम् ।

(४७२) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५११ वर्षे ज्ये० शु० ८ प्राग्वाटज्ञातीय व्य० ऊधरण भा०
सहजलदे सुत देवाकेन भा० देवलदे वृद्ध भ्रातृ भीमा खीमादिकुटुम्ब-
युतेन आत्मश्रेयोर्थ श्रीविमलनाथविंवं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीरत्न-
शेखरसूरिभिः । श्री

(४७३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५११ वर्षे आपाढ वदि ६ घाघगोत्रे सा० महाराज भार्या
महासिरी पुत्रेण सीहाकेन पित्रोः श्रेयसे श्रीआदिनाथविंवं कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीमलधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिपट्टे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(४७४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५११ वर्षे आपाढ वदि १२ शनि० उस० वातरुणरागोत्रे सा०
हाला भा० रत्नु पु० ताड आत्मश्रे० श्रीआदिनाथविं० का० प्र० श्रीधर्मघोष-
गच्छे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

(४७५) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५११ वर्षे आपाढ सुदि ६ प्राग्वाटज्ञा० व्य० सामंत भा०
तेली पुत्र व्य० कर्मणेन भा० जनकू पुत्र धीरा भा० आसुप्रमुखयुतेन श्रीनमि-
नाथविंवं का० प्रतिष्ठितं श्रीजयकेसरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(४७६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५११ वर्षे मार्गशिर सु० ५ रवौ उपकेशज्ञातीय साह
आसा भा० अहविदे पु० सा० हठा कुरसी भा० जानू सहितेन पितृ-मातृ-
श्रेयोर्थ श्रीआदिनाथविंवं का० श्रीकोरंटगच्छे प्रति० श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

४७१ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

४७२ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

४७३ करमदी आदिनाथ मन्दिर

४७४ दाहोद पार्श्वनाथ मन्दिर

४७५ भूँटा पार्श्वनाथ मन्दिर

४७६ नागौर वड़ा मन्दिर

(४७७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५११ वर्षे पो० व० ५ उपकेशवं० अंजन भा० साऊ सु० धर-
माकेन सा० माकू पु० भ्रातृ कर्मणश्रेयसे श्रीविमलविं वं का० प्र० श्रीरस्तु

(४७८) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १५११ वर्षे मा० व १ सिद्धपुरे भावसार देवा भा० कीकी पुत्र
प्रथमाकेन भा० मानू पुत्र सांगा देपालादिकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे
श्रीवर्द्धमानविं वं कारितं प्रतिष्ठितं ॥ श्रीश्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्यतपागच्छेश
श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(४७९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५११ वर्षे माघ शु० २ शनी उपकेशज्ञातौ सुचिंतितगोत्रे सा०
सादा भा० कन्नुई पु० रंभुकेन पित्रोः श्रेयसे श्रीशान्तिनाथविं वं कारितं
प्रति० श्रीउपकेशगच्छे श्रीकक्कसूरिभिः ॥ ७४

(४८०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५११ वर्षे माघ शु० ५ गुरु श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० महुणसी
भार्या नाऊ सुत कीकाकेन पितृ-मातृनिमित्तं आत्मश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथ-
विं वं कारितं प्र० श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीमुनिचन्द्रसूरिभिः मेहुणायास्तव्य ।
श्री ।

(४८१) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५११ फागुण सु० ११ सोमे उपकेशज्ञातौ आदित्यनागगोत्रे
धांधू शाखां० सं० मांवा भा० मांवाश्री पु० सा० वीरा भा० विजलश्री पु०
सा० सांगाकेन भा० सुहागश्री पुत्र नरसिंह-भोजाभ्यां युतेन स्वश्रेयसे
श्रीश्रेयांसनाथविं वं कारितं श्रीउपकेशगच्छे ककुदाचार्यसं० प्रतिष्ठितं
श्रीकक्कसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(४८२) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१२ वर्षे ज्येष्ठ वदि ७ बुधे श्रीउपकेशज्ञातीय श्रे० अमरा
सुत सा० गोरथा भार्या रजादकेन श्रीजीवितस्वामि श्रीनमिनाथविं वं का०
प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीरत्नदेवसूरिभिः ।

४७७ मेड़तासिटी धर्मनाथ मन्दिर

४७८ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

४७९ महुवा नेमिनाथ मन्दिर

४८० जयपुर श्रीमालों का मन्दिर

४८१ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

४८२ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(४६४) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थः

संव० १५१२ वर्षे फागुण सुदि ८ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीय व्यव० नरसी सुत काला सुत वर्धमान सुत दो० वालाकेन भा० कुंअरि सुत सारण प्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वभ्रातृ जाथाराम निश्रेयर्थ श्रीसुमतिनाथविं वं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीश्रीश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(४६५) विमलनाथ-पञ्चतीर्थः

संव० १५१२ वर्षे फा० शुदि १२ प्रा० सा० समरसी भार्या हपू सुत सा० तोला तील्हा छाडादिभिः भा० हीरू तारादे कुन्तिगदेव्यादिकुटुम्बयुतेन सा० वयरसिंहादिपूर्वजश्रेयसे श्रीविमलनाथविं वं का० प्र० श्रीतपा श्रीरत्न-शेखरसूरिभिः ॥

(४६६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १५१२ फा० सु० १२ दिने थुलगोत्रे सा० मूला पुत्र जेसाकेन पु० पैमा खेता खेमायुतेन स्वपुण्यार्थ श्रीआदिनाथविं वं का० प्र० श्रीखरतर-गच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः श्रीः ॥

(४६७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५१२ वर्षे फागुण सुदि १२ श्रीउपकेशगच्छे श्रीककुदा-चार्यसन्ताने । श्रीउपकेशज्ञातौ श्रीआदित्यनागगोत्रे सा० आसा भा० जीवू पु० छाजू भा० छाजलदे पितृ-मातृश्रे० श्रीआदिनाथविं० प्रतिष्ठितं श्रीकक्-सूरिभिः ॥

(४६८) सुमतिनाथः

॥ ॐ ॥ संवत् १५१३ वर्षे पष्ठ्यां तिथौ गुरुवासरे उपकेशवंशे बहुरागोत्रे सा० तापर.....सरु पुत्र सा० हा.....श्रीचैत्रगच्छे प्रति-ष्ठितं श्रीउ(द)याकरसूरिभिः ॥ १ ॥ चैत्रमासवे । ॥ ॐ ॥ श्रीसुमति-नाथविं वं ॥

(४६९) नमिनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १५१३ वर्षे चैत्र सुदि ६ गुरौ उप० आदित्यनागगोत्रे । सा० करमा भा० कउतिगदे । पु० पामा देदा सुरजा सहितेन मातृ-पितृआत्म-श्रेयर्थ श्रीनमिनाथविं वं का० उ० प्र० श्रीकक्सूरिभिः ॥

४६४ नागोर बड़ा मन्दिर

४६५ विलाव शान्तिनाथ मन्दिर

४६६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

४६७ नागोर बड़ा मन्दिर

४६८ सांगानेर महावीर मन्दिर

४६९ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

(५००) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१३ वर्षे चैत्र सुदि ६ गुरुवारे घाघगोत्रे सा० सिवराज
भा० सायू पु० सा० नयणाकेन भा०..... स्वपुण्यार्थं श्रीपासविं०
का० प्रति० श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(५०१) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ चैत्रे ओसवाल मं० रत्ना भा० भाऊ पु० वाघा-फदाभ्यां
क्रमात् भा० रत्नू । धीजलदे । पु० भूभुच । सोमादिकुटुम्बपरिवृताभ्यां
श्रीमुनिसुव्रतस्यामिबिंबं निजमातृश्रेयसे का० प्र० तपा श्रीसोमसुन्दरसूरिशि-
ष्यश्रीरत्नरोखरसूरिभिः ॥ इलादुर्गे

(५०२) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ वर्षे वैशाख यदि ४ शुके श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० सादूल
भा० संसारदे सु० सातिग भा० रामू सङ्गितेन निजपुण्यार्थं जीवितस्वामि
श्रीकुन्ध (धु) नाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीकमलप्रभसूरीणामुपदेशेन
प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(५०३) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ वर्षे वै० व० १२ दिने आम्लाहियासि प्राग्वाट सा०
मेहा भा० मची सुत सा० घन्नाकेन भा० रुदी पुत्र सा० रामा सा० देवादि-
युक्तेन श्रीविमलबिंबं का० । श्रीतपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-गच्छनाथक-
श्रीरत्नरोखरसूरिभिः ॥

(५०४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१३ वर्षे वैशाख सुदि २ चण्डालियागोत्रे सा० रत्नसी भाऊ
पु० सा० चूहा सा० हेमाभ्यां स्वपुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीम-
लधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ।

(५०५) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१३ वर्षे वैशाख सुदि ५ उपकेश० गुन्दोचागोत्रे सा० धीरा
भा० धीरलदे पु० देवा भा० सहजलदे पाल्हा भा० पोमादि स्वश्रे० संभव-
नाथबिंबं का० प्र० श्रीचित्रवालगच्छे भ० श्रीमुनितिलकसूरिपट्टे श्रीगुणा-
करसूरिभिः ॥

५०० सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

५०१ सैलाना मुनिसुव्रत मन्दिर

५०२ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

५०३ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

५०४ भिनाथ महावीर मन्दिर

५०५ नागौर बड़ा मन्दिर

(५०६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ वै० शु० ७ श्रीमालज्ञा० सा० वाना भार्या वाल्ही सुत
सं० खरहथेन भा० दामा सुत वीरम भ्रातृ नाथू प्रमुखकुटुम्बयुतेन त्वश्रेयोर्य
श्रीआदिनाथविंवां का० प्र० तपागच्छेश श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(५०७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१३ वर्षे वैशाख सुदि १० बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० मामट
भार्या हीरू सुत पुनसीकेन मातृपितृश्रेयोर्य विमलनाथविंवां कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीसूरिभिः विधिना ।

(५०८) धर्मनाथः

॥ सं० १५१३ वर्षे ज्येष्ठ वदि ११ गुरौ श्रीमालवंशे आकदूधियागोत्रे
श्रे० सा० इरिया भा० बालहदे पुत्र सं० हूंगर सुश्रावकेण श्रे० जेवंत
जीदा साधु परिवृतेन भा० लीलादे-श्राविकापुण्यार्थ श्रीधर्मनाथविंवां का०
प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥ (आगे पलांठी पर) सा० हूंगर
भा० लीला धर्मनाथं प्रणमति

(५०९) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ६ शुके श्रीश्रीमालज्ञातीय पहिलगोत्रे
सा० जगसी भा० उमी पुत्र राजा देल्हा कीका प्रमुखसकुटुम्बेन पितृव्य
धांधानिमित्तं श्रीसुविधिनाथविंवां का० प्र० श्रीश्रीभीनमाल । भ० श्रीदेव-
सूरिपट्टे भ० श्री माव..... ।

(५१०) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ शुके ऊकेशवंशे सा० नगराज भा०
गीगाई पु० भीष्णताप (?) भार्यया सा० केशराज काममणि सुतया रोहिणी-
नाम्न्या श्रीविमलनाथविंवां का० प्र० अंचलगच्छे श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदे-
शात् ... ।

५०६ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

५०७ सैलाना मुनिसुव्रत मन्दिर

५०८ सालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. पाषाण

५०९ भिनाथ केसरियानाथ मन्दिर

५१० चाडसू आदिनाथ मन्दिर

(५११) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५१३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ शनी उपकेशज्ञातीय सांडगोत्रे
सा० मांडण भा० माणिकदे पु० खेताकेन भा० लखमादे सहितेन सूरमदे
निमित्तं श्रीशान्तिनाथविंव कारितं पूर्णिमापत्ती प्रतिष्ठितं श्रीजयभद्रसू-
रभिः ॥

(५१२) कुन्धुनाथः

॥ सं० १५१३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ गुरौ श्रीपारस्वगोत्रे
सा० मोल्हा भा० राजू पुत्र ईसर सुश्रावकेण भा० जादवदे युतेन श्रीकुन्धु-
नाथविंव का० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनमद्रसूरभिः ॥

(५१३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ ॐ ॥ सं० १५१३ वर्षे आपाढ सु० २ दिने ऊकेशवंसे कूकडा-
गोत्रे । चोपडा सा० ईसर भा० राणी सुत सरवणेन भ्रातृ राल्हा कृपा पु०
मला रत्ना चांपा धरसिंघ सीमा हर्पा आंवा प्रजांग चाचादिपरिवारसहि-
तेन श्रीशान्तिविंव कारितं प्र० खरतर० श्रीजिनमद्रसूरभिः

(५१४) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५१३ वर्षे आपाढ सुदि २ गुरु दिने उपकेशज्ञातीय मंड-
लेचागोत्रे सा० चूहय भा० बाहिणदे पु० रणमल भा० रतनादे
पु० माहा युतेन आत्मश्रेयसे श्रीसुविधिनाथविंव कारितं प्र० श्रीवृहद्गच्छे
जीनेरावटंके (?) भ० श्रीहेमचन्द्रसूरिपट्टे भ० श्रीकमलप्रभसूरभिः

(५१५) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५१३ वर्षे आपाढ सुदि २ गुरौ उपकेशगच्छे श्रीकुकडाचार्य
सन्ताने उप० बलहिगोत्रे जाणा पु० जेसल भा० जसमादे पु० भाडा भा०
कुंतगदे पु० सांगा युतेन पूर्वजनमित्तं श्रीशीतलनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीकफसूरभिः ॥

५११ वूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर

५१२ केकड़ी चन्द्रप्रभ मन्दिर, पांपाण

५१३ वूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर

५१४ नागोर बड़ा मन्दिर

५१५ सांगानेर महावीर मन्दिर

(५२८) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१३ वर्षे फागुण व० १२ सोमे श्रीसंडेरगच्छे उ० झा० फडीया-उडके (?) सा० तेजा पु० लूणा भा० देल्ही पु० रेडा-सामाभ्यां भ्रातृ लखमा पुण्यार्थ स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथविं० का० प्र० श्रीयशोभद्रसूरिसन्ताने श्रीश्रीईश्वरसूरिभिः ॥

(५२९) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ ओसवाल सं० भारमल्ल भावलदे पुत्र रत्नाकेन भा० अपू आ० टील्हा शिवादिकुटुम्बयुतेन श्रीसुमतिनाथविं० कारितं प्रतिष्ठितं तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरि-श्रीमुनिसुन्दरसूरि-श्रीजयचन्द्रसूरिशिष्य-श्रीरत्न-शेखरसूरिभिः ।

(५३०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१५ वैशाख शुक्ल ७ श्रे० जा० सी० टी पुत्र । सरसेन आत्मश्रे० श्रीआदिनाथविं० का० प्र० श्रीमहीतिलकसूरिभिः ॥

(५३१) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१५ वर्षे वैशाख शु० १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रीपोमा भा० टीवू तयोः पुत्र देपाल भा० वड़चूनामन्यः सपतिआत्मश्रेयोऽर्थ श्रीसंभवनाथविं० कारितं आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरीणामपदेशेन प्रतिष्ठितं अम्बासन ।

(५३२) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५१५ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ दिने श्रीश्रीमालज्ञातौ खारड गोत्रे सा० वाडा वठूरा सुश्रावकेण स्वपुण्यार्थे चन्द्रप्रभस्वामिविं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छेश श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिगुरुभिः ।

(५३३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५१५ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ दिने श्रीमालज्ञातौ खारड-गोत्रे सा० वील्हा वयरा श्रावकेण संपरिवारेण श्रीआदिनाथविं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छेश श्रीजिनभद्रसूरिपट्टालङ्कारसारगुरु-श्रीजिनचन्द्र-सूरिभिः श्रीसंघस्य भद्रं भूयात्

५२८ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

५२९ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

५३० नागोर चोसठियाजी का मन्दिर

५३१ करमदी आदिनाथ मन्दिर

५३२ चंदलाई शान्तिनाथ मन्दिर

५३३ जयपुर पंचायती मन्दिर

(५३४) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ३० ॥ संवत् १५१५ वर्षे ज्येष्ठ सु० ४ शुक्ले उकेशवंशे रांकाश्रेष्ठि-
गोत्रे श्रे० नरसिंह पुत्र श्रे० महीपति भार्या भद्र पुत्रेण श्रेष्ठि वच्छराजेन
संपरिकरेण स्वश्रेयोर्थ श्रीश्रेयांसविंश कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजि-
नभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरि मुगुली..... ॥

(५३५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१५ वर्षे ज्ये० शु० ५ प्राग्वट व्य० ऊदा भा० पा० पुत्र
जैसाकेन भा० लिक्त प्रमुखकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्रीधर्मनाथविंश
कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायक-श्रीसोमसुन्दरसूरिपट्टे श्रीमुनिसुन्दरसूरि-
पट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः । हाथी..... ।

(५३६) नेमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ सोमे उकेशगच्छे श्रीकुकुदाचार्य-
सन्ताने उ० श्रीआइचणागोत्रे सा० रूपा पुत्र हरखा पु० केल्ला पु० रेडा
भार्या देवराजही पु० जावद भा० जिणश्री पु० साधारण भा० नयूही पुत्र-
युते पिता जावदश्रेयसे श्रीनेमिनाथविंश कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकक्षसूरिभिः ॥

(५३७) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१५ वर्षे ज्ये० शु० १२ दिने प्राग्वट्ज्ञातीय सा० माला
भार्या गांगी पुत्र सा० ऊदाकेन भार्या वीलही वृद्धभ्रातृ पेमा यला वेला
राणा राजा लखमण हेमा सोमा पुत्र सिंहादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे
श्रीकुन्धुनाथविंश कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः । श्रीरस्तु ॥

(५३८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १५ दिने उकेशवंशे भणसालीगोत्रे सा०
सायर भा० सिंगारदे पुत्र सा० शेपा आचकेण भार्या सलखणदे पु० सा०
भीमा भ्रा० शिवदत्त पोत्र सा० पेथा चांपोदिपरिवारयुतेन श्रीआदिनाथ-
विंश कारितं स्वश्रेयोर्थ प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्री-
जिनचन्द्रसूरिभिः

५३४ चाडसू आदिनाथ मन्दिर

५३५ वरखेड़ा आदिनाथ मन्दिर

५३६ भिनाथ केसरियानाथ मन्दिर

५३७ सांगानेर महावीर मन्दिर

५३८ मेड़तारोड़ पार्श्वनाथ मन्दिर

(५३६) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ सं० १५१५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि.....प्राग्वाट वंगे आमगोत्रे सा०
मगडा भा० धारलदे पुत्र सा० पूजा सा० काजाभ्यां भार्या हीरादे कामलदे
पुत्र आंवा वयरसीह रूपा कृपा डाहादिपरिवारयुताभ्यां श्रीसुमतिनाथ-
विंव का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(५४०) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१५ वर्षे जेठ सुदि..... उकेशवंशे साधुशाखायां सा० पाल्ह-
णसी भा० जइतू पुत्र धर्मसिंहेन सा० नरपति भा० धारलदे पुत्र सोहा
प्रमुखपरिवारयुतेन श्रीशान्तिनाथविंव का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिन-
चन्द्रसूरिभिः ॥

(५४१) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१५ वर्षे आपाढ व० ८ उकेशज्ञातीय बहुरागोत्रे सा०
खिमराज पुत्र सा० झंगर भार्या करमाही पुत्रेण सा० श्रीमल्लेन श्रीअभि-
नन्दनविंव पितरनिमित्तं का० प्र० तपा० भ० श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे श्रीहेम-
हंससूरिभिः ॥

(५४२) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१५ वर्षे आपाढ व० ६ उकेशज्ञातीय बहुरागोत्रे सा० झंगर
भार्यया लखमश्रिपुण्यार्थ श्रीवासुपूज्यविंव का० प्र० तपा० भ० श्रीपूर्ण-
चन्द्रसूरिपट्टे श्रीहेमहंससूरिभिः ।

(५४३) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१५ आपाढ सुदि १ उपकेशवंशे पाटदडगोत्रे सा० गेला
भा० अणपू.....पु० सा० संतोक भा० खेतलदे पु० कर्णादिपरिवारयुतेन
श्रीमुनिसुव्रतविंव का० प्र० श्रीखरतर० श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(५४४) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१५ वर्षे आपाढ सुदि ५ बुध उपकेशज्ञा० डेडाणागोत्रे
सांढाशाखायां सा० महिराज भा० हीरादे पु० माल्हा भा० लाखू तयोः स्वश्रे-
यसे श्रीश्रेयांसविंव कारितं प्रतिष्ठितं ब्रह्माणगच्छे श्रीउदयप्रभसूरिभिः । छ ॥

५३६ मेडतासिटी महावीर मन्दिर

५४० कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

५४१ सांगानेर महावीर मन्दिर

५४२ सांगानेर महावीर मन्दिर

५४३ नागोर बड़ा मन्दिर

५४४ जूनीआ

(५४५) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थाः

॥ संवत् १५१५ वर्षे कार्तिक वदि १४ शुक्ले श्रीभावहारगच्छे श्रीश्रीमाल
ज्ञा० व्य० राणा भा० रामलदे पु० । वेलां भा० फत्तू पु० आल्हा सहितेन
पित्रोः श्रेयसे भ्रातृ धीरा लीना श्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथविं वं कारि० प्रति०
भ० श्रीजिनदेवसूरिभिः ॥

(५४६) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थाः

॥ संवत् १५१५ वर्षे मार्ग सुदि ५ शुक्ले श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० पुदा
भा० कमलदे सुत सेना भा० पूरि सुत भीमा नान्ना भार्या दधी सहितया
भ्रातृ श्रेयोर्थ आत्मश्रेयसे श्रीपद्मप्रभविं वं का० प्रति० ब्रह्माणगच्छे श्रीमुनि-
चन्द्रसूरिभिः लहोणा पढीवा (?)

(५४७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थाः

सं० १५१५ माघ वदि ६ बुधे श्रीश्रीवंशे श्रे० राउल भा० रूपिणि पुत्र
मैलाकेन भा० मैलादे भ्रातृ देपा सहितेन श्रीश्रवतलंगच्छे श्रीजयकेसरसूरि
उपदेशेन पितुः पुण्याय श्रीसुमतिनाथविं वं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीमयतुः

(५४८) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थाः

॥ सं० १५१५ वर्षे फागुण वदि ४ शुक्लवारे श्रीश्रीवालज्ञातीय वच्छश-
गोत्रे सा० धीना भा० फाई पु० देवा पद्मा मना वाला हरपाल धर्मसी
आत्मपुण्याय श्रीधर्मनाथविं वं का० प्र० श्रीमलधारगच्छे श्रीगुणसुन्दर-
सूरिभिः ॥

(५४९) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थाः

॥ संवत् १५१५ वर्षे फाल्गुन वदि १२ बुधे श्रीश्रीश्रीवंशे हुंवरगोत्रे
सा० घोघु भा० पजेत्तमालह पुत्र भुणा नापा अर्जुनादिभिः भुणा भार्या
जयतु पु० गोईन्द युतः स्वश्रेयसे श्रीशीतलतायविं वं कारितं प्रतिष्ठितं वृहद्ग-
च्छे श्रीहेमचन्द्रसूरिपट्टे श्रीज्ञानचन्द्रसूरिभिः ॥ श्रीः

(५५०) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थाः

॥ सं० १५१५ वर्षे फा० सु० २ सोमे वीसनगरवास्तव्य प्राग्वाटज्ञातीय
मंजि नगराज भा० गौगी सु० स्त्रीमाकेन भा० जंगी भ्रातृ राजपाल प्रमुख-
कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथविं वं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीश्रीश्री-
हेमविमलसूरिभिः ॥

५४५ मुंडावा पार्श्वनाथ मन्दिर

५४६ रतलाम मोतीसा का मन्दिर

५४७ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

५४८ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

५४९ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

५५० मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(५५१) अनन्तनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१६ वर्षे चैत्र वदि ५ गुरौ । श्रीकाष्ठासंघे । वागडगच्छे । नंदी०
भ० श्रीधर्मसेन प्रतिष्ठितं । वाचणतीया गिरिलवगोत्रे सा० पाल्हा भा० देऊ
सुत सा० भांगण भार्या अंधकूराणी । सा० भांगणकेन आत्मश्रेयोर्थ श्री-
अनन्तनाथविंवं करापितं ॥ १

(५५२) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१६ वर्षे वैशाख वदि ११ शुके श्रीश्रीमालज्ञातीय पितृ सं०
रामा मातृ शाणी श्रेयोर्थ सुत सांगाकेन श्रीश्रीअभिनन्दननाथविंवं कारितं
श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीसाधुरत्नसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना श्रीसंघेन ।
गोदूया वास्तव्य ॥

(५५३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१६ वर्षे वैशाख सुदि २ बुधे श्रीश्रीमाल श्रे० जडता भा०
लाछू तयोः पुत्र यादवनिमित्तं लाछू आत्मश्रेयोर्थ श्रीशान्तिनाथविंवं
का० पिप्पलग० भ० श्रीविजयदेवसूरिमु० प्र० श्रीशालिभद्रसूरिभिः ॥

(५५४) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१६ वर्षे वै० शु० ३ पूनानावासी प्राग्वाट् श्रे० घूअड भा०
विलहु पु० भरमाकेन भा० शदु पु० चाहड धुरा प्रमुखकटुम्बयुतेन
श्रीपद्मप्रभविंवं कारितं प्र० तपा श्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(५५५) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१६ वैशाख सुदि ५ जालोरा वहुरा व्य० के० कुसला पु०
नपा भा० नायकदे पु० जिणदत्तेन भा० पद्मादे पु० चाचा चरडा रांसा
डामर सहितेन स्वश्रेयसे श्रीपद्मप्रभविं० का० प्र० चैत्रगच्छे श्रीगुणाकर-
सूरिभिः ॥

(५५६) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१६ वर्षे वैशाख सुदि १३ रवौ उसवालज्ञातौ पाल्हाउत-
गोत्रे सा० देल्हा पुत्र सा० खीमराज भा० डाही पुण्यार्थ श्रीचन्द्रप्रभनाथविंवं
कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीमलध(धा)रगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥ प्रतिष्ठितं ॥
श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥

५५१ जयपुर पंचायती मन्दिर

५५२ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

५५३ जयपुर पंचायती मन्दिर

५५४ किशनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

५५५ सांगानेर महावीर मन्दिर

५५६ सांगानेर महावीर मन्दिर

(११७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १११६ वर्षे ज्येष्ठ शु० ५ प्रा० ज्ञा० सा० धुंवा भा० देऊ पुत्र
सा० नामसी भा० तारु पुत्र सा० राजाकेन भा० पूरी पुत्री रमाई अ० (?)
चमकू प्र० कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिविं का० प्र० तपागच्छेश-
श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य श्रीरत्नशेखरसूरिभिः । श्रीअवंतीस्थाने ॥

(११८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थी:

सं० १११६ वर्षे ज्येष्ठ शुदि ६ दिने प्रा० ह्यातीय सा० साल्हा भा०
लापा पुत्र सा० जाल्हाकेन भा० कीकी सपराई प्रमुक्तकुटुम्बयुतेन स्व-
श्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतविं का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-श्रीरत्न-
शेखरसूरिभिः ॥

(११९) सुमतिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १११६ वर्षे आपाठ सु० ३ रवौ गिरिपुरवास्तव्य हुंवडहाती०
फोट पूना भा० साली सुतया सा० गोपा सा० मोजा भगिन्या पोमी सु०
वृति ठ० धर्मा भार्यया मानू नान्या सुत सोमा तथा ठ० रामा भा०
शिया अदा देयसी जावड वेगहादियुतया स्वसुत देवा श्रेयोर्य श्रीसुमति-
नाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

(१२०) पद्मावती-पार्वनाथः

सं० १११६ आपाठ सुदि ५ श्रेष्ठिगोत्रे नीवा भार्या रूपी पु० ताल्हा
तेजा नेजा खीदा बहुरा पद्मावती प्रणमति ।

(१२१) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १११६ कार्तिक व० २ रवौ श्रीश्रीवंशे लघुसन्ताने मं० माला
भा० महिगलदे पुत्र मं० सामा भार्या रत्नादे पुत्र बाढाकेन भार्या अमरी
पुत्र सीधर हांसा फीका-सहितेन श्रीअंचलगच्छगुरु श्रीश्रीजयकेसरिसू-
रीया उपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसविं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंचेन ॥ श्रीः ॥

(१२२) पार्वनाथ-पञ्चतीर्थी:

संव० १११७ वर्षे चैत्र सु० १३ गु० प्राग्वाट ह्या० सा० लक्ष्मण
भा० साधू पुत्र साह गोवलेन भा० राजू युतेन स्वश्रेयसे श्रीपार्वविं का०
प्र० तपागच्छेश श्रीमुनिसुन्दरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

११७ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

११८ दाहोद पार्वनाथ मन्दिर

११९ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर घाट

१२० अजमेर संभवनाथ मन्दिर

१२१ सेमलिया शान्तिनाथ मन्दिर

१२२ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

(५६३) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१७ वर्षे चैत्र शु० १३ गुरु प्राग्वाट सा० गोगन भा० संद्रु
पुत्र सा० जताकेन भा० शाणी भ्रातृ जग्गा भा० हीरु प्र० कुटुम्बयुतेन
स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथविंव का० प्र० तपागच्छे भ० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(५६४) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१७ वर्षे चै० शु० १३ गुरुवा० श्रीमालवंशे नडवीया गोत्रे सा०
घोघर भा० कीता सुत वाल्हा-पाल्हाभ्यां ना० मडगू हांसु-पूताभ्यां
सश्रेयोर्थ श्रीअजितविंव कारितं प्रतिष्ठितं तपा श्रीरत्नशेखरसूरिभिः
इवाग्रसी.....।

(५६५) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१७ वर्षे चैत्र सु० १२ गु० प्राग्वाटहा० सं० चूडा भा०
चाहणदे पुत्र सं० जगमेन भा० साऊ पु० काला भा० चांपा भा० भला
प्र० कुटुम्बयुतेन श्रीवासुपूज्यविंव का० प्र० तपा० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ।

(५६६) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१७ वर्षे वैशाख सु० ३ बुधे श्रीउपसवंशे व्य० देपा भा०
देल्हणदे पु० व्य० उदिरश्रावकेण भा० ऊमादे पु० देवा हापरजेन भ्रातृ
सा० महिरा सहितेन मि० ई देवलदे पुण्यार्थ श्रीअंचलगच्छेश-श्रीजय-
केशरिसूरीणामुपदेशेन श्रीकुन्धुनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ।

(५६७) श्रेयांसनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५१७ वर्षे ज्येष्ठ शु० ६ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० गोइंद भा०
घरघति पुत्र धिरपाल सुश्रावकेण भ्रातृ देवा भा० रुपिणि पुत्र सहिसा
चड्धा केसव पौत्र रत्ना सहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेशरिसूरीणामुप-
देशेन श्रा० सहजलदे श्रेयोर्थ श्रीश्रेयांसनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रति-
ष्ठितः श्रीसंघेन ॥ श्रीः ॥

५६३ नागोर बड़ा मन्दिर

५६४ सांगानेर महावीर मन्दिर

५६५ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

५६६ सांगानेर महावीर मन्दिर

५६७ सांगानेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(५६८) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१७ वर्षे आ० व० ७ दिने सोमे सा० घरणा भा० मूली सुत
सा० मंदिरवदेस (१) भा० समीरदे परि० देवादिकदेवयुतेन श्रीसो-
मसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीरत्नशेखरसूरि श्रीधर्मसागरसूरिभिः ॥

(५६९) धर्मनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ ॐ ॥ संवत् १५१७ वर्षे मार्ग सुदि २ शनी । मूलनक्षत्रे । लोढा
गोत्रे सा० गोमा । गोरान्वये । सा । आसपालसन्ताने । सा० लाखा पुत्र
सा । सोनपाल । तत्पुत्रेण । सा० डोडाकेन । निजपितामही लखसिरि
पुण्याय श्रीधर्मनाथविंशं कारितं । प्रतिष्ठितं । तपागच्छे । श्रीहेमसुन्दरसूरिपट्टे ।
श्रीहेमसुन्दरसूरिभिः ॥

(५७०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१७ वर्षे माघ वदि ५ दिने उपकेशाज्ञातौ दूगढगो०
सा० सुहदा भा० गुणपालही पु० नगराज भा० नावलदे पु० नानिग मूला
सोढल वीरदे हमीरदे सहितेन श्रीश्रेयांसविंशकां श्रीरूपल्लीयगच्छे श्रीदेव-
सुन्दरसूरिपट्टे प्र० श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(५७१) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१७ वर्षे माघ वदि ६ गुरौ । उपकेशाज्ञा० तातहड़गोत्रे सा०
समदा भा० कालाही पुत्र सा० गडरा सा० पद्मा सहितेन श्रीकुन्धु-
नाथविंशं कारापितं आत्मश्रे योर्थ उप० ग० कुक० प्रतिष्ठितं श्रीकवसूरिभिः ॥

(५७२) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१७ वर्षे माघ सु० ५ शुके प्राग्वाट्ज्ञा० श्रे० डढठा भा०
हरखु सुत श्रे० नागा भा० आजी सुत श्रे० जिनदासेन स्वश्रे यसे श्रीधर्मनाथ-
विंशं आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरिगुरूपदेशेन कारितं प्रतिष्ठापितं च ॥

५६८ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

५६९ किशनगढ़ चिन्तामणि पार्ष्वनाथ मन्दिर

५७० नागौर वडा मन्दिर

५७१ जयपुर पंचायती मन्दिर

५७२ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

(५८४) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १५१८ वर्षे माघ शु० ५ बुधे ऊ० ज्ञा० सा० चांपा भा० चां-
पलदे सु० सा० सालिग भा० जाऊ सु० ऊधादि कुटुम्बयुतेन श्रेयसे श्री-
कुन्धुनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छेश श्रीश्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः
शांभलीयानगरे ।

(५८५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५१८ वर्षे । माघ सुदि १० उकेशवंशे थूलगोत्रे सा० गूजरे-
ण भा० गउरदे पुत्र वेदा अजाण दूला कुशलादिपरिवारसहितेन श्रीआदि-
नाथविंशं कारितं प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(५८६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५१८ वर्षे माघ सुदि दशम्यां बुधे श्रीमालज्ञातीय सं० रूपा
भार्या ढाली आत्मश्रेयोर्थ श्रीआदिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे
श्रीजिनभद्रसूरि पदे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः श्रीमण्डपे ठाकुरगोत्रे ॥

(५८७) पद्मप्रभ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५१८ वर्षे फाल्गुण शुदि ५ गुरौ । श्रीमूलसंघे । आचार्य-
श्रीदेवेन्द्रकीर्ति-शिष्य-श्रीविद्यानन्दिदेव-तच्छिष्य ब्रह्मचारी-पद्माकर कारा-
पितं हूँवडवंशे श्रेष्ठि कुंपा भार्या मेघी । तयोः पुत्र सांगा भार्या लहरू
तयोः पुत्र अदा भार्या माणिकदे पुत्र संघराजा अदा आवृ चंदा भार्या
खेतादे श्रीपद्मप्रभचतुर्विंशति का०

(५८८) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५१८ वर्षे फा० व० ६ गु० उकेशज्ञातीय सा० धांधा भा०
धांधलदे पु० नल्हाकेन भा० पडमादे पु० लूणादि कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयोर्थ
श्रीश्रेयांसनाथविंशं का० प्र० श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥ नागगोत्रे । श्री ॥

(५८९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५१९ वर्षे चै० व० ११ टींवाणीवासी प्राग्वाटज्ञा० सा० केशव
भा० भोली सुत सा० लाडणेन भा० मरगादि सुत जसनोर प्रमुखकुटुम्ब-
युतेन निजश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छाधिराज
श्रीश्रीश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । श्रीः

५८४ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

५८५ नागोर बड़ा मन्दिर

५८६ रायपुर चन्द्रप्रभ मन्दिर

५८७ वहियल पार्वनाथ मन्दिर

५८८ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

५८९ नागोर बड़ा मन्दिर

(५६०) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१६ वर्षे वैशाख शुदि ३ शनी ऊ० खटवढगोत्रे सा० फान्ह मा० नाथी पु० गुजर मा० चांदियुतेन आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथविंशं कारा-
पितं । प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीमदीतिलकसूरिणा ।

(५६१) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१६ वर्षे ज्येष्ठ यदि ६ शनी प्रा० सा० पूना भार्या फटू पुत्र
सा० बीरा मा० पूरी सा० बीरा पूरी पुत्र सा० हुंगरेण भा० जासू सुत
सा० राणा पर्वत मेरा मण्डन बीरी पुत्र सा० खेता भा० बीजू प्रभृति कुटुम्ब-
युतेन श्रीसुविधिर्विचयुतश्चतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्री-
लक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(५६२) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१६ वर्षे ज्येष्ठ यदि ६ शनी प्रा० सा० सामन्त भा० सहजलदे
पुत्र सा० ठाकुरसी भार्या खेतू नाम्न्या सा० समवर बेला भोजा कुंभल युत-
या स्वपतिश्रेयोर्य श्रीमुनिसुर(व्रत)विंशं का० प्र० तपा० श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे
श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(५६३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१६ वर्षे ज्येष्ठ यदि ११ शुक्ले उपकेशाज्ञातीय चोरवेडियागोत्रे
हणसगच्छे सा० सोमा भा० धनार्द्धि सु० साधु भार्या सुदागदे पुत्र इसर
सहितेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं । श्रीकण्ठसूरिभिः ॥
सीणोर वास्तव्य ॥

(५६४) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१६ वर्षे ज्येष्ठ यदि ११ शुक्ले उ० झा० भावगो० गोठी बीसल
पु० हीरू पु० माला भा० सारू आवृ हापाकेन भा० धारू सहितेन स्वपु-
र्यार्थ श्रीमुनिसुव्रतविंशं का० प्र० बृहद्गच्छे । जीरापल्लीयावरं । य । श्री-
चदयचन्द्रसूरि ।

५६० कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

५६१ मंदसौर नयापुरा आदिनाथ मन्दिर

५६२ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

५६३ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

५६४ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

(५६५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ६ शुक्रे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञा-
तीय व्यव० पूना भार्या देऊ सुत डाहाकेन भार्या लाखू सुत नरसिंह सीहा
सहितेन मातृपितृश्रे० श्रीधर्मनाथविं० कारापितं। प्र० श्रीविमलसूरिभिः॥
तिलवडीग्रामवास्तव्यः ॥

(५६६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१६ आषाढ व० १ मंत्रिदलीय । श्रीकाणागोत्रे ठ० लाधू भा०
धर्मिणि पु० सं० अचलदासेन पु० उग्रसेन लक्ष्मीसेन सूर्यसेन बुद्धिसेन देपा-
लादियुतेन श्रीशान्तिविं० का. प्रति. श्रीजिनसुन्दरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः॥

(५६७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१६ व० आषाढ वदि १ मंत्रिदलीय श्रीकाणागोत्रे ठ० लाधू
भा० धर्मिणि पु० सं० अचलदासेन पु० उग्रसेन लक्ष्मीसेन सूर्यसेन देव-
पाल वीरसेन पहिराजादियुतेन श्रीशान्तिविं० का० प्रति० श्रीख० श्रीजिन-
सुन्दरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

(५६८) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

। सं० १५१६ वर्षे आषाढ वदि ६ प्राग्वाट सा० चउहत्थ भा० सारू
पुत्र सा० जसाकेन भा० तोली पुत्र खीमादिकुटुम्बयुतेन श्रीधर्मनाथविं०
का० प्र० तपा श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ धीथिला

(५६९) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१६ वर्षे मार्ग० शुदि ५ शुक्रे ऊकेश सा० हांसाकेन भा०
हांसलदे । पु० भोजा भार्या भरमादे लघुभ्रातृ जावड कुटुम्बसहितेन श्री-
अभिनन्दनविं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ज्ञेयं ॥

(६००) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१६ वष माघ सुदि ४ रवौ उप० ज्ञातीय सा० राणा भा०
लाछलदे पु० लोला भा० तेजू मेघा मना सहितेन । पितृश्रेयसे श्रीशान्ति-
नाथविं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंडेरगच्छे श्रीईसरसूरिपट्टे श्रीशान्तिसूरिभिः ।

५६५ अजवगढ़ वड़ा मन्दिर

५६६ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

५६७ चोथ का बरवाड़ा महावीर मन्दिर

५६८ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

५६९ जयपुर पंचायती मन्दिर

६०० जन्तीआ

(६०१) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१६ वर्षे भाव सुदि ५ सोमे श्रीत्रक्षाणगच्छे श्रीश्रीमाल-
ज्ञातीय श्रेष्ठि देवा भार्या हरखू सुत चांपाकेन भार्या जइती सुत करणा
कुम्भा युतेन पित्रोः श्रेयसे श्रीधर्मनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबुद्धिसागर-
सूरिपट्टे श्रीविमलसूरिभिः ॥ सू० द्रोयाणा वास्तव्य ।

(६०२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१६ गोत्रे सा० नाथा भार्या नाथवदे
सु० युतेन श्रेयोर्थ श्रीशान्तिनाथाय० पूर्णिमा० चैत्रसूरिभिः ॥

(६०३) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२० वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे उप० झा० सा० आना
पूरी पु० देवाकेन भा० देवलदे पु० वच्छा हर्षा नथणायुतेन श्रीशीतलनाथ-
विं० । का० । प्र० महाह० भ० । श्रीनयचन्द्रसूरिभिः ॥

(६०४) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२० वर्षे वैशाख सुदि ५ बुधे उपकेश० आदित्यनागगोत्रे-
सा० साधू पु० सं० श्रीवंत सं० सोनपाल सं० मिस्त्राकैः भार्या-पुत्र-सहितैः
पित्रोः श्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभस्यानिविंशं का० उपकेशगच्छे ककुदाचार्यसन्ताने
प्र० श्रीचक्रसूरिभिः ॥

(६०५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२० वर्षे मार्ग व० ५ गुरौ प्राग्वाटव्य० वररिंग भा० रतनू पु० सा०
छाब्दा भा० साधी नान्या । पुत्र अदापाल सहसा भा० आणंदि कुटुर्काण
स्वश्रेयसे श्रीआदिविंशं का० प्र० तपा० श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागर-
सूरिभिः ॥ श्री०

(६०६) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२० वर्षे मार्ग सुदि ११ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० देवसी
भार्या देवदण्डे पुत्र वपाकेन भार्या चांपू पुत्र लखमण रिदियुतेन स्वश्रेयसे-
नमिनिविंशं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरि०

६०१ नागौर वड़ा मन्दिर

६०२ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

६०३ नागौर वड़ा मन्दिर

६०४ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

६०५ जूनीया

६०६ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

(६१७) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२१ वर्षे आपाद सुदि ३ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० नाथू भा० पार्वती पुत्र मं० वर्धमानेन भा० वानू पु० आसा मं० रूढा मं० आसा पु० धना मं० रूढा पु० शुभकर-मुख्यकुटुम्बसहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीकुन्धुनाथविंव कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीर्भवतु ।

(६१८) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२१ माघ सुदि १३ गुरौ प्रा० ज्ञातीय व्यव० नीवा पुत्र स्त्रीमा भार्या दूली पुत्र मोथा हेमा पाल्हा-सहितेन श्रीनमिनाथविंव कारितं प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(६१९) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२२ वैशाख व० ३ सोमे उक्केशज्ञातीय सा० धांधा भा० धांदलदे पुत्र सा० नरसिंह कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांस-विंव का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

(६२०) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२२ माघ सु० १३ प्राग्वाटान्व० साजणसी भा० सुलेसरी पु० व्य० चांपा भा० जइती पु० व्य० गुणिआकेन भा० चांपू प्र० कुटुम्ब-युतेन स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथविंव का० प्र० श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ अहम्मदावादतः ॥

(६२१) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२२ वर्ष फा० वदि ५ बुध उक्केशवंशे पाल्हाउन्नगोत्रे सा० जाटा भार्या तेजी पुत्र सा० वीराकेन भार्या सकतादे प्र० कुटुम्बयुतेन श्रीविमलनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं । श्रीतपागच्छनायक-श्रीश्रीश्रीलक्ष्मीसागर-सूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६२२) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संव० १५२२ वर्षे फागुण वदि ११ उस्वात्त कठवलियागोत्रे सोढा भा० धात्री पु० सा० नाथा दूदा वैजराजाभ्यां आत्मश्रे० श्रीश्रेयांसनाथविंव का० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीधर्मसुन्दरसूरिप० प्र० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

६१७ मंदसौर नयापुरा आदिनाथ मन्दिर

६१८ नागोर वड़ा मन्दिर

६१९ भिनाय महावीर मन्दिर

६२० डग ऋषभदेव मन्दिर

६२१ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

६२२ सांगानेर महावीर मन्दिर

(६२३) चन्द्रप्रम-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२२ वर्षे फा० सु० ३ सोमे नागपुरवास्तव्य उक्तेः सा० जगत भार्या सरसती पुत्र हंसाकेन भार्या लखी पुत्र परवत पहिराज हांसल नानिग छाजू प्रमुखकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रमस्वामिविंशं फा० प्र० मलघारीगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(६२४) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२२ वर्षे फा० सु० ८ च० कहुरवासी गुर्जरज्ञातीय सा० जेसिच भा० हचू सुत सा० आसा भार्या मं० अर्जुन भा० करण पुत्र्या आ० मंजूनाम्न्या निजश्रेयसे श्रीसुमतिनाथविंशं कारितं प्रति० तपागच्छ-नायक-श्रीलक्ष्मीसागरसूरिपुरन्दरैः ॥

(६२५) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२२ वर्षे श्रीकाष्ठासंघे स० गच्छे भट्टारक श्रीसोमकीर्तिभिः प्रतिष्ठितं नरसिंह दानीपतेगोत्रेण पानाराम पुत्र जग-मालकेन श्रीसुमतिनाथविंशं कारापितं ॥

(६२६) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२३ वर्षे वैशाख यदि १ सोमे श्रीश्रीमालहा० संघयी ठाकुरसी भा० तेजु सु० बाला भा० अमरी नाम्न्या स्वपुण्यार्थं जीवितस्याम-श्रीवासु-पूज्यविंशं कारितं पूर्णिमापक्षे षटपद्रीय-भट्टारक-श्रीसाधुरतनसूरिपट्टे श्री-साधुसुन्दरसूरीणमुपदेशेन प्रति० रेवडीवास्तव्य ॥

(६२७) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२३ वर्षे वैशाख शुदि ४ बुधे जालहराहा० मं० घूणा भा० देकु सुत पितृ पांचा मातृ तेजु श्रेयसे सुत गोयंकेन श्रीनमिनाथविंशं कारितं पूनिमगच्छे श्रीसाधुसुन्दरसूरि उपदेशेन प्रतिष्ठितं ।

(६२८) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२३ वर्षे वैशाख सुदि १३ दिने मन्त्रिदलीय मुदलेहगोत्रे सा० रतनसी भार्या वाऊ पुत्र सा० देवराजेन भार्या रामति पुत्र सा० मेघ-राजयुतेन स्वपुण्यार्थं श्रीविमलनाथविंशं कारितं प्र० श्रीस्वरतरगच्छे श्री-जिनहर्षसूरिभिः ॥

६२३ जयपुर पंचायती मन्दिर

६२४ आमेर चन्द्रप्रम मन्दिर

६२५ जयपुर पद्मप्रम मन्दिर, घाट

६२६ सांगानेर महावीर मन्दिर

६२७ जयपुर पंचायती मन्दिर

६२८ आमेर चन्द्रप्रम मन्दिर

(६२६) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२३ वर्षे आसाढ सुदि ६ रवौ मुधा सं० जादा भा० यस-
मादे पु० पुरसा भा० ऊधर पु० करण पितृश्रेयसे श्रीकुन्धुनाथ-
विं वं कारितं प्रति० श्रीधर्मवोषगच्छे भ० श्रीपद्माणंदसूरिपट्टे श्रीगुणसुन्दर-
सूरिभिः

(६३०) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२३ वर्षे मार्गशिर व० २ शुक्ले उसवालद्वातीय स्वटवड-
गोत्रे । श्रे० इसर भार्या रुअड । तत्पुत्र सा० मेवाकेन भार्या माणिकदे
सहितेन । निजमातृ-पितृनिमित्तं । स्वश्रेयार्थं च । श्रीकुन्धुनाथविं वं कारितं ।
प्रतिष्ठितं । श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ॥ खीमसरा ॥

(६३१) वासुपूज्यः

॥ सं० १५२३ वर्षे माघ वदि ३ शुक्ले उपके० प्र० कोचरगोत्रे सं०
कर्मा भा० कमलादे पुत्र सं० माधव भा० मुक्तादेव्या० पु० गुणराज पुन-
सिंहादियुतेन निजपुण्यार्थं श्रीवासुपूज्यविं वं का० प्र० श्रीजीवदेवसूरिभिः ॥

(६३२) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२३ वर्षे मा० शु० ३ उडथल वात्तव्य प्रा० व्य० मेला भार्या
निमिणी पु० व्य० डूंगरेण भा० भाफू सुत देवा प्र० कु० युतेन श्रीसुवि-
धिनाथविं वं का० प्र० तपा श्रीसोमसुन्दरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(६३३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२३ वर्षे माघ सुदि ६ उके० व्य० लखमण भा० मचू पुत्री
सोजी-नाम्न्या स्वमातृश्रेयसे श्रीआदिनाथविं वं का० प्र० तपा श्रीलक्ष्मी-
सागरसूरिभिः ॥

(६३४) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२३ मा० सु० ६ प्रा० व्य० हरीआ भार्या राणी पुत्र वेला-
केन भार्या पालदे कुटुम्बयुतेन श्रीशं(सं)भवविं वं का० प्र० तपा श्रीलक्ष्मी-
सागरसूरिभिः ॥

६२६ भिनाथ केसरियानाथ मन्दिर

६३० जयपुर पुंगलियों का मन्दिर, स्टेशन पर

६३१ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

६३२ जयपुर पंचायती मन्दिर

६३३ जयपुर विजयगच्छ मन्दिर

६३४ सैलाना मुनिसुव्रत मन्दिर

(६३५) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५२३ वर्षे माघ शु० १३ दिने मांडवदुर्गवासि प्राग्वाटझा०
सांटा भा० सेरू पु० सं० गांगा भा० गंगादे सुत सं०.....भा० हांसी
भा० सं० हीरा भा० लखमाई नाम्न्या निजश्रेयसे श्रीशान्तिनाथमूलनाथका-
लंकृतश्रीचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रील-
क्ष्मीसागरसूरिभिः ।

(६३६) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२३ वर्षे फागुण सुदि ५ रवी श्रीश्रीमालहातीय सं० राजा
भार्या राजू सुत कालू भार्या रतु सुत श्रे० नरपति श्रे० पदाकेन भार्या घर्मिणी
सुत घस्ता तेजा स्त्रीमा सहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदे-
शेन शंमु श्रेयोर्य श्रीवासुपूज्यविवं कारितं प्रतिष्ठितं ।

(६३७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२४ वर्षे चैत्र सु० ५ रानौ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालहा-
तीय श्रे० राजा भा० भोली काजा भा० कर्मादे सुत बंगआकेन भा० धाऊ
सुतादि कुटुम्बयुतेन पितृ-मातृश्रेयोर्य श्रीविमलनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीवीरसूरिभिः ॥ धनुरिवास्तव्य ॥ शुभंभवतु ॥

(६३८) कुन्धुनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५२४ वर्षे चै० शु० १२ ऊ० झा० सं० मेघा भा० तोल्ही पुत्र
सं० गोपाकेन भार्या हेमाई पुत्र समधर अदीतादियुतेन श्रेयोर्य श्रीकुन्धु-
नाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं । अंचलगच्छे श्रीजयकेसरसूरिभिः ।

(६३९) संभवनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १५२४ वर्षे वैशाख सुदि २ गुरौ श्रीश्रीमालहातीय । दौ ।
आंयड । साल्ह । घाच । (?) रानड । धनपाल । सु० दो । बाघा भार्या घंट्ट
सुत दोसी घदा भार्या धीकू सुत । जीवाई । हर्पाई एतैः स्वश्रेयसे श्रीसंभव-
नाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितश्च आगमगच्छे श्रीअमररत्नसूरिभिः ॥
श्रीः ॥

६३५ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

६३६ जयपुर पंचायती मन्दिर

६३७ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

६३८ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

६३९ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(६४०) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२४ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० मंत्रि माईआ
भा० माणिकदे सुत सहसा समथा साला मूला गेला एतैः (:) पितृ न(नि)-
मित्तं रत्नमयं श्रीकुन्धुनाथविं का० प्रतिष्ठितं पिप्पलगच्छे त्रिभवीआ
श्रीश्रीधर्मसागरसूरिभिः वोटीलावास्तव्यः ।

(६४१) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५२४ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे दिने प्राग्वशे सा०
आका भार्या ललतादे तयोः पुत्र धारा भार्या वीजलदे श्रीअंचलगच्छे श्री-
जयकेशरिसूरीणामुपदेशेन निजश्रे० श्रीशीतलनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीसूरिभिः जयतले कोट-वास्तव्यः ॥

(६४२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२४ वर्षे वैशाख सुदि ५ बुधे उ० सा० माह भा० छाहणि
पु० सोढा भा० गांगी पु० साता पाता सहितेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथ-
विं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे भ० श्रीगुणाकरसूरिभिः ।

(६४३) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२४ वै० शु० १० प्राग्वटज्ञाति० सं० नापा भार्या भीमिणि
सुतया जनु नान्या सुत भा० सहसादिकुटुम्बयुतयो श्रीनमिनाथविं
सुमातृश्रेयसे का० प्र० तपा श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ मंडपदुर्गनगरे ।

(६४४) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२४ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ५ उ० सा० लाखा भा० लखमादे सा०
गुणराज धर्मपुत्री आ० आमा-नान्या श्रीसुविधिनाथविं कारितं प्र०
तपागच्छनायक-श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ सा०
गुणराज सुत सा० कालू सुत सा० सदराज ॥

(६४५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२४ ज्येष्ठ सुदि १३ शुक्रे । श्रीकोरटगच्छे । श्रीचांचडज्ञा०
श्रेष्ठि जोगी भार्या फट्ट पुत्रेण श्रेष्ठि सीधर नाम्ना निजमातृपित्रोः पुण्यार्थं
स्वश्रेयसे च श्रीआदिनाथविं का० प्र० श्रीककसूरिपट्टे श्रीसावदेवसूरिभिः ॥
श्रे० सीधर भा० लाङ्गी नित्यं प्रणमतिः ।

६४० रतलाम लालचंदजी का मन्दिर

६४१ नागौर वड़ा मन्दिर

६४२ भैसरोड़गढ़ ऋषभदेव मन्दिर

६४३ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

६४४ जयपुर नया मन्दिर

६४५ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर, घाट

(६४६) नमिनाय-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२४ आपदं सु० १० शुक्ले उपकेशा० भा० संपूरी
पु० जेसाकेन भा० धर्मिणी पु० मा० आ पौत्र ईसर वीरपालादिकुटुम्ब-
युतेन पुत्र मा० आ श्रेयसे श्रीनमिर्विवं का० प्र० तना० श्रीसोममुन्दरमूरि-
सन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ श्री ॥

(६४७) अजितनाय-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२४ वर्षे मार्गशिर यदि ३ दिने उपके० रांकगो० सं० सारंगे
पु० गदु भा० अमरी पु० हेसाकेन पितृपुण्याय श्रेयसे श्रीअजितनायविवं
का० प्रति० उपकेशाग० कुक्कुदाचार्यसन्ताने प्रतिष्ठितं श्रीरूपसूरिभिः ॥

(६४८) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२४ वर्षे मार्गशिर यदि ५ रवौ उपकेशादां सुचिन्तिगोत्रे
पट भंडारी राजा पु० मा० भोजा भा० भोजलदे पु० वीदा गोदा केदादिभिः
स्वश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभसिद्धं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकृष्णपिंगन्धे श्रीमल्लक्ष्मी-
सागरसूरिभिः ॥

(६४९) नमिनाय-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२४ वर्षे मार्गशिर यदि ५ उ० आ० व्य० धीरा भा० फत्तु पुत्र
सा० करणाकेन भा० कम् भा० कांकट भा० भाऊ प्र० कुटुम्बयुतेन श्री-
नमिनायविवं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥ श्रीमिरोही नगरे ॥

(६५०) शीतलनाय-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२४ वर्षे मार्गशिर यदि १० शुक्ले उपकेशादां । आदित्य-
नागगोत्रे । सा० श्रीवर पुत्र कंमारचन्द्र भा० नदाही पु० श्रीवंत-शिवदत्ता-
भ्यां मातृपुण्याय श्रीशीतलनायविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीउपकेशागच्छे ।
कुक्कुदाचार्यसन्ताने । श्रीरूपसूरिभिः नागपुरे ॥ श्रीः ॥

(६५१) श्रेयांसनाय-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२४ वर्षे फागुन सु० ७ दिने श्रीमालज्ञातीय । ठाकुरगोत्रे
सा० जयता पु० मा० मा० गुरुगुभादकेण पु० मा० नन्दादि महि० धोधे चांस-
पि० ११ कारितं प्रति० श्रीनरतरुगच्छे । श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः मंडपदुर्गे ।

६४६ अजमेर संनयनाय मन्दिर

६४७ पाटम् शान्तिनाथ मन्दिर

६४८ रावपुरा शान्तिनाथ मन्दिर

६४९ गिरगोहा अजितनाथ मन्दिर

६५० नागौर रुद्रा मन्दिर

६५१ मिरोही भैरवोत्तम जैन मन्दिर

(६५२) सुविधिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५२५ वर्षे चैत्र वदि ६ सनि । प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० सोमा भार्या सहली सत्त शिवा भारज्या सोभागिणि । सत्त पद्मा भार्या पहती । श्रीसुविधिनाथविंशं कारितं सुन्दगुर उपदेशेन प्रतिष्ठितं वंदणकगच्छे ।

(६५३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२५ चै० ५ सो० श्रीभ० मलयकीर्तिदेवाः तदाज्ञाः असर तत्पुत्र नाल्हा तत्पुत्र सा० राजू आत्मकर्मक्षय.....

(६५४) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२५ चैत्र वदि १० ओसवंशे भण० साल्हा भा० संसारदे सुत वस्ताही अमरादिभिः आत्मश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभसा (स्वा) मिर्विवं कारितं प्रतिष्ठितं बृहत्खरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ।

(६५५) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२५ चैत्र व० १० गुरौ उसवंशे मांडलेचा बुहरा रुदा भा० मेहिणि सुत ताला भा० हांसू सुत माऊ दास भार्या वीरु रामा समरु । पु० श्रीसुपासविंशं का० वडगच्छे प्र० कमलप्रभसूरि० ।

(६५६) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२५ वर्षे वैशाख वदि १ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय सं० पचा भा० राजू सुत सं० सहदेव भा० गुरी स्वभर्तृश्रेयसे श्रीनमिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णमापत्तीय श्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुन्दरसूरीणा-मुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना मांडलिचा०

(६५७) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२५ वैशाख सुदि ६ प्राग्वाटज्ञातीय व्यव० सादूल भा० सिंगारदे पु० राणा भा० लणी पु० ऊमा भा० सीतादे सहितेन श्रीसुविधि-नाथविंशं का० प्र० पूर्णिमादि० शास्त्रायां श्रीकच्छोलीवालगच्छे श्रीविजय-प्रभसूरिभिः ।

६५२ अजमेर गौडी पार्श्वनाथ मन्दिर

६५३ वरखेड़ा आदिनाथ मन्दिर

६५४ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

६५५ पनवाड़ महावीर मन्दिर

६५६ जयपुर पंचायती मन्दिर

६५७ रामपुरा शान्तिनाथ मन्दिर

(६५८) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५२५ वर्षे वैशाख शुदि ६ दिने प्रा० व्य० सदा भार्या
बाळू सुत लखमाकेन भार्या मयू भगिनी मापू प्रमुखकुटुम्बयुतेन निज-
श्रेयोर्थे श्रीशान्तिनाथमूलविंशतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीलक्ष्मीसागर-
सूरिमिः ॥ भरिजामामे ॥

(६५९) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२५ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ गुरौ उपकेशहातीय स्वावहीगोत्रे
साह लूणा भा० लूणादे पुत्री बाई कपूरी आत्मपुण्यार्थे श्रीनमिनाथविंश-
कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकृष्णश्रयिगच्छे तपाशाखायां भट्टारिक श्रीकमलचन्द्र-
सूरिमिः ॥ शुभं ॥ श्रीरस्तु ॥

(६६०) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२५ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ गुरौ उपकेशहातीय विनायकीया-
गोत्रे सा० कडरा भा० कपूरदे पुत्र सा० चाथा फेटा आत्मपुण्यार्थे श्रीधर्म-
नाथविंश कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीसाधुरत्नसूरिमिः ॥ शुभंभवतु ।

(६६१) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२५ वर्षे ज्येष्ठ वदि ३ उ० हातीय बहुरागोत्रे मं० खेमा
भा० खेतलदे पु० वरपा नयणा साजण अमरा आसा सा० मोल्हा का०
निमित्तं श्रीशान्तिनाथविंश का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीसोमकीर्तिसूरिणा ॥

(६६२) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२५ वर्षे ज्येष्ठ वदि ८ शुके श्रीमूलसंघे म० श्रीभुवनकीर्ति
उप० नागद्रहा ज्ञाति । श्रेष्ठि छांडा भा० सोनी भ्रातृ देवा भा० सीता सुत
वीरा बाधा रत्ना भा० राऊ सु० ।

(६६३) पित्तलमय चतुर्मुखः

सं० १५२५ का० सुदि १० गुरौ ६० श्रे० राघव भा० नाऊं.....त्म
मणि सुत हीरा प्रणमं० ।

६५८ रतलाम पार्श्वनाथ मन्दिर

६५९ नागौर बड़ा मन्दिर

६६० चंदलाई शान्तिनाथ मन्दिर

६६१ गोविंदगढ़ पार्श्वनाथ मन्दिर

६६२ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

६६३ सायां पार्श्वनाथ मन्दिर

(६७६) प्रस्तरपट्टिकालेखः

ॐ संवत् १५ आषाढादि २५ वर्षे शाके १३५७ (?) प्रवर्त्तमाने फाल्गुन मासे शुक्लपक्षे नवम्यां तिथौ सोमवासरे श्रीगूर्जर श्रीमालज्ञातीय से-
थालगोत्रे श्रीखरतरपक्षीय मंत्रि विजपाल सुत मंत्रि मंडलिक
तत्पुत्र सं० रणसिंह तत्पुत्र ४ प्रथमः सा० सायरः द्वितीय सा० खेदामिधः
तृतीयः सा० सामन्तः चतुर्थः सा० चाचिगः । तन्मध्यतः सा० सायर भा०
वाई पल्ही तत्पुत्र ४ पुत्री ३ प्रथमः सा० पद्मामिधः द्वितीयः सा० रत्नाख्यः
तृतीयः सा० आसाख्यः चतुर्थः सा० पाचाख्यः पंचम-धर्मपुत्रः सा० पूयाभि-
धानः तद्भगिनी वाई मल्हाई वाई रंगाई वाई लखीई एतन्मध्ये श्रीअर्बु-
दाचलमहातीर्थे यात्रार्थं समागतेन पूर्व-योगिनीपुरवास्तव्येन पश्चात् साम्प्रतं
अहमदाबाद् श्रीनगरनिवासिना श्रीक्षत्रपकुलप्रसिद्धे न साह आसाकेन प्रथम
भा० माधी द्वितीय भा० हमीरदे तृतीय भा० टवकू पुत्र सा० जीवराम
प्रभृतिसमस्तकुटुम्बसहितेन स्वभुजोपाजितविचित्रेन चित्तोल्लासतः श्री-
मद्विष्णुदेवप्रासादजीर्णोद्धारः कारितः श्रीमद्देवगुरुप्रसादात् आचन्द्रावर्क
जीयात् ॥

(६७७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२५ वर्षे माघ.....श्रीश्रीमालज्ञा० पितृ वेलाउला
मातृ रत्नादेवि श्रेयोर्थ.....वींभलेन श्रीविमलनाथविंव का० प्रति० पिप्प-
लगच्छे त्रिभवीया श्रीधर्मसागरसूरिभिः ॥ मेवानगर वा०

(६७८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२५ वर्षे के० शुभदिने प्राग्वाट व्य० आसा भा०.....
कलाकेन भा० तेजु पुत्र मेहा भाणा राणादिकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्री-
मुनिसुव्रतस्वामिविंव का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्री-
श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे लक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥.....॥

(६७९) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२५ वर्षे.....मलारणावासी महरोलगोत्रे सा०
श्रीमालज्ञा० सा० जेसल भा० धनवै पु० सा० नगराज भा० विण्हा नाम्ना
कुटुम्बयुतया श्रीसंभवनाथविंव का० प्र० तपा० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

- ६७६ माउन्ट आवू. कुमारी कन्या मंदिर के पास द्वारिकानाथ मन्दिर
में प्रवेश करने पर जमणी बाजू के गोखले के थंभे पर
६७७ सर्गानेर महावीर मन्दिर
६७८ मुंडावा पार्श्वनाथ मन्दिर
६७९ किसनगढ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(६८०) वासुपूज्य-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५२६ वर्षे वैशाख वदि ११ शुक्ले श्रीश्रीमालज्ञातीय पितृ मना मातृ माणिकदे श्रेयोर्य सुत उद्गसु श्रीसीधर-स्वेताभ्यां श्रीवासुपूज्य-चतुर्विंशतिपट्टः कारितः श्रीपूर्णमापत्ते श्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुन्दर-सूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना श्रीसंघेन केदारवास्तव्य ।

(६८१) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२६ वर्षे ज्येष्ठ वदि ८ वृहस्पतिवारि । ओसवालज्ञातीय । श्रीघोरोदीयागोत्रे । सा० घडसी पु० सारंग । भा० राजी पु० साल्हा लख-मण स्त्रीमायुतेन त्व० श्रीवास (सु) पूज्यवि० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीसालि-भद्रसूरिभिः ॥

(६८२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२६ वर्षे मार्ग पक्षे सुदि ३ शनौ सप० बोहरागोत्रे सा० सूजा भा० लाकू पुत्र देहा माता नरसिंघ मेहा भा० विपरादे पु० थाहर सहितेन । परि० भेयसे श्रीआदिनाथविं का० प्र० भ० श्रीजयभद्रसूरिभिः ।

(६८३) विमलनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५२७ वर्षे वैशाख वदि ६ शुक्ले श्रीमालज्ञातीय पितामह घीरा पितामहि नीणादे सुत पितृ देहा मातृ जासू श्रेयोर्य राजा भोजा ठाक-रसी एतैः श्रीविमलनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः श्रीपूर्णमापत्ते श्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुन्दरसूरीणामुपदेशेन प्रति० विधिना श्रीसंघेन आवराणीवास्तव्यः ॥

(६८४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ दिने प्रा० ज्ञातो व्यय० महिपा भा० मुक्तादे पु० सोमा भा० सहजलदे पु० महणा हरखा केल्हा सहितेन आत्मश्रेयोर्य श्रीआदिनाथविं का० प्र० पूर्णिमापत्तीय कच्छोलीवालगच्छे श्रीविजयप्रभसूरिभिः ।

६८० जूनीया

६८१ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

६८२ जयपुर पंचायती मन्दिर

६८३ मेढतासिटी युगादीश्वर मन्दिर

६८४ टोडारायसिंह नेमिनाथ मन्दिर

(६८५) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५२७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ दिने प्रा० ज्ञातीय व्य० नरसी भा० भावलदे पु० पोहट भा० पोमादे सहितेन आत्मश्रेयोर्थ श्रीसुविधिनाथविं का० प्र० पूर्णिमापक्षीय कछोलीयालगच्छे श्रीविजयप्रभसूरिभिः मंगलं ।

(६८६) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५२७ ज्ये० व० १० पालडीवासि प्राग्वाट व्य० अजेसि भा० गउरादे पु० सं० अजाकेन भा० जयतु पु० महणा जालादिकुटुम्बयुतेन श्रीकुन्धुनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(६८७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १५२७ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय सं० वाङ्छा भा० रूपी पित्रोः श्रेयसे सुत सं० भूठाकेन पुत्र सं० भरमा सहितेन श्री-पार्श्वनाथविं कारितं वृद्धथिराद्रा(थारापद्र)गच्छे प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(६८८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थः

सं० १५२७ वर्षे आषाढ सुदि २ गुरौ उपकेशज्ञातीय व्य० अजा भार्या अहिवदे पुत्र नीवा भार्या भानू सहितेन आत्मश्रेयोर्थ श्रीमुनिसुव्रत-विं कारितं प्रतिष्ठितं अंचलगच्छे श्रीजयकेशरिसूरिभिः ।

(६८९) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५२७ वर्षे मार्ग शुदि ५ शुक्र दि० उ० ज्ञा० रोटगणगोत्रे सा० तेजा भा० तेजलदे पु० नयणा श्रीखेता नंदा चांपा पास चांदलधु कुंरपाल खेतलदे पितृ खेताश्रे० श्रीधर्मनाथविं का० प्र० श्रीधर्मघोषग० प्र० श्रीभ० विजयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीधुरसूरिभिः (?) ॥

(६९०) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १५२७ वर्षे पोष वदि १ सोमे करणपुरवासी प्राग्वाटज्ञा० श्रेष्ठि खीमसी भार्या लाछू श्रेयोर्थ पुत्र आंवा भार्या भोली पुत्र नरसिंह भा० वडघी भ्रात्रि धीराकेन भा० लाली नरसिंघ पुत्र माला खीदा कुटुम्ब-युतेन श्रीशीतलनाथविं का० प्र० तपा० श्रीश्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिशिष्य-श्रीसुधानन्द(न)सूरिभिः ।

६८५ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

६८६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

६८७ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर, घाट

६८८ नागौर चौसठियाजी का मदिनर

६८९ जयपुर पंचायती मन्दिर

६९० दाहोद पार्श्वनाथ मन्दिर

(६६१) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५२७ वर्षे पो० व० १ सोमे इंद्रीयवासि उक्तेषा० मं०
कान्हा भा० ऊमो सुत मं० कृपाकेन भा० सावित्री सुत तेजादिकुटुम्ब-
युतेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिविवं का० प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६६२) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५२७ पौष यदि ५ शुक्ले श्रीश्रीवंशे श्रे० जेसा भा० रत्तु पु०
श्रे० गुणोया भा० हीरु पु० श्रे० देवदत्त मा० भानू सुत श्रे० राणा सुश्रा-
वकेण भार्या मांजी भ्रातृ धर्म-सहितेन श्रीअंचलगच्छेश श्रीजयकेसरिसूरि
उप० श्रीसुविधिनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥ श्रीः ॥

(६६३) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १५२७ वर्षे पौष यदि ५ शुक्ले प्रा० श्रे० हरराज भा० अमरी
पु० समघरेण भा० नाई प्रमुखस्वकुटुम्बसहितेन स्वश्रेयसे श्रीकुन्धुनाथ-
विवं कारितं प्र० श्रीउक्तेषागच्छे सिद्धाचार्यसन्ताने श्रीदेवगुप्तसूरिपट्टे श्री-
सिद्धसूरिभिः ॥

(६६४) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५२७ वर्षे पौष यदि ५ शुक्ले प्रा० श्रे० को० हरराज भा०
अमरी पु० समघरेण भा० नाई प्रमुखस्वकुटुम्बसहितेन स्वश्रेयसे श्री-
कुन्धुनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं उपकेषागच्छे सिद्धाचार्यसन्ताने श्रीदेवगुप्त-
सूरिपट्टे श्रीसिद्धसूरिभिः ।

(६६५) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थः

संव० १५२७ वर्षे पौष सुदि ६ शुक्ले उप० गदिलडागो० सा० सेदा
भा० तोल्ही पु० नायू । डाल भार्या दाडिमदे प्रभृतिपुत्रादियुतेन स्वश्रेयसे
श्रीसुविधिनाथविवं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीमलधारिगच्छे । श्रीविद्यासागर-
सूरिपट्टे श्रीगुणमुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीमसावास्तव्यः ॥

६६१ नागोर घड़ा मन्दिर

६६२ रावपुर चन्द्रप्रभ मन्दिर

६६३ गंगोलाव कुन्धुनाथ मन्दिर

६६४ नागोर चौसठियाजी का मन्दिर

६६५ नागोर घड़ा मन्दिर

(६६६) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२७ वर्षे माघ वदि ५ शुक्ले श्रीनागेन्द्रगच्छे उ० ज्ञातीय साह जाणा भा० जइतलदे पु० साह सारंग भा० सहजलदे पु० धरमा सहिते आत्मश्रेयसे श्रीकुन्धुनाथविंवां का० श्रीपद्माणंदसूरिसन्ताने श्री-विजयप्रभसूरिपट्टे प्रतिष्ठितं श्रीक्षेमरत्नसूरिभिः ॥ १

(६६७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२७ वर्षे माघ वदि ७ श्रीनाणकीयगच्छे उ० जोहाणेचा-गोत्रे सा० देलू भा० देल्हणदे नाह लामा पौत्र नौहल भा० नाहकदे पु० जीवा खीमसी वकर सहतु श्रेयर्थ श्रीसुमतिनाथविंवां का० प्र० श्रीधनेश्वरसूरिभिः ।

(६६८) श्रेयांसनाथः

॥ सं० १५२७ वर्षे माघ सुदि ३ उक्केशवंशे सुराणागोत्रे सा० आंवा धर्मपत्नी जाटा जुगराज श्रीश्रेयांसनाथविंवां कारितं प्रति-ष्ठितं धर्मघोषगच्छे श्रीपद्माणंदसूरिभिः ॥

(६६९) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२७ वर्षे ओसवालज्ञातीय वय० धन्ना भा० ताऊ पुत्र पेसा भा० सोनी लाला पेसा द्वितीय भार्या भोली पु० खेता सहिराज चांदा करण स० आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथविंवां कारितं प्र० ब्रह्माणीयगच्छे भ० श्रीउदयप्रभसूरिभिः प्रतिष्ठितं च श्रीराजकीर्तिउपदेशेन का० ।

(७००) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १५२८ वर्षे चैत्र वदि १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० भोजा भा० डाही पु० श्रे० धना भा० जीविणि पुत्र श्रे० वेलाकेन भार्या प्रिमी । अपर मातृ लाडकी सहितेन श्रीअंचलगच्छेश्वर-श्रीजयकेसरिसूरिसुगुरुणा-मुपदेशेन श्रीश्रीश्रीश्रेयांसनाथविंवां कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥ उहरना-लाग्रामे ॥

६६६ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

६६७ अजमेर चन्द्रप्रभ देरासर, वेद मुहूर्तों का

६६८ वेंतैड़ विमलनाथ मन्दिर

६६९ जयपुर पंचायती मन्दिर

७०० आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(७०१) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५२८ वर्षे वैशाख वदि ५ रवौ उपके० झा० सा० महिषा
भा० राजू पु० जेसा माईया भा० घरमिणी सहिते पित्रोः श्रेयसे श्रीवासु-
पूज्यवि० का० प्रतिष्ठि० श्रीवृह० श्रीवीरचन्द्रसूरि आ० श्रीधनप्रभसूरि-
सहितेन ॥

(७०२) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५२८ वर्षे वैशा० वदि ५ ओसवाल ज्ञातीय सुराणागोत्रे
सा० शेखर सहसवीरेण भा० भोजा पु० डोडा वरता रंगूरत्तु युक्तेन
स्वभार्या पुण्यार्थ श्रीधर्मनाथविं० का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मानन्द-
सूरिभिः ॥

(७०३) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५२८ वर्षे वैशाख वदि ६ चंद्रे उपकेशज्ञाती दूगढगोत्रे ।
सा० शिखर भा० घेली पुत्र घनपालेन भा० पासू पु० नानिग सोनपाल
प्रमुखसहितेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथविं० का० प्रति० श्रीवृहद्गच्छे
श्रीनेरुप्रभसूरिभिः ।

(७०४) नमिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५२८ वर्षे वै० शु० ३ प्राग्वाटज्ञातीय सं० नाटा भा० नारि-
गदे सुत सं० कीताफेन भा० कुंतिगदे सुत सीहादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे
श्रीनमिनाथविं० कारितं प्र० तपापद्मे श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मी-
सागरसूरिभिः ॥ मुंडाडा धास्तवेन ॥

(७०५) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५२८ वर्षे आपाढ सुदि द्वितीया दिने सोमवासरे वसवाल-
ज्ञातीय सुराणागोत्रे सं० समर तत्पुत्र सं० माणिक्य भा० जीयादे तत्पुत्र
सोनपाल आत्मश्रेयार्थ श्रीचन्द्रप्रभस्वामिविं० कारितं । प्रतिष्ठिं श्री.....

(७०६) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५२८ वर्षे आपाढ सुदि २ दिने ऊकेशवशे संखवालगोत्रे
सा० महिरा भार्या माल्दणदे तत्पुत्र सा० राऊल श्रावकेण सा० देवा तद्भार्या
रणदे तत्पुत्र सा० लालादिपरिवारयुतेन श्रीकुन्धुनाथविं० कारितं प्रति-
ष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

७०१ जयपुर पंचायती मन्दिर

७०२ नागौर शान्तिनाथ मन्दिर

७०३ नागौर वडा मन्दिर

७०४ मेढतासिटी युगादीश्वर मन्दिर

७०५ चूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर

७०६ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(७१६) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे वईशाख सुदि ६ शाके (शनौ) श्रीश्रीमालज्ञा० से०
आसा भा० रतनादे सु० से० बाला भा० सुवन्दे सु० हरखाकेन भा० लाखू
स्वश्रेय[से] श्रीअय [जि]तनाथविंवां कारितं प्र० श्रीवृद्धतपागच्छे श्रीज्ञान-
सागरसूरिभिः ॥

(७२०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे वैशाख सुदि ६ श्रीमालज्ञा० डीडाउतगोत्रे । सा०
कादा भा० गजरी पु० राणा भा० दामू पु० सा० नरगणेन श्रीश्रेयांसविंवां
का० आत्मश्रे० श्रीपल्लीवालगच्छे प्र० श्रीयशोदेवसूरिपट्टे श्रीनन्नसूरिभिः ॥
छः ॥

(७२१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे वैशाख सुदि ६श्रीवालगा-
च्छेभज्डुं भा० महिणदे पु० सं० साताकेन । आत्मश्रेयसे
श्रीसुमतिनाथविंवां का० प्र० श्रीयशोदेवसूरिपट्टे श्रीनन्नसूरिभिः ॥ छ ॥

(७२२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३० वर्षे ज्येष्ठ व० २ उ० डांगीगोत्रे माणिकसन्ताने सा०
चाहड भा० लाडि पुत्र श्रीलोहटाभ्यां श्रीशान्तिनाथविंवां कारितं श्रीकृष्णपि-
गच्छे तपापक्षे आ० श्रीपुण्यवर्द्धनसूरिभिः प्रतिष्ठितं ।

(७२३) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३० वर्षे पोष वदि ६ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० मंत्रि संमधर
भा० श्रीयादे सुत वीकाकेन आत्मश्रेयोर्य श्रीविमलनाथविंवां कारितं प्रति-
ष्ठितं श्रीपिप्पलगच्छे गुणदेवसूरिपट्टे श्रीचन्द्रप्रभसूरिभिः राजलग्रामे ।

(७२४) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे माह व० २ सोमे श्रीमालज्ञा० व्य० वयजल राजा
पदमा पासड खेता श्रेयो० श्रे० विजाकेन श्रीवासुपूज्यविंवां का० प्र० श्री-
जयप्रभसूरि उपदेशेन ॥

७१६ बहेलार अजितनाथ मन्दिर

७२० सांभर पार्श्वनाथ मन्दिर

७२१

७२२ किसनगढ़ खरतरगच्छ उपाश्रय

७२३ जयपुर श्रीमालों का मन्दिर

७२४ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

(७२५) घर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३० माह वदि २ बुधे उ० ज्ञातीय मंडोरेचा बुहरागोत्रे
सा० स्त्रीमा भा० खेतलदे पु० चाचा भा० चाहिणदे पु० चांपा सहितेन ।
आत्मश्रेयोर्थ श्रीधर्मनाथविं० का० प्र० श्रीवृहद्गच्छे बोंकडियावटके भ०
श्रीमलयचन्द्रसूरिभिः वडलीवास्तव्य ।

(७२६) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० व० माघ व० २ ना० ज्ञा० श्रे० कडुआ भा० धानू सु० ३ वड्जा
भा० वड्जलदे द्वि० सु० घरणकेन भा० रमकू डाही रु० सु० वीशलेन
श्रीवासुपूज्यविं० प्र० श्रीवृ० तपा० श्रीमानसागरसूरिभिः ॥

(७२७) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे मा० व० १० बुधे प्राग्वाट सा० शिवा भा० संपूरी
पुत्र सा० पाल्हा भा० पाल्हाणदे सुत सा० नाथाकेन भ्रा० ठाकुरसीयुतेन
स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतविं० का० प्र० तपा० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः धारनगरे ।

(७२८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे माघ सुदि ४ प्रा० व्य० रादा भा० अरधू पु० सिरो-
हीयाख० सा० मांडणेन भा० माणिकदे पुत्र लखमादियुतेन श्रीशान्तिनाथ-
विं० का० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(७२९) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३० व० माह सु० १० उपकेराज्ञातीय फोफलीयागोत्रे ।
सा० धना भार्या धायलदे पु० सा० खेदा कुंभा चाचा सहितेन आत्म-
श्रेयसे । भ्रा० सा विरुगपुण्यार्थ श्रीविमलनाथविं० का० प्रतिष्ठि० श्रीधर्म-
धोपगच्छे भ० श्रीसाधुप्रसूरिभिः ॥

(७३०) श्रीयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३० वर्षे । फा० सुदि ६ श्रीउपकेरागच्छे । सूरुआगोत्रे ।
सा० सहदेव पु० लूणा भार्या लाडि पु० खेता पानूकेन । श्रीश्रीयांसविं०
का० कुवाडाचार्यसन्ताने प्रतिष्ठित । श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥ श्री

७२५ पनवाड महावीर मन्दिर

७२६ गागरदु आदिनाथ मन्दिर

७२७ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

७२८ नागौर वडा मन्दिर

७२९ सांभर पार्यनाथ मन्दिर

७३० कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

(७३१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३० वर्षे फागुण सुदि ७ बुधे श्रीमालज्ञातीय सा० राजा
भा० राजलदे भाग्नेय-स्वश्रेयोर्थ श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदे-
शेन श्रीसुमतिनाथविंश कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

(७३२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३१ वर्षे वैशाख वदि ५ बुधे श्रीमूलसंघे भ० श्रीभुवनकीर्ति-
स्त० भ० श्रीज्ञानभूषणगुरुपदेशात् ॥ हुं० श्रे० मांडण भा० हांसू सुत
समधर भा० टबू सुत कर्मदास नित्यं प्रणमति ॥

(७३३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३१ वर्षे वैशाख सुदि ३ शनौ उ० खवेहीगोत्रे सा० धम्मा
भा० करमादे तत्पुत्र वीदा भा० सूरमदे पु० देवा रतना हरराजयुतेन स्व-
श्रेयसे श्रीशान्तिनाथविं० का० प्र० गच्छे श्रीपुण्यरत्नसूरिपट्टे
श्रीपुण्यवर्द्धनसूरिभिः ॥

(७३४) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३१ वर्षे ज्येष्ठ सुदि २ ऊकेशज्ञातीय सा० पूना भार्या
पूनादे सुत सा० भावाकेन भा० नीणू सुत राणा मांका कृपादिकुटुम्बयुतेन
श्रीसुमतिनाथविंश कारितं प्रतिष्ठितं खरतर० श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥ छ ॥ श्री ॥

(७३५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३१ वर्षे आषाढ सुदि २ सोमदिने श्रीओसवालज्ञातीय
सुराणागोत्रे सं० हंसा भार्या संपूरी पुत्र हिल्ला-सोमाभ्यां सहितेन मातृ-
स्वपुण्यार्थ श्रीआदिनाथविंश कारा० प्रति० श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्री(पद्म)-
शेखरसूरि तत्पट्टे भ० श्रीपद्मानन्दसूरिभिः ॥

(७३६) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३१ वर्षे मार्गशीर्ष वदि ८ बुधे श्रीभावडहरागच्छे उपकेश-
ज्ञातीय प्राहो चागोत्रे सं० रत्ना भा० रत्नादे पु० हरा भा० हांसलदे पु० वीरा
भा० वीरलदे पुत्र-पौत्राभ्यां युतेन स्वपुण्यार्थ श्रीअजितनाथविंश कारितं प्र०
श्रीकालिकाचार्यसन्ताने श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीभावदेवसूरिभिः ॥ गोजा ॥

७३१ नागोर बड़ा मन्दिर

७३२ सागोदिया ऋषभदेव मन्दिर

७३३ मेड़तारोड़ पार्श्वनाथ मन्दिर

७३४ जयपुर पंचायती मन्दिर

७३५ किशनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

७३६ कोटा मणिकसागरजी का मन्दिर

(७३७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३१ वर्षे मार्गशिर वदि ६ बुधे उपकेशज्ञातीय उद्धितवाल-
गोत्रे सा० मन्ना पु० रूपा० भा० रूपादे पु० समदा अन्नोयुतेन श्रीशान्ति-
नाथविंशं कारितं प्र० श्रीधर्मधोपगच्छे श्रीलक्ष्मीसंगरसूरिभिः ॥

(७३८) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३१ वर्षे माघ सुदि पंचमी शुक्रवासरे पल्लीवालज्ञाती
साह राज तत्पुत्र धर्मसी तत्पुत्र पियंवर । विमलनाथविंशं कारापितं प्रतिष्ठितं
श्रीबृहद्गच्छे श्रीशालिभद्रसूरिभिः ॥ श्री ॥

(७३९) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३१ वर्षे फागुण सुदि सप्तमी सोमे सा साडन भार्या
मानकदे पुत्र ऋषभवीर भार्या नन्नोदेव्या आत्मपुण्याय श्रीसुमतिनाथविंशं
कारितं प्रतिष्ठितं सरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

(७४०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३२ वर्षे चैत्र व० २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० सं० जोगा भा०
जीयणि श्रेयसे सं० गोला भा० कर्मी पु० नरवदेन श्रीश्रेयांसनाथविंशं
कारितं श्रीपूर्णिमापत्नीय श्रीसाधुसुन्दरसूरीणांमुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना
बलहृत् ।

(७४१) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३२ वर्षे चै० व० ३ रवौ उपकेशज्ञा० चणगीयागोत्रे सा०
वादी भा० खोमाई सु० तिहुण श्रेयोर्य सा० भावडेन श्रीचंत साजण प्र०
कुटुम्बयुतेन श्रीपद्मप्रभस्वामिविंशं कारितं रुद्रपल्लीयगच्छे श्रीदेवसुन्दरसूरि-
पट्टे प्रतिष्ठितं श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(७४२) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३२ वर्षे चैत्र सुदि ११ दिने वरहडियागोत्रे सा० इसर भा०
इहयदे पु० सालिग भा० सुण सा० देवा धर्मसी देवा भा० देवश्री पु०
तारायुतेन श्रीकुन्धुनाथविंशं कारितं प्रति० श्रीबृहद्गच्छे म० श्रीमेरुप्रभसू-
रिपट्टे आचार्य श्रीराजरत्नसूरिभिः शुभंभवतु श्रेयस्तात् ॥

७३७ मालपुरा मुनिमुवत मन्दिर

७३८ चूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर

७३९ रतलाम सेठजी का मन्दिर

७४० अजमेर संभवनाथ मन्दिर

७४१ जयपुर पार्श्वचन्द्रगच्छदीय उपाश्रय

७४२ बेंतेड विमलनाथ मन्दिर

(७४३) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३२ वर्षे वैशाख वदि २ शुक्ले प्राग्वाटज्ञातीय व्य० सा-
मल भा० काऊं सु० पाता भा० नाऊं सु० देवाकेन भा० देवलदे प्र० भ्रातृ
सामंत भा० लाही सु० समधर भा० अजी सु० मांडण भोजा राणा द्वि०
आ० ऊदा भा० वाई पु० साईआ भा० सहिज्यादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे
श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिपट्टः जीवितत्वासी पूर्णिमापक्षे श्रीपुण्यरत्नसूरीणा-
मुपदेशेन का० प्र० सुविधिना साकरग्रामे ।

(७४४) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संव० १५३२ वर्षे वै० वदि ११ सोमे श्रीश्रीमा० प० मूला भा०
मनकू पु० हरियाकेन भा० लखमाइयुतेन निजश्रेयसे श्रीसुविधिनाथविं
का० प्रति० वृ० तपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिभिः ॥

(७४५) पार्श्वनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५३२ वर्षे वै० शुदि ३ शनौ श्रीवायटज्ञातीय मं० माहव भा०
हलू पु० मं० देवसेन भा० जीविणी पु० सिंहराज भ्रातृ हरदास डाही
आसूरा पंचायण असीपालादिकुटुम्बयुतेन स्वपितृश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथादि-
चतुर्विंशतिपट्टः कारितः आगमगच्छे श्रीअमररत्नसूरिगुरुरूपदेशेन प्रतिष्ठितं
सुविधिना देकावाडावास्तव्यः ॥

(७४६) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३२ वर्षे वैशाख सुदि ५ शनौ उसवालगच्छे श्रेष्ठिगोत्रे
सालिंग भा० संसारदे पुत्र आसाकेन स्वपुण्यार्थं श्रीशीतलनाथविं का० प्र०
श्रीकुंकदाचार्य सन्ताने भ० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥ श्री ।

(७४७) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३२ वर्षे वैशाख सुदि १० शुक्ले श्रीश्रीवंशे मं० धन्ना
भार्या धांधलदे पुत्र मं० सुचा सुभ्रावकेण भार्या लाली आ० गोइंद पुत्र
सीपा नाखा सहितेन स्वश्रेयोऽर्थ । श्रीअंचलगच्छेध्वर श्रीजयकेशरिसूरीणा-
मुपदेशेन श्रीकुन्थुनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं संघेन लोलाडाग्रामे ॥

७४३ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

७४४ नागोर बड़ा मन्दिर

७४५ नागोर सुमतिनाथ मन्दिर

७४६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

७४७ गागरडु आदिनाथ मन्दिर

ॐ शिवाय नमः (७४८) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५३२ वर्षे वैशाख शुदिः १० शु० श्रीउग्रसंवशे चंडालिया-
गोत्रे सा० नेमां भा० डीडी पु० सा० सोहिलः भार्या महिरी पुत्रः सा० पहि-
राज सा० पालहरणदे पुत्र सा० रत्नपाल सुश्रावकेण पितृव्य सा० गोपालप्रमुख
कुटुम्बसहितेन पितु-श्रेयसे श्रीसुविधिनाथविधं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमल-
धारगच्छे श्रीगुणनिधानेसूरिमिः ॐ पहिराज पुण्यार्थ ।

ॐ शिवाय नमः (७४९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५३२ वर्षे ज्येष्ठ वदि १३ बुधे प्राग्वाट श्रीआसधर भा०
गांगी सुत मदन पा० जिनदास जीवा पुत्रपौत्रादिसहितेन आत्मश्रेयोर्थ
श्रीशान्तिनाथविधं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृहत्पंचपदे श्रीजिनरत्नसूरिमिः ।

ॐ शिवाय नमः (७५०) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५३२ ज्येष्ठ सुदिः १३ बुधे प्राग्वाटहातीय व्य० महीआ
भा० रागी सुत हीरा भा० मदनी स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथविधं का० प्र०
तपा श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टालंकारेण श्रीलक्ष्मीसागरसूरिमिः ॥ श्रीः ॥

ॐ शिवाय नमः (७५१) धर्मनाथः

॥ ॐ ॥ संवत् १५३२ वर्षे आपाद सुदि ८ रवौ श्रीभावहारगच्छे
सं० प्रा० चिपूगोत्रे सा० देवदत्त भा० जालहरणदे पुत्र पासदत्त भा० पालह-
रणदे पु० सं० पूरण भा० सरूपदेव्यायुतेन पितु-मातृपुण्यार्थ श्रीधर्मनाथ-
विधं का० प्र० श्रीरत्नप्रभपार्वसन्तानीय श्रीजिनदेसूरिपट्टे श्रीभावदेवसू-
रिमिः ॥ नागपुरे ॥

ॐ शिवाय नमः (७५२) संभवनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५३२ वर्षे नीतोदकवासि प्रा० व्य० बडुआ भा० कर्मी सुत
व्य० धीरावेन भा० भाऊ प्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयोर्थ श्रीसंभवनाथविधं
कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिसद्गुरुमिः ॥

७४८ नागोर बड़ा मन्दिर

७४९ मेड़तासिटी वासुपूज्य मन्दिर

७५० मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

७५१ नागोर हीरावाडी आदिनाथ मन्दिर

७५२ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

(७५३) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३३ वर्षे चैत्र सु० ४ शुक्रे । उसवंशे वावेलगोत्रे सा०
 घेल्ला पु० सा० खेता भा० खेतश्री पु० सा० देदाकेन स्वपिताश्रेयसे श्रीअभि-
 नन्दननाथविंशं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिपट्टे
 श्रीगुणनिधानसूरिभिः ।

(७५४) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३३ व० चैत्र सु० ८ घो० ग० वा०
 चरण पु० धरालाल पुण्यार्थ श्रीकुन्धुनाथविंशं का० प्र० श्रीलक्ष्मीसागरसू-
 रिभिः ॥

(७५५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३३ वर्षे वै० शु० १२ गुरौ प्रा० व्य० रत्ना भा० रामलदे पुत्र
 व्य० महिषा भा० धारी पुत्र जावडेन पितृश्रेयसे श्रीधर्मनाथविंशं का० प्र०
 वपा श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ नांदित्राग्रामे ॥

(७५६) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३३ वर्षे वैशाख सुदि ५ शुक्रे श्रीप्राग्वाटज्ञातीय श्रे० धारा
 भार्या वाळू सुत श्रे० दूदा भार्या नीणू सुत श्रे० देधर भा० तेजू सुत पूजा
 मूँजा पितृ-मातृनिमित्तं श्रीसंभवनाथविंशं कारितं प्र० श्रीचैत्रगच्छे भ०
 श्रीरत्नदेवसूरिपट्टे भ० श्रीअमरदेवसूरिभिः ॥ हारीजग्रामे ॥

(७५७) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३३ वर्षे वै० शुदि ६ दिने श्रीमालवंशे सं० जज्ञता पु० सं०
 मांडण भा० लीलादे पु० जावड युतेन श्रीसुपार्श्वविंशं का० प्र० श्री-
 खरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ।

(७५८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३३ वर्षे ज्येष्ठ वदि ११ श्रीमालज्ञातीय मूसलगोत्रे सा०
 सिवराज भार्या णाळू पु० सोना भा० देवलदे पु० रायपाल आत्मपुण्यार्थ
 श्रीआदिनाथविंशं कारापितं प्रतिष्ठितं धर्मघोषगच्छे श्रीपासरत्नसूरिपट्टे
 जेमरत्नसूरिभिः शुभंभवतु ।

७५३ नागोर वड़ा मन्दिर

७५४ मेड़तासिटी युगादीश्वर मन्दिर

७५५ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

७५६ जयपुर पंचायती मन्दिर

७५७ जयपुर पंचायती मन्दिर

७५८ जयपुर पंचायती मन्दिर

(७५६) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३३ वर्षे ज्येष्ठ मासे शुक्लपक्षे ५ शुक्लवासरे उपकेशाहा-
तीय रोहिण्येयगोत्रे साह जाणा भार्या अपू पुत्र चाहड भार्या चाहिणदेव्या
चाहडेन स्वपुण्यार्थं श्रीधर्मनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपत्नीगच्छे श्रीउजो-
अणसूरिभिः ॥

(७६०) स्तम्भोपरि

॥ ॐ ॥ सं० १५३३ वर्षे श्रावण सुदि ५ शनौ सा० भीमा भा०
वज्र पु० दौला भार्या अमी भार्या गोमति निमित्तं पुत्रकेन स्तंभ प्राग्वाढ-
हातीय ॥

(७६१) श्रेयांसनाथः

॥ सं० १५३३ वर्षे मार्ग सुदि ६ श्रीमाल० फुफलियागोत्रे सा० चूहड
भार्या चाड पुत्र साह नरसिंह भार्या जपू सिंघही स्वपुण्यार्थं श्रीश्रेयांस-
नाथविंशं का० प्रति० भ० श्रीपद्मानन्दसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(७६२) धर्मनाथः

॥ संवत् १५३३ वर्षे मार्ग सुदि ६ उपकेशाहातीय कालागोत्रे सा०
देवदत्त पुत्र सा० फेरु भार्या धोलणदे पुत्र रावण सहितेन निज भार्या
पुण्यार्थं श्रीधर्मनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविधिपक्षीय अंचलगच्छे
भट्टारक-श्रीजयकीर्तिसूरिपट्टे श्रीजयकेसरिसूरिभिः ॥

(७६३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३३ वर्षे मार्गशिर सु० ६ उपकेशाहा० कागोत्रे सा० देवसी
भार्या गवरदे पु० सारंग भार्या सत्तादे आत्मपुण्यार्थं श्रीआदिनाथविंशं
कारापितं संडेरगच्छे प्रतिष्ठितं श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(७६४) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३३ वर्षे माघ सुदि ६ जांडलवालगोत्रे सा० लाखासन्ताने
सं । चिराईत्र भा० सलखण पु० श्रीपाल यद्वराज पांचा सोनल श्रीपाल
पुत्र ऊधरण माह सलखण पुण्यार्थं श्रीकुन्धुनाथविंशं प्र० श्रीतपागच्छे म०
श्रीहेमसमुद्रसूरिपट्टे श्रीहेमरत्नसूरिभिः ॥

७५६ चूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर

७६० सेमलिया शान्तिनाथ मन्दिर

७६१ नागोर हीरावाड़ी. आदिनाथ मन्दिर

७६२ नागोर हीरावाड़ी. आदिनाथ मन्दिर

७६३ किसनगढ़ यति स्वरूपचंदजी का सपाश्रय

७६४ चूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर

(७६५) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३३ वर्षे माघ सुदि १३ सोमवासरे प्राग्वटज्ञातीय सा० हेमा भा० मानू पु० संघर्षा वड्डा भाया दाही पु० सं० वना भा० मचकू पु० इंगर आत्मश्रेयसे श्रीविमलनाथविं कारितं साधुपूर्णमापत्ते प्रतिष्ठितं श्रीजयशेखरसूरिभिः सारंगपुरे ।

(७६६) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३३ वर्षे फा० व० ६ दिने प्रा० सं० वरसा भा० गोमति नाम्न्या पु० थेरा भोलादिकुटुम्बयुतया श्रीपद्मप्रभविं कारितं प्रति० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(७६७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३३ वर्षे शाके १३६८ प्रा० वंभगोत्रे पु० श्रे० सारंग भाया हरखुकेन पिता माता लाखा लाखणदे पुण्यार्थ श्रीआदिनाथविं का० मलधारिगच्छे प्र० श्रीगुणनिधानसूरिभिः ॥

(७६८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३४ वर्षे चै० व० २ गुरौ लाटवासि प्रा० व्य० चांदू भा० सुंदरि पु० लुंटाकेन भा० लीलादे पु० बीसा हीरा बाहादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीशान्तिविं का० प्र० तपागच्छे श्रीश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीरस्तु ।

(७६९) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३४ वर्षे वैशाख सुदि २ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० हीरा भा० रुडी । पु० सहिजाकेन भाया पूतणियुतेन मातृ-पितृश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथविं श्रीपूर्णमापत्ते श्रीगुणसमुद्रसूरिपट्टे श्रीगुणधीरसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं सुविधिना । गोरिजग्रामे ।

(७७०) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३४ वर्षे ज्येष्ठ सु० १० शुके उपकेशवंशे सा० रूपा भा० शील पुत्र सा० हेमाकेन भा० चत्रु पुत्र देवा रत्नादिपरिवारयुतेन श्रीअजितनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकोमलगच्छे श्रीचन्द्रप्रभसूरिभिः ॥

७६५ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

७६६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

७६७ दाहोद पार्श्वनाथ मन्दिर

७६८ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

७६९ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

७७० जडाउ पार्श्वनाथ देरासर

(७७१) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३४ वर्षे ज्येष्ठ सित १० दिने सोमे उक्तेसवंशे कटारिया-
गोत्रे सा० चांपा भार्या पाल्दण्दे पुत्र सा० नरसिंह श्रावकेण श्रीश्रेयांस-
नाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीस्वरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिन-
चन्द्रसूरिभिः श्रेयसे ।

(७७२) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३४ वर्षे आपाद सु० ११ गुरौ उक्तेसवंशे द्वाजुहङ्गगोत्रे सा०
दगम पुत्र सा० खरद्वयेन भा० जीवोणी पु० माला बाला पासड सहितेन
धर्मनाथविंशं निजश्रेयोर्थं कारापितं श्रीस्वरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(७७३) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३४ वर्षे आपाद सुदि १ गुरौ उप० कटारीआगोत्रे सा०
लक्ष्मण भा० लक्ष्मणादे पु० देवा साभा भा० कील्हण्दे
स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथविंशं कारितं प्र० जाखडीयागच्छे श्रीकमलचन्द्रसू-
रिभिः ।

(७७४) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३४ वर्षे आपाद सुदि १ गुरुवारे धीपल्हवङ्गगोत्रे सं०
घेल्हसन्ताने सं० द्वाहड पुत्र सा० शिवराज भार्या संसारदे पुत्र फल्हण-
मुतेन स्वश्रेयसे धीकुन्धुनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं बृहद्गच्छीय श्रीमेरु-
प्रमसूरिभिः श्रीराजरत्नसूरिभिः ।

(७७५) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३४ वर्षे आपाद सु० २ दिने उक्तेसवंशे घोधिरागोत्रे
सा० जेसा पु० बाहा सुग्रावकेण भा० सुहागदे देल्हा हांसा नीयादियुतेन
माता लस्सी पुण्यानं श्रीश्रेयांसविंशं कारितं प्र० श्रीस्वरतरगच्छे श्रीजिनभद्र-
सूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

७७१ नागोर बड़ा मन्दिर

७७२ नागोर बड़ा मन्दिर

७७३ नागोर बड़ा मन्दिर

७७४ मूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर

७७५ नागोर बड़ा मन्दिर

(७७६) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३४ वर्षे आपाढ सुदि २ उक्केशवंशे फोफलियागोत्रे सा०
छरसी भा० ऊंजी पुत्र सा० सिवा भा० रत्नादे पुत्र सा० चउराकेन भा०
लखमादे प्रमुखपरिवारेण श्रीशीतलनाथविं वं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीखरतर-
गच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(७७७) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३४ वर्षे आपाढ सुदि २ दिने उक्केशवंशे वापणागोत्रे
सा० भावड भा० जसमादे पु० सा० सोमा सुश्रावकेण भा० सकतादे पु०
अमर मेवा अमरा प्रमुखसहितेन श्रीसंभवनाथविं वं का० प्रति० श्रीखरतर-
गच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(७७८) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३४ वर्षे आपाढ सुदि १५ उक्केशवंशे चोपडागोत्रे को०
ठाकुरसी भार्या ऊमादे पुत्र को० शिखरा भा० साता सुश्रावकेण पुत्र सा०
वीसल सा० अखयराज सा० नगराज प्रमुखपुत्रादिसहितेन श्रीसुमतिनाथ-
विं वं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसमुद्रसूरिभिः ॥

(७७९) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३४ वर्षे मार्गशिर वदि ५ सोमे । नागगोत्रे उपकेशज्ञातीय
ना० मांडणेन भार्या माणिकदे पुत्र कामाकेन भा० लूणी कउतिगदे पुत्र
करमा धरमा जगा रणमल्ल राइमल सहितेन । श्रीनमिनाथविं वं कारितं ।
प्र० ज्ञानकीयगच्छे श्रीधनेश्वरसूरिभिः ।

(७८०) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३४ वर्षे माग वदि ५ तिथौ सोमे उक्केशज्ञातीय राव्हीगोत्रे
वल्ल आंवायां मं० कोल्हा भार्या गुणादे पुत्र सं० पौराज-तिहुणाभ्यां स्वपित्रोः
पुण्यार्थं श्रीशीतलनाथविं वं कारितं श्रीकन्हरसा तपागच्छे श्रीपुण्यरत्नसूरिपट्टे
श्रीपुण्यहंससूरिभिः प्रतिष्ठितं ।

७७६ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

७७७ सांगानेर महावीर मन्दिर

७७८ हरसूली पार्श्वनाथ मन्दिर

७७९ सांगानेर महावीर मन्दिर

७८० नागोर बड़ा मन्दिर

(७८१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५३४ मा० शु० १० प्रा० व्य० नरसिंह मा० नामलदे पुत्र
मेलाकेन भा० वीरणि पुत्र खेतादिकुटुम्बयुतेन स्वधेयसे श्रीआदिनाथविंश
का० प्र० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । पालणपुरे ।

(७८२) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५३४ वर्षे माघ शुक्लपक्षे...शुके...भानुत्रे श्रीओशधंशे
श्रीधिणेलियागोत्रे । संवपति समधर सं० गोसल सं० गुणधर सं० भाटल
सं० नाजलसन्ताने । सं० पांडण पुत्र सा० ललमण भार्या गहरादे । पुत्र
सं० हीरा भा० हीरादे । सा० भोला भार्या भमरादे । च । सभक्तिपूर्व पिता-
पूर्वजपुण्यार्थं आत्मधेयोर्यं । सं० हीरा सं० भोलाभ्यां पुत्र-पौत्रादेः सपरि-
कराभ्यां श्रीशान्तिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं कहरिसागच्छे । भ० श्रीप्रसन्न-
चन्द्रसूरि भ० श्रीनयचन्द्रसूरिभिः ॥

(७८३) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५३४ वर्षे फागुण सुदि ५ सोमे व० भेलडियागोत्रे सा० महणा
भा० माल्दणदे पुत्र केला भा० कमलादे पु० देवराज स० श्रीधर्मनाथविंशं
का० प्र० श्रीनाणालगच्छे भ० श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥ छ ॥

(७८४) संभवनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १५३४ वर्षे प्राग्याटझा० श्रे० सोमा भा० देऊ पु० भोटकेन
भा० यानरि ध्रा० भोजा प्रमु० कुटुम्बयुतेन श्रीसंभवनाथविंशं का० प्र०
तपापक्षे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः वीसलनगरे ।

(७८५) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५३५ वर्षे आपाड यदि द्वितीया दिने उपकेशाक्षतीय
आयरीगोत्रे लूणाउतशाखायां सा० जाजा पु० चडला भा० संपतलटि पु०
मूलाकेन आत्मधेयसे श्रीपद्मप्रभविंशं कारितं कहुदाचार्यसन्ताने प्रतिष्ठितं
सीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

७८१ नागौर यद्वा मन्दिर

७८२ मिनाथ

७८३ जयपुर यद्वा मन्दिर

७८४ नागौर मुनिनाथ मन्दिर

७८५ नागौर यद्वा मन्दिर

(७८६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३५ वर्षे आषाढ वदि २ गुरौ भंडारीगोत्रे सा० वील्हा-
सन्ताने भं० सायर भा० सूरवदे पुत्र सं० अक्खा भार्या लखमादे भ्रातृ
चांपाकेन श्रीकुन्थुनाथविं वं कारितं स्वश्रेयसे प्रतिष्ठितं संडेरगच्छे श्री(ई)शिर-
सूरिपट्टे श्रीशालिसूरिभिः ॥

(७८७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३५ वर्षे मार्ग० व० ६ सोमे उप० ज्ञाती० साहा भा०
अमरी पु० वरनाग भा० वानू पु० सासढ आत्मश्रेयसे श्रीविमलनाथविं वं
का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीवीरप्रभसूरिपट्टे श्रीवीराणंदसूरिभिः आ० श्रीदेव-
सुन्दरसूरि मालवसिंगोवा०

(७८८) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३५ वर्षे माह वदि ५ भौमे प्राग्वाटज्ञातीय गुहिलवाल-
गोत्रे सा० भांडा भा० वडजू सु० करमा जइता करमा भा० वानू जइता भा०
पांचू आत्मश्रेयसे श्रीनमिनाथविं वं कारापितं श्रीमडाहड्यगच्छे श्रीवीरभद्र-
सूरिपट्टे श्रीश्रीनयचन्द्रसूरिभिः ।

(७८९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३५ वर्षे माह सुदि ५ गुरु प्रा० ज्ञातीय सा० धना भा०
वारी पु० जेसा भा० देलू पुत्र धना चाचा सामा सा० धना भा० अमरी
पुत्र ठाकुर स० जसाकेन श्रीशान्तिनाथविं वं का० प्र० श्रीमडाहड्यगच्छे
श्री(र)विचन्द्रसूरि(भिः) ।

(७९०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३५ वर्षे मा० शु० ५ गु० डीसा सं० काला भा० रती पु०
सां० नाथा भा० सोही भ्रातृ पहिराज रत्नादिकुटुम्बश्रेयसे श्रीश्रेयांसविं
का० प्र० तपागच्छे श्रीश्रीश्रीरत्नशेखरसूरितत्पट्टे लक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७८६ मेड़तासिटी आदिनाथ मन्दिर.

७८७ जयपुर पंचायती मन्दिर

७८८ केकड़ी चन्द्रप्रभ मन्दिर

७८९ साथां पार्श्वनाथ मन्दिर

७९० हरसूली पार्श्वनाथ मन्दिर

(७६१) संभवनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५३५ वर्षे माघ सुदि ५ गुरौ श्रीमूलसंघे भट्टारक श्रीमुवनकीर्ति
तत्पुत्रे भट्टारक श्रीज्ञानभूषणगुरौ कासिणगोत्रे सा० सारंग भा० चांपू
पु० अपू भाटू ताकी संभवनाथ ।

(७६२) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५३५ वर्षे माह सुदि ६ प्राग्वाटज्ञातीय सांभरयागोत्रे
सा० समरा भा० हानी पु० आल्हा देवसी आल्हा भा० आल्ही पु० ऊधा
प्रदमसी चांदा पंचायणयुतेन स्वश्रेयसे । श्रीवासुपूज्यविंशं कारितं प्र० श्री-
बृहद्गङ्गाय भ० श्रीज्ञानचन्द्रसूरिभिः ॥

(७६३) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १५३५ वर्षे माह सुदि ६ दिने । श्रीओसवालज्ञातीय
वृद्धितवालगोत्रे सं० चांपा पु० सं० मघा पु० सं० गणपतिकेन भा०
गंगादे पु० रणवीर सा० करमायुतेन स्वश्रेयसे पितृपुण्यार्थं श्रीकुन्धुनाथ-
विंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ शु०
घं० ॥

(७६४) नमिनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५३६ व० ज्येष्ठ व० ५ रवौ उप० सीसोदीयागोत्रे सा० देवा-
यन भार्या देवलदे पु० खेता भार्या खेतलदे पुत्र भास्वरयुतेन स्वपुण्यार्थं
श्रीनमिनाथविंशं कारापितं प्रति० संडेरवालगच्छे श्रीसालिसूरिभिः ॥

(७६५) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १५३६ वर्षे ज्ये० शु० ५ प्राग्वाट सा० हीरा भा० पाहल पुत्र
सा० सादाकेन भा० रानुयुतेन श्रीकुन्धुनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे
श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(७६६) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थः

सं० १५३६ वर्षे आपाढ सु० ५ गुरौ व० ज्ञातीय सांडगोत्रे सहसा
भा० बाहू पु० घरम भार्या बाल्हादे आत्मपुण्यार्थं श्रीचन्द्रप्रभस्वामिविं०
का० प्र० श्रीपूणिमापत्ते भ० श्रीजयप्रभसूरिपुत्रे । भ० श्रीजयमद्रसूरिभिः
प्रतिष्ठितं । ७४ उत्तमटां ।

७६१ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

७६२ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

७६३ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

७६४ जयपुर नया मन्दिर

७६५ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

७६६ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

(७६७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३६ वर्षे का० सु० १५ बु० गोखरगोत्रे सा० लोहट भा०
संपई पुत्र सा० टिला भा० कडतिगदे भ्रातृ पारस भा० पाल्हरणदे पु०
छीता धर्मसी पितृ-आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथविं० का० प्र० वृहद्गच्छे
ज्ञानचन्द्रसूरिभिः ॥

(७६८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३६ वर्षे मार्गवदि ५ गुरु प्राग्वाटज्ञातीय सालीगो० सा०
साजण भा० देऊ पु० छाजा भा० आत्मश्रेयसे स्वपुरचार्य श्रीआदिनाथ-
विं० का० प्र० श्रीकोरंटकीयगच्छे श्रीनन्नाचार्यसन्ताने भ० श्रीसावदेव-
सूरिभिः ॥

(७६९) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५३६ वर्षे मार्ग० शुदि ५ गुरौ खरतरगच्छे भ० वृ०
भणसालीगोत्रे मं० चोहथ भा० लाछा पु० भाद्रा भा० भरमादे पु० फूला
खरहथ पितृश्रेयसे श्रीशीतलनाथविं० सा कारितं प्र० श्रीजिनहरपसूरिभिः ॥
श्रीः ॥

(८००) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३६ वर्षे माह वदि ५ सोमे प्राग्वाटज्ञातीत नहुनेचागोत्रे
सा० लीला भा० गजरी पु० जेसा भार्या यसमादे आत्मश्रेयसे श्रीसुमति-
नाथविं० कारापितं प्रतिष्ठितमुपदेशेन श्रीपूणिमापचीय श्रीभावदेवसूरिपद्वे
श्रीहर्षसुन्दरसूरिभिः ।

(८०१) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३६ वर्षे । माघ सुदि ५ सोमे उपकेशज्ञातीय पोसालिया-
गोत्रे सा० धूना भा० अमरी पु० सखता मेला तेजा भा० सापू सहितेन
पितृ-मातृश्रेयर्थ श्रीवासुपूज्यविं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकोरंटकगच्छे श्रीभाव-
देवसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(८०२) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३६ व० मा० शु० ५ प्रा० सा० पातल भा० सगकू पूना भा०
पूरी थिरा भा० दल पु० कर्मा नाम्न्या ऊदा भा० आरुकुडुम्बयुतेन श्री-
वासुपूज्यविं० कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७६७ जयपुर पंचायती मन्दिर

७६८ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

७६९ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

८०० कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

८०१ सांगानेर महावीर मन्दिर

८०२ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

(८०३) पार्वनाथः

॥ ॐ ॥ संवत् १५३६ वर्षे फागुण सुदि ३ दिने श्रीऊकेशवंशे कूकड़ा-
चोपड़ागोत्रे सा० पांचा पु० सं० लाखण सुश्रावकेण पुत्रपौत्रादिपरिवार-
युतेन भार्या किसनादे पुण्याय श्रीपार्वनाथविं का० प्र० श्रीजिनभद्रसूरि-
शिष्य-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(८०४) पार्वनाथः

॥ ॐ ॥ सं० १५३६ वर्षे फागु० सुदि ३ दिने श्रीऊकेशवंशे कुकड़ा-
चोपड़ागोत्रे स० पांचा कु० रूपादे पुत्र सं० लाखण.....कुउन भा०
लखमादे पुत्रपौत्रादिपरिवारसहितेन श्रीपार्वनाथविं कारापितं प्रतिष्ठितं
श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिशिष्य-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(८०५) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३६ फागुण सुदि ३ श्रीउपकेशज्ञातीय । नाथीयाहागोत्रे
सा० महणा भा० माल्हणदे पुत्र सा० जोधा भा० लखमादे पुत्र । सा०
जसवीर-रूदाभ्यां श्रीचन्द्रप्रभविं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीचैत्रगच्छे श्री-
गुणाकरसूरिपट्टे श्रीसोमकीर्तिसूरिभिः ॥

(८०६) मुनिसुव्रतः

सं० १५३६ वर्षे फागुण सुदि ५ दिने श्रीमाली.....गोत्रे सा०
रांका भा० जीवी पुत्र धर्मसीकेन भा० वेगीपुण्याय श्रीमुनिसुव्रतविं
का० प्र० श्रीखरतर श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ।

(८०७) पार्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३६ सोमे भटेजरा सा० रामा भा० मानू नाम्न्या श्रीपार्वनाथ
का० प्र० सूरिभिः ।

(८०८) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३७ वर्षे वै० श० ६ सींदरसीय प्रा० सा० देवा भा० हर्पू
पुत्र सा० रत्नाकेन भा० कर्मी सुत खीमा नरसिंघ भ्रातृ ठाकरसी प्र० युतेन
निजश्रेयसे श्रीसुमतिनाथविं का० प्र०, तथा० श्रीसोमसुन्दरसूरिशि०
श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ।

८०३ रतलाम सेठ जी का मन्दिर. पापाण

८०४ रतलाम सेठ जी का मन्दिर. पापाण

८०५ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

८०६ नागोर महात्मा जेठमल जी का उपाश्रय

८०७ सांभर पार्वनाथ मन्दिर

८०८ हिएडोन श्रेयांसनाथ मन्दिर

(८०६) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३७ वर्षे ॥ वैशाख वदि ६ सोमवारे द्वाजहड़गोत्रे उस० ज्ञाती सा० हांसा भार्या तारु सु० जयता भा० वरजू सु० सविराज देवराज पाल्हा युते० आत्मश्रे० श्रीमुनिसुव्रतविं० का० प्र० खरतर भ० श्रीजिनचन्द्रसूरि-पट्टे श्रीजिनसमुद्रसूरिभिः ।

(८१०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३७ वैशाख सुदि ३ सोमे श्रीमूलसंघे सरस्वतीगच्छे भ० श्रीसकलकीर्तिस्त० श्रीभुवनकीर्तिस्त० भ० श्रीज्ञानभूषणगुरुपदेशात् हुं० उन्नेश्वरगोत्रे श्रे० वस्ता भा० निलु सुत देवसी भा० कर्मा सुत आसा भा० पूरी भाव वाछा भा० वीरी नाना भार्या नागलदे जीवा भा० जसमादे जाला भा० । जेतलदे श्रीआदिनाथविं० मांडण भा० माणिकदे मेला नांगा प्रणमति ॥

(८११) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३७ वर्षे वै० सु० ५ बुधे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० राडल भार्या कीकी सुत व्य० साजणेन भा० ललतू सु० नरवद प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीकुन्धुनाथविं० कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायक-श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ कीडेते वास्तव्य ।

(८१२) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ४ भोमे वगलथिआण श्रीश्रीमालज्ञा-तीय सा० सोमिल भार्या सहजलदे द्वि० सोनलदे पु० सांगा । भार्या रतनादे पुत्र खेता खीमा पुण्यार्थ श्रीकुन्धुनाथविं० कारितं प्रति० श्रीवृद्धगच्छे भ० श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः..... ।

(८१३) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३७ वर्षे माघ सुदि २ सोमे श्रीमाल श्रे० सिंघा भा० रांभू सु० धना भा० काली मातृ-पितृश्रेयोर्थ श्रीनमिनाथविं० कारापितं प्र० पिप्प-लक गच्छे श्रीअमरचन्द्रसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

८०६ जयपुर पंचायती मन्दिर

८१० रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

८११ मेड़तासीटी उप० शान्तिनाथ मन्दिर

८१२ चाडसू आदिनाथ मन्दिर

८१३ सांगानेर महावीर मन्दिर

(८१४) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३७ वर्षे मा० शु० २ सोमे उसवालज्ञाती० सा० नरसिंघ भार्या नयणश्री पुत्र सा० महिराज भार्या महेशश्री पुत्र मोकलसहितेन । श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरीणमुपदेशेन श्रीवासुपूज्यविंश कारापितं भा० ठाकुरसी श्रेयोर्थं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन । श्री ॥

(८१५) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३७ च० फा० व० ८ बु० ८ खांटहगो० मं० पूना भा० अचू पु० राजाकेन भा० रयणादे पु० हरपति गुणपति तेजा हरपति भा० हमीरदे प्रमुखस्वकुटुम्बसहितेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथविंश का० प्रतिष्ठितं भावदारगच्छे श्रीभावदेवसूरिभिः खिरहाला नामकेन ।

(८१६)पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३७ फागुण सुदि २ सहारणेन प्र० रविप्रभसूरिभिः ॥

(८१७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ३० ॥ सं० १५३८ वर्षे आ० सु० २ दिने ऊकेशवंशे फटारिया-गोत्रे सा० खीदा भा० खेतलदे पुत्र काजा हांसा जेता भा० हांसलदे पु० परजा मनपणा (?) मेघालज्जमादियुतेन श्रीविमलनाथविंश का । प्र० श्रीखर-वरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(८१८) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३८ वर्षे मागसिर वदि ५ ऊकेशज्ञातीय नाहरगोत्रे सा० चाहड भा० हरखु पु० वीजकेन भा० वीजलदे पु० केसवयुतेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथविंश कारितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीधर्मसुन्दरसूरिपट्टे श्री-लक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(८१९) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३९ वर्षे आपाढ सु० २ रवौ श्रीओसवालज्ञा० नाणावाल-गच्छे धामलेचागोत्रे सा० सादुल भा० मेघादे पु० भाखर भा० भावलदे पु० मोहणं हर्तायुतेन मातृ-मेघु-निमित्तं श्रीपद्मप्रभविंश कारितं प्र० भ० श्रीधनेश्वरसूरिभिः ।

८१४ जयपुर पंचायती मन्दिर

८१५ जयपुर पंचायती मन्दिर

८१६ नागौर वड़ा मन्दिर

८१७ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

८१८ नागौर वड़ा मन्दिर

८१९ जयपुर पंचायती मन्दिर

(८२०).....पञ्चतीर्थाः

संवत् १५३६ वर्षे.....गुर्जरज्ञातीय व्य० वना पुत्र तेजाकेन
पुत्र भांभण.....श्रीवृहद्गच्छे प्र० श्रीगुणप्रभसू० अतिष्ठितं
श्रेय-निमित्तं ॥

(८२१) संभवनाथ-पञ्चतीर्थाः

सं० १५४० व० वैशाख सु० १० बुधे भट्टे उराज्ञातीय अटकरगोत्रे
सा० साल्हा भा० छपाई पुत्र सोमा भा० थरधू पुत्र ४ सा० हरराज मांडा
मोका गोइंद हरराज भा० करमी मांडा भा० रूपणि सा० सोमाभिधः
श्रीशंभवनाथं नित्यं प्रणमति ॥ संडेरगच्छे भ० श्रीशालि.....

(८२२) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थाः

सं० १५४० वर्षे वैशाख शुदि १० बुधे ओसवालज्ञा० सा० साजण
पुत्र अमीपाल भा० ऊमादे पु० भींवरेण भा० कील्हणदे पु० जीवा गंगा
जिणदास जीवा भा० जसमादे पु० देवदासादिकुटुम्बयुतेन श्रीमुनिसुव्रत-
स्वामिविवं का० प्र० उएसगच्छे सिद्धाचार्य० भ० श्रीधर्मसुन्दर-सिद्धसूरिभिः
श्रीवीसलनगरे ।

(८२३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थाः

॥ संवत् १५४० वर्षे आषाढ वदि १.....गच्छे.....साडलेचा-
गोत्रे सा० सोहा भा० नानी पु० सा० चणा फीदा पितृश्रेयसे श्रीआदिनाथ-
विवं का० प्र० श्रीपलीवालगच्छे श्रीश्रीश्रीउजोअणसूरिभिः ।

(८२४) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थाः

॥ संवत् १५४० वर्षे मार्गशिर सुदि आम ४ तिथौ व्य० प्राग्वाटज्ञा-
तीय उहवडेचागोत्रे सा० केला भा० उमी पु० गुणराम भा० रतू पु० तुम-
हया(?)आत्मपुण्यार्थं श्रीवासुपूज्यविवं कारितं प्र० पूर्णिमापक्षे भ० श्रीहर्षसु-
न्दरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(८२५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थाः

॥ संवत् १५४१ वर्षे वैशाख वदि १३ गुरुवारे उकेशज्ञातीय सुचिन्ति-
गोत्रे सा० सावंत भा०.....पु० मेधा पु०.....चरन.....श्रीशा-
न्तिनाथविवं का० प्र० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

८२० सांगानेर महावीर मन्दिर

८२१ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

८२२ सैलाना मुनिसुव्रत मन्दिर

८२३ सरधना पार्श्वनाथ देरासर

८२४ सांभर पार्श्वनाथ मन्दिर

८२५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(८२६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४१ वर्षे माघ सुदि २ दिने उसवालज्ञातीय श्रीचूण्डगोत्रे सा० हेमा भा० गमतादे पु० वच्छराज पुत्रेण सा० सीधरेण स्वपुण्यार्थ श्रीशान्तिनाथविं का० प्र० श्रीमलयचन्द्रसूरिप० श्रीराजरक्सूरिभिः ॥

(८२७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १५४१ वर्षे फा० सु० २ गुरौ सामेरवासी प्रा० सं० काल् भा० दासी पुत्र सं० गोल्हाकेन भा० हीरू पु० महाकाल मना । ठाकरसी युतेन आ० देऊ श्रीसुमतिविं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरि-सन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ।

(८२८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४२ वर्षे वैशाख वदि ६ शुके उकेराज्ञा० सिंघाडियागोत्रे सं० रेहा सं० सा० उदा भार्या उदलदे पु० सा० छाजू श्रीमल जिणदत्त पारसयुतेन आ० पु० श्रीमुनिसुव्रतविं का० प्र० ॥ श्रीवृहद्ग० भ० श्रीमेरु-प्रभसूरिभिः ॥ श्रीः ॥ श्रीः ॥

(८२९) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४२ वर्षे माघ सु० २ शनिवारे श्रीउसवालज्ञातीय सुचि-तीगोत्रे सा० संगर पुत्र सा० श्रीश्रीपाल भा० परयतदे पु० सा० सादा पु० नरदेवसहितेन पितृश्रेयसे सुमतिनाथविं का० प्रतिष्ठितं श्रीउपके० श्री-कक्षसूरिपट्टे भ० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

(८३०) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४२ वर्षे माघ सुदि ५ दिने विनाइकीयागोत्रे सा० धना पुत्र सा० पीमा पुत्रेण सा० राजेन निजमाता-कोटापुण्यार्थ श्रीमुनिसुव्रत-स्वामिविं कारितं प्रतिष्ठितं रुद्रपल्लीयगच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिपट्टे श्रीहरि-फलशसूरिभिः ।

(८३१) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४२ वर्षे फा० व० २ शनी उ० पालडेचागोत्रे साह नाथ भा० नामलदे पुत्र मीदा भार्या राजू सहितैः पितृनिमित्तं श्रीपद्मप्रभविं कारितं प्र० महाहडगच्छे श्रीनयचन्द्रसूरिभिः । शुभंभवतु ।

८२६ सांगानेर महावीर मन्दिर

८२७ मेड़तारोड़ पार्श्वनाथ मन्दिर

८२८ जयपुर नया मन्दिर

८२९ जोमनेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

८३० जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

८३१ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर. पाठ

(८३२) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४२ वर्षे फागु० वदि ७ सीतोरेचागोत्रे उस० सा० सूर्या
भा० सुरमदे पु० पर्वत सा० सहजा सिवा सा० पर्वत भा० देलू पु०
माईआं समधर विजा सहजा भार्या चपलदे सहित भा० सहजा पुण्यार्थ
श्रीसंभवनाथविंवां का० प्र० श्रीनाणकीयगच्छे श्रीधनेश्वरसूरिभिः ।

(८३३) आदिनाथ-एकतीर्थीः

संवत् १५४२ वर्षे फागुण सुदि ५ गुरौ । नीगा । पाचलेराजा श्रीमान-
सिंहराउले श्रीकाष्ठासंघे माथुरान्वये पु० भ० श्रीकमलकीर्तिदेवाः तत्पट्टे
भ० शुभचन्द्रदेवाः तत्पट्टे भ० श्रीहंससेनदेवाः भदान्वये अग्रोतकान्वये
वासिलगोत्रे सा० गोल्हा भा० पाल्ही । पुत्र उ सा० पदमसी । जवणसी ।
सा० गेहला । पदमसी पु० अंगरूतिमलू । पु० १ अर्जुन सा० जवणसी ।
भा० जीवी । पुत्र ३ सा० लाडम भा० देवीतारौ द्वि० पु० कोडम भा०
तूल्ही । ठकुरसी । एतेषामहे सा० लाडम श्रीआदिनाथ कारापितं । प्रति-
ष्ठितं । नित्यं प्रणमति । शुभंभवतु । कल्याणमस्तु ।

(८३४) नेमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५४२ वर्षे प्राग्वटज्ञातीय व्य० सलरा भा० ऊमी पु० कर्म-
सिंहेन भा० आपू यु सहितेन स्वपितृव्य व्य० लूणा श्रेयोर्थ श्रीनेमिनाथ-
विंवां कारापितं प्रतिष्ठितं तपा श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(८३५) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४३ वर्षे वै० शु० १० गुरौ प्राग० सा० जैसा भा० उमादे
पुत्र सा० पताकेन भा० जसू प्र० युतेन श्रेयसे श्रीशीतलविंवां कारितं प्रति०
श्रीसूरिभिः ।

(८३६) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५४३ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ गुरौ श्रीउपकेशज्ञातीय बांभगोत्रे
सा० नाल्हा भा० नायकदे पु० साह तोलाकेन भार्या कर्णादेव्या युतेन
स्वपुण्यार्थ श्रीसंभवनाथविंवां कारितं प्र० श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणनिधान-
सूरिपट्टे श्रीगुणसागरसूरिभिः ॥

८३२ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

८३३ हिन्डोन श्रेयांसनाथ मन्दिर

८३४ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

८३५ सैलाना ऋषभदेव मन्दिर

८३६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

(८३७) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४४ वर्षे वैशाख सु० ३ प्राग्वाट श्रे० मांडण भा० टवी
सुत सहसाकेन भा० जालू सु० समघर सालिंग पंचायणादि कुटुम्ब-
युतेन सा० तेजा श्रेयसे श्रीकुन्धुनाथविंशं कारितं प्र० तपा-श्रीसोमसुन्दरसूरि-
सन्ताने गच्छनायक-श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ।

(८३८) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४४ वर्षे वैशाख शुदि १५ रवौ प० उ० उकेशह्यति सा०
वीरा भा० गोरी पुत्र सा० गणपतिकेन भा० मेघू कजतिगदे भा० भोला
काह्ना भा० भावलदे कमलादे आसा भा० अहिवदेव्यादिकु० युते स्वभ्रातृ
आसा श्रेयोर्थ श्रीपार्श्वनाथविंशं का० प्र० तपा श्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे
श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः श्रीरस्तु ।

(८३९) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४५ वर्षे जे० व० ११ दिने धीरवाढावासी प्राग्० ह्यति सा०
रत्ना भा० माधू पुत्र सा० भीमाकेन भा० हेमी कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे
श्रीपार्श्वनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीश्रीश्रीसूरिभिः श्रिये ।

(८४०) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४५ व० ज्येष्ठ सुदि १२ गुरौ श्रीमालह्य० चोपडागोत्रे पं०
हरिगण भा० गई पुत्र करणा भा० खेतू पु० पाल्हा कील्हाभ्यां धर्मनाथविं०
प्र० रुद्रपल(पल्लीय)गळे श्रीहेमप्रभसूरिभिः ।

(८४१) संभवनाथ पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४६ वर्षे आषाढ यदि २ उसवालह्यती श्रेष्ठिगोत्रे वैद्यशा-
खायां । सा० सिणा भा० सिंगारदे पु० बीजा भा० छाजू ताभ्यां पुत्र-पौत्र-
युताभ्यां श्रीचन्द्रप्रभविंशं सा० सिंघापुण्यार्थं कारापितं । प्र० श्रीदेवगुप्त-
सूरिभिः ॥

(८४२) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४६ वर्षे माघ यदि ८ सोमे ओस० थामलेचागोत्रे श्रे०
फेलहन सुत घोगट भा० मानु पुत्र तोल्हा भा० तोल्हणदे पुत्र चान्दा
सहजा स्वभावपुण्यार्थं श्रीवासुपूज्यविंशं का० प्र० श्रीनाणकीयगच्छे भ०
श्री..... ।

८३७ जयपुर पंचायती मन्दिर

८३८ सांभर पार्श्वनाथ मन्दिर

८३९ नागौर शान्तिनाथ मन्दिर

८४० फोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

८४१ नागौर पड़ा मन्दिर

८४२ भिनाथ महावीर मन्दिर

(८४३) संभवनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १५४७ वर्षे वैशाख शु० ३ सोमे हुंवडझा० श्रे० तिला भा०
हर्ष पु० श्रे० लाला भीमा नाथादयस्तेषु लालाकेन भा० रुक्मिणी पु० सिंघा
वाघादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथविं० कारापितं प्रतिष्ठितं श्री-
मूलसंघे भ० श्रीज्ञानभूषण मूढहिटीग्राम वास्तव्यः ॥ श्रीः ॥ पूज्य भ०
श्रीधर्मसुन्दर सिद्धसूरिगुरुप्रसादात् श्रीकक्कसूरिभिः ॥

(८४४) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५४७ वर्षे मा० वदि ८ दिने प्राग्वाटझातीय व्य० रूपा भा०
दैपू पुत्र मेरा भा० हीरू श्रेयोर्थ श्रीवासुपूज्यविं० प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ।

(८४५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४७ वर्षे माघ शुदि ३ गुरौ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञा-
तीय श्रे० जोगा भा० सोनाई सुत जिणदास-गुणपालाभ्यां स्वपित्रोः श्रेयोर्थ
श्रीधर्मनाथविं० का० प्रतिष्ठितं श्रीविमलसूरिपट्टे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः
शीवापुरवास्तव्यः ॥

(८४६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५४७ वर्षे माह सुदि ५ शुक्रे श्रीसंडेरगच्छे उ०
सा० खीमा भा० सांपू पु० सुरतान भा० पहपू पु० ऋण चोखा आत्म-
श्रेयसे श्रीकुन्थुनाथविं० का० प्र० श्रीयशोभद्रसूरिसन्ताने श्रीसुमतिसूरिभिः ।

(८४७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४७ वर्षे माघ सु० १३ शनौ श्रीमंडपे श्रीमालज्ञातीय
सं० ऊदा भा० हर्ष पु० सं० खीमा भा० पूंजी पु० जगसी भा० साऊ पु०
सं० गोदा भा० पु० सं० सामा पु० सं० मेघा पुत्री शाणी लघं ट सं०
राजा भा० सांगी पु० सं० जावड भा० धनाई जीवादे सुहागदे सक्तादे
विनादे पु० सं० हीरा भा० रमाई सं० लालादिकुटुम्बयुतेन १०४ विं०
कारापितं निजश्रेयसे श्रीपतसर्वत्र (पार्श्वनाथ) विं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीत-
पागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरि-श्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥

८४३ जयपुर पुंगलियों का मन्दिर. स्टेशन

८४४ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

८४५ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

८४६ भिनाथ महावीर मन्दिर

८४७ मेड़तासिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

(८४८) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५४७ वर्षे भाष सुदि १३ रवौ श्रीश्रीमालजा० शिवा भार्या
हेली सुत दो० घाईयाकेन भा० सलखु सु० दो० दासां राणा कर्णसा गांगा
पौत्र कमलसीह भा० पोता दाहिया प्र० कुटुम्बयुतेन प्र० श्रीमधुकरीय-
स्वरत्न श्रीगुनिप्रभसूरिभिः ॥ श्रीशीतलविंशं कारितं ।

(८४९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४७ वर्षे फागुण सुदि ३ वस० ज्ञा० सा० महीपा भा० तेज
पु० लोला भा० लोलादे सहितेन पित्रोः श्रेयसे श्रीशीतलनाथविंशं का० प्र०
वृमाणया (ब्रह्माणिया) श्रीउदयप्रभसूरिभिः ॥

(८५०) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४८ वर्षे वैशाख सुदि ४ सं० इंगरपत्न्या श्रीदलहदेव
श्रीपार्श्वनाथविंशं कारितं ।

(८५१) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

॥ संवत् १५४८ वर्षे वैशाख सु० ५ श्रीमूलसंघे सरस्वतीगच्छे श्रीसोम-
सेणसला खंडेलवालान्वये भवसारि पु० साधु० सला भा० नेमु मय पुत्र
नमिदास..... ।

(८५२) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४८ वर्षे कार्तिक सुदि १२ दिने श्रीउकेशवंशे रांकागोत्रे
मांजडप्रशास्त्रायां सा० सिंघा पुत्र सालिग भा० सामू पुत्र सा० करणाकेन
भा० कुहिमदे कमलादेव्यादियुतेन श्रीनमिनाथविंशं कारितं प्रति श्रीस्वरत्न-
गच्छे श्रीजिनसागरसूरिपट्टे श्रीजिनमुन्दरसूरयस्तत्पट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ।

(८५३) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४८ वर्षे वैशाख सुदि ५ रवौ उपकेशदा० चोयलदगगोत्रे
सा० साजा भा० तेजसरू पु० कृप काना सहिसा सीधर कुटुम्बयुतेन
स्वपुण्याय श्रीनमिनाथविं० प्र० प्र० श्रीमलयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीमणिचन्द्र-
सूरिभिः ॥

८४८ मेड़तासिटी धर्मनाथ मन्दिर

८४९ मेड़तासिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

८५० अजमेर चन्द्रप्रभ देरासर. वेदमुद्गतो का

८५१ किसनगढ़ शान्तिनाथ मन्दिर

८५२ रतलाम मुनिनाथ मन्दिर

८५३ जयपुर पंचायती मन्दिर

- ८५४ वीवडोद ऋषभदेव मन्दिर
 ८५५ सांगानेर महावीर मन्दिर
 ८५६ जडाउ पार्श्वनाथ देरासर
 ८५७ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
 ८५८ जयपुर विजयगच्छीय मन्दिर
 ८५९ रामपुरा शान्तिनाथ मन्दिर

(८६०) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५१ वर्षे वैशाख सुदि ११ सोमे उपकेशज्ञातीय मादडेचागो०
सा० मेलात्मज । सा० भांभा भा० पदी पु० मूदावर स्वनिम(मि)त्तं विं०
मुनिसुव्रत । प्र० बृह० भ० श्रीधनप्रमसूरि ।

(८६१) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ स्वस्ति सं० १५५१ वर्षे वैशाख सुदि १३ गुरु श्रीपत्तनवास्तव्य श्री-
मोदज्ञातीय ठा० घना भार्या रुड़ी पुत्र ठा० गोना भार्या कांड सुत ठाकर
थावरेन भार्या गोरी सुत ठा० कु० राजसिंग जइ' 'प्र० कुटुम्बयुतेन श्रेयसे
श्रीसुविधिनाथविं० का० प्र० श्रीवृद्धतपापत्ते मट्टा० श्रीउदयसागरसूरिभिः ॥

(८६२) विमलनाथः

सं० १५५१ आषाढ वदि ८ श्रीश्रीमालज्ञाती० सा० पूणा भा० स्निम-
सिरि पुत्र देवधरेण श्रीविमलनाथविं० का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसू-
रिभिः श्रीमुनिसुन्दरमूरिभिः ॥ विमल का० देवधरेण ।

(८६३) नमिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ ॐ ॥ सं० १५५१ वर्षे पोष सुदि १० उ० पीपाढागोत्रे सा० केला
भा० कपूरदे सुत सा० करमाकेन भा० कसमीरदे पु० रणधीर उदा वण-
धीरप्रमुखपौत्रपरिवारयुतेन श्रीनमिनाथविं० का० प्र० पल्लीगच्छे श्रीउज्जो-
अणसूरिभिः ॥

(८६४) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५१ वर्षे माह वदि २ सोमे श्रीमावड' 'भा०
धारलदे पु० सा० अमरा भा० इंद्रवदे पु० भारमल्ल रतनाकेन आत्मश्रेयसे
श्रीवासुपूज्यविं० का० प्रतिष्ठितश्च उ० कवसूरिभिः ॥

(८६५) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५१ व० मा० व० २ सोमे उ० झा० सोनीगोत्रे सा० चांपा
भा० चांपलदे पु० ह्या रामा हृदा पितृनि० आ० श्रे० श्रीशीतलना० विं०
कारि० प्रति० नागुरी तपाग० भ० सोमरत्नसूरिभिः ॥

८६० कोटा सेठजी का घर देरासर

८६१ कोटा सेठजी का घर देरासर

८६२ चोय का वरवाड़ा महावीर मन्दिर

८६३ सवाई माचोपुर विमलनाथ मन्दिर

८६४ परगनेड़ा आदिनाथ मन्दिर

८६५ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

(८६६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५५२ वर्षे वैशाख सुदि ३ शनौ ओसवालज्ञातीय सं० सहीजा भा० केलही सु० ठाकुरसीकेन भार्या गिरजू सहितेन आत्मश्रेयोर्थ श्रीआदिनाथविंवं कारितं श्रीवृहत्तपापद्मे भ० श्रीजिनसुन्दरसूरिभिः प्रतिष्ठितं सविधिना ॥ श्री

(८६७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५२ वर्षे आपा० शु० २२० प्रा० ज्ञातीय व्य० जेसा भा० मारु पुत्र थावरकेन भार्या पूरी प्रमुखकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविंवं का० प्र० तपागच्छेश भट्टारक श्रीहेमविमलसूरिभिः ।

(८६८) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५२ मागसिर सुदि ५ रवौ श्रीकोरंदगच्छे ओसवंशे संखवालेचागोत्रे सा० आंवा भा० सोनलदे पु० महणाकेन भा० सीतादे पु० वणवीरयुतेन श्रीकुन्धुनाथविंवं का० प्र० श्रीनलसूरिभिः ।

(८६९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५५२ वर्षे माघ सु० ५ प्रा० ज्ञा० सा० पेमा भार्या रमकू पुत्र सा० सोनाकेन भा० गोरी पुत्र सा० हर्षादिकुटुम्बयुतेन श्रीआदिनाथविंवं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीहेमविमलसूरिभिः श्रीइन्द्रनन्दिसूरि-श्रीकमलकलशसूरिभिः युतेन ॥

(८७०) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

। संवत् १५५२ वर्षे फागुण वदि ८ सोमे सोनगोत्रे सा० नाथू पु० सा० सधारण पु० सा० देदा भा० देवलदे नान्या स्वपुण्यार्थं कुटुम्बश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविंवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृहद्गच्छे श्रीज्ञानचन्द्रसूरिभिः श्रीछल्ली वास्तव्यम् ॥

(८७१) संभवनाथः

सं० १५५३ माहं वदि ५ श्रीदेवसेनसंघे प्राग्वाट पास आंव दीप पु० मांगाकेन कारितं श्रीसंघसहितेन श्रीसंभवजिनविंवंसिद्धम् ॥

८६६ नागोर वड़ा मन्दिर

८६७ रतलाम सुमतिनाथ मन्दिर

८६८ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

८६९ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

८७० जयपुर विजयगच्छीय मन्दिर

८७१ नागोर आदिनाथ मन्दिर हीरावाड़ी

(८७२) संभवनाथः

सं० १५५३ माह यदि ५ श्रीदेवसेनसंघे प्राग्वाट संघवी मोगाकेन कारितं श्रीसंघसहित श्रीसंभवजिनविंशमिदम् ॥

(८७३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५३ वर्षे फा० व० ३ श्रीभरद्वजगोत्रे । व्य० साह समरा-सन्ताने सा० साजण पुत्र सा० हरिराजेन भार्या हीरादे पुत्र देवकरण सर-वण माला सहितेन स्वपुत्र्यार्थ श्रीआदिनाथविंश कारितं प्र० श्रीरुद्रपल्लीय-गच्छे भ० श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(८७४) शीतलनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १५५३ वर्षे फागुण यदि ३ रविदिने उहसगोत्रे सा० सूवा भार्या संसारदे पु० जीवराज सहितेन जीवा भा० जीवादे पु० राजा नेमा जयवंत राजा भा० राजलदे पु० महिरा पहिरा सहितेन श्रीशीतलनाथविंश चतुर्विंशतिपट्टकः प्र० श्रीनाणकीगच्छे श्रीधनेसरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(८७५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५४ वैशाख यदि ५ शनौ हुंढवंशे सतिशालिगच्छे(?) पितृ गंगा भार्या रतनश्री पु०.....सिंहेन श्रीआदिनाथविंश कारापितं प्र० श्रीपासड-सूरिभिः ॥

(८७६) चतुर्मुख-पार्श्वनाथः

सं० १५५४ वर्षे आपाढ यदि १० दिने श्रीपार्श्वनाथप्रासादे श्रीसंघेन समवसरण का० प्रति० श्रीउदयसागसूरिभिः वृद्धतपापक्षे.....।

(८७७) आदिनाथः

॥ सं० १५५४ वर्षे माघ यदि २ बुधवासरे । सीहावास्तव्य प्राग्वाट-ज्ञातीय व्य० । घीरा भार्या भीतु पुत्र व्य० गांगा चूडाकेन भार्या देऊ पुत्र हरखा जयत पाटलप्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिसाधुसूरिपट्टे... विजयसूरि.....आदिनाथविंश कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनाथक-लक्ष्मी-सागरसूरितत्पट्टे श्रीहेमचिमलसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ।

८७२ नागौर आदिनाथ मन्दिर हीरावाड़ी

८७३ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

८७४ जयपुर पंचायती मन्दिर

८७५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

८७६ रतलाम सुमतिनाथ मन्दिर

८७७ भिनाथ केसरियानाथ मन्दिर, मूलनाथक.

(८८८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५५६ वर्षे माघ वदि ७ दिने दोसीगोत्रे सा० मांडण भार्या
निपुनी पुत्र सा० लखमण रादा बेलाकेन कारितं श्रीआदिनाथविं प्रतिष्ठितं
श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(८८९) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५६ वर्षे० फा० व० १० दिने प्रा० ज्ञातीय व्य० दुला भार्या
सोहिणी पुत्र व्य० हुंतलेन भा० हमीरदे पु० व्य० रतनादिकुटुम्बयुतेन
वा० भोजार्थं श्रीअजितविं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(८९०) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५७ वर्षे वैशाख सुदि ५ गुरौ उसवाल गदहीयागोत्रे सा०
आंवा भा० रूपी पुत्र कचरा भा० रामा । पूर्वज लखमा निम (मि) तं
वास(सु)पूज्यविं का० प्रति० ऊकेशगच्छे श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

(८९१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५७ वै० सु० ११ गुरौ उस० लघु० श्रे० सहिसा भा०
देमति पुत्र देवदास हरखा हरदास तेजायुतेन पित्रोः श्रेयसे श्रीआदिनाथविं
का० प्र० मडाहडगच्छे रत्नपुरीय श्रीपूर्णचन्द्रसूरिभिः । उ० श्रीआणंदमेरु
उपदेशेन ॥ शुभंभवतु । जाखडिया ।

(८९२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५७ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे श्रीजीराउलागच्छे वा० आणंद
मेरु कारापितं श्रीपार्श्वनाथविं प्र० श्रीउदयचन्द्रसूरिभिः ।

(८९३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५७ वर्षे वैशाख सुदि ३ दिने मंगलवासरे उ० ज्ञातीय
छिछोडीगोत्रे सा० सीमा सु० नाल्हा भा० नारिंगदे अमसभणदे पु० पल्ह
स्वश्रेयसे श्रीशान्तिनाथविं का० प्र० श्रीसंडेरगच्छे श्रीशान्तिसूरिभिः
तत्त्वं इसरसूरिभिः ॥

८८८ सांगानेर महावीर मन्दिर

८८९ जयपुर ऋषभदेव मन्दिर, मोहनवाड़ी

८९० जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

८९१ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

८९२ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

८९३ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

(८६४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५७ वर्षे वैशाख शु० ४ गुरौ पहारोचागोत्रे सा० बहुआ भा०
बहुआदे पु० सा० सामंत भार्या सुहागदे पु० लाखा भा० बहुरी लाखा पु०
देवा नगा प्रमु० परिवारयुतेन श्रीआदिनाथविंशं कारि० श्रीस्वरतरगच्छे
श्रीजिनसुन्दरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः प्रतिष्ठितं ।

(८६५) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५५७ वर्षे ज्येष्ठ शुदि १० गुरौ श्रीपत्तन श्रे० गढाकयंशे
प्रागू० ज्ञातीय व्य० राजह सुत व्य० स्त्रीमसी साहि सा० स्त्रीमसीह सुत
देवा भा० वानकाई नान्क्या पु० सोना रूपा पुत्री हीराई कांकी सोना भा०
टवफू सुत नियतसिंहादिकुदुम्बिन्या श्रीनमिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं
शीतपागच्छे नायरु-श्रीनिगमादिभक्तिकपरमगुरु-श्रीइन्द्रनन्दिसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(८६६) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५७ पोष सु० १५ प्रा० ज्ञा० सा० वरसिंग भा० । यामादे पुत्र
सा० समधरेण भा० उमादे पुत्र स्त्रीमा सीधर गांगा भागा सोनादिकुदुम्ब-
युतेन निजश्रेयसे ॥ श्रीकुन्धुनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे सुमति-
साधुसूरिपट्टे श्रीहेमचिमलसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(८६७) चारित्रभूषणपादुका

॥ सं० १५५७ वर्षे फागुण सुदि द्वितीया शुक्रवारे रेवतीनक्षत्रे.....
श्रीचारित्रभूषणयराः स्वर्गं जग्मुः ॥ तत्पादपद्मयुगलमिदम् ॥ चिरं नंदतान्
तायसरन्तु ॥ व ॥

(८६८) मुनिमुग्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५८ वर्षे माह शुदि १३ गुरौ प्राग्वाटज्ञानीय पंचुली घोडा
भार्या रंगू पुत्र पंचुली पाल्हा भार्या भाली धावृ पं० कर्मा पुत्र दूंगर हादि
आदिकुदुम्बयुतेन सं० पाल्हाकेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिमुग्रतनाथविंशं कारितं
प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीधीश्रीश्रीहेमचिमलनूरिभिः ॥

८६४ मुंदाया पार्श्वनाथ मन्दिर

८६५ खोद पन्द्रप्रभ मन्दिर

८६६ जयपुर पंचायनी मन्दिर

८६७ नागौर यदा मन्दिर

८६८ रतनाम शान्तिनाथ मन्दिर

(८६६) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५८ वर्षे माह शुदि १२ गुरौ गोलवासि प्राग्वाटजातीय पंचुली वोडा भार्या रांभू पुत्र पंचुली पाल्हा भार्या भाली भ्रातृ पंचुली कर्मा पुत्र डूंगर डाहि आदिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीसुमतिसाधुसूरिपट्टे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

(६००) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५६ वर्षे वैशाख सुदि १३ सोमे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालजातीय श्रेष्ठि धाईआ भार्या माणिक सुत सामल भार्या सारु सु० धर्मण धाराकेन स्वपितृपूर्वज श्रेयोर्थ श्रीधर्मनाथविंशं कारापितं प्र० श्रीविमलसूरिपट्टे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः वगद्ववास्तज्यः ॥

(६०१) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५६ वर्षे आपाढ सुदि १० बुधे ओसवालजातीय द्याजहड गोत्रे सं० बहुरा भा० सूहवदे पु० श्रीवंत भार्या सुद्वागदे कुटुम्बपुत्रपौत्राद्युतेन आत्मपुण्यार्थ श्रीअजितनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपल्लिकीयगच्छे भ० उज्जोअणसूरिभिः ॥

(६०२) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५६ आपाढ सुदि १० बुधे । श्रीपल्हुवडगोत्रे । सा० तोलासन्ताने कुंवर पालहण साधुकेन भा० देवल पु० पासु रूपचन्द युतेनात्मश्रेयसे श्रीकुन्धुनाथविंशं कारितं प्र० बृहद्गच्छे भ० श्रीमेरुप्रभसूरिपट्टे श्रीसुनिदेवसूरिभिः ॥ श्री ।

(६०३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

। सं० १५५६ वर्षे आपाढ सु० १० आइचणागोत्रे तिजाणीशाखायां सा० सूरजन भा० सूहवदे पु० सहस्समल्लेन भा० सीतादे पु० संडा ठांकुर भाटा पदा पौ० कर्मसी पीथा श्रीवंतयुतेन स्वपुण्यार्थ श्रीसुमतिनाथविंशं कारितं प्र० श्रीउपकेशगच्छे भ० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥ श्री ।

(६०४) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५६ वर्षे आपाढ सु० १० सुराणागोत्रे सं० शिवराज भा० सीतादे पुत्र सं० हेमराज भार्या हेमसिरि पु० पूंजा काजा नरदेव श्रीपार्श्वनाथविंशं कारितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मानंदसूरिपट्टे नंदीवर्द्धनसूरिभिः ।

८६६ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

६०० जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

६०१ सांगानेर महावीर मन्दिर

६०२ नागौर बड़ा मन्दिर

६०३ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

६०४ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

(६०५) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १५५६ वर्षे आषाढ सुदि १० बुवे ओसवालजातो तातहद-
गोत्रे । सा० आढ भा० गोपाही पु० सुललित । भा० संगारदे स्वकुटुम्ब-
युतेन श्रीकुन्धुनाथविं वं कारितं प्रतिष्ठितं ककुदाचार्यसन्ताने उपकेशगच्छे
भा० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ।

(६०६) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५६ वर्षे मार्गश० शु० १५ सोमे श्रीश्रीमाल भा० वरसिंग
भा० हेमी सु० हेमा सु० हरराज सु० जयता पोमा सु० पांचाकेन आत्म-
श्रेयसे श्रीसंभवनाथविं वं कारितं श्रीपूर्णमापत्ते श्रीमनसिंहसूरिभिः प्रति-
ष्ठितं मोरवीमा० ।

(६०७) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५६ माह सुदि १० दिने शनिवारे उपकेशवंशे शंखवाल-
गोत्रे । सा० गुणदत्त भार्या गङ्गादे पुत्र सा० घणदत्त भार्या धनश्री पुत्र सा०
हीरादिपरिवारयुतेन शीतलनाथविं वं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीस्वरतरगच्छे
श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजिनहंससूरिभिः कल्याणमस्तु ॥ श्रीः ॥

(६०८) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६० वर्षे वै० शु० ३ दिने सोजतिवास्तव्य उकेशज्ञातीय
सा० भाणा भा० भावलदे पुत्र आसाकेन भा० हांसू सुत चांपा धीदा कुटु-
म्बयुतेन श्रेयोर्य श्रीवासुपूज्यविं वं का० प्रतिष्ठितं तपागच्छनायक-श्रीहेम-
विमलसूरिभिः ।

(६०९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६० वर्षे वै० शु० ३ दिने उस० गहिलढागोत्रे सा० खिमराज
भा० खिमादे पु० रुदाकेन भा० हरसनदे पु० रत्नपाल भा० रत्नादे कुटुम्ब-
यु० श्रीशान्तिनाथविं वं का० प्र० तपागच्छे ।

६०५ जयपुर सुमतिताथ मन्दिर

६०६ जयपुर नया मन्दिर

६०७ नागौर बड़ा मन्दिर

६०८ नागौर बड़ा मन्दिर

६०९ किशानगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(६१०) संभवनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५६० वर्षे वै० शु० ३ वृषे उकेशज्ञा० सं० मेला भा० माल्हरणदे
पुत्र सं० वनाकेन भा० वइजलदे पुत्रयुतेन पितृव्य सं० खेटा अर्जुन
वृद्धभ्रातृ सं० हूंगर प्र० परिवृतेन भ्रातृ धर्मसिंघ श्रीसंभवनाथविं वं कारितं
प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-विजयमान-गच्छनायक श्री-
कमलकलशसूरिभिः ।

(६११) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १५६० वर्षे ज्ये० व० ८ रवौ स्तंभतीर्थे ऊकेशज्ञा० सा० महीपाल
भा० मल्हाई नाम्न्या पु० रत्नपाल युतया श्रेयर्थ श्रीपार्श्वनाथविं वं कारितं
प्रतिष्ठितं श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥ तपागच्छे ॥

(६१२) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थः

ॐ संवत् १५६० वर्षे श्रीश्रीमालवंशे आववाडीयागोत्रे मं० भरु पु०
भोला भार्या मानू पु० सहजाकेन स्वपितृश्रेयर्थ श्रीकुन्धुनाथविं वं कारितं
प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहंससूरिभिः ।

(६१३) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५६१ वर्षे पौष वदि १३ शुक्ले श्रीमालज्ञातीय मं० तिहुण
भा० हर्षा पु० ऊदा भा० काऊ पु० चांपाकेन स्वपितृ-मातृश्रेयर्थ श्रीमुनि-
सुव्रतविं वं कारापितं श्रीचित्रावालगच्छे श्रीधारण(थारा ?)पद्रेय भ० श्रीसो-
मदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितं काकरीवास्तव्यः ॥

(६१४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १५६१ वर्षे फागुण सु० ८ श्रीनाणकीयगच्छे उप० अपहा-
ज्ञा (?) भा० रोहिणि पु० भांडा सांडा भांडा पु० चाहड राजा सांडा भा०
सहजदे पु० डीडायुतेन पूर्वजपुण्यार्थ स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथविं वं का० प्र०
श्रीशान्तिसूरिभिः ॥ नडुलाइ ।

६१० कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

६११ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

६१२ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

६१३ नागोर महात्माजेठमल जी का उपाश्रय

६१४ रतलाम सुमतिनाथ मन्दिर

(६१५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६२ ॥ वर्षे वैशाख सुदि २ उपकेशाज्ञातीय श्रीसुराणागोत्रे
 सं० चांपा पुत्र संधुरु भार्या जोजी पु० सं० सांढा भार्या धरणपालही पु०
 सहस्समल्ल-आदाभ्यां युतेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथविंशं कारितं । प्रति-
 ष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे । म० । श्रीपद्माणंदसूरिपट्टे । भट्टारक श्रीश्रीनन्दी-
 वर्द्धनसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ॥ श्रीवेरोजपुर वास्तव्य ॥ प्रतिष्ठितं ॥

(६१६) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६२ व० माघ० सु० १५ गु० उ० षोडशगोत्रे सा० जेसा भा०
 जिसमादे पुत्र राणा भा० रूपा पु० अडपाल तेजा आ० श्रे० श्रेयांसविं०
 कारि० बोंकडी० श्रीमलयचन्द्रपट्टे मुण्णिचन्द्रसूरिभिः ।

(६१७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६३ वर्षे माह सुदि १५ उ० उच्छिन्नवालगोत्रे सा० देवा
 भा० देवलदे पु० सा० वील्हा भा० वील्हाणदे पु० तेजा वस्ता धन्नाआत्म-
 पुण्यार्थं श्रीसुमतिनाथविंशं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे म० श्रीश्रुतसागरसू-
 रिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(११८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६३ माह सु० १५ गुरौ श्रीसंडेरगच्छे उसवाल पूगलियागोत्रे
 सा० काजा भा० रानू पु० नरवद भा० राणी पु० तिहुण करमा कुशला सहसा
 प्र० आत्मपु० श्रीमुनिसुव्रतस्यामिविंशं कारापितं प्रति० श्री ४शान्तिसू-
 रिभिः ॥ श्रीः ॥

(६१६) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६३ वर्षे फागुण सुदि २ रवौ ऊकेशवंशे वृषडागोत्रे को-
 ठारी त्रोला भार्या माणिकदे पुत्र सा० मेघा भा० मेलादे पुत्र को० साल्हा-
 केन भा० सिरियादे सरुपदे युतेन स्वश्रेयोर्य श्रीश्रीश्रीकुन्धुनाथविंशं कारितं
 प्रतिष्ठितं श्रीस्वरतरगच्छे म० श्रीजिनहंससूरिभिः ॥ शुभंभवतु ॥ श्रीः ॥

६१५ हिएडोन श्रेयांसनाथ मन्दिर

६१६ जयपुर पंचायती मन्दिर

६१७ नागौर बड़ा मन्दिर

६१८ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

६१६ खजवाना धर्मनाथ मन्दिर

(६२०) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६४ वर्षे ज्येष्ठ वदि न शनौ ऊकेशवंशे दोसी वोहडगोत्रे सा० सादूल पुत्र सा० सद्यवच्छ भा० वजू पुण्यार्थ पुत्र सा० ऊमा सा० टालाभ्यां ऊमा पुत्र शिवराज प्रमुखसपरिवाराभ्यां श्रीवासुपूज्यविं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसागरसूरिपट्टे श्रीजिनसुन्दरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ॥

(६२१) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६४ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १२ शुक्र श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० सहिसा भार्या रंगादे सुत व्य० श्रीवत्स व्य० साऊ व्य० सीपाकैः व्य० राणा प्रमुखकुटुम्बयुतैः स्वश्रेयसे श्रीकुन्धुनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापत्ते श्रीउदयसागरसूरि तत्पट्टे पूज्यश्रीलब्धिसागरसूरिभिः ॥ स्तंभतीर्थयास्तन्य ॥ भार्या सिंगारदे सीरियादे.....।

(६२२) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६५ वर्षे फागुण वदि ११ दिने उसवालज्ञातीय सोनी-गोत्रे सा० फमण भार्या फमणादे पु० ३ श्रीवंत । राजपाल । गढमल्ल श्री-फमणादे पुण्यार्थ श्रीविमलनाथविं कारितं श्रीककुदाचार्यसन्ताने प्र० श्री-सिद्धसूरिभिः ।

(६२३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६५ वर्षे फा० व० ११ गुरौ वापणागोत्रे सा० सीहड पुत्र सहजा भा० कपूरी पुण्यार्थे तद्भ्राता सा० सुहडाकेन श्रीसुमतिनाथविं कारितं कुकदाचार्यसन्ताने प्रतिष्ठितं श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ।

(६२४) शान्तिनाथः

यात्र । सराज । श्रीशान्तिनाथ संवत् १५६५ वर्षे ।

(६२५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६६ ज्येष्ठ वदि १ शुके श्रीऊकेशगच्छे श्रीसिद्धाचार्यसन्ताने श्री० पाल्हाण भा० गांगश्री.....श्रीशान्तिनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं श्री-देवगुप्तसूरिभिः ॥

६२० कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

६२१ मन्दसौर नयापुरा ऋषभदेव मन्दिर

६२२ सांगानेर महावीर मन्दिर

६२३ चंदलाई शान्तिनाथ मन्दिर

६२४ नागौर शान्तिनाथ मन्दिर, मूलनायक.

६२५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(६२६) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे ज्येष्ठ-शुक्ल पंचम्यां । श्रीमालान्यये महतागोत्रे सा० हाल्हा-तस्य भार्या हीरा तयोः पुत्र । सकृत्तन साध्वेति । तस्य भार्या । तेनेदं धर्मनाथविंशं कारापितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनराजसूरिपट्टे श्रीजिन-चन्द्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ।

(६२७) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे आपाद सुदि ३ श्रीश्रीमालवंशे चन्डालियागोत्रे सा० जेल्हा भार्या गोरी पुत्र सा० खेमा सुश्रावकेण भार्या भाऊ पुत्र सा० हेमा सा० तिलोगचन्द सधारण अमीपाल कुलचन्द प्रमुखपरिवार सश्री-केण श्रीमुनिसुव्रतविंशं कारितं प्रतिष्ठितं खरतरगच्छेश श्रीजिनहंससूरिभिः ।

(६२८) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे आपाद सुदि ३ श्रीश्रीमालवंशे चन्डालियागोत्रे सा० जेल्हा भार्या गोरी पुत्र सा० देगू सुश्रावकेण भार्या नाथी पुत्र सा० भूपति भार्या खेमाई पुत्र गोरा भयरव प्रमुखपरिवार सश्रीकेण श्रीसंभव-नाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छेश श्रीजिनहंससूरिभिः ।

(६२९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे माह यदि ८ शुक्ले प्राग्याटझातीय व्य० उजल भा० मर्मट-पु० व्य० मांमण भा० अच्युत पु० व्य० साल्हा रिहाफेन पु० हाम डाडी कुटुम्बयु० वृषभ० तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीजयकल्याणसूरिभिः ॥

(६३०) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे फागुण सुदि ३ सोमे श्रीनाणाडवालगच्छे वसभ-गोत्रे को० चूहय भा० चारिणदे पुत्र वीदा वणा । बाया दोहा वणा । पुण्यार्थ श्रीविमलनाथविं० का० प्र० श्रीशान्तिसूरिभिः मेडतानगरे ॥

(६३१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संव० १५६६ वर्षे फागुण सुदि ३ सोमे उप० बु० श्रीपा भार्या सूरमदे पुत्र हमीर भार्या वानू भ्रातृपुत्रआत्मश्रेयोयं श्रीआदिनाथविंशं कारितं प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीहेमहंससूरिवरैः ॥

६२६ कोटा मालिकसागरजी का मन्दिर

६२७ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

६२८ पापड़दा शान्तिनाथ मन्दिर

६२९ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

६३० नागौर शान्तिनाथ मन्दिर

६३१ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(६३२) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे फागुण सुदि ३ सोमे श्रीनाणावालगच्छे उसभ-
गोत्रे को० चुहथ भार्यासुगुणादे पुत्र सधरेण रणधीर भा० रिवणादे पु०
धर्मा नेता खीमा भा० सुगुणादे पुण्यार्थ श्रीसुविधिनाथविंव का० प्र०
श्रीशान्ति-सूरिभिः ॥

(६३३) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६६ वर्षे फागुण सुदि ३ सोमवारे उपकेशवंशे रांकागोत्रे
सा० श्रीरंग भा० वेऊ पु० करमा भा० रूपादे स्वश्रेयसे आत्मपुण्यार्थ
नमिनाथविंव कारितं प्र० उपकेशगच्छे भ० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥ श्री

(६३४) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६७ वर्षे वैशाख सु० ४ श्रीनाणावालगच्छे उ० परिघल-
गोत्रे श्रे० भादा भा० नामलदे पु० जेसाकेन भा० यसमादे पु० खीमा
धर्मा तेजा तोल्हा युतेन स्वश्रे यसे पितृ-मातृपुण्यार्थ ॥ श्रीसुमतिनाथविंव
का० प्र० श्रीशान्ति-सूरिभिः [:] ॥ डायलाणा

(६३५) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६७ वर्षे आपाढ सुदि ५ बुधे गोठी मातृ सा०.....तत्पुत्र
रायमल्ल भा० स० वीरा धी.....पु० सिरोहत इत्यादिपरिवार-
युतेन श्रीसुविधिनाथविंव का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(६३६) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६८ वर्षे आपाढ सुदि ४ चन्द्रवासरे । हुंवगोत्रे । उसवाल-
जातीय साह सोमा भा० सुहागदे पु० गांगा चोथा गांगा भा० कपूरदे
पितृनिमित्तं श्रीनमिनाथविंव कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकोरंटगच्छे श्रीनन्नसूरिभिः ।

(६३७) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६८ वर्षे माघ शुदि ५ शुके हूँव० मंत्रीश्वरगोत्रे । दोसी
चांपा भा० चांपलदे सु० दिनकर वना निव्रतगच्छे । श्रीमुनिसुव्रतविंव
प्रतिष्ठितं श्रीसंघदत्तसूरिभिः ॥

६३२ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

६३३ नागोर-बड़ा मन्दिर

६३४ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

६३५ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

६३६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

६३७ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

(६३८) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६८ वर्षे माघ सुदि ५ दिने श्रीमालवंशे भांडियागोत्रे
सा० साल्हा पुत्र सा० भरहा सुत सा० नरपाल भार्या नामलदे स्वपुण्याय
श्रीश्रीश्रेयांसविंशं कारितं प्रतिष्ठितं ॥ श्रीजिनहंससूरिभिः स्वरतरगच्छे ॥

(६३९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६८ वर्षे माह सु० ५ दिने ऊकेशवंशे साहुसाखगोत्रे
सा० समउरा भार्या ललतादे पुत्र सा० सोना भार्या सोनलदे भ्रातृ सोना
युत पुत्र मांडण भार्या सोमलदे पुत्र हरखादिपरिवारसहितेन श्रीआदिनाथ-
विंशं कारितं प्रति० श्रीस्वरतरगच्छे श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजिनहंससू-
रिभिः ॥ श्रीः ॥

(६४०) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६८ वर्षे माह सुदि ५ गुरौ उपकेशज्ञातीय सा० भावड
भार्या जांजणदे पु० सा० पदा भा० पदमदे परिवारयुतेन शीतलनाथविंशं
कारितं प्रतिष्ठितं श्रीस्वरतरगच्छे श्रीजिनहंससूरिभिः ॥

(६४१) अरनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५६८ वर्षे मा० शु० ५ दिने प्राग्याटज्ञातीय सा० परवत भा०
पाऊ पुत्र सा० केलहाफेन भा० सीऊ पुत्र रामसीयुतेन श्रीअरनाथविंशं कारितं
प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(६४२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६९ वर्षे वैशाख सुदि ६ दिने सुराणागोत्रे सं० चांपासन्ताने
सं० सपारु पु० सं० गांढा भा० धणपालही पु० सं० सदसमझ भ्रातृ आढा
पु० सोमदत्तयुतेन पितृपुण्याय श्रीशान्तिनाथविंशं का० श्रीधर्मघोषगच्छे
प्र० भ० श्रीनन्दीवर्द्धनसूरिभिः ॥

६३८ मेड़ता सिटी धर्मनाथ मन्दिर

६३९ मेड़ता रोड शान्तिनाथ मन्दिर

६४० नागोर षड़ा मन्दिर

६४१ मेड़ता सिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

६४२ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

(६४३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५७० वर्षे । माघ सुदि ३ रवौ उपकेशज्ञातीय ॥ ठाकुरगोत्रे सा० दल्ला भा० दूलहदेवि पु० सा० श्रीवन्तेन निजपितृमातृपुण्यार्थं श्रीआदिनाथविवं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीनाणावालगच्छे श्रीमहेन्द्रसूरिपट्टे भ० श्रीशान्तिसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६४४) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५७० वर्षे माघ मासे शुक्लपक्षे । सप्तम्यां । रविवारे । ऊकेशवंशे । पारिखगोत्रे सा० सीद्दा भार्या आ० सिद्दादे पुत्र सा० राजा सा० तेजा पूजा । रतना पासु प्रमुखैस्त्वपितुः श्रेयर्थं श्रीसुविधिनाथविवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहंससूरिभिः ।

(६४५) सुमतिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५६६ वर्षे माघ सुदि १३ दिने बुधवारे स्तम्भतीर्थवासि ऊकेशज्ञातीय सा० पानल भा० पानलदे पुत्र सा० जडता भार्या फट्ट पुत्र सा० सीद्दा सहिजा भा० गुरी पुत्र सा० मंडलीक भा० कमला पुत्र सा० जीराकेन भा० पूनी पितृव्य सा० सोमा हापा विजा कुटुम्बयुतेन पितृव्यवचनात् स्वसन्तानश्रेयर्थं श्रीसुमतिनाथविवं कारितं प्रति० तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीसुमतिसाधुसू० पट्टे श्रीहेमचिमलसूरिभिः महोपाध्याय श्रीअनन्तहंसगणि प्र० परिवृतैः ॥

(६४६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५७० वर्षे माघ सुदि १३ बुधे श्रीप्राग्वाट सा० राजा भा० सहजलदे पुत्र हरखारूपा हरखा भा० लाडकि मातृ-पितृ-भ्रातृ प्रभृ० श्री(स्व)-श्रेयर्थं श्रीश्रीश्रीआदिनाथविवं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीनागेन्द्रगच्छे भट्टा० श्रीहेमसिंघसूरिभिः ।

(६४७) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५७१ वर्षे माघ वदि पंचमी दिने शुके सुराणागोत्रे सा० शेखर पुत्र सं० सीपा भार्या भोजी पुत्र विजा सारंग सहसायुतेन सा० सीपाख्येन आत्मश्रेयसे श्रीअजितनाथविवं कारितं श्रीधर्मबोधगच्छे भ० श्रीपद्माणंदसूरि तत्पट्टे श्रीनन्दीवर्द्धनसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥ शुभंभूयात् ॥ श्री॥ छ ।

६४३ किसनगढ़ खरतरगच्छ उपाश्रय

६४४ भिनाय महावीर मन्दिर

६४५ मेड़ता सिटी युगादीश्वर मन्दिर

६४६ जयपुर गुलाबचन्दजी ढड्डा का देरासर

६४७ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

(६४८) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५७१ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे श्रीमालङ्गातौ खारडगोत्रे ठ० सरयण भार्यया विधिश्चाविक्रया ठ० कुंरपाल ठ० सोनपाल सहितया चुवीसीविंशमध्ये अजितनाथविंश का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनस-मुद्रसूरिपट्टे श्रीजिनहंससूरिभिः ॥

(६४९) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५७१ वर्षे माह सुदि १० सोमे श्रीसंडेरगच्छे उपकेशज्ञा० साह कालू भार्या बाल्ही पुत्र कान्हा भार्या सारू पितृ-मातृश्रेयोर्य श्रीनमि-नाथविंश कारापितं प्रति० श्रीशान्तिनाथसूरिभिः । श्री ॥

(६५०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

। संवत् १५७२ वैशाख सुदि २ सोमवारे खटवडगोत्रे सा० खाइर पुण्यार्थ सा० कयरा श्रेयसे श्रीआदिनाथविंश कारापितं श्रीमलधारीगच्छे भ० श्रीगुणकीर्तिसूरिभिः ॥ भट्टा० लक्ष्मीसागरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(६५१) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५७२ वर्षे वैशाख सुदि ५ सोमे श्रीवंशेमं० सिंघा-भा० रही पु० मं० करणा भा० रमादे पु० मं० अजा सुश्रावकेण भा० अहिचदे पु० राणा तथा पितृव्य पु० मं० गोगद प्रमुखसहितेन मातृ-साधुपुण्यार्थ नागे-न्द्रगच्छे सुगुरुणां उपदेशेन श्रीवासुपूज्यविंश कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन । बीठलापुरे ॥

(६५२) नेमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५७२ वर्षे वैशा० सु० ६ सोमे श्रीइलाचलवास्तव्य दो० वाढा भा० डाही नाम्न्या सुत मीकारेण युतया श्रीवड नेमविंश कारापितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे.....सौभाग्यसागरसूरिभिः ।

(६५३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५७२ वर्षे फागुण सुदि ६ श्रीउपकेशगच्छे श्रेष्ठिगोत्रे सा० सांगा भा० सिंगारदे पु० हरपाल माता-पिता-पितृ-भ्रा० श्रे० आत्मश्रे० श्रीआदिनाथविंश कारा० प्र० कुक० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥ श्री

६४८ आमेर चण्डप्रभ मन्दिर

६४९ जयपुर पंचायती मन्दिर

६५० मेड़ता सिटी धर्मनाथ मन्दिर

६५१ नागौर बहा मन्दिर

६५२ चादसू शान्तिनाथ मन्दिर

६५३ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

(६६५) कुन्थुनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ ॐ ॥ संवत् १५७७ वर्षे कार्तिक सुदि १२ दिने उकेशवंशे साहु-
साखगोत्रे सा० तोल्हा पुत्र सा० सांगा भार्या सुहागदे पु० सा० सूदा-
गोइंद शिवकर सच्चा तत्पुत्र सगरा रत्नराजयुता सा० शिवकर भा० सक्तादे
पु० सा० श्रीधरेण धर्मादिसपरिवारयुतेन स्वपुण्यार्थं श्रीकुन्थुनाथविं
कारितं बृहत्खरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिपट्टे संप्रति श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥
प्रतिष्ठितं ॥

(६६६) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५७६ वर्षे वैशाख सुदि ७ बुधे श्रीउसवंशे वृद्धशाखीय सा०
हेमा रंगादे पु० मांका । श्रीसुमतिनाथविं कारापितं श्रीसाधुसूरिभिः प्रति-
ष्ठितं । अहमदावादावास्तव्य ।

(६६७) शत्रुञ्जयतीर्थपट्टः

[१] ॥ ॐ ॥ स्वतिश्री संवत् १५८० वर्षे चैत्र सुदि १२ गुरौ श्री-
स्तम्भतीर्थवास्तव्य उसवालज्ञातीय सा० देवा भा० देवलदे

[२] पुत्र सा० राजा भा० रमाई पुत्र सा० हेमा खीमा लाखाकेन
भा० लाखणदे भ्रातृपुत्र सा० जगमाल जिणपाल महीपाल

[३] अट्टू विद्याधर रतनसी जगसी पदमसी

[४] (शत्रु) जयतीर्थपट्टः ५४

श्रीसंघेन वन्द्यमानश्चिरंनंदात् ।

(६६८) शत्रुञ्जयतीर्थपट्टः

॥ ॐ ॥ स्वस्तिश्री संवत् १५८१ वर्षे आसो सुदि १० दिने श्रीस्तम्भ-
तीर्थनगरवासि श्रीऊक्लेशज्ञातीय सा० देवा भा० देवलदे पुत्र सा० राजा
भा० रमाई पुत्र सा० हेमा खीमा लाखा भा० गोई पुत्र जयंतपाल भ्रातृ पुत्र
जगमाल जिणपाल महीपाल उदयकिरण विद्याधर रत्नसी जगसी पद्मसी
पुत्री लाभी भगिनी सरवाई प्रमुखकुटुम्बयुतेन तपागच्छाधिराज-श्रीहेम-
विमलसूरीणामुपदेशेन पं० लब्धिश्रुतगणिवारके सा० लाखाकेन कारिताः
१०८ पित्तलमयाः चिरं तिष्ठतु ॥

६६५ मेड़ता सिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

६६६ नागोर वडा मन्दिर

६६७ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

६६८ बून्दी पार्श्वनाथ मन्दिर

(६६६) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५८१ वर्षे पोह सुदि ५ गुरौ ३० साउलगोत्रे सा० जिण-
दास भा० गांगी पु० सा० हूंगर स्वरहथ योमुचायादिकुटुम्बेन सा० पोमा
भार्या वरजू सा० पोमाकेन श्रीसंभवनाथविं कारापितं श्रीसंडेरगच्छे प्र०
श्रीईसरसूरिभिः ।

(६७०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५८१ वर्षे श्रीधिक्रमनगरे उक्केशवंशे वोहियिरागोत्रे सा०
नेम सुत सा० नीवा सुआवकेण भार्या नीवडदे पुत्र जोवा काजा ताल्हण
पञ्चायण भारमल्ल भाद्रा नरसिंह सहितेन श्रीश्रेयांसनाथविं कारितं प्रति-
ष्ठितं श्रीजिनहंससूरिभिः श्रीस्वरतरगच्छे ॥

(६७१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५८३ वर्षे ज्येष्ठ बुदि ६ शुक्रवारे साहुलागोत्रे सा०
गूंगा भा० दूलहदे पु० सा० चोखा थेजा भार्या घरमादे पु० वोहिय वूचा
श्रे० पुण्यार्थ श्रीसंडेरगच्छे भट्टारक श्रीसालिसूरिभिः (:) प्रतिष्ठितं श्रीसुम-
तिनाथविं इति नामं सुभंभवतु ॥ श्री ॥

(६७२) श्रेयांसनाथः

॥ सं० १५८३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ६ शुक्रे मडाहड्डीगच्छे श्रीगुणकीर्ति-
सूरि म० श्रीदयासूरिपट्टे श्रीभावसुन्दरसूरिशिष्य-मनकसूरि करापितं
स्वपुण्यार्थ श्रीश्रेयांसनाथविं ।

(६७३) पार्ष्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५८३ वर्षे फागुण वदि १ शुक्रे छाजहड्डीगोत्रे सा० परवत
भा० पदमलदे पु० वीदाकेन पार्ष्वनाथविं कारापितं श्रीपल्लीवालगच्छे भ०
श्रीमहेश्वरसूरिभिः ।

(६७४) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५८४ वैशाख वदि ५ ओशवंशे वरहड्डियागोत्रे सा० लाखा पुत्र
सा० हर्पा भार्या हीरादे पुत्र सा० दोहरआवकेण स्वश्रेयसे श्रीशान्तिनाथ-
विं कारितं प्रतिष्ठितं च अंचलगच्छे आवकेन ॥ श्रेयोस्तु ॥

६६६ सीलाना मुनिसुव्रत मन्दिर

६७० मेड़ता सिटी धर्मनाथ मन्दिर

६७१ भैंसरोड़गढ़ अष्टमदेव मन्दिर

६७२ नागौर हीरावाड़ी आदिनाथ मन्दिर

६७३ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

६७४ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

(६८७) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६१ वर्षे पौष वदि ११ शुरौ ॥ अहिमनगरवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय फडीआ समधर भार्या हीरु सु० फ० जसा भा० पूतलि सुत फ० राणा भा० रंगादे सुत फ० जगमाल जयतमाल चांपाकेन श्रीमुनिसुव्रतविंशं कारापितं श्रीवृहत्तपापद्मे श्रीधनरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभंभवतु ॥

(६८८) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५६२ वर्षे आपाढ सुदि ६ दिने आदित्यनागगोत्रे तेजाणी-शाखायां सा० सुहडा पु० हांसा पुत्र सधारणदास नरपाल सधारण भार्या सूरहवदे पुत्र ४ श्रीकरण रंगा समरथ अमीपाल । सधारण स्वपुण्यार्थं कारितं श्रीउपकेशगच्छे भ० श्रीसिद्धसूरिभिः श्रीअभिनन्दनविंशं प्रतिष्ठितं स्वपुत्रपौत्राय श्रेयसे अस्तु ॥

(६८९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६२ वर्षे माघ वदि ३ दिने
.....श्रीआदिनाथविंशं कारितं प्र० वृहत्तपागच्छे श्रीललि-तप्रभसूरिपदे श्रीपासचन्द्रसूरिभिः ॥ श्री ॥

(६९०) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६५ व० वै० शु० ६ शु० आज्ञलीवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० नारुण भार्या लीला स० श्रे० आसा० भा० रूपा भा० रंगादे समस्त-कुटुम्बश्रेयसे श्रीवासुपूज्यविंशं का० प्र० तपा० सूरि० ॥

(६९१) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५६५ वर्षे मा० व० [] दलुलिवास्तव्य हुंवडज्ञाति मुहडासीया श्रे० वीरपाल भा० मानू पुत्र श्रे० नीसल भा० जीविणी पुत्र श्रे० लहूआ-केन भा० ललतादे वृद्धभ्रातृ दो० आसा चांपा पोपट लखमादिकुटुम्ब-युतेन श्रेयार्थं श्रीश्रेयांसनाथविंशं कारितं प्र० तपा श्रीहेमविमलसू० तत्पदे श्रीसौभाग्यहर्षसूरिभिः ॥ श्रीः ॥ मातरगोत्रे लहूआ

६८७ मेड़ता सिटी महावीर मन्दिर

६८८ नागोर बड़ा मन्दिर

६८९ मेड़तासिटी धर्मनाथ मन्दिर

६९० आंतरसूबा वासुपूज्य मन्दिर

६९१ कोटा माणकसागरजी का मन्दिर

(६६२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत्-१५६६ वर्षे ज्येष्ठ शु० २ दिने प्रा० ज्ञातीय सा० कचरा
भा० कोढिमदे पुत्र सुभावक साह खीमा भा० विमलादे भ्रातृ सा० भीमा
भा० भावलदे सा० सोना भा० सुगनादे पु० सल्लू कान्हा कर्मसी प्र०
कुटुम्बयुतेन साह खीमाकेन निजपुण्यार्थं श्रीपार्श्वनाथविंशं का० प्र० तपा-
गच्छे श्रीआणंदविमलसूरिपट्टे श्रीविजयदानसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६६३) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि २ द्वितीया शनी उ० लिंबोदियागोत्रे
मं० जावड भा० पाट्ट पु० जगा जयवंत अचला मं० जगा भा० लाछलदे
पु० याधा मं० जयवंत भा० जवणादे पु० जाला जावा लघु वृद्धि समस्त
राजधर लीला हीरा प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीचन्द्रप्रभस्वामिविंशं कारापितं
श्रीखरतरगच्छे प्रतिष्ठितं श्रीजिनशीलसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६६४) शिलापट्ट-प्रशस्तिः

॥ ॐ ॥ स्वस्तिश्रीसंवत् १५६६ वर्षे फाल्गुन मासे शुक्ल पक्षे नवमी
तिथौ सोमवारे नागपुरकोटे श्रीमालवंगे संकियाप्य (?) गोत्रे सं० नोल्हा
पु० सं० चूहड सं० लक्ष्मीदास सं० भवानी सं० लक्ष्मीदास भार्या सं०
सरूपदे नाम्नी हे.....श्रीराजरत्नसूरिपट्टे सं० श्रीरत्नकी-
र्तिसूरि प्रतिष्ठता ॥

(६६५) आदिनाथः

॥ ॐ ॥ सं० १५६६ वर्षे फाल्गुन सुदि नवम्यां तिथौ.....
गोत्रे.....सं० नोल्हा पु० सं० तेजा पु० सं० चूहड भा० सं० रमाई
पुत्र सं० लक्ष्मीदास सं० भवानी सं० लक्ष्मीदास भा०.....
कल्याणमल्ल तत्र लक्ष्मीदास भार्या सं० सरूपदेव्यौ कर्मनिर्जराय श्रीआदि-
नाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं..... भ० श्रीसोमरत्नसूरिपट्टे
भट्टारिक श्रीश्रीराजरत्नसूरयस्तपट्टे श्रीरत्नकीर्तिसूरि.....
.....श्रीसंघस्य ॥ छः ॥ ॥ छः ॥ ॥ श्रीः ॥

६६२ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

६६३ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

६६४ नागौर हीरावाडी आदिनाथ मन्दिर

६६५ नागौर हीरावाडी आदिनाथ मन्दिर. मूलनायक

(६६६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६७ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे श्रीकाष्ठा० वैरी वि० सा०
 अ० श्रीसोमकीर्ति आ० श्रीविमलसेन नरसिंहजातीय वोटेचागोत्रे सा०
 खेड्पाभा० खेड् पुत्र सा० भीमा भा० मही श्रीअजितनाथ कारापितं
 नित्यं प्रणमति श्रीआदिनाथ आ० श्रीविमलसेन प्रतिष्ठितं ॥

(६६७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५६७ वर्षे पौष । चदि ५ शुक्ले सहूवालावास्तव्य प्राग्याट वृद्ध-
 शाखायां दो० घीरा भा० चांगी सुत दो० भाणा भा० भरमादे तेन स्वश्रेयसे
 श्रीआदिनाथविंवां कारितं प्रतिष्ठितं श्रीजिनसाधुसूरिभिः ॥

(६६८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६८ वर्षे वैशाख सुदि ५ गुरुवारे । उकेशवंशे । पुष्प-
 पवित्रे । श्रीलोढागोत्रे आ० डाहा भार्या आ० नानू । तत्पुत्र रत्न । सा० भवा-
 नीदास । लघुबन्धव सा० श्रे० रायदास । तत्पुत्र सं० साह्यादा । सं० श्री-
 भवानीदास भार्या । भरमादे आविकया ॥ श्रीआदिनाथविंवां कारितं ।
 प्रतिष्ठितं श्रीविजयदानसूरिभिः ॥ श्रीतपागच्छे ॥ श्रीरस्तु । सू० पहिराज ।
 सू० हरराज । कृतः श्रीः ॥

(६६९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६८ वर्षे वैशाख सुदि ५ गुरु श्रीपत्तने श्रीवीरवज्ञातीय
 भीमाड पु० हर्पा भार्या लखपत सुत पु० देवा भार्या धनदासश्रेयसे श्रीआ-
 दिनाथविंवां कारापितं श्रीसिद्धांतीगच्छे भ० श्रीभावसुन्दरसूरिपट्टे श्रीपद्मा-
 नन्दसूरि प्रतिष्ठितं ॥

(१०००) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०० वर्षे सोढवालगोत्रे श्रीमालज्ञा० सं० खीमधर भा०
 सामली पुत्र हरराज भा० जोगी आ० मणसी धर्मादि कु० युतेन सा०
 हरराज स्वश्रे० श्रीअभिनन्दनविंवां का० प्र० श्रीसूरिभिः ।

६६६ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

६६७ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

६६८ मेड़तासिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

६६९ पीपलिया शान्तिनाथ मन्दिर

१००० पनवाड़ महावीर मन्दिर

(१००१) आदिनाथः

॥ संवत् १६०१ वर्षे वैशाख सुदि ३ शनी रोहिणीनक्षत्रे आगरा वास्तव्योसंघालज्ञातीय लोढागोत्रे गावसे सं० कुरपाल सं० सोनपालैः स्वभृत्य हरदासकस्य पुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छे पूज्यश्री १ श्रीकल्याणसागरसूरीणां सु-
पदेशात् श्रीआदिनाथविंशं प्रतिष्ठापितं ।

(१००२) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थः

श्रीधर्मनाथ श्रीविजयदानसूरि सा० आदिहरण वेटी दा० रंभा श्री-
श्रीमालीज्ञाती सं० पं० १६०१ ।

(१००३) पञ्चतीर्थः

संवत् १६०२ वर्षे फागुण शुदि ४ गुरौ श्रीमूलसंघे भ० लाभचन्द्रो-
पदेशात् सं० पं० विरा भा० लाली सु० धीरा भा० वहलादे सु० लखमा ॥

(१००४) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ सं० १६०३ वर्षे वैशाख सुदि ३ शुक्र दिने उपकेशज्ञातीय । देवा-
णांदाशाखायां शा० वरसंघ । भा० चरजू पु० हांसा तेजा तोल्हा बीदा बीसा
हांसा भा० हांसलदे पूर्वजनिमितां श्रीशान्तिनाथविंशं का० प्र० श्रीअंचलगच्छे
श्रीधर्मसूरिभिः ।

(१००५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थः

॥ संवत् १६०४ वर्षे वैशाख वदि ७ वार सोमदिने सुन्दरसीनगर-
वास्तव्य प्राग्वाटज्ञातीय साह-सोमा भार्या चंदू सुत सा० जीवाकेन भार्या
लाली पुत्र चच्छराजादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रीश्रेयसे श्रीधर्मनाथविंशं कारितं
प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः ॥

(१००६) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थः

संवत् १६०४ वर्षे वैशाख सुदि ६ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय ग्रधशाखा-
यां श्रे० नागसी भा० चमकु सु० दूदा भा० मीथी सुत करणा भा० पुहती
सु० मांभण भा० अछवादे सु० सिंघा भा० सिंगारदे । श्रीपूर्णमासत्ते
श्रीगुणमं(रु)सूरि प्र० श्रीकुन्धुनाथविंशं प्रतिष्ठ(िष्ठ)ितं ॥

१००१ जयपुर नया मन्दिर

१००२ आमर चन्द्रप्रभ मन्दिर

१००३ किसनगढ़ यति स्वरूप चन्द जी. का व्यासरा

१००४ गागरडू आदीश्वर मन्दिर

१००५ मेड़तासिटी महावीर मन्दिर

१००६ मन्दसौर नयापुरा ऋषभदेव मन्दिर

(१००७) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६०५ माहा वद ११ ऊकेशज्ञातीय वृद्धशाखायां मोहणेचा-
गोत्रे साह भूमशी । भार्या लाछलदे । सुत साह जूढा भार्या गृजरदे । पुत्र
साह नेतसी । झुंगरसी श्रेयसे श्रीशीतलनाथविंव कारितं । प्रतिष्ठितं ।
श्रीतपागच्छे सुविहितसाधुसामाचारीशृङ्गारश्रीविजयदानसूरिभिः ॥ आछ-
त्रदेव्या प्रसादात् चिरं नंदतात् ॥ श्रीः ॥

(१००८)चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १६०६ वर्षे पोष सुदि १५ शुके उसवालज्ञातीय सा० स्त्रीमा-
न्वये सा० गिरमल तत्पुत्र सा० राणा तत्पुत्र सा० करणा तत्पुत्र श्रीपार्श्व-
चन्द्रप्रतिबोधित संघपति मन्नाकेन भार्या मन्नादे माणिकदे पुत्र कमलसीह
प्रमुखपरिवारसहितेन श्रीचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्र० श्रीसंघेन श्रेयो
भूयात् ॥

(१००९) पार्श्वनाथः

॥ ॐ ॥ संवत् १६११ वर्षे वृहत्खरतरगच्छे । श्रीजिनमाणिक्यसूरि-
विजयिराज्ये ॥ श्रीमालज्ञातीय ॥ पापडगोत्रे ठाकुर रावण सुत ठा० गढमल
तद्भार्या नयणी । तत्पुत्र जीवराजेन श्रीपार्श्वनाथपरिगृहकारापितं ॥ वा०
धर्मसुन्दरगणिना प्रतिष्ठितं ॥ शुभंभवतु ॥ छ ॥

(१०१०) अनन्तनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १६१२ वर्षे फागुण सुदि २ तिथौ श्रीओसवालवंशे सा० आढत
सा० रणमल्लेन सा० चउह्येन कारापितं श्रीछहिरागच्छे भ० श्रीभाव-
सागरसूरि त० श्रीधर्ममूर्तिसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीअनन्तनाथ ।

(१०११) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६१२ वर्षे फागुण सुदि २ तिथौ श्रीउसवालवंशे गांधीगोत्रे
सा० आढ पुत्र भीखणमल पु० सा० । चौहथ अजितविंव कारापितं ।
सुविहितपक्षगच्छे भावसागरसूरि तत्पट्टे धर्ममूर्तिसूरि प्रतिष्ठितं सुविधिनाथ ।

१००७ कोटा सेठजी का गृहदेरासर

१००८ गागरहू आदीश्वर मन्दिर

१००९ मेड़तासिटी युगादीश्वर मन्दिर

१०१० जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

१०११ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

(१०१२) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६१३ शा० १४७८ प्रव० वैशाख सुदि ६ बुधे । श्रीउसवाल-
ज्ञातीय श्रीवृद्धशाखायां लंडिकागोत्रे । सा० गणीया सु० सा० ऋषभदास
सा० अमरदत्त भा० आहवदे इत्यादिसमस्तकुटुम्बेन श्रीमुनिसुव्रतस्यामि-
पंचतीर्थीपट्टः कारितः प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः ॥
श्रेयोर्थ ।

(१०१३) आदिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १६१५ वर्षे । वैशाख यदि ६ दिने श्रीओसवंशज्ञातीय ब्रध-
साजन्य (वृद्धशाखायां) संखवालगोत्रीय सा० राजा भार्या वार्ह चोली सुत सा०
पंचायण भा० लाछी सुत सा० पद्मसी आ० तेजसी पुण्यार्थ श्रीआदि-
नाथं विंशं कारितं श्रीखरतरभाणसालीअगच्छे श्रीय(जि)नचन्द्रसूरिं प्रतिष्ठितं
जैसलमेरवास्तव्य ।

(१०१४) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १६१५ वर्षे वैशाख यदि ११ मौमे जवालवास्तव्य हुंवडज्ञातीय
मंत्रीश्वरगोत्रे दोसी श्रीपाल भार्या सिरियादे सुंत दोसी रुडाफेन भा० राणी-
युतः श्रीपद्मप्रभविंशं तपा श्रीतेजरत्नसूरिभिः प्र० ।

(१०१५) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

संवत् १६१६ वर्षे माघ यदि १ सोमे श्रीमूलसंघे सरस्वतीगच्छे
बलात्कारगणे श्रीकुन्दकुन्दाचार्यान्यये भ० श्रीसकलकीर्तिदेवास्त० भ० श्री-
श्रीभुवनकीर्तिदेवास्त० भ० श्रीज्ञानभूषणदेवास्त० भ० श्रीविजयकीर्ति-
देवास्त० भ० श्रीशुभचन्द्रदेवास्तत्पट्टे भ० श्रीसुमतिकीर्तिगुरुपदेशात् उव-
खलवास्तव्य हुंवडज्ञातीय बुधगोत्रे सा० पोपट भा० चपकु सुत सं० हरपति
भा० हीरादे सु० सं० बीठा भा० रत्नादे आ० वेणा भा० रंगादे आ०
ककुमा भा० कनकादे एते श्रीशान्तिनाथविंशं नित्यं प्रणमन्ति । इसना-
पुरवास्तव्य सा० कमा भा० लाली सु० सा० बलीआ भा० हरखादे एते
श्रीशान्तिनाथ नित्यं प्रणमन्ति ॥ श्रीस्तु ॥

१०१२ जयपुर स्टेशन मन्दिर. पुंगलियों का

१०१३ वृन्दी ऋषभदेव मन्दिर

१०१४ नागौर का बड़ा मन्दिर

१०१५ दाहोद पार्श्वनाथ मन्दिर

(१०२८) श्रेयांसनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १६३२ वर्षे फागुण वदि २ शुके मूलसंघे हुंवडज्ञातीय ।
कांकडेश्वरगोत्रे । श्रे० रामा भा० पासरभू सुत नरपाल भा० साल्हरणदे
भ्रातृ वस्ता भा०.....श्रीश्रेयांसविंशं कारितं प्रतिष्ठापितं श्री.....नदिभिः ॥

(१०२९) कुशलसूरिपादुका

॥ नागपुर संवस्य ॥ संवत् १६३३ वर्षे माह वदि ५ दिने.....
खरतरगच्छे श्रीजिनकुशलसूरि ।

(१०३०) शान्तिनाथः

संवत् १६३३ श्रीशान्तिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीगीर-
विजयसूरिभिः ॥

(१०३१)

॥ संवत् १६३५ वर्षे वैशाख वदि ११ बुधे कोटनगरे वृद्धहुंवडन्या-
तीय । गां० माका भा० नारिगदे सुत गा० सांगा भा० सोभागदे सु० गा०
सिंघराज देवराज वीरदास गंगदास नित्यं प्रणम० श्रीदेवसुन्दरसूरिभिः ॥

(१०३२)

॥ संवत् १६३७ वर्षे फागुण सुदि ५ बुधे वागडदेशे राजलश्री सहस-
मल श्रीविजयराज्ये । श्रीगीरपुरवास्तव्य हुंवडज्ञातीय वृद्धशाखीय मढासात्रा
जीवां भार्या जीवादे सुत गुढसीत्रा भार्या भाखणदे मू.....भार्या जूढिआ
समस्तकुटुम्बयुतेन श्रीकोटनगरमध्ये श्रीसंभवनाथचैत्यालये देवकुलिका-
कारी(रि)ता-मध्ये श्रीसुविधिनाथविंशं स्वस्य श्रेयसेः श्रीवृद्धतपागच्छे भट्टा-
रिक श्रीधनरत्नसूरिभिस्तत्पट्टे भट्टारिक श्रीतेजरत्नसूरिभिस्तत्पट्टे भट्टारिक
श्री ५ श्रीदेवसुन्दरसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभंभवतु ॥ पं० विनयचारित्र पं०
विमलरत्न पं० जयसिंह पं० ज्ञानरत्न पं० वीररत्न शि० आणंदरत्ने नलिखितं ॥

१०२८ हरसूली पार्श्वनाथ मन्दिर

१०२९ नागौर दादावाडी

१०३० नागौर बड़ा मन्दिर

१०३१ रतलाम चन्द्रप्रभ देरासर, महात्मा कन्हैयालालजी

१०३२ गलियाकोट संभवनाथ मन्दिर के एक चैत्यालय की प्रशस्ति

(१०३३) शिलापट्टप्रशस्तिः

॥ ॐ ॥ संवत् १६३७ वर्षे माह सुदि ५ वागडदेशे राउल श्रीसहस्र-
मलजी विजयराज्ये श्रीकोटनगरवास्तव्य हुंवडझातीय वृद्धशाखायां
गांधी.....श्रीपाल भ्रातृ गां० धीहर जयपाल भार्या सरूपदे सुत
गांधी गांगा भार्या मेलादे ह०.....भार्या खीमदे सुत गांधी सांगा
गांधी जेवंतया भार्या स०.....मदि सुत गांधी बल गांधी जेवंत भार्या
भगादे सुत गांधी भारिमल्ल भार्या मिलापदे समस्तकुटुम्बयुतेन श्रेयसे
श्रीसंभवनाथचैत्यालये देवकुलिका कारापिता श्रीवृद्धतपापत्ते भट्टारिक श्री-
धनरत्नसूरिभिस्तत्पट्टे भ० श्रीतेजरत्नसूरिभिस्तत्पट्टे भ० श्रीदेवरत्नसूरिभिः
प्रतिष्ठितं शुभंभवतु ॥

(१०३४) शिलापट्टप्रशस्तिः

॥ ॐ ॥ संवत् १६३७ वर्षे माह सुदि ५ सोमे वागडदेशे राउल श्री-
सहस्रमलजी विजयराज्ये श्रीकोटनगरवास्तव्य हुंवडझातीय वृद्धशाखायां ।
गां० श्रीउदयसिंह सुत गां० नाभा सु० गां० दाखा सुत गां० आणंद भार्या
दाडिमदे सुत गां० घीसकर भार्या कनकादे अमरी सुपराणदे रूपादे ।
सुपराणदे सुत गां० धीरू माऊ वीला भा० कनकादे सुत गां० घीसकरा
भार्या कल्याणदे रूपा भार्या केसरदे गां० घीसकर वि । हेनीवाई रत्नावाई
चगा । समस्त कुटुम्बश्रेयसे श्रीसंभवनाथचैत्यालये देवकुलिका कारिता ।
श्रीचन्द्रप्रभविंवा स्थापितं श्रीवृद्धतपागच्छे भट्टारिक श्रीधनरत्नसूरिभिस्तत्पट्टे
भट्टारिक श्रीतेजरत्नसूरिभिस्तत्पट्टे भट्टारिक श्रीदेवसुन्दरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ।
श्रेयसे । शुभंभवतु ॥ यात्रा शुभंभवतु । श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्री पं० विनयचा-
रित्र पं० विमलरत्न पं० जयसिंह पं० घीसल चेला आणंदरत्न लिखितम् ॥

(१०३५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६३८ वर्षे माघ सुदि १३ सोमे । श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्य श्री-
श्रीमालझातीय सा० वस्ता भार्या विमलादे सुत सा० थावरवच्छी आ०
श्रीशान्तिनाथविंवा कारापितं । श्रीमत्तपागच्छे भट्टारिक श्रीहीरविजयसूरिभिः
प्रतिष्ठितं शुभंभवतु ॥

(१०३६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६३८ वर्षे माह सुदि १३ सोमे श्रीमालझातीय.....पुरदासा
भा० रमा सुत भावसिंह भा० अमा सहितेन आत्मश्रेयोर्थ श्रीआदिनाथविंवा
कारितं प्रतिष्ठितं श्रीश्रीतपग० श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥ वास्तव्य सारंगपुरि
उजेण ॥

१०३३ गलियाकोट संभवनाथ मन्दिर के एक चैत्यालय की प्रशस्तिः

१०३४

" " " "

१०३५ जयपुर नया मन्दिर

१०३६ रामपुरा शान्तिनाथ मन्दिर

(१०३७) अजितनाथः

संवत् १६३६ माह सुदि ५ तिथौ गुरुवारः उसवाल-
ज्ञातीय लोढागोत्रे सं० मेघराज पुत्र सं० हरषा पुत्र पं० समावरा आदि-
युतेन श्रीअजितनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनदेवसू-
रिपट्टे श्रीजिनसिंहसूरिपट्टालंकार श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ॥ श्रीः ॥

(१०३८) आदिनाथः

संवत् १६४० वर्षे माघ वदि ३ सोमे श्रीमूलसंघे भ० श्रीशुभचन्द्र-
देवाः तत्पट्टे श्रीसुमतिकीर्तिदेवाः तत्पट्टे भ० श्रीगुरुपदेशात् दि जा-
तीय नन्दकेरतरगोत्रे सा० हरषा भा० हर्षमदे पु० सरुदमा भा० हमीरदे
सा० भा० देहा मनले सा० मेघा हेमा नेमराज सा० कहा श्रीविमलचन्द्र
भा० वीमलादे सा० वीली वृषभासर नित्यं प्रणमति ।

(१०३९) एकतीर्थीः

वा० इंदा श्रीदारु पूजाल प्र० श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥ सं० १६४०
माह सुदि ७ ।

(१०४०) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६४० वर्षे माघ सुदि ७ दिने गुरौ वाफणागोत्रे ओसवाल-
ज्ञातीय । सा० चउथकेन श्रीपार्श्वविंशं कारितं प्रतिष्ठितं । च तपागच्छाधिप
श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ॥

(१०४१) कुन्थुनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६४२ काति ११ श्रीकुन्थुविंशं कारितं प्र० श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥
दूगडगोत्रे ।

(१०४२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १६४३ वर्षे फाल्गुन सित ११ अहम्मदावादवास्तव्य प्राग्वाट०
सेठि मूला । भा० राजलदे । पुत्री वाई कोडकी संज्ञया कारितं श्रीआदि-
नाथविंशं प्रतिष्ठितं श्रीविजयसेनसूरिभिः । श्रीतपागच्छे ॥

१०३७ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

१०३८ अजमेर म्युजियम

१०३९ नागौर बड़ा मन्दिर

१०४० सांगानेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

१०४१ नागौर बड़ा मन्दिर

१०४२ नागौर बड़ा मन्दिर

(१०४३) अनन्तनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६४४ वर्षे फागुन सुदि २ दिने उसवालझातीय पाल्हाउतगो-
त्रीय साह पांचा भार्या नगराजी सुत साह मांगा भार्या सोहागदे सुत कुवेर
भा० सामी श्रीअनन्तनाथविंशं तपागच्छाधिराज श्रीहीरविजयसूरिभिः
प्रतिष्ठितं ।

(१०४४) अनन्तनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६४४ वर्षे फागुण सुदि २ महिमास्तव्य उसवालझातीय
छाजहङ्गगोत्रे विसलदास सा० अमीपाल भा० अमृतदे सुत सामीदास सुत
धीरदास हरदास । कारापितं श्रीअनन्तनाथविंशं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्री-
हीरविजयसूरिभिः ॥

(१०४५) सुमतिनाथ-एकतीर्थीः

॥ संवत् १६४४ वर्षे आ० रंगादे कारितं श्रीसुमतिनाथविंशं प्रतिष्ठितं
श्रीहीरविजयसूरिपट्टालद्वार-श्रीविजयसेनसूरिसिंहैः स्तंभतीर्थं नगरे ।

(१०४६) मुनिसुव्रत-एकतीर्थीः

संवत् १६४७ वैशाख सुदि ७ सा० नानजी का० मुनिसुव्रतविं०
प्र० श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥

(१०४७) पद्मप्रभः

सं० १६५० वर्षे माघ कृष्ण ४ सु० वसा० निटेके सा मघा प्रति साया
भं० जोडमदे सुत श्रीकर्णस्य गृह्णारदे कमद प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीपद्म-
प्रभविंशं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीनन्दियर्दनसूरिभिः ।

(१०४८) विमलनाथः

॥ सं० १६५१ वर्षे पोष सु० १० शनौ श्रीविमलनाथविंशं को० केसव
पु० भोजा कजा रावल कुलथर का० प्र० तपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥

(१०४९) शान्तिनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६५१ माह सु० १० श्रीमूलसंघे म० श्रीचन्द्रकीर्ति तदाम्नाये
मावङ्गगोत्रे सा० दमोदेव प्रणमनि ।

१०४३ जयपुर श्रीमालों की दादाबाढी पार्श्वनाथ मन्दिर

१०४४ सांगानेर महावीर मन्दिर

१०४५ जयपुर प्रतापमलजी दहा का गृहदेरासर

१०४६ नागौर बड़ा मन्दिर

१०४७ अजमेर भुजियम

१०४८ बेंतद विमलनाथ मन्दिर, मूलनाथक

१०४९ चन्दलाई शान्तिनाथ मन्दिर

(१०५०) शान्तिनाथः

सं० १६५३ वर्षे चै० शु० ४ बुधे श्रीशान्तिनाथविं० गादहीआगोत्रे
सं० सुरताण भार्या हर्षमदे पु० सं० दासा भा० लाडमदे पु० सं० पद्मेन
कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिपट्टे श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥
पं० विनयसुन्दरगणि प्रणमति ॥ श्रीरस्तु ॥

(१०५१) धर्मनाथः

सं० १६५३ वै० शु० ४ बु० श्रीधर्मनाथविं० सा० सुरताण
जीया का० प्र० श्रीविजयसेनसूरिभिः पं० विनयसुन्दरगणि प्रणमति ।

(१०५२) कुन्थुनाथः

संवत् १६५३ वै० शु० ४ बुधे श्रीकुन्थुनाथ सं० सूति कुमारदे का०
प्र० श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥ पं० विनयसुन्दरगणिः प्रणमति ।

(१०५३) शीतलनाथः

सं० १६५३ व० वै० शु० ४ बु० शीतलनाथ सा० रायसिंघ भा० सो-
भागदे पु० व० ४ का० प्र० श्रीतपा० श्रीविजयसेनसूरिभिः पं० विनयसुन्दर-
गणिः प्रणमति ॥

(१०५४) हीरविजयसूरिमूर्तिः

सं० १६५३ वर्षे वै० शु० ४ बुधे श्रीहीरविजयसूरिमूर्तिः सं० मेरु
चपराघेन(?) कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥ पं० विन-
यसुन्दरगणिः प्रणमति श्रीगुरुपादुका (मूर्ति) ।

(१०५५) कुन्थुनाथः

संवत् १६५३ वर्षे वै० शु० ४ बुधे श्रीकुन्थुनाथविं० गाद० गोत्रे श्री सं०
सुरताण भा० हर्षमदे पु० सं० सादूलेन प्र० श्रीतपागच्छे श्रीविजयसेनसू-
रिभिः । पं० विनयसुन्दरगणिः प्रणमति ॥

१०५० मेड़तासीटी महावीर मन्दिर

१०५१ मेड़तासीटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

१०५२ मेड़तासीटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

१०५३ मेड़तासीटी महावीर मन्दिर

१०५४ मेड़तासीटी कुंथुनाथ मन्दिर तपाउपाश्रय

१०५५ मेड़तासीटी कुंथुनाथ मन्दिर तपा उपाश्रय० मूलनायक

(१०५६) शीतलनाथः

सं० १६५३ वै० शु० ४ बुधे श्रीशीतलनाथविं० सा० भेऊ हासा सा०
पद्मा.....प्र० तपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः पं०
विनयसुन्दरगणिः प्रणमति ॥

(१०५७) अरनाथः

सं० १६५३ वै० शु० ४ बुधे श्रीअरनाथविं० कारापितं.....
.....प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः पं०
विनयसुन्दरगणिः प्रणमति ॥

(१०५८) महावीरः

सं० १६५३ वर्षे वै० शु० ४ बु० श्रीमहावीरविं० सा० खेतसी सा०
देवाभ्यां का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिपट्टे श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥ पं० विनयसुन्दरगणिः प्रणमति ॥

(१०५९) महावीरः

सं० १६५३ व० वै० शुदि ५.....
श्रीमहावीरविं० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविजयहीरसूरिपट्टे श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु पं० विनयसुन्दरगणिः प्रणमति ॥ छः ॥

(१०६०) सिंहासने

संवत् १६६४ वर्षे वैशाख सि० ७ श्रीश्रीमालहातीय सं० भोजराज
भा० भोजल सुत शा०खेतसीग चतुरंगदे सादा-चतुरंगभ्यां चास्य परिकरः
कारितः प्रतिष्ठितं.....विनयचन्द्रसूरिजि० पं० मेरुविजय प्रणम-
तितरां ॥

(१०६१) जिनदेवसूरिपादुका

॥ संवत् १६६५ वर्षे मार्गशीर्ष यदि ३ दिने सोमवारे श्रीस्वरतरगच्छीय
भट्टारक श्रीजिनदेवसूरयः कृतानशानाः सुरालयमलंचकुः तेषां पादपद्म-
स्थापनेयं ॥ श्रीसंघस्यधेयसे ॥

१०५६ मेढतारोड पार्श्वनाथ मन्दिर

१०५७ मेढतारोड पार्श्वनाथ मन्दिर

१०५८ मेढतारोड पार्श्वनाथ मन्दिर

१०५९ मेढतासीटी महावीर मन्दिर. मूलनायक

१०६० मेढतासीटी महावीर मन्दिर. मूलनायक

१०६१ मेढतासीटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(१०७२) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६५८ व० मीती आ० व० ५ सि० श्रीमूलसंघे सीडाल प्रति राउं प ।

(१०७३) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६५८ वर्षे आषाढ व० १० रवौ श्रीमूलसंघे भ० चन्द्रकीर्त्ति खंडेलवाल बाकल वाला सा० राम पु० ४ ईगा वला मेहा राणा पुत्र श्रीवंत नित्यं ।

(१०७४) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६५८ वर्षे माह सुदि ५ सोमै श्रीसुधर्मगच्छे भ० श्रीधिनय-कीर्त्तिसूर(रि) नामादिसेन श्रीमाल० नायण वीरपाल श्रीअजितनाथविं वं ।

(१०७५) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६६० वर्षे वै० शु० १३ दि० सो० मांडण तत्पुत्री वीनू सुरा-ईना कुन्धुनाथविं का० पं० नयविजय प्रतिष्ठितं च भ० श्रीविजयसेन-सूरि तपा० ।

(१०७६) जिनकुशलसूरि पादुका

संवत् १६६० वर्षे माह सुदि १३ दिने प्र० । बृहत्खरतरगच्छे युग-प्रधान-श्रीजिनचन्द्रसूरिविजयराज्ये श्रीजिनकुशलसूरिपादुके प्रतिष्ठितं कनकसोमेन ग । चामरधान कारिते पादुके ।

(१०७७) शान्तिनाथः

॥ संवत् १६६१ वर्षे वैशाख वदि ८ सोमे ओसवालज्ञातीय लोढा-गोत्रे सं० खीवराज पुत्र पेमराज त० चांपसी मदनसी गोसा प्रमुखपुत्र-युतेन श्रीशान्तिनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनदेवसूरि-पट्टे श्रीजिनसिंहसूरि-पट्टालङ्कार-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ श्रीमेडतानगरे ।

१०७२ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

१०७३ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

१०७४ भैंसरोडगढ़ ऋषभदेव मन्दिर

१०७५ किसनगढ़ शान्तिनाथ मन्दिर

१०७६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

१०७७ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(१०७८) मूलनायक-पद्मासने

॥ संवत् १६६१ वर्षे.....

श्रीमेढतानगरे श्रीवृहत्स्वरतरगच्छे भ० श्रीश्रीजिनमाणिक्यसूरिपट्टप्रभा-
करैः । श्रीअकम्बरसाहिप्रदत्तयुगप्रधानपदप्रवरैः । प्रतिवर्षपाढाद्याष्टाहि-
कादिपाण्मासिकामारिप्रवर्तकैः । श्रीस्तंभतीर्थीय.....मीनादिजीवर-
क्षकैः । श्रीशत्रुञ्जयादितीर्थकरमोचकैः । सर्वत्रगोरक्षाकारकैः । पञ्चनदीपीर-
साधकैः । युगप्रधान-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः । आचार्य श्रीजिनसिंहसूरिसूरिः ।
श्रीसमथराजोपाध्यायः ॥ वा० हंसप्रमोद वा० समयसुन्दर वा० पुण्यप्रधा-
नादिसाधुयुतैः ॥

सिंहासनोपरि

॥ ॐ ॥ श्रीसंघेन ॥ प्रतिष्ठितं श्रीश्रीवृहद्स्वरतरगच्छैः ॥ श्रीजिन-
माणिक्यसूरिपट्टपूर्वाचलसहस्रकरावतार-श्रीअकम्बरपातिसाहिप्रतिबोधक ।
श्रीशत्रुञ्जयादित्तीर्थकरमोचक । सर्वमण्डल । पण्मासजीवदयाप्रतिपालक.....
.....निमन्त्रनिराकरण-युगप्रधानविरुद्धधारक । भट्टारकप्रधान
श्रीश्रीश्रीश्रीजिनचन्द्रसूरिभिः सश्रीजिनसिंहसूरिभिः ॥ श्रीचतुर्विध श्री-
संघयुतैः ॥ शा०.....णी कुञ्जरवादि हर्षनन्दनगणिना ॥

(१०७९) परिकरे

॥ ॐ ॥ संवत् १६६६ वर्षे शाके १५३४ ॥ मार्गशीर्ष मासे ॥ श्रीपा-
तिसाही नूरदीन अहल्लं जहांगीर विजयिराज्ये । श्रीमेढतामहाकोटैः ॥
महाराजाधिराज महाराज श्रीसूर्यसिंहजी महाराजकुमर श्रीगजसिंहजी ।
राजश्री गोविन्ददासजी वचनात् ॥ श्री ॥
.....गोलवेच्छागोत्रीय । सां० देवसी तत्पुत्र सा० रायमल्ल
तत्पुत्र सा० कल्ला सा० अमरसी तत्पुत्र सा० शेता पौत्र सा० राजसी सा०
नरसिंघ । रायसिंघ उदयसिंघ यल्लभराजा नारायणादिसत्परिवारयुतेन ।
श्रीवासुपूज्यनाथ निजन्यायोपार्जितदेवद्रव्येन । परिकरेण प्रतिष्ठापिता ॥

(१०८०) नमिनाथः

॥ संवत् १६६१ वर्षे । श्रीवृहत्स्वरतरगच्छे ॥ प्रतिवर्षपाण्मासिकाम-
यदानदायकैः सकलगोरक्षाकारकैः श्रीशत्रुञ्जयमहातीर्थकरनिवारकैः पञ्चनदी-
पतिपीरसाधकैः । युगप्रधान-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः । आ० श्रीजिनसिंहसुरि
..... । प्रतिष्ठितं का० नमि-
नाथः ॥ वा० पुण्यप्रधान-
गणिभिल्लितम् ॥

१०७८ मेढतासिटी वासुपूज्य मन्दिर

१०७९ " " "

१०८० " " कुन्धुनाथ मन्दिर

(१०६२) मूलनायकः

॥ संवत् १६६७ फागुन कृष्ण ६ गुरौ.....उसवालज्ञातीय
दूगढगोत्रे सा० सालिग पुत्र साह राजपाल पुत्र सा० खीमाकेन भार्या कुश-
लदे पुत्र गिरिधर सा० मानसिंघयुतेन श्रीश्रेयांसनाथविंशं कारितं प्र०
नागौरी तपागच्छे श्रीचन्द्रकीर्तिसूरिपट्टे श्रीसोमकीर्तिसूरिपट्टे श्रीदेवकीर्ति-
सूरि श्रीअमर..... ॥ प्रतिष्ठितं नागौरी तपागच्छे श्रीआगरानगरे
मानसिंहेन लिपीकृतं ॥

(१०६३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थः

सं० १६६७ व० फा० व० गहिलडागो० सा० टोडर जसाकोरुकेन
श्रीपार्श्वनाथविंशं कारितं प्र० तपा० श्रीविजयसेनसूरिभिः ।

(१०६४) पद्मप्रभः

॥ सं० १६६६ वर्षे आपाढ मासे.....गुरुवारे.....श्री-
ओसवालज्ञातीय लोढागोत्रे सं० डाहा भार्या तेजलदे पुत्र रायमल्ल भार्या
रङ्गादे पुत्र.....भीमराज धारावत भार्या जशवंतदे.....
.....पु० सं० आसराज पुत्रयुतेन श्रीपद्मप्रभविंशं कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीजिनसिंहसूरिपट्टालङ्कार-श्रीजिन-
चन्द्रसूरिभिः..... ॥

(१०६५) शान्तिनाथः

॥ संवत् १६६६ वर्षे माह सुदि ५ दिने शुक्रवारे महाराजाधिराज
महाराज श्रीसूर्यसिंहजी विजयिराज्ये उसवालज्ञातीय लोढागोत्रे संघवी डाहा
तत्पुत्र सं० रायमल्ल भार्या रङ्गादे तत्पुत्र सं० लाखाकेन भार्या लाडिमदे पुत्र
वस्तुपाल सहितेन श्रीशान्तिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबृहत्खरतरगच्छे
श्रीआद्यपक्षीय श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीजिनसिंह-
सूरिपट्टालङ्कार-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ॥ छः ॥ श्रीः ॥

१०६२ हिन्डोन श्रेयांसनाथ मन्दिर

१०६३ नागौर मुकनसुन्दरजी का उपाश्रय

१०६४ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

१०६५ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(१०६६) मूलनायकः

॥ संवत् १६६६ वर्षे माह सुदि ७ शुक्रवारे महाराजाधिराज श्रीसूर्य-
सिंहजी विजयराज्ये श्रीरूपकेशज्ञातीय लोढागोत्रे सा० डाहा तत्पुत्र सं०
रायमल्ल भार्या रङ्गादे तत्पुत्र सं० भीमाकेन भार्या लाडिमदे-॥ पुत्र वस्तु-
पाल युतेन श्रीपार्श्वनाथविंश कारितं प्रतिष्ठितं-श्रीमद्वृद्धत्वरतरगच्छे श्री-
आद्यपक्षीय श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टालङ्कार श्रीजिनदेवसूरितत्पट्टालङ्कार
श्रीजिनसिंहसूरितत्पट्टोदयाद्रिशृङ्गभानु-श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ।

(१०६७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः परिकरे

संवत् १६७० वर्षे वैशाख सित पंचमी तिथौ सोमवासरे स्तम्भतीर्थ-
धास्तव्य ऊकेशज्ञातीय वृद्धशास्त्रीय देसलहरागोत्रीय सा० श्रीमल्ल नाम्ना
भ्रातृव्य सा० सोमा तत्पुत्र सूरजी रामजी प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीसुमतिनाथ
परिकरः कारितः प्रतिष्ठितः तपागच्छे श्रीअकव्वरसुरत्राणपाणमासिक-
जंतुजाताभयदान-श्रीशत्रुञ्जयादितीर्थकरमोचनस्फुरमानप्रदानप्रभृति-बहुमान
भ० श्रीहीरविजयसूरिपट्टालङ्कार श्रीअकव्वरपरिपल्लव्यजयवाद् भ० श्रीविज-
यसेनसूरिभिः ।

(१०६८) संभवनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६७० वर्षे सावण व० श्रीसंभवविं० का० प्र० तपागच्छे श्री-
विजयसेनसूरि ।

(१०६९) यु० जिनचन्द्रसूरिपादुका

॥ संवत् १६७० वर्षे मार्गशीर्ष सुदि १० दिने । श्रीजेसलमेरुसंघेन
कारिते । पा० सयाईयुगप्रधान-श्रीजिनचंद्रसूरिणा प्र० श्रीजिनसिंहसूरिभिः ॥

(११००) सुपार्श्वनाथः

॥ संवत् १६७१ वर्षे वैशाख सुदि ३ शनीं रोहिणीनक्षत्रे आगरा-
धास्तव्योशवालज्ञातीय लोढागोत्रे गावंसे सा० पेमल भार्या सक्कादे पुत्र
सा० खेतसी-नेतसीकाभ्यां स्वपितृयु० श्रीमदंचलगच्छे पूज्यश्रीकल्याण-
सागरसूरीणामुपदेशेन श्रीसुपासजिनविंश प्रतिष्ठापितं ।

१०६६ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

१०६७ जयपुर प्रतापमलजी ढाढा गृहदेरासर

१०६८ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

१०६९ मेड़तासिटी शान्तिनाथ मन्दिर

११०० जयपुर सुपार्श्वनाथ मन्दिर. मूलानायक

(१११२)

सं० १६७४ माह वद १ दिने उसवालज्ञातीय प्रामेचागोत्रे सं० नेता भार्या नवरंगदे तत्पुत्र संघर्षा हर्षा भार्या हीरादे पुत्र सं० जीवा भार्या रङ्गादे नाम्न्या सं० जिणदास पु० प्रईसर युक्त्या का० प्रतिष्ठितं जहांगीर-महातपा भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(१११३) शान्तिनाथः

संवत् १६७४ व० मा० व० १ सं० सुरताण भार्या सोभागदे..... मुक्त्या श्रीशान्तिनाथविं० का० प्र० तपा० श्रीविजयदेवसूरिभिः ।

(१११४) आदिनाथः

॥ संवत् १६७४ वर्षे मा० सु० ६ दि० गुरु पुण्ययोगे उपकेश-ज्ञातीय सुराणागोत्रे सा० रायसिंघ पु० रायचन्देन त्वश्रेयार्थं श्रीआदिनाथ-विं० कारितं प्र० तपागच्छे गुरुजहांगीरतपाविरुद्धारक-भट्टारक श्रीविजय-देवसूरिभिः ।

(१११५) सुविधिनाथः

संवत् १६७४ मा० व० १ दि० उप.....लाडाला० त्वश्रेयसे श्रीसुविधिविं० प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(१११६) मूलनायकः

॥ संवत् १६७४ वर्षे माघ वदि १ दिने गुरु पुण्ययोगे श्रीश्रीजहांगीर-पातिसाहसलेमसाहिविजयवंतराज्ये उसवालज्ञातीय उच्छित्तवालगोत्रे सं० सहसवीर तत्पुत्र सं० समरा भार्या संगतादे तत्पुत्र सं० नीवा भार्या नवलादे तत्पुत्र सं० रायरत्न भा० के लाडिमदे सं० मूला भार्या महिमादे सं० रायमल्ल पुत्र वच्छराज महावल सं० मूला पुत्र वर्द्धमान रामजी संपरिकरेण श्रीधर्मनाथविं० कारितं श्रेयार्थं प्रतिष्ठितं श्रीजगद्गुरु..... विरुद्धारी हीरविजयसूरितत्पट्टालङ्कार श्रीविजयसेनसूरि० ज.....

(१११७) मूलनायकः

संवत् १६७४ वर्षे माघ वदि ६ दिने गुरु पुण्ययोगे ओसवालज्ञातीय चोरडियागोत्रे सा० सिंघा भार्या नवलादे तत्पुत्र नगदास भार्या भरमादे नाम्ना श्रीनमिनाथविं० का० प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेव-सूरिभिः ।

१११२ मेड़तासिटी महावीर मन्दिर

१११३ " " उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

१११४ नागोर चौसठिया जी का मन्दिर. मूलनायक

१११५ " "

१११६ खजवाना धर्मनाथ मन्दिर. मूलनायक

१११७ जयपुर पार्श्वचन्द्रगच्छीय उपाश्रय. मूलनायक

(१११८) सुविधिनाथः

॥ संवत् १६७४ वर्षे मा० व० १ दिने गुरु पुण्ययोगे सं० देव-
दत्त..... गोत्रे सं० देवसी..... श्रीसुविधिनाथविंशं का-
रितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(१११९) मुनिसुव्रतः

॥ संवत् १६७४ वर्षे माह यदि १ दिने गुरु पुण्ययोगे ओसवालज्ञा-
तीय चोरडिआगोत्रे सं० पोहू पुत्र देवदत्त तत्पुत्र सं० सोमल भार्या सोभा-
गदे नाम्नी श्रीमुनिसुव्रतस्वामिविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे जहांगीरमहा-
तपाविरुद्धारक भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११२०) शान्तिनाथः

॥ संवत् १६७४ वर्षे माह यदि १ दिने गुरु पुण्ययोगे ओसवाल-
ज्ञातीय चोरडिआगोत्रे सा० देवदत्त भार्या नीआरदे तत्पुत्र भोजा भार्या
भोजलदे नाम्नी श्रीशान्तिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीवि-
जयदेवसूरिभिः ॥

(११२१) सुमतिनाथः

॥ संवत् १६७४ वर्षे माह यदि १ दिने ललवाणीगोत्रे सा० नानिग-
केन कारितं श्रीसुमतिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीविजय-
देवसूरिभिः ॥

(११२२) सुपार्श्वनाथः

॥ सं० १६७४ वर्षे मा० व० १ गुरु पुण्ययोगे उ० चोरडिआगो०
सं० पोहू भा० देवलदे पुत्र सं० वीरदास भा० वीरादे श्रीसुपार्श्वनाथविंशं
कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११२३) नमिनाथः

॥ संवत् १६७४ वर्षे माह यदि १ दिने गुरु पुण्ययोगे ओसवालज्ञा-
तीय चोरडिआगोत्रे..... दे नाम्नी श्रीनमिनाथविंशं कारितं
प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

१११८ नागोर बड़ा मन्दिर

१११९ " " "

११२० " " "

११२१ " " "

११२२ " " "

११२३ " " "

(११२४)

सं० १६७४ वैशाख वदि १ दिने ॥ तपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेव-
सूरिभिः ।

(११२५) मूलनायकः

राजाधिराज-श्रीरायसिंहजी राज्ये ॥ श्रीजिनमाणिक्यसूरिपट्टे युग-
प्रधान श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः शिष्य-आचार्य-श्रीजिनसिंहसूरि-श्रीसमयराजो-
पाध्याय वा० पुण्यप्रधान प्र० सा० युतैः ।

(११२६) यु० जिनसिंहसूरिपादुका

॥ संवत् १६७५ वर्षे माघ वदि १३ रवौ बृहद्दखरतरगच्छाधीश्वर-युगप्रधानं
श्रीजिनचन्द्रसूरिशिष्य-श्रीजिनसिंहसूरिपादुके श्रीसंघेन कारिते । प्रतिष्ठिते ।
श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(११२७) मूलनायकः

॥ संवत् १६७७ वर्षे । वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयातिथौ शनि
रोहिणीयोगे श्रीमेढतानगरवास्तव्य श्रीमालज्ञातीय पाताणीगोत्रीय सं०
भोजा भार्या भोजलदे पुत्रेण संघपति खेतसीकेन स्वभा० चतुरङ्गदे पुत्र
ङ्गारसी प्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे स्वकारितं रङ्गदुत्तंगशिखरबद्धश्रीऋ-
षभदेवविहारमण्डनं सपरिकरं श्रीआदिनाथविं वं कारितं प्रतिष्ठापितं च
तपागच्छे श्रीमदकव्वरसाहिप्रतिबोधक श्रीशत्रुञ्जयादिकरमोचक भट्टारक
श्रीहीरविजयसूरिराजपट्टोदयपर्वतसहस्रकिरणायमान युगप्रधान भट्टा-
रक श्रीविजयसेनसूरिपट्टप्रभावक श्रीजहांगीरसाहिप्रदत्त श्रीजहांगीर-
महातपाविरुद्धारक श्रीमहावीरतीर्थकरप्रतिष्ठितश्रीसुधर्मस्वामिपट्टधरस-
कलसुविहितसूरिसभाशृङ्गारभट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११२८) महावीरः

॥ सं० १६७७ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयायां तिथौ शनि
रोहिणीयोगे साहिश्रीजहांगीरविजयमानराज्ये श्रीमेढतानगरवास्तव्य
श्रीमालज्ञातीय पाताणीगोत्रीय संघपति खेतसी भार्या चतुरङ्गदे नान्त्या
श्रीमहावीरविं वं कारितं प्रतिष्ठापितं च स्वप्रतिष्ठायां प्रतिष्ठितं च श्रीतपा-
गच्छे श्रीमदकव्वरसुरत्राणप्रदत्तजगद्गुरुविरुद्धारक षण्मासाभयदान-

११२४ नागोर हीरावाड़ी आदिनाथ मन्दिर,

११२५ सांगानेर चन्द्रप्रभ मन्दिर. मूलनायक

११२६ मेढतासिटी शान्तिनाथ मन्दिर

११२७ मेढतासिटी आदिनाथ मन्दिर

११२८

प्रवर्त्तक श्रीशत्रुञ्जय जगति-जीजी-आदिकरमोचक भट्टारकप्रभुश्री ५ श्रीहीर-
विजयसूरिराजपट्टोदयपर्वतसहस्रकिरणायमान साहिश्रीअंकद्वरसुरत्राणस-
भालब्धविजयलक्ष्मीसन्मान युगप्रधानसमान सकलसूरिसामन्तचक्रसार्ध-
भोमोपमान भट्टारक श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीविजयसेनसूरीश्वरपट्टप्रभातिक श्रीम-
एडपाचले श्रीदीपालिकापर्वणि श्रीमदजहांगीरसाहिप्रदत्त श्रीजहांगीरमहा-
तेपाविरुद्धधारक श्रीमन्नहावीरतीर्थकरप्रतिष्ठित श्रीसुधर्मस्वामिपट्टपरंपरानु-
क्रम-परिपाटीप्रौढसकलमुविहितसूरिसभाशृङ्गारभट्टारक श्री ५ श्रीविजय-
देवसूरीश्वरः ॥

(११२६) अजितनाथः

प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारक श्री ५ श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥ संवत्
१६७७ वर्षे वैशाख सुदि ३ दिने । शनी । श्रीवृहत्स्वरतरगच्छे श्रीमेढता-
नगरे । श्रीमालज्ञातीय चंडालियागोत्रे । टकूशालीय नखसाव श्रीमल्ल पुत्र
पास । पदू । पासु पुत्र सुसु पदू पुत्र कला सुख पुत्र धीरदासेन कला
पुत्र रायसिंह वीरदास पुत्र सूजा पञ्चायण जिणदास प्रमुखपुत्रपौत्रादि-
परिवारसहितेन श्रीअजितनाथविंश कारितं श्रीस्वरतरगच्छाधीश श्रीजिन-
माणिक्यसूरितत्पट्टपूर्वाचलमहस्रकरावतार युगप्रधान श्रीजिनचन्द्रसूरि-
पट्टप्रभाकर श्रीजिनसिंहसूरिपट्टप्रभाकर वर्तमानभट्टारक श्रीजिनराज-
सूरिविजयराज्ये आ० श्रीजिनसागरसूरि यौवराज्ये ॥ श्रीरस्तु ॥ आचंद्राकं
चिरं नन्दतु ॥ श्रीः ॥

(११३०) महावीरः

॥ संवत् १६७७ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयायां तिथौ शनि
रोहिणीयोगे साहिश्रीजहांगीरविजयमानराज्ये श्रीमेढतानगरधास्तव्य श्री-
मालज्ञातीय मुमलगोत्रीय सा० द्वाब् मा० कुसुमा पुत्र सा० सीहमल्लकेन
भार्या मुखमल्लदे पुत्र सामीदास नेमीदास सुन्दरदास प्रमुखपरिवारपृत्तेन
स्वत्रेयसे श्रीमहावीरविंश कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीमदकद्वरसुर-
त्राणप्रदत्तजगद्गुरुविरुद्धधारक श्रीशत्रुञ्जयाष्टमोद्धारक भट्टारकश्री ५
श्रीहीरविजयसूरिराजपट्टोदयपर्वतसहस्रकिरणायमान युगप्रधान भट्टारक
श्री ४ श्रीविजयसेनसूरीश्वरपट्टप्रभायक
महातपाविरुद्धधारि सकलज्ञातिमुविहितसूरिसभाशृङ्गार भट्टारक श्री ५
श्रीविजयदेवसूरिराज्ये ॥

(११३१) धर्मनाथः

॥ संवत् १६७७ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयायां तिथौ शनि रोहिणीयोगे साहिश्रीजहांगीर विजयमानराज्ये मेडतानगरवास्तव्य उसवालज्ञातीय बुहरागोत्रीय सा० जयवन्त भा० जयवन्तदे पुत्र सा० दासराज भा० वदरङ्गदे पुत्र सा० पुना सा० चांपसीकेन स्वभार्या चांपलदे पुत्र लच्छी प्रमुखपरिवारपरिवृत्तेन श्रीधर्मनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीमदकव्वरसुरत्राणप्रदत्तजगद्गुरु भट्टारक श्रीशत्रुञ्जया
श्री ५ श्रीहीरविजयसूरि श्रीविजयसेनसूरिपट्ट-
 प्रभावक जहांगीरप्रदत्तमहातपाविरुद्धारक
 श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११३२) सुमतिनाथः

प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥ स्वस्तिश्रीः ॥
 संवत् १६७७ वर्षे वैशाख सित ३ तिथौ सार्वभौमजहांगीरपातिसाहि-
 विजयिराज्ये उसवालज्ञातीय चोरवेडियागोत्रे सा० खिबुधा सा० जाल्हा पु०
 दत्ता पु० डूङ्गरसी भा० डूङ्गरदे पुत्र नेतसी भार्या नवरङ्गदे द्वि० नवलादे
 भ्रा० जीवराज भूपति भाण नेतसी पुत्र जयवन्त प्रमुखपरिवारयुतेन श्रीसु-
 मतिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृहत्खरतरगच्छे आद्यपक्षीय भट्टारक
 श्रीजिनचन्द्रसूरिपट्टे ॥

(११३३) धर्मनाथः

संवत् १६७७ वर्षे वैशाख मासे शुक्लपक्षे अक्षत ३ दिने श्रीमेडतान-
 गरवास्तव्य उसवालज्ञातीय सं० जीवा भार्या यशोदानाम्न्या श्रीधर्मनाथ-
 विंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छाधिराजभट्टारक श्रीश्रीश्रीश्रीविजय-
 देवसूरिभिः ॥

(११३४) सुमतिनाथः

॥ खरतरगच्छे श्रीजिनकुशलसूरिः ॥ संवत् १६७७ वर्षे वैशाख-
 मासे अक्षयतृतीया दिने शनि रोहिणीयोगे मेडतानगरवास्तव्य श्रीमाल-
 ज्ञातीय पाताणीगोत्रीय सा० हेमा भार्या धूरी तत्पुत्ररत्न बोहित्येन सुत
 रागदास सपरिवारयुतेन श्रीसुमतिनाथविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छा-
 धिराज भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

११३१ मेडतासिटी आदिनाथ मन्दिर

११३२	"	"	"
११३३	"	"	"
११३४	"	"	"

(११३५) वर्द्धमानः

॥ संवत् १६७७ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयायां तिथौ शनि रोहिणीयोगे श्रीमालज्ञातीय बहकटागोत्रीय सा० राजपाल भा० राजलदे पुत्र नेमिदास भा० चंपू नाम्नी श्रीमहावीरविंशं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे भट्टारकप्रभुश्री ५ श्रीविजयसेनसूरीश्वरपट्टप्रभाकर श्रीमदूजहांगीरसाहिप्रदत्तश्रीजहांगीरमहातपाविरुद्धारक सकलसुविहितसूरिसभाशृङ्गारसंरक्षक श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीविजयदेवसूरिराजैः ॥ श्रीः ॥

(११३६) मुनिसुव्रतः

॥ संवत् १६७७ वर्षे वैशाखमासे अक्षयतृतीया दिवसे श्रीमेढतावास्तव्य उ० झा० समदडीआगोत्रीय सा० मना भा० महिमादे पुत्र सा० रामाकेन भ्रातृ रायमलद्वान भा० केसरदे पुत्र जयदत्त सा० लखमीदास प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीमुनिसुव्रतविंशं का० प्र० तपागच्छे भट्टारकश्री ५ श्रीविजयसेनसूरिपट्टालङ्कार भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११३७) मुनिसुव्रतः

॥ संवत् १६७७ वर्षे अक्षयतृतीयादिने शनि रोहिणीयोगे मेढतानगरवास्तव्य सा० लाखा भा० सरूपदे नाम्न्या श्रीमुनिसुव्रतविंशं कारितं प्रतिष्ठितं भट्टारक श्रीविजयसेनसूरीश्वरपट्टप्रभाकर जहांगीरमहातपाविरुद्धविख्यात युगप्रधानसमान सकलसुविहितसूरिसभाशृङ्गारभट्टारक श्रीविजयदेवसूरिराजेन्द्रैः ॥

(११३८)

॥ सं० १६७७ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयायां तिथौ दिने शनि रोहिणीयोगे मेढतानगर वास्तव्य उसवालज्ञातीय सा० पालहड गोत्रे सा० खेमा भा० खेतलदे पुत्र सा० चाचाकेन विंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छाधिराज भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११३९) वासुपूज्यः

सं० १६७७ वर्षे अक्षय ३ दिने मेढतावा० उ० झा० गु० गो० सा० जदू भार्या जइतलदे नाम्न्या श्रीवासुपूज्यविंशं का० प्र० तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

११३५ जयपुर पञ्चायती मन्दिर

११३६ मेढतासिटी महावीर मन्दिर

११३७ „ पार्श्वनाथ मन्दिर. वगीची

११३८ „ आदिनाथ मन्दिर

११३९ „ कुन्धुनाथ मन्दिर „

(११४६) मूलनायकः

प्र० भट्टारकप्रभु श्रीजिनराजसूरिभिः ॥ संवत् १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ श्रीओसवालज्ञातीय गणधरचोपडागोत्रीय सं० कचरा भार्या कज-
डिसदे चतुरंगदे पुत्र सं० अमरसी भा० अमरादे पुत्ररत्न सं० अमीपालेन-
पितृव्य चांपसी वृद्धभ्रातृ सं० आसकरण लघुभ्रातृ कपूरचन्द स्वभार्यापि
अपूरवदे पु० गरीबदासादिपरिवारेण श्रीअजितनाथविं का० प्र० वृ०
खरतरगच्छाधीश्वर श्रीजिनराजसूरिचक्रचक्रवर्तिभिः ॥

(११४७) धर्मनाथः

प्र० श्रीजिनराजसूरिसूरिचक्रवर्तिभिः । सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ
श्रीओसवालज्ञातीय गणधरचोपडागोत्रीय सं० अमरसी भार्या अमरादे
पुत्र सं० आसकरणेन भा० अजाइवदे पु० ऋषभदास भा० रत्नावती
श्रेयोर्थ श्रीधर्मनाथविं का० प्र० श्रीबृहत्खरतरगच्छाधिराज युग० श्रीजिन-
सिंहसूरिपट्टोत्तंस-श्रीजिनराजसूरिसूरिः ।

(११४८) सुमतिनाथः

प्र० श्रीजिनराजसूरिसूरिसार्वभौमैः । सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५
गुरौ श्रीओसवालज्ञातीय गणधरचोपडागोत्रीय सं० अमरसी भा०
अमरादे पुत्ररत्न सं० आसकरण भा० अजाइवदे पु० ऋषभदास
कपूरदास प्रवरया श्रीसुमतिनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबृहत्खरतरगच्छा-
धिप युगप्रधान श्रीजिनसिंहसूरिपट्टालङ्कारक भट्टारकपुण्डरीक श्रीजिन-
राजसूरिसूरिदिनकरैः ॥

(११४९) चन्द्रप्रभः

सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ श्रीओसवालज्ञातीय गणधरचोपडा-
गोत्रीय सं० अमरसी भार्या अमरादे पुत्ररत्न सं० कपूरचन्द्रेण भार्या महि-
मादे श्रेयोर्थ श्रीचन्द्रप्रभविं का० प्रतिष्ठितं श्रीबृहत्खरतरगच्छनायक
श्रीशत्रुञ्जयाष्टमोद्वारप्रतिष्ठापक प्रतिष्ठितमाणवडनगरप्रवरसुधाभर-
वर्षकश्रीपार्श्वदेव भट्टारकशिरोरत्न श्रीजिनराजसूरिभिः ॥

(११५०) मूलनायकैः

॥ सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ सं० अमरसी भा० अमरादे पु० सं०
आसकरण अमीपाल कपूरचन्द्रेण श्रीसंभवनाथविं कारितं स्वपरिवार-
श्रेयोर्थ प्र० बृहत्खरतरगच्छे भट्टारक श्रीजिनराजसूरिभिः ॥

११४६ मेड़तासिटी अजितनाथ मन्दिर

११४७ " शान्तिनाथ मन्दिर

११४८ " " "

११४९ " " "

११५० अजमेर संभवनाथ मन्दिर

(११५१) श्रेयांसनाथः

सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ सं० आसकरणेन भार्या अजायवदे पुत्र
सूरदासश्रेयोर्थ श्रीश्रेयांसविं का० प्र० श्रीजिनराजसूरिभिरु० स्वरंतरगच्छैः ॥

(११५२) शान्तिनाथः

॥ सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ ओसवालजातीय गुणधरचोपहा-
गोजीय सं० लाखा भार्या लाहिमदे पु० वीरपाल भार्या वील्हादे
श्रीशान्तिनाथविं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्ध-
स्वरंतरगच्छाधिप श्रीजिनराजसूरिसूरिजयैः ॥

(११५३) जिनदत्तसूरिमूर्तिः

सं० १६७७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ सं० आसकरणेन पितृव्य भा० प-
सी भ्रातृ अमीपाल केपूरदासः
श्रीजिनदत्तसूरिमूर्तिः कारिता प्र० भ० श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(११५४) जिनकुशलसूरिमूर्तिः

सं० १६७७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ सं० आसकरणेन भ्रातृ अमी-
पाल केपूर-प्रभृतिभिः श्रीजिनकुशलसूरिमूर्तिः कारिता
प्र० श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(११५५) मूलनाथः

॥ सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ सं० आसकरणेन भार्या अम्पूरवदे
पुत्र गरीबदासादिश्रेयोर्थ श्रीआदिनाथविं कारितं प्र० श्रीजिनराजसूरिभिः
सूरितिलकैः ॥

(११५६) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थः

सं० १६७७ य० जे० शु० १३ मेढतापुर या० उ० झा० मांगा पुत्र सा० वीरा
भा० विमलादे सा० मेहाकेन श्रीचन्द्रविं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छे
महूरक श्रीविजयदेवसूरिभिः स्वपदस्थापिताचार्य श्रीविजयसिंहसूरिभिः ॥

(११५७) कुन्धुनाथः

सं० १६७७ व० १३ वदि ३ दिने पीपराज घी० सा० वीलो-
कसी भा० मन्नादे ताम्ना श्रीकुन्धुनाथविं का० प्र० श्रीतपागच्छे महूरक
श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

११५१ जयपुर पञ्चायती मन्दिर

११५२ मेढतासिटी शीतलनाथ मन्दिर

११५३ " शान्तिनाथ मन्दिर

११५४ " " "

११५५ जयपुर स्टेशन मन्दिर

११५६ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

११५७ मेढतासिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

(११५८)

॥ संवत् १६७८ वर्षे मिगसर सुदि १४ प्राग्वाट श्री
 तपापक्षीय पातसाहिश्रीश्रकच्यरप्रतिबोधक तद्वत्तपाणमा-
 सिजीवाभयदानदायक भट्टारकपुरन्दर श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीहीरविजयसूरि भ०
 श्रीविजयसेनसूरि भ० श्रीविजयदेवसूरिराचैः ॥

११५९) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थोपरिकरे

॥ ॐ ॥ स्वस्तिश्रीमन्तृपविक्रमार्कसमयातीत संवत् १६७८ वर्षे माघ
 मासे शुक्लपक्षे पञ्चमीतिथौ श्रीस्तम्भतीर्थ वेलाकुलवास्तव्य वृद्धशाखीय
 प्राग्वाटज्ञातीय दोसी वस्ता भा० वल्हादे पुत्ररत्न दोसी वाच्छा नाम्ना
 स्वपितृश्रेयोर्थ भार्या वाई वीरादे पवित्रपुत्र दो० अमरसी दो० देवसी
 दो० चांपसी दो० मोहनसी प्रमुखपुत्रपौत्रादिसकलपरिवारयुतेन श्रीमत् ॥
 श्रीपार्श्वनाथविंश कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छे भट्टारकपुरन्दर भ०
 श्रीहीरविजयसूरिपट्टोदयाचलसहस्रकिरण भट्टारक श्रीश्रीश्रीविजयसेन-
 सूरेश्वरपट्टालङ्कार भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥ महोपाध्याय श्रीधर्म-
 सागरगणेशिष्यमुख्यपंडितोत्तम श्रीश्रुतसागरगणयः प्रणमन्ति ॥ नित्यं
 श्रीः स्तात् ।

(११६०) शान्तिनाथः

संवत् १६७९ वर्षे वै० शुदि २ शनौ अहिनगरवास्तव्य श्रीश्रीमाल-
 ज्ञातीय वृद्धशाखीय सं० जेठा भार्या दातविहा (?) राणा भा० रंगादे सं०
 जयतमाल भा० जसमादे सं० जोधा सं० गाम केन श्रीशान्तिनाथविंश
 कारितं तपागच्छनायक भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितं च
 शुभंभवतु ।

(११६१) पार्श्वनाथः

..... सार्वभौमराजेश्वर राजाधिराज महाराज श्रीराजसिंह-
 विजयराज्ये वर्षे वैशाखमासे सितपक्षे भाषणसन्तानीय
 ऊकेशवंशे भांडागारिकगोत्रे भंडारी नगराज पुत्र भं० अमरा तत्पुत्र माना ...
 ... रत्नचन्द नारायण नरसिंह सोमचन्द संगार अचलदास कपूरदासादि-
 परिवार के श्रीपार्श्वनाथविंश कारितं प्रतिष्ठितं आद्यपक्षीय श्री-
 बृहत्वरतरगच्छे भ० श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीजिन-
 सिंहसूरिभिः श्रीमज्ज ।

११५८ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

११५९ जयपुर प्रतापमलजी ढुङ्गा गृहदेरासर

११६० मसूदा पार्श्वनाथ मन्दिर

११६१ जयपुर पञ्चायती मन्दिर

(११६२) पार्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६७१ वर्षे आपाठ सुदि १३ गुरौ मेढतानगरवास्तव्य.....
 मं० । तं० । सदे पुत्र को० दीपलुनेकेन श्रीपार्वविं० का० प्र० तपागच्छे
 म० श्रीविजयदेवसूरिभिः स्वपदस्थापित-श्रीविजयसिंहसूरिपरिवृतैः ।

(११६३) संभवनाथः

संवत् १६८३ ज्येष्ठ यदि ३ सोमे । कडुआमतगच्छे । श्रीश्रीमाली
 राईधन पुरा वा० कीकीकेन संभवविं० । कारिता तेजपालेन प्रतिष्ठितं ।

(११६४) संभवनाथः

॥ सं० १६८३ जेठ सुदि ३ सोमे कडुआमतगच्छे ॥ श्रीश्रीमाल०
 राईधन भार्या । वा० कीकीके० संभवविं० कारिता तेजपालेन प्रतिष्ठितं ॥

(११६५) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १६८३ वर्षे आपाठ यदि ४ गुरौ मित्रमालयास्तव्य देवसी भा०
 दाहिमदे पुत्र मानसिंघ भा० खेतसीयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यविं० का०
 प्र० तं० गच्छे म० श्री ५ श्रीविजयदेवसूरिभिः ।

(११६६) मुनिसुप्रत-पञ्चतीर्थीः

संवत् ८२ वर्षे फागुण यदि ८ सोमे एकेशाज्ञातीय चो । नरसिंघ
 भार्या नवलादे पुत्र । चो । अगरसी । धर्मसी प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीमुनि-
 सुप्रतविं० कारिता प्रतिष्ठितं तपागच्छे । श्रीविजयसेनसूरिभिः संवत् १६८२
 वर्षे—

(११६७) सुमतिनाथः

सं० १६८३ वर्षे मं० जयराग भा० मनोहरदे नान्ना सुमतिविं० का०
 प्र० तपागच्छे म० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११६८) ऋषि-पादुका

संवत् १६८४ वर्षे वैशाख यदि ७ गुरौ श्रीविजयगच्छे म० श्रीवदय-
 सागरसूरितत्पट्टे म० श्रीज्ञानसागरसूरि । ऋषि श्रीपदार्थजीपादुके प्रति-
 ष्ठितं माघ सुद सं० ५ ।

११६२ अजमेर गौड़ी पार्वनाथ मन्दिर

११६३ जयपुर पद्मायती मन्दिर

११६४ जयपुर पद्मायती मन्दिर

११६५ अजमेर आदीश्वर मन्दिर

११६६ घाटसू आदीश्वर मन्दिर

११६७ मेढतासिटी युगादीश्वर मन्दिर

११६८ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

(११६६) कुन्थुनाथः

॥ सं० १६८४ वर्षे माघ वदि १० सोमे सं० हरपा भा० रंगादे पु०
सं० जीवराज भा० राजदे पु० सं० जिणदासकेन श्रीकुन्थुनाथविं वं कारितं
प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्री ६ भट्टारिक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११७०) धर्मनाथः

॥ सं० १६८४ वर्षे साध वदि १० सोमे ग्रामेचागोत्रे उक्केशज्ञातीय
सं० हर्पा भा० रंगादे पुत्र सं० जीवराज भा० राजदे तत्पुत्र जिणदासकेन
श्रीधर्मनाथविं वं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारिक श्रीविजयदेवसूरिभिः ।

(११७१) कमलवन्ध

संवत् १६८४ वर्षे मा० सुदि ८ सोमे श्रीमेडतावागत्य उक्केशज्ञातीय
भं० भयरव भार्या सुहागदे पुत्र भं० प्रवर नवीरदास भा० हर्षमदे पुत्र
ऋषभदास अख्यराज भा० श्रे० भा० वीरादे पुत्र अमरसी पुत्रो प्रमुख-
परिवारयुतेन स्वश्रेयसे चतुर्विंशतिजिनप्रतिमा कारितं कमलवन्ध
प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः । आ० श्रीविजयसिंहसूरियुतैः ।

(११७२) कुन्थुनाथः

॥ सं० १६८४ वर्षे माघ सुदि १० सोमे सं० जशवंत भा० जशवंतदे
नाम्न्या श्रीकुन्थुनाथविं वं कारितं प्र० तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११७३) वासुपूज्यः

॥ संवत् १६८४ वर्षे माघ सुदि १० सोमे मे वरचाभृग
गोत्रे सं० हरपा भा० वीरादे पुत्र सं० जीवराज भार्या सूरजदे पु० जिण-
दास भार्या जीवनदे पुत्र सं० इसरदास नाम्ना श्रीवासुपूज्यविं वं कारितं
प्रतिष्ठितं श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११७४) शीतलनाथः

॥ सं० १६८४ वर्षे माह सुदि १० सोमे ग्रामेचागोत्रे उक्केशज्ञातीय सं०
जीवराज भार्या राजा नाम्न्या श्रीशीतलनाथविं वं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे
भट्टारिक श्री ५ श्रीश्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

११६६ मेडतासिटी वासुपूज्य मन्दिर

११७०

"

"

"

११७१ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

११७२ मेडतासिटी अजितनाथ मन्दिर

११७३

"

महावीर मन्दिर

११७४

"

"

"

(११७५) मूलनायकः

॥ संवत्-१६८४ माघ-सुदि १० सोमे
 श्रीधर्मनाथविं वं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीविजयदेव-
 सूरिभिः ॥

(११७६) आदिनाथः

श्रीआदीश्वर ॥ संवत्-१६८४ वर्षे माघ-सुदि १० सोमे :सं०
 हरपां भा० मीरादे तत्पुत्र सिखवी जशवंत भा० जशवंतदे तत्पुत्र सं० अच-
 लदास अचिचलः सं० आसकर्ण कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारिक
 श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११७७) शान्तिनाथः

॥ संवत् १६८४ वर्षे माघ सुदि १० सोमे संवहारया सा० मन-तत्पुत्र
 सं० नेमीदास भा० अमनदे श्रीशान्तिनाथविं वं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपा-
 गच्छे भट्टारिक श्री ६ श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११७८) अभिनन्दनः

॥ ॐ ॥ संवत् १६८६ वै० शुदि ५ नागोरवास्तव्य उक्तेः
 हादो पु० साजाकेन भा० पूरादे पुत्र तपात्रयली (?) श्रीअभिन-
 न्दनवि० प्र० भ० श्री ॥

(११७९) कुन्धुनाथः

॥ सं० १६८६ वैशा० सु० ८ पालीयास्तव्य उक्ते० बाँठियागोत्रे
 सा० सारंग भा० सोहीलालदे पु० सा० जयमल आत्मश्रेयसे कुन्धुनाथविं वं
 का० प्र० तपा० भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११८०) सुमतिनाथः

॥ सं० १६८६ वैशा० सु० ८ महाराज श्रीगजसिंहविजयमानराज्ये
 श्रीमेढतानगरवास्तव्य ओसवालजातीय सुराणागोत्रे बाई पूरी नान्दो पु०
 सं० कर्मणादिसभरिवाराय श्रीसुमतिनाथविं वं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छा-
 धिराज भट्टारिक श्रीविजयदेवसूरिभिः स्वपदप्रतिष्ठाचार्य श्रीश्रीश्रीविज-
 यसिंहसूरिप्रमुखपरिकर-परिकरिभिः ॥

११७५ मेढतासिटी धर्मनाथ मन्दिर

११७६ " " "

११७७ " " "

११७८ नागोर चोसठियाजी का मन्दिर

११७९ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

११८० मेढतासिटी वासुपूज्य मन्दिर

(११८१) आदिनाथः

॥ ॐ ॥ संवत् १६८६ वर्षे वैशा० सु० ८ श्रीमेढतानगरवास्व्य ओस-
वालङ्गातीय सुराणागोत्रे सा० तेजा भा० तेजलदे पुत्र वस्ता नाम्ना भा०
विमलादे पुत्र विमलचन्द्रेणादिसपरिवारेण श्रीआदिनाथविं स्वश्रेयोर्य
कारितं प्रतिष्ठितं पालीनगरे तपागच्छाधिराज भट्टारक श्रीविजयदेवसू-
रिभिः स्वपदप्रतिष्ठिताचार्य श्रीविजयसिंहसूरिप्रमुखपरिकरपरिकरितैः ॥

(११८२) चिन्तामणि-पार्श्वनाथः

संवत् १६८७ वर्षे ज्येष्ठ सु० ४ गुरौ सं० हर्षा भार्या मनरंगदे पुत्र
सं० नैसीदास सं० सामीदास सं० विमलदासप्रमुखैः श्रीचिन्तामणिपार्श्व-
नाथविं का० प्र० च श्रीतपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः । आचार्य
श्रीविजयसिंहसूरियुतैः ॥

(११८३) जगवल्लभ-पार्श्वनाथः

॥ संवत् १६८७ वर्षे ज्येष्ठ शुदि १३ गुरौ मेढता वा० सं० हर्षा भा०
मीरादे पुत्ररत्न सं० जयवंत भार्या सोहागदे नाम्ना स्वश्रेयसे श्रीजगवल्लभ-
पार्श्वनाथविं का० प्रतिष्ठापितं स्वप्रतिष्ठितायां प्र० तपागच्छे भ० श्रीविजय-
देवसूरिभिः ॥

(११८४) मनमोहन-पार्श्वनाथः

संवत् १६८७ वर्षे ज्येष्ठ सुदि त्रयोदशी गुरौ सं० हर्षा भा० मीरादे
पुत्र सं० जशवन्तकेन श्रीमनमोहनपार्श्वनाथविं का० प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे
भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः । स्वपदस्थापिताचार्य श्रीविजयसिंहसूरिपरिवृतैः ॥

(११८५) मूलनाथः

॥ सं० १६८७ व० ज्येष्ठ सु० १३ गुरौ सं० जसवंत भा० जशवन्तदे
पु० अचलदासकेन श्रीविजयचिन्तामणिपार्श्वनाथविं का० प्र० तपा०
श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥ श्रीविजयसिंहसूरिपरिवृतैः ॥

(११८६) हीरविजयसूरिमूर्तिः

॥ संवत् १६६० वर्षे जेठ वदि ११ दिने गुरुवारे ॥ श्रीहीरविजय-
सूरिविं कारितं श्रीसंघेन । पातस्याहिश्रीजहांगीरप्रदत्तमहातपाविरुद्धारक
भट्टारक श्री १६ श्रीविजयदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

११८१ मेढतासिटी वासुपूज्य मन्दिर

११८२ " " "

११८३ मेढतासिटी युगादीश्वर मन्दिर

११८४ " अजितनाथ मन्दिर

११८५ " पार्श्वनाथ मन्दिर

११८६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(११८७) मुनिसुव्रतः

संवत् १६६१ वर्षे वैशाख शुदि १० गुरुवारे प्रतिष्ठितं भ० बीजा-
पतिगच्छे पूज्य श्रीगुणसागरसूरिजी श्रीधर्मपोषगच्छे श्रीकल्याणचंदसूरि
आचार्य श्रीकल्याणसागरगुरु उपदेशात् मालपुरवास्तव्य श्रीमालज्ञातीय
वृद्धशास्त्रायां मुसलगोत्रे साह सीहा भार्या प्रतापदे सुत साह । नयण भार्या
नवरंगदे भ्रातृव्य सा० हरिकरण मा० हर्षमदे सुत सा । पीया भा० जस-
मादे सुत सा । दमादर..... सु । गोपाल सा० नेमिदास स्वश्रेयसे श्रीजि-
नमयनसह श्रीमुनिसुव्रतविंशं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदेव-
सूरि.....पंडित लब्धिचन्द्रगणि प्रणमति साह मुसलेन सूत्रधार बाहा

(११८८) आदिनाथ-एकतीर्थः

सं० १६६३ व० अय० ना० पि । का । आ० स्वास् । नाम्नी तपा-
गच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः

(११८९) धर्मनाथ-एकतीर्थः

सं० १६६३ व० धर्मविंशं का । चेलाकेन श्रीतपागच्छे १२ श्रीराघव
श्रीविजयदेवसूरिभिः

(११९०) पार्श्वनाथः

सं० १६६४ वर्षे माघ सित ६-गुरौ श्रीपार्श्वनाथविं० आ० गांगवार
का० प्र० श्रीविजयदेवसूरिभिः

(११९१) पद्मचरणपादुका

॥ ॐ ॥ संवत् १६६५ वर्षे भाद्र वदि १० दिने रविवारे पुष्यनक्षत्रे
सोनीगोत्रे संघवी रायसिंघ भार्या सूरमदे तत्सुत्र सं० माहण संघवी धर्ममान
अमरसिंघ श्रीआदिनाथ पादुका कारितं प्रतिष्ठितं प० तेजहंसगणिभिः ।
अमणसंघाय कल्याणमस्तु । श्रीचन्द्रप्रभपादुका भीरस्तु श्री । श्रीशांतिनाथ
पादुके सातन (?) कल्याणमस्तु । श्रीनेमनाथ पादुकेभ्यो नमः । श्रीपार्श्वनाथ-
पादुकेभ्यो नमः । श्रीमहावीरपादुका कल्याण ।

११८७ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. मूलनायक

११८८ जयपुर प्रतापचन्द्रजी दृष्टा गृहदेरासर

११८९ " " " " "

११९० " " " " "

११९१ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(११६२) कुन्धुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६६६ वर्षे मृगशिर सुदि १० रवौ उपकेशज्ञातीय लघुशाखायां
बुरागोत्रे फुमाणगोत्रे वाई जेलमदे पुत्र ठाकुरसी राइसिंघ श्रीकुन्धुनाथविं
कारापितं श्रीतपागच्छे गुरु श्रीविजयदेवसूरितत्पद्मे विजयशिवसूरि प्रति० ।

(११६३) संभवनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६६७ वर्षे माघ सित ६ गुरौ । संभवनाथविं । आ० धर्माई
का० प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११६४) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६६७ फा० सु० ५ वृद्ध० श्रीमाली श्रीचेतन । दि० नव श्रीपा-
र्श्वविं का० प्र० भ० श्रीविजयदेवसूरि

(११६५) मूलनायकसिंहासने

॥ सं० १६६८ वर्षे भा० शु० पूर्णमासी तिथौ कृष्णगढ वा० मोहनोत
रायचंद त्रैलोक्यप्रसादपरिकरयुतेन श्रीपार्श्वनाथमूर्तिः सपरिकरः कारितः
श्रीतपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिपट्टालङ्कारहार भट्टा० आचार्य श्री-
विजयसिंहसूरीणामुपदेशेन नित्यमंगलं ॥ शु० ॥

(११६६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १६६६ व० वै० सु० ६ दि० सर.....
श्रीशान्तिनाथविं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसिंहसूरिभिः ॥

(११६७) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १६६६ व० माघ व० १ गुरौ द नगर (?) वीचुहसगो० श्रीय
सा० तेजाकेनयेन श्रीसुविधिनाथविं कारितं प्र० भ० श्रीतपागच्छे
श्रीविजयदेवसूरि आचार्य श्रीविजयसिंहसूरियुतैः ।

११६२ नागोर बड़ा मन्दिर

११६३ जयपुर प्रतापमलजी ढढा गृहदेरासर,

११६४ मसूदा पार्श्वनाथ मन्दिर

११६५ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर. मूलनायक

११६६ नागोर बड़ा मन्दिर

११६७ जयपुर पार्श्वचन्द्रगच्छ उपाश्रय

(११६८) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १६६६ व० फा० व० २ तिथौ सा० पुरुषाकेन शीतलनाथविं
प्रतिष्ठितं गच्छे आचार्य श्रीविजयशान्तिसूरिभिः ॥

(११६९) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १७०० व० द्वि० चै० सित० गुरौ गुलकुंदावा० सा० मेघाभा०
मोहणादि सुत सा० नानजी नाम्ना श्रीमुनिसुव्रतविं का० प्रतिष्ठितं तपाग-
णाधिपति परमगुरु भट्टारक श्रीविजयसेनसूरिपट्टालंकार श्रीपातिसाहिश्री-
जहांगीरप्रदत्तमहातपाविरुद्धधारि श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥ श्रीतिलगदेशे ॥

(१२००) कुन्थुनाथः

संवत् १७०० वर्षे माघ सित द्वादशी बुधे योधपुरवास्तन्य बृहदुकेश-
ज्ञातीय मुद्गणोत् सा० हूंगरसी भार्या कोडिमदे पु० सा० सकर्मणकेन
जिणदास अक्षयराज सुतयुतेन श्रीकुन्थुनाथविं कारितं । प्रतिष्ठितं तपा-
गच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरि आचार्य श्रीविजयसिंहसूरिनिर्देशात् ।
उपाध्याय श्रीधर्मचन्द्र.....



११६८ नागौर बड़ा मन्दिर

११६९ मेढ़तासिटी युगादीश्वर मन्दिर

१२०० लखमणगढ़ ऋषभदेव मन्दिर

परिशिष्ट १

सम्यन्वित लेखों के आधुनिक ग्रंथि स्थान—



- अजयगढ़ मन्दिर २३८, ४६५ ।
- अजमेर संभवनाथ मन्दिर ४५, ११८ २३०, २५६, २७२, २७८, २८१, ३२६, ४१४, ४५०, ४६०, ४६५, ४७२, ४७४, ४६३, ६४६, ७४०, ८४४, ८६३, ६०३, ६०४, ६३५, ६८०, १०६८, ११२०, ११७१ ।
- अजमेर गौडीपार्ष्णनाथ मन्दिर ६५२, ११०१, ११६२ ।
- अजमेर चन्द्रप्रभ देवासर ६६७, ८२० ।
(वेद मुहूर्तों का)
- अजमेर आदीश्वर मन्दिर ११६५ ।
(भद्रगणियों का)
- अजमेर विमलनाथ मन्दिर २३२, २६३ ।
(कैमरगंज)
- अजमेर म्युजियम (मेजिन) १, ६, ८, १८, ३४, ३८, ३६, ४५, ६५४, १०२४, १०३८, १०४७ १०६६, १०६७, १०६८ ।
- अलाप गान्तिनाथ मन्दिर २१८, २२० ।
- आलामुसा (मुजरात) शायु- २१५, २६२, ६३३, ६६० ।
पुष्पमन्दिर
- आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर १४८, १६३, २४६ २६६, ३३६, ३४८, ३४६, ३४०, ३४४, ३४८, ३६३, ४२३ ४२६, ४४१, ४४८, ४४८, ४४६, ६२४, ६२८, ६६४, ७८०, ७८५, ८३२, ८४८, १००२ ।
- आमेर आदिनाथ मन्दिर २३५, २६०, ३८३, ४३७, ४३३, ४३१, ४८३, ७२२, ६८४ ।
- दिगनगढ़ विन्नामनि पार्श्व- ६६, १६५, १७७, २३६, २६६, ३५२, ३५३, ४५४, ४८०, ४८५, ४४४, ४६६, ४६२, ६३६, ६३६, ६३६ ।

६७६, ७०६, ७३५, ७६५, ७९८, ८३४, ८०६,
८२६, ८३१, ८६३, ८६३, १०१८, १०६२,
१०८६, १०८७, ११५६, ११७६, ११६५ ।

किसनगढ़ आदिनाथ मन्दिर ३१८, ३६६ ।

किसनगढ़ शान्तिनाथ मन्दिर ८५१, १०७५ ।

किसनगढ़ खरतरगच्छ उपाश्रय १३६, १६०, २५४, २६४, ४१८, ४४८,
७२२, ८४३ ।

किसनगढ़ यति स्वरूपचंद जी ११, १४४, ७६३, ८५७, १००३ ।

का उपाश्रय

कुचेरा (जोधपुर) चिन्तामणि १०६४ ।

पार्श्वनाथ मन्दिर

केकड़ी (मेरवाड़ा) चन्द्रप्रभ ५७, २१७, ४२७, ५१२, ७८८ ।

मन्दिर

कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ ६८, ८१, १००, १०१ १५७, २४०, २४४,
मन्दिर ३३४, ३७८, ३८७, ३६८, ४०६, ४३१,
४४६, ४८१, ५०६, ५५७, ५७६, ६४३,
६६५, ६६६, ७६८, ८००, ८२१, ८४०,
८८०, ८६६, ८२७, ८३४, ८५३, १०२१ ।

कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

८७, १३७, १४६, ३४५, ३५६, ४११, ५२२,
५४०, ५८४, ५६०, ६२१, ६३५, ७६२, ८०५,
८६२ ।

कोटा माणिकसागर जी का १२६, २१२, २३४, २३७, २४८, २६५,
मन्दिर २८६, ३७१, ३८४, ४००, ४४४, ४७१,
४८७, ५०२, ५०३, ५४७, ६०४, ६३८,
६६२, ६६६, ७३०, ७३६ ७५५, ८६८,
८१०, ८२०, ८२६, ८६१, १०११ ।

कोटा सेठजी का गृहदेरासर ३००, ८६०, ८६१, १००७ ।

खजवाना (जोधपुर) धर्मनाथ ४३०, ८१६, १११६ ।

मन्दिर

खोह (जयपुर) चन्द्रप्रभ मन्दिर ६७४, ८६५ ।

गलियाकोट संभवनाथ मंदिर	१०३२, १०३३, १०३४ ।
गागरह (जयपुर) आदिनाथ मन्दिर	१२६, २७०, ३३३, ३५५, ७२६, ७४७, १००४, १००८, १०८४ ।
गोगुलाय (जोधपुर) कुन्युनाथ मन्दिर	६६३ ।
गोविन्दगढ़ (जोधपुर) पार्श्व-नाथ मन्दिर	६६१ ।
चाहसू (जयपुर) आदिनाथ मन्दिर	२१, ४०२, ५१०, ५३४, ६१२, ८१२, ११६६ ।
चाहसू (जयपुर) शान्तिनाथ मन्दिर	२८८, ६४७, ६५२ ।
चोय का घरवाड़ा (जयपुर) महावीर मन्दिर	१५६, ३२५, ५६७, ८६२ ।
चन्दलाई (जयपुर) शान्ति-नाथ मन्दिर	४५२, ५३०, ६६०, ६२३, १०४६ ।
जड़ाऊ (जोधपुर) पार्श्वनाथ देरासर	२७७, ५१६, ७७०, ८५६ ।
जयपुर पञ्चायती मन्दिर	४७, ७७, ८५, ८६, ६२, ६३, १२५, १३२, १३३, १४१, १५४, १६५, १८७, १६७, २००, २४१, २४७, ३०४, ३१४, ३१७, ३२७, ३४६, ३६५, ३७६, ३७६, ३८२, ३६६, ४०७, ४१०, ४३४, ४४१, ४४७, ५३३, ५५१, ५५३, ५७१, ५७५, ५६६, ६१५, ६१६, ६२३, ६२७, ६३२, ६३६, ६५६, ६८२, ६८६, ६६६, ७०१, ७१४, ७१६, ७३४, ७५६, ७५७, ७५८, ७८३, ७८७, ७६७, ८०६, ८१४, ८१५, ८१६, ८३७, ८५३, ८७४, ८६६, ६१६, ६४६, ६८६, ११००, ११३५, १०४०, १०५१, ११६१, ११६३, १०६४ ।
जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर	८४, १४०, १५८, २२१, २७६, २८३, २६४, ३०६, ३३५, ३७५, ४०८, ४१२, ४७२,

५२८, ५२९, ५४९, ५६२, ५७८, ६७२,
६८५, ७४३, ७७६, ७९९, ८१७, ८३०,
८५७, ८८३, ८९०, ८९१, ९००, ९०५,
९११, ९१८, ९४२, ९६७, ९७४, ९७७,
९९७, १०१०, १०२३, १०२६, १०६३,
१०७२, १०७३, १०८१।

जयपुर पार्श्वनाथ मन्दिर १८६, ४८०, ६११, ७२३, ८८४, १०२२।
(श्रीमालों का)

जयपुर आदिनाथ मन्दिर २६०, ३३२, ६४४, ७९४, ८२८, ९०६,
(नया मन्दिर) ९६०, १००१, १०२५, १०३५।

जयपुर विजयगच्छीय मन्दिर २५, २६७, ४६२, ६३३, ८५८, ८७०, ८८२,
१०६५, १०८५, ११०२।

जयपुर पार्श्वचन्द्र गच्छीय १४, ७६, २७९, ३८१, ४२८, ४३३, ४५०,
(उपाश्रय) ४५८, ४६२, ७४१, १११७, ११६७।

जयपुर यतिश्यामलालजी का ७०६।
उपाश्रय

जयपुर लीलाधरजीका उपाश्रय ५८०।

जयपुर गुलाबचन्दजी ढुङ्गा ६४६।
गृहदेरासर

जयपुर प्रतापमलजी ढुङ्गा गृह- ६४६, १०२०, १०४५, १०६७, ११५६,
देरासर ११८८, ११८९, ११९०, ११९३।

जयपुर नथमलजी का कटला ७१३।

जयपुर पुंगलियों का मन्दिर ४०, ६३०, ८४३, १०१२, १०१६, ११५५।
(स्टेशन पर)

जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर (घाट) ३४३, ३६२, ४२०, ५२५, ५५६, ६२५,
६४५, ६८७, ८३१, ११०५।

जयपुर पार्श्वनाथ मन्दिर (श्री- ६६, १०७, १२४, २५२, १०४३।
मालों की दादावाड़ी)

जयपुर मोहनवाड़ी ८८६।

जूनिया (मिरवाड़ा) २८५, ३६७, ५४४, ६००, ६०५, ६८०।

जोमनेर (जयपुर) चन्द्रप्रभ १६६, १६६, ८२६, ९८४।
मन्दिर

झूटा (जोधपुर) पार्श्वनाथ ४७५ ।

मन्दिर

टोडायासिंह (जयपुर) नेमि- ६५, ८२, ८३, २३१, ४३६, ५८१, ६८४ ।

नाथ मन्दिर.

डग (मध्यभारत) ऋषभदेव ६२०, ७०७, ७०८ ।

मन्दिर

डग (मध्यभारत) पद्मप्रभ ३३८ ।

मन्दिर

दांतरी (जयपुर) आदिनाथ ४६३ ।

मन्दिर

दाहोद (गुजरात) पार्श्वनाथ ३६१, ४७४, ५५८, ६६०, ७६७, ८८७,

मन्दिर १०१५ ।

धामनोद (मध्यभारत) ऋष- २५० ।

भदेव मन्दिर

नागोर बड़ा मन्दिर (ऋषभ- २, ७५, १०३, १०८, १८२, १८३, १८४,

देव जी का) २०८, २१३, २१६, २२३, २८०, २६३,

२६८, ३०१, ३१३, ३१५, ३२६, ३३०,

३४०, ३८५, ४१७, ४२२, ४३७, ४४३,

४४५, ४५६, ४७६, ४८६, ४८८, ४६४,

४६७, ५०५, ५१४, ५१८, ५४३, ५६३,

५७०, ५८५, ५८६, ६०१, ६०३, ६०७,

६०८, ६१८, ६४१, ६५०, ६५६, ६६१,

६६५, ७०३, ७१७, ७१८, ७२८, ७३१,

७४४, ७४८, ७५३, ७७१, ७७२, ७७३,

७७५, ७८०, ७८१, ७८५, ८१६, ८१८,

८४१, ८६६, ८८५, ८८७, ९०२, ९६०७,

९०८, ९१७, ९३३, ९४०, ९५१, ९५८,

९६१, ९६२, ९६६, ९८३, ९८८, १०१४,

१०३०, १०३६, १०४१, १०४२, १०४६,

११०८, ११०६, १११८, १११६, ११२०,

११२१, ११२२, ११२३, ११६२, ११६६,

११६८ ।

नागोर आदिनाथ मन्दिर (ही- २२२, ६१४, ७५१, ७६१, ७६२, ८७१,

रावाड़ी) ८७२, ९७२, ९६४, ९६५, ११२४ ।

नागोर चौसठियाजी का मंदिर १३, १५१, १५५, १७३, १६४, २१४,
३८०, ५२०, ५३०, ६८८, ६६४, ६६४,
१११४, १११५, ११७८ ।

नागोर शान्तिनाथ मन्दिर ७०, २८२, ३७४, ७०२, ८३६, ६२४, ६३० ।

नागोर सुमतिनाथ मन्दिर ७४५, ७८४ ।

(बगीची)

नागोर चन्द्रप्रभ मन्दिर (सम- ६०६ ।

दड़ियों का)

नागोर दादावाड़ी १०२६ ।

नागोर यति मुकनसुन्दरजी का १६, १३८, १०६३ ।
उपाश्रय

नागोर यति गोपजी का उपाश्रय ६५६ ।

नागोर महात्मा जेठमलजी का ८०६, ६१३ ।
उपाश्रय

नागोला (मेरवाड़ा) कुन्थुनाथ ३४१ ।
मन्दिर

पचेवर (जयपुर) धर्मनाथ मंदिर ५२४ ।

पनवाड़ (जयपुर) महावीरमंदिर ३५१, ६५५, ७२५ ।

पापड़दा (जयपुर) शान्तिनाथ ३, ४१, ५६, ८१, १२१, ५२६, ५७६, ६२८,
मन्दिर १००० ।

पीपलिया (जोधपुर) शान्ति- ६६६ ।
नाथ मन्दिर

वहेलार (गुजरात) अजित- १७१, ७१६ ।
नाथ मन्दिर

वामणवास (जयपुर) सुमति- १४५, १०६० ।
नाथ मन्दिर

विलाव (जोधपुर) शान्तिनाथ ४६३, ४६५ ।
मन्दिर

वीवड़ोद (मध्यभारत) ऋष- ४४२, ४८५, ८५४ ।
भदेव मन्दिर

वून्दी पार्श्वनाथ मन्दिर ८०, १४७, १८१, २१०, २७१, ३२८, ४३८,
४६८, ५११, ५१३, ७०५, ७३८, ७५६,
७६४, ७७४, ६६८ ।

वृन्दी ऋषभदेव मन्दिर ३६६, १०१३ ।

वैतेड (जयपुर) विमलनाथ ३७, ४२१, ६६८, ७४२, १०४८ ।

मन्दिर

भानपुरा (मध्यभारत) पार्श्व- ६६ ।

नाथ मन्दिर

भिनाय (मेरवाड़ा) केसरिया- ३०३, ३६२, ५०६, ५३६, ६१०, ६२६,

नाथ मन्दिर ७१०, ७८२, ८७७ ।

भिनाय (मेरवाड़ा) महावीर ४६, ११३, २६६, ३११, ३६३, ४०६, ४२४,

मन्दिर ५०४, ५७७, ६१६, ८४२, ८४६, ६४४ ।

भैसरोडगढ़ (मेवाड़) ऋषभ- ३३, २०१, ३२३, ३३१, ४०१, ४३२, ४५७,

देव मन्दिर ४६०, ६४२, ६७१, ६७१, १०१७, १०७४ ।

महुवा (जयपुर) नेमिनाथ मन्दिर ११६, ४७६ ।

मसूदा (मेरवाड़ा) पार्श्वनाथ- ६१३, ६६८, ११६०, ११६४ ।

मन्दिर

माउन्ट आबू द्वारिकानाथ ६७६ ।

मन्दिर

मालपुरा (जयपुर) ऋषभदेव- ६२, ७६, ८८, १०५, १३१, १६२, १८५,

मन्दिर १६१, २११, २८६, २६०, ४०४, ४५६,

५६८, ७२४, ८६५, ६४७, ६८१, ११०३,

११६८ ।

मालपुरा (जयपुर) मुनिसुव्रत १०, २२, २३, २६, ४६, ६३, ६४, ८६,

मन्दिर ११४, १२०, १४२, १४६, १५०, १५३,

१७२, १८८, १६०, १६२, १६५, २०२,

२०६, २२४, २२५, २३६, २५१, २५७,

२५८, २६७, २६८, २७३, २८४, २६५,

३०५, ३०८, ३०६, ३१२, ३२२, ३३७,

३८८, ३६५, ४१५, ४२३, ४६६, ४८६,

५०८, ५५०, ५८८, ६३७, ६७०, ६८६,

७३७, ७६६, ७६६, ८२५, ८७५, ६२५,

६३२, ६३६, ६७५, १०७६, ११०७, ११५८,

११८६, ११८७, ११६१ ।

लक्ष्मणगढ़ ऋषभदेव मंदिर १२०० ।

वजीरपुर (जयपुर) मल्लिनाथ १०८६ ।

मन्दिर

वरखेड़ा (जयपुर) आदिनाथ १३५, ६५३, ८६४ ।

मन्दिर

वहियल (गुजरात) पार्श्वनाथ १८७, ६५४ ।

मन्दिर

सरधना (मध्यभारत) पार्श्व- ५०, ८२३ ।

नाथ देरासर

सवाई माधोपुर (जयपुर) वि- ७४, १०८, १३६, १६१, १८६, २१६, २२८
मल्लिनाथ मन्दिर २५३, २७६, २९६, ३१६, ३४२, ३६४,
३६६, ३८६, ४२६, ४३६, ४६६, ४६६,
४००, ४१७, ४६४, ६०२, ६३१, ६५४,
७४६, ७४२, ७६१, ८०२, ८३६, ८४४,
८६३, ८७३, ८७३, ८८२, ८८२, १०८२,
१०८८ ।

सागोदिया (मध्यभारत) ऋष- १८०, ७३२ ।

भदेव मन्दिर

साधां (जयपुर) पार्श्वनाथ २४४, ३२०, ३८६, ६६३, ७८६, ८७६ ।

मन्दिर

सांगानेर (जयपुर) चन्द्रप्रभ ३४६, ३६१, ४६७, १०४०, ११२४ ।

मन्दिर

सांगानेर (जयपुर) महावीर ४, २७, ३१, ४३, ५१, ५२, ७२, ८७, ६८,
मन्दिर १०२, ११०, १११, १२७, १३४, १३४,
१७८, १६३, १६६, २२६, २३३, २४३,
२४६, २४४, २६१, २७४, २८१, ४०३,
४३४, ४४४, ४६०, ४६४, ४६६, ४८४,
४६८, ४१४, ४१६, ४३७, ४४१, ४४२,
४४४, ४४६, ४६४, ४६६, ६२२, ६२६,
६७७, ७७७, ७७६, ८०१, ८१३, ८२०,
८२६, ८४४, ८८१, ८८८, ८०१, ८२२,
१०४४ ।

सांगानेर (जयपुर) दादावाडी १०७० ।

सांभर (जयपुर) पार्श्वनाथ ७२०, ७२६, ८०७, ८२४, ८३८ ।

मन्दिर

सिरोही आदिनाथ मन्दिर ४, १५, ३६, ४२, ५३, ५४, ५६, १०६ २०६ ।

सिरोही अजितनाथ मन्दिर ७, ६, १२, १७, १६, २०, २८, ३२, ४४,
६०, ६०, ११२, ३०२, ३२४, ४७०, ४६१,
५२१, ५२३, ६०६, ६४६ ।

सिरोही भैरुपोल जैन मन्दिर ७८, ६६, ६५१,

सैमलिया (मध्यभारत) शान्ति- १६८, १७६, ३७७, ५६१, ७६० ।

नाथ मन्दिर

सैलाना (मध्यभारत) ऋषभ- ४१६, ८३५ ।

देव मन्दिर

सैलाना (मध्यभारत) मुनिसु- २४, २०३, ५०१, ५०७, ६३४, ८२२, ६६६ ।

व्रत मन्दिर

सोजतरोड (जोधपुर) पार्श्व- ५८२ ।

नाथ मन्दिर

हरमूली (जयपुर) पार्श्वनाथ ६४, १७०, ७७८, ७६०, १०२८ ।

मन्दिर

दिन्डोन (जयपुर) श्रेयांसनाथ ७१, २२६, ६६७, ८०८, ८३३, ६१५,
मन्दिर १०६१, १०६२ ।

परिशिष्ट २

—लेखों में आये हुए गच्छों के नाम—

अञ्जलगच्छ

१६०, १७१, १७४, १६४, २०३, २८०,
२८१, २८७, २६६, ४५०, ४६०, ५१०,
५४७, ५६१, ५६६, ५६७, ६१७, ६३६,
६३८, ६४१, ६८८, ६६२, ७००, ७३१,
७४७, ७६२, ८१४, ८५८, ८८६, ६७४,
१००१, १००४, १०६५, १०८२, ११००,
११०१, ११०२ ।

आगमगच्छ

२१५, ४२०, ५३१, ५७२, ६३६, ७४५,
८८७ ।

उपदेशगच्छ

६४, १२६, १३१, १३७, २०४, २०५, २२०,
२२६, २५४, २७२, २६४, २६६, ३१६,
३२०, ३२७, ३४३, ३४४, ३६२, ३७१,
३६३, ४१०, ४१७, ४२४, ४३२, ४३५,
४३७, ४३६, ४७६, ४८१, ४८७, ४८८,
४६२, ४६७, ४६६, ५१५, ५३६, ५७१,
५८२, ५६३, ६०४, ६०७, ६४७, ६५०,
६७१, ६६३, ६६४, ७३०, ७४६, ८२२,
८२६, ८५४, ८६०, ६०३, ६०५, ६२५,
६३३, ६५३, ६८८ ।

कडुआमतिगच्छ

११६३, ११६४ ।

कृष्णार्पिगच्छ

२११, ३५१, ६४८, ७८२ ।

कृष्णार्पितपापच्छ

२४१ ४१६, ६५६, ७२२, ७८० ।

कोमलगच्छ

७७० ।

खडायथगच्छ

५६ ।

स्वरतरंगच्छ

६४, १५५, १५७, १७८, १६२, १६७, २००,
२०१, २०८, २५०, २५८, २७५, २७६,
२७७, २८५, २८६, २६८, ३००, ३१२,
३१३, ३३५, ३४०, ३६४, ३७४, ३७५,
३७६, ३७७, ३८०, ३६०, ३६६,
४०४, ४०५, ४०६, ४०७, ४१२, ४१३,
४१५, ४१६, ४१७, ४४५, ४५६, ४६२,
४६५, ४८३, ४६६, ५०८, ५१२, ५१३,
५१७, ५३३, ५३३, ५३४, ५३८, ५३६,
५४०, ५४३, ५७४, ५७५, ५८५, ५८६,
५६६, ५६७, ६१२, ६१३, ६२८, ६५४,
६५५, ६७६, ७०६, ७३४, ७३६, ७५७,
७७१, ७७२, ७७५, ७७६, ७७७, ७७८,
७६६, ८०३, ८०४, ८०६, ८०६, ८१७,
८५२, ८८०, ८८१, ८८२, ८८४, ८८८,
८६४, ८८७, ८१२, ८१६, ८२०, ८२६,
८२७, ८२८, ८३५, ८३८, ८३६, ८४०, ८४४,
८४८, ८६०, ८६५, ८७०, ८८२, ८८४, ८८६,
८८३, १००६, १०१३, १०२६, १०३७,
१०६१, १०६२, १०६३, १०६४, १०६६,
१०७०, १०७६, १०७७, १०७८, १०८०,
१०८१, १०८५, १०६४, १०६५, १०६६,
१०६६, ११०४, ११०६, ११२५, ११२६,
११२६, ११३२, ११४३, ११४४, ११४५,
११४६, ११४७, ११४८, ११४६, ११४०,
११५१, ११५२, ११५३, ११५४, ११५५,
११६१, ११६६ ।

स्वरतरंगधुकरगच्छ

८४८ ।

कोरंटगच्छ

१३४, १५६, २२८, २८६, ३०८, ३१४,
३५६, ४०८, ४२३, ४७६, ६४५, ७६८,
८०१, ८५६, ८६८, ८३६ ।

चित्रावालीयगच्छ

८६ ।

चित्रावालीगच्छ

३४६, ३७०, ३६७, ४३४, ५०५ ।

चित्रावाल धारापट्टीय
चैत्रगच्छ

६१३ ।

६२, १७५, २४६, ३२१, ३३८, ३५४, ४०३,
४८२, ४६८, ५५५, ६४२, ६६१, ७५६,
७८७, ८०५ ।

छहिरागच्छ

१०१० ।

जाखडियागच्छ

७७३ ।

जालोहरीयगच्छ

२३ ।

जीराजलागच्छ

८५५, ८६२ ।

जीरापल्लीगच्छे

२४५ ।

तपागच्छ

१५३, १८४, १६१, २०२, २०६, २१०,
२१४, २३७, २३८, २४०, २५२, २५६,
२६८, २७०, २७३, २८२, २८३, २८४,
२६२, ३०२, ३०७, ३१०, ३१६, ३२२,
३२३, ३२६, ३५८, ३६०, ३६५, ३८२,
३८५, ३८६, ३८८, ३६१, ४११, ४४२,
४५१, ४६१, ४६८, ४६६, ४७२, ४८६,
४६३, ४६४, ४६५, ५०१, ५०३, ५०६,
५१८, ५२२, ५२६, ५३५, ५४१, ५४२,
५५०, ५५४, ५५७, ५५८, ५६२, ५६३,
५६४, ५६५, ५६८, ५६६, ५७३, ५७६,
५८४, ५८६, ५६२, ५६८, ६०५, ६०६,
६०६, ६१०, ६१४, ६१५, ६१८, ६२०,
६२१, ६२४, ६३२, ६३३, ६३४, ६३५,
६४३, ६४४, ६४६, ६७०, ६७३, ६७८,
६७६, ६८६, ६६०, ७०४, ७११, ७१८,
७२७, ७२८, ७५०, ७५५, ७६४, ७६६,
७६८, ७८४, ७६०, ७६५, ८०२, ८०८,
८११, ८२७, ८३४, ८३७, ८३८, ८४७,
८६२, ८६७, ८६६, ८७७, ८६५, ८६६,
८६८, ८६६, ८०८, ८०६, ८१०, ८११,
८२६, ८४५, ८६३, ८६८, ८७७, ८६१,
८६२, ८६८, १००५, १००७, १०१२, १०१४,
१०१८, १०२२ ।

तपागच्छ	१०२३, १०२५, १०२७, १०३०, १०३५, १०३६, १०४०, १०४२, १०४३, १०४४, १०४७, १०४८, १०५०, १०५१, १०५३, १०५४, १०५५, १०५६, १०५७, १०५८, १०६६, १०६७, १०६८, १०७१, १०७५, १०८३, १०८६, १०८७, १०८८, १०८९, १०९७, १०९८, ११०३, ११०७, ११०८, ११०९, १११०, ११११, १११२, १११३, १११४, १११५, १११७, १११८, १११९, ११२०, ११२१, ११२२, ११२३, ११२४, ११२७, ११२८, ११२९, ११३०, ११३१, ११३३, ११३४, ११३५, ११३६, ११३७, ११३८, ११३९, ११४०, ११४१, ११४२, ११४६, ११४७, ११४८, ११४९, ११५०, ११५२, ११५५, ११५६, ११५७, ११५८, ११५९, ११६०, ११६१, ११६२, ११६३, ११६४, ११६५, ११६६, ११६७, ११६८, ११६९, ११७०, ११७१, ११७२, ११७३, ११७४, ११७५, ११७६, ११७७, ११७८, ११७९, ११८०, ११८१, ११८२, ११८३, ११८४, ११८५, ११८६, ११८८, ११८९, ११९०, ११९१, ११९५, ११९६, ११९७, १२०० ।
---------	---

हेकाग्रीय १४६ ।

द्विवन्दनीकगच्छ १७३, ३७२, ६५२, ।

धारागच्छ ३६ ।

धर्मघोषगच्छ ११९, १६१, १८९, २१३, २१९, २३०,
२३३, २३४, २४३, २४४, २६०, २६६,
१९१, ३२६, ३४८, ३५२, ३५३, ३८९,
४०९, ४२२, ४४९, ४७४, ४८४, ५७७,
५८१, ५९०, ६२२, ६२९, ६६०, ६८१,
६८९, ६९८, ७०२, ७१५, ७२९, ७३५,
७३७, ७५८, ७६३, ८१८, ८०४, ८१५,
८१७, ८४२, ८४७, ८५८, ८५९, ८६४,
११८७ ।

नागरगच्छ ५७ ।

नागेन्द्रकुल (गच्छ)	२२, ५८, १५१, १६७, ३६६, ६६६, ८८३, ६३१, ६४६, ६५१ ।
नागोरी तपागच्छ	८६५, १०६२ ।
नाणकीयगच्छ	६८, ८६, १३६, ३०१ ।
(ज्ञानकीय)	३४६, ३८१, ४६७, ५१६, ६७५, ६६७, ७७६, ८३२, ८४२, ८७४, ६१४ ।
नाणावालगच्छ	७१३, ७८३, ८१६, ६३०, ६३२, ६३४, ६४३, ७१२, ६३७, ।
निवृत्तिगच्छ	
पल्लीगच्छ	१६२, १७७, १८३, २६१, २६२, २६७, ४३०, ७५६, ८६३, ६०१, ६५६, ।
पल्लीवालगच्छ	४७०, ७२०, ७२३, ८२३, ६७३ ।
पार्श्वद्रुहगच्छ	१०२१ ।
पिप्पलगच्छ	५५३, ७२३, ८१३ ।
पिप्पलगच्छे तलाजीय	७७८ ।
पिप्पलगच्छे त्रिभवीय	२१७, ६४०, ६७७ ।
पूर्णिमापक्षीय	१२५, १५६, १८५, २२३, ३०६, ३६७, ३६८, ४२८, ४४८, ४६०, ५०२, ५११, ५५२, ६०२, ६२७, ६५६, ६६७, ६८०, ६८३, ७१७, ७४०, ७४३, ७६६, ७६६, ८००, ८२४, ६०६ १००६ ।
पूर्णिमापक्षे कच्छोलीवाल	५२३, ६५७, ६८४, ६८५ ।
पूर्णिमापक्षे भीमपल्लीय	५२१, ६६२ ।
पूर्णिमापक्षे वटपल्लीय	६२६ ।
त्रह्माणगच्छ	३२, ११०, १३०, १३८, १६४, १६५, ४८०, ५०५, ५४४, ५४६, ५६५, ६०१, ६३७, ६६६, ७०७, ७०८, ८४५, ८४६, ६०० ।
बृहद्गच्छ	७०, ८०, १३६, २१२, २५७, २५६, २६६, ३२५, ३२८, ३३२, ३३३, ३४५, ४१६, ४५२, ४५३, ४६६, ४७१, ५४६, ६११, ६१६, ६५५, ६६५, ६६६, ७०१, ७०३, ७३८, ७४२, ७७४, ७६२, ७६७, ८१२, ८२०, ८२८, ८५६, ८६०, ८७०, ६०२ ।

सृष्टद्वन्द्वे जीनेरावटके	४१४, १
सृष्टद्वन्द्वे जीरापलीगन्ध	४६४, १
सृष्टद्वन्द्वे जीरापलीगन्ध	३३८, ४४६, ४१६, ४२६, ४४४, ४४६, ८६१, ८६६, ८७६, ६२१, ६४२, ६८३, ६८६, १०३८, १०३३, १०३४, १
सौकरीयागन्ध	३१४, ७१४, ७१६, ६१६, १
सौकरीया सृष्टद्वन्द्वे	७२४, १
भाषदागन्ध	१६६, ३४२, ३६२, ३६३, ४०२, ४६३, ४२७, ४४४, ४४८, ४८३, ७३६, ७४१, ८१४, १
भाषदेयाचार्यगन्ध	२४, १
मीननालगन्ध	४०६, १
महाहृदगन्ध	२१०, ६०३, ६७२, ७८८, ७८९, ८३१, ६७२, १
महाहृदवसुवीरगन्ध	७४३, ३३६, ८६१, १
मन्त्रवीरगन्ध	१८१, २३६, २४८, २६७, ३३०, ३३४, ३४७, ३८२, ४४६, ४४७, ४४३, ४८४, ४८०, ४०४, ४१६, ४४८, ४४६, ४८०, ६२३, ६३०, ६६४, ६६४, ७१०, ७४८, ७४३, ७६७, ८३६, ६४०, ६६६, १
मन्त्रगन्ध	३३६, ४४१, ४४८, १
सामर्थेनीय	१८२, १
सामर्थेनीयगन्ध	४०१, ४३८, ४४४, ४४४, ४४६, ४४०, ४४०, ६६६, ७४१, ८३८, ८४०, ८७३, १
सामर्थेनीयगन्ध	७, १०, १
सिद्धगन्ध	१०८६, १०८८, १०८९, ११६८, १
सिद्धापीरगन्ध	६०८, १
सौगन्ध	४८, १
सुधागन्ध	४०६, १
सुधापारागन्ध	१६६, ६८३, १
सुधागन्ध (१)	७४४, १
सुधागन्ध	१४८, ३४१, ३६१, ७०१, ७६४, १

सिद्धान्तीगच्छ	६६६ ।
सीतरगच्छ	१८६ ।
सुर्विहतपक्ष	१०११ ।
सौधमगच्छ	१०७४ ।
संडेरगच्छे	४६, ७६, ६७, ६८, १४०, १६६, १६८, २२७, २६३, २६५, ३०३, ३०४, ३११, ३१८, ३४७, ३५०, ३६५, ४४०, ४६४, ४६१, ५२४, ५२८, ६००, ६७४, ७६३, ७८६, ७६४, ८२१, ८४६, ८८५, ८६३, ६१८, ६४६, ६६१, ६६६, ६७१, ६८३ ।
हर्षपुरीयगच्छ	८७६ ।
हारीजगच्छ	१७० ।

—लेखस्थ दिगम्बर संघों के नाम—

काष्ठासंघ	७३, १३३, १४१, २७६, ३८३, ८३३, ५५१, ६२५, ६६६, १०८४ ।
देवसेनसंघ	८७१, ८७२ ।
नन्दितटगण	२७६, ८४१ ।
नन्दिसंघ	२०७, २७८ ।
बलात्कारगण	२०७, २७८, १०१५ ।
वागडगच्छ	३८३, ५५१ ।
माधुरसंघ	३४, ३८ ८३३ ।
मूलसंघ	३७, ४५, ७४, ११७, १२०, १८७, २०७, २२६, २७८, ३३१, ६६२, ७३२, ७६१, ८५१, ६५७, १००३, १०१५, १११७, १०१६, १०२४, १०२५, १०२८, १०३८, १०४६, १०७२, १०७३ ।
लाडवागडसंघ	३६, १३३, १४१, २७६, ३८३, ८३३, ५५१, ६२५, ६६६, १०८४ ।
सरस्वतीगच्छ	२०७, २२६, २७८, ८५१, १०१५ ।

ककुदाचार्य	२२०, २७२, २६६, ३४३, ३४४, ४२४, ४३५, ४४३, ४८१, ४८७, ४८८, ४६७, ५१५, ५३६, ५७१, ६०४, ६०७, ६४७, ६५०, ७३०, ७४६, ७८५, ८०५, ८२२, ८२३, ८५३।
कमलकलशसूरि	८६६, ८९०
कमलचन्द्रसूरि	२१२, ६५६, ७७३।
कमलप्रभसूरि	५०२, ५१४, ६५५।
कमलाकरसूरि	१२७।
कल्याणचन्द्रसूरि	११८७।
कल्याणसागरसूरि	१००१, ११००, १००१, ११०२, ११८७।
कालिकाचार्य	४६३, ७३६।
क्षमासुन्दर	३७३।
क्षेमरत्नसूरि	६६६, ७५८
क्षेमहंससूरि	४६८।
गुणकीर्तिसूरि	३५७, ६५०।
गुणचन्द्रसूरि	८३।
गुणदेवसूरि	१७५, २३१, ७२३।
गुणधीरसूरि	७६६।
गुणनिधानसूरि	७४८, ७५३, ७६७, ८३६, ८७६।
गुणप्रभसूरि	११६, ८२०।
गुणभद्रसूरि	२७४।
गुणमेरुसूरि	१००६।
गुणशेखरसूरि	११४, २६१।
गुणसमुद्रसूरि	३६६, ७६६।
गुणसागरसूरि	३६६, ५२३, ८३६, ८७८, १०८६, १०६०, ११८७।
गुणसुन्दरसूरि	३३०, ३३४, ३८४, ४४६, ४४७, ४७३, ४८५, ५००, ५०४, ५१६, ५४८, ५५६, ५८०, ६२३, ६२६, ६३०, ६६४, ६६६, ६६५, ७१०, ७४१, ७५३, ८७३, ८७६, ८७६।
गुणाकरसूरि	१६७, ३४६, ५०५, ५५५, ६४२, ८०५।
ज्ञानचन्द्रसूरि	११५, ५४६, ७६२, ७६७, ८७०।

ज्ञानसागरसूरि :	७१६, ७४४; ११६८ ।
चन्द्रकीर्तिसूरि :	१०६२ ।
चन्द्रप्रभसूरि :	२५६, ७२३, ७७० ।
चारित्रचन्द्रसूरि	६६२ ।
चारित्रभूषण	८६७ ।
चैत्रसूरि	६०२ ।
जयकल्याणसूरि	६२६, ६७७ ।
जयकान्तिसूरि)	२८१ ।
जयकीर्तिसूरि	२८७, २६६, ७६२ ।
जयकेसरीसूरि	२८०, ४५०, ४७५, ५१०, ५४७, ५६१, ५६६, ५६७, ६१७, ६३६, ६३८, ६४१, ६८८, ६६२, ७००, ७३१, ७४७, ७६२, ८१४ ।
जयचन्द्रसूरि	३६०, ३६५, ३८८, ३६१, ४४२, ५२१, ५२६ ।
जयतिलकसूरि	१७२ ।
जयप्रभसूरि :	३०६, ७२४, ७६६ ।
जयमद्रसूरि :	३०६, ३६७, ४४८, ५११, ६६७, ६८२, ७६६ ।
जयमंगलसूरि	३३६ ।
जयशेखरसूरि	२२१, २३०, ४१६, ७६५ ।
जयसिंह	१०३२, १०३४ ।
जयसिंहसूरि	२४१, ४१६ ।
जयानन्दसूरि	३२१ ।
जाजिगसूरि	११२ ।
जिनकुशलसूरि	१०२६, १०७०, १०७६, ११३४ ।
जिनचन्द्रसूरि	१२४, १८५, २५८, २८५, २८६, ३१३, ३३५, ३६४, ४०७, ५३२, ५३३, ५३४, ५३८, ५३६, ५४०, ५७४, ५८५, ५८६, ६१२, ६५१, ६५४, ७०६, ७५७, ७५९, ७७२, ७७५, ७७६, ७७७, ८०३, ८०४, ८०६, ८०६, ८१७, ८२६, ८३५, ८६०, ८६५, १०१३, १०३७, १०६२, १०६३,

	१०६४, १०६६, १०७०, १०७६, १०७७, १०७८, १०८०, १०८१, १०८५, १०८४, १०८५, १०८६, १०८६, ११०४, ११०६, ११२५, ११२६, ११२६, ११३२, ११४३, ११४४ ।
जिनतिलकसूरि	४५४, ४६५, ५७५ । ७११
जिनदेवसूरि	२४६, ४८२, ५४५, ५८३, ७३६, ७५१, १०३७, १०६१, १०६६, १०७७, १०८४, १०८५, १०८६, ११६१ ।
जिनधर्मसूरि	४५६ ।
जिनप्रभसूरि	४६५, ५७५, ६६० ।
जिनभद्रसूरि	२५०, २५१, २७६, २७७, २६८, ३००, ३३७, ३७४, ३७५, ३७६, ३७७, ३८०, ३६०, ३६६, ४०४, ४०५, ४०६, ४१२, ४१३, ४१५, ४२५, ४६२, ४८३, ४६६, ५०८, ५१२, ५१३, ५१७, ५३२, ५३३, ५३४, ५३८, ५७४, ५८६, ६१२, ६५४, ७०६, ७५७, ७७१, ७७५, ७७६, ७७७, ८०३, ८०४, ८१७, ८८८, ११४३ ।
जिनमाणिक्यसूरि	६८२, १००६, १०६२, १०६३, १०८१, ११२५, ११२६ ।
जिनरत्नसूरि	७४६ ।
जिनराजसूरि	१७८, २७५, ३००, ३८०, ४०१, ६२६, ११२६, ११४३, ११४५, ११४६, ११४७, ११४८, ११४६, ११५०, ११५१, ११५२, ११५५ ।
जिनवर्द्धनसूरि	१६२, १६७, २००, २०१, २०८, २५८, ३१३ ।
जिनशीलसूरि	६६३ ।
जिनशेखरसूरि	४५६ ।
जिनसमुद्रसूरि	७७८, ८०६, ८८१, ८८२, ८८४, ६०७, ६३६, ६४८, ६८०, ६८२, १०८५, १०८६, ११६१ ।

जिनसागरसूरि	२८६, ३०६, ३१२, ३१३, ३३५, ३४०, ३६६, ४१३, ४२५, ४२७, ५४३, ८५२, ८८०, ८८८, ६२०, ११२६, ११२६, ११४३, ११५३, ११५४ ।
जिनसाधुसूरि	६६७ ।
जिनसिंहसूरि	१०३७, १०६४, १०६६, १०७७, १०७८, १०८०, १०६४, १०६५, १०६६, १०६६, ११०४, ११२५, ११२६, ११२६, ११४३, ११४४, ११४५, ११४७, ११४८, ११६१, ११६६ ।
जिनसुन्दरसूरि	२८५, ५६६, ५६७, ८५२, ८६६, ८६४, ६२० ।
जिनहर्षसूरि	५६६, ५६७, ६१३, ६२८, ७३४, ७३६, ७६६, ८५२, ८८०, ८६४, ६२०, ६६५, ६८४ ।
जिनहंससूरि	४०१, ६०७, ६१२, ६१६, ६२७, ६२८, ६३८, ६३६, ६४०, ६४४, ६४८, ६७०, ६८०, ६८६ ।
जिनेन्द्रसूरि	८४ ।
जिनेन्द्रप्रभसूरि	७२ ।
जिनेश्वरसूरि	५७, १५५ ।
जिनोदयसूरि	१५७ ।
जीवदेवसूरि	६३१ ।
जीवरत्नसूरि	१०८२ ।
तेजपाल	११६३, ११६४ ।
तेजरत्नसूरि	१०१४, १०३२, १०३३, १०३४, १०८२ ।
तेजहंसगणि	११६१ ।
दयासूरि	६७२ ।
देवकीर्ति	१०६२ ।
देवगुप्तसूरि	१३१, १३७, १६०, २०५, २१८, २७१, ६६३, ६६४, ७३०, ७४६, ७८५, ८२५, ८२६, ८४१, ८६०, ६०३, ६०५, ६२३, ६२५, ६५३ ।

देवचन्द्रसूरि	४७, १४८।
देवरत्नसूरि	५७२, ८५५, १०३३।
देवसुन्दरसूरि	१७६, १८४, १६१, २३७, ५२०, ५७०, ७४१, ७८७, १०३१, १०३२, १०३४।
देवसूरि	५०६।
देवभद्रसूरि	६२।
देवपालसूरि	५०।
देवप्रभसूरि	६६।
देवेन्द्रसूरि	६७, १४४।
धनदेवसूरि	१८२।
धनप्रभसूरि	७०१।
धनरत्नसूरि	६८७, १०३२, १०३३, १०३४।
धनेश्वरसूरि	६८, ५८८, ६७५, ६६७, ७१३, ७७६, ७८३, ८१६, ८३२, ८७४।
धर्मचन्द्रसूरि	२५३, ३३६।
धर्मतिलकसूरि	१५८, ३१५, ४१८।
धर्मघोषसूरि	६६, ८८।
धर्मदेवसूरि	१४२, १८२।
धर्मप्रभसूरि	२१७।
धर्ममूर्तिसूरि	८४, १०१०, १०११, १०६५।
धर्मशेखरसूरि	३६८, ३७३।
धर्मसागर उ०	११५६।
धर्मसागरसूरि	५६८, ६४०, ६७७।
धर्मसिंहसूरि	२६६।
धर्मसुन्दरसूरि	६२२, ८१८, १००६।
धर्मसुन्दरगणि	१००६।
धर्मसुन्दरसिद्धसूरि	८२२, ८४३, ८५४।
धर्मसूरि	१०७, ११५, २७४, १००४।
धुरसूरि	६८६।
नन्नसूरि	२२८, ४०८, ४७०, ६६८, ७२०, ७२१, ७६८, ८५६, ८३६।

नन्दीयर्द्धनसूरि	६०४, ६१५, ६४२, ६४७, ६५८, ६५९, ६६४, १०४७।
नयचन्द्रसूरि	३५१, ६०३, ७८२, ७८८, ८३१।
नयविजय	१०७४।
नरचन्द्रसूरि	८६१।
नेमिचन्द्रसूरि	१४७।
पद्मचन्द्रसूरि	१५१।
पद्मदेवसूरि	१३८।
पद्मप्रभसूरि	६६, ५४६।
पद्मशेखरसूरि	२१३, २१६, २३३, २३४, २४३, २६६, २६१, ३२६, ३४३, ५८१, ७१५, ७३५-।
पद्मानन्दसूरि	३२८, ३७६, ४२२, ४४१, ५२६, ५८१, ६२६, ६६६, ६६८, ७०२, ७१५, ७३५, ७६१, ८०४, ८१५, ८४७, ८५८, ८५९, ८६६।
परमानन्दसूरि	८०।
पार्श्वचन्द्रसूरि	५२१, ६८६।
पासदसूरि	८७५।
पासभद्रसूरि	१३६।
पासरत्नसूरि	७५८।
पुण्यचन्द्रसूरि	७०६।
पुण्यदेवसूरि	१४६।
पुण्यप्रधान	१०७८, १०८०, १०८१, ११२५।
पुण्यप्रभसूरि	२११, २४१, ८५६, ८८१।
पुण्यवर्द्धनसूरि	१०४१, १०३३।
पुण्यरत्नसूरि	६३३, ७३३, ७४३, ७८०।
पुण्यहंससूरि	७८०।
पूर्णचन्द्रसूरि	६६, २१४, २८२, ३२२, ३८२, ५१८, ५२२, ५४१, ५४२, ७०६, ८६१।
प्रद्युम्नाचार्य	५१।
प्रह्लातिलकसूरि	८६५।
प्रमानन्दसूरि	८२१।
प्रसन्नचन्द्रसूरि	७८२।

प्रेमप्रभसूरि	६६५ ।
बुद्धिसागरसूरि	१३०, १६५, ६०१, ७०७, ७०८, ८४५, ६०० ।
भट्टेश्वरसूरि	८६ ।
भानुचन्द्रगणि	११०७ ।
भावदेवसूरि	७६, ३६३, ५७६, ५८३, ७३६, ७५१, ८००, ८०१, ८१५ ।
भाववर्द्धनगणि	८८६ ।
भावसागरसूरि	४६०, १०१०, १०११ ।
भावसुन्दरसूरि	६७२, ६६६ ।
मणिचन्द्रसूरि	८५३ ।
मणिसागरसूरि	१६३ ।
मतिसागरसूरि	१८१ ।
मतिसुन्दरसूरि	४५२ ।
मनकसूरि	६७२ ।
मनसिंहसूरि	६०६ ।
मलयचन्द्रसूरि	१०३, १८६, २१३, २१६, २४३, ७१४, ७१६, ७२५, ८२६, ८५३, ६१६ ।
मल्लवादी	२२ ।
महीतिलकसूरि	२०३, २४४, २६०, ३४८, ३५२, ३८६, ५३०, ५७७, ५६० ।
महेन्द्रसूरि	५२, ८६, १०५, ११८, ४६७, ४७१, ६४३ ।
महेश्वरसूरि	६५६, ६७३ ।
माणिक्यसूरि	१५० ।
मानसागरसूरि	७२६ ।
मुनिचन्द्रसूरि	६५, ६६, ४८०, ५४६, ६१६, ६६२ ।
मुनितिलकसूरि	३२१, ३५४, ३७०, ३६७, ४०३, ५०५, ३४५, ६०२ ।
मुनिदेवसूरि	३४५, ६०२ ।
मुनिप्रभसूरि	२१०, ८४८ ।
मुनि रत्नसार	२६४ ।
मुनिसुन्दरसूरि	४३६, ४६१, ४६६, ५२६, ५३५, ५५४, ५६२, ५७६, ८६२ ।
मुनीश्वरसूरि	२५७, २५६, ३२५ ।
मेरुतुङ्गसूरि	१७१, १६४ ।

मेरुप्रभसूरि	७०३, ७४२, ७७४, ८२८, ६०२ ।
मेरुविजय	१०६० ।
यशोकुशल	१०७० ।
यशोदेवसूरि	२५५, २६१, २६२, ४३०, ७२०, ७२१ ।
यशोमद्रसूरि	६७, १११, १६८, ३०३, ५२४, ५२८, ६७४, ८४६ ।
रत्नकीर्तिसूरि	६६४, ६६५ ।
रत्नचन्द्रसूरि	४६६ ।
रत्नदेवसूरि	४८२, ७५६ ।
रत्नप्रभसूरि	६६, १६३, १७३, २५७, २६५, ३२५, ३३२, ३३३, ३६६, ७५१ ।
रत्नसिंहसूरि	५४, ३७८, ५५६ ।
रत्नरोखरसूरि	२३८, २६२, ३५८, ३६६ ३८५, ४११, ४२१, ४२६, ४४२, ४५७, ४६१, ४७२, ४८८, ४८६, ४९४, ४९५, ५०१, ५०३, ५०६, ५२६, ५३५, ५४४, ५५७, ५५८, ५६२, ५६३, ५६४, ५६५, ५६८, ५७६ ५८६ ५६१, ५६२, ६०५, ६१०, ६१४, ६१५, ६३५, ६७०, ६७८, ७५०, ७६८, ७६०, ८०८ ।
रत्नसूरि	१११३ ।
रत्नाकरसूरि	१५१, ४७१ ।
रविचन्द्रसूरि	७८६ ।
रविप्रभसूरि	८१६ ।
राजकीर्ति	६६६ ।
राजरत्नसूरि	७४२, ७७४, ८२६, ६६४, ६६५ ।
रामचन्द्रसूरि	१३६ ।
रामविजयगणि	१०६६ ।
रूपचन्द्रसूरि	५८१ ।
लक्ष्मीप्रभसूरि	३३८ ।
लक्ष्मीसागरसूरि	३५७, ५७६, ५८४, ५८६, ५६१, ५६२, ५६८, ६०५, ६०६, ६०६, ६१०, ६१४, ६१५, ६१८, ६२०, ६२१, ६२२, ६२४, ६३२, ६३३, ६३४, ६३५, ६४३, ६४४, ६४६, ६४८,

६४८, ६७०, ६७३, ६७८, ६७९, ६८६, ६८८,
६९०, ७०४, ७११, ७१८, ७२७, ७२८,
७३७, ७५०, ७५२, ७५४, ७५५, ७६६,
७६८, ७८१, ७८४, ७९० ७९३, ७९५,
८०२, ८०८, ८११, ८१८, ८२७ ८३४
८३८, ८४७, ८७७, ९१७, ९५० ।

११०७, ११८७ ।

९६८ ।

९२१ ।

१३१, १५० ।

६३ ।

३२६, ३५३, ४०६, ५८१, ६७२, ६८६, ७०६ ।

९६२, ९६८, १००२, १००५, १००७, १०१२,
१०१८, १०२५ ।

विजयदेवसूरि

१७५, ५५३, ५७८, १०७१, १०८३, ११०३,
११०७, ११०८, ११०९, १११०, ११११,
१११२, १११३, १११४, १११५, १११७,
१११८, १११९, ११२०, ११२१, ११२२,
११२३, ११२४, ११२७, ११२८, ११३०,
११३१, ११३३, ११३४, ११३५, ११३६,
११३७, ११३८, ११३९, ११४०, ११४१,
११४२, ११४६, ११४७, ११४८, ११४९,
११६०, ११६२, ११६५, ११६७, ११६९,
११७०, ११७१, ११७२, ११७३, ११७४,
११७५, ११७६, ११७७, ११७९, ११८०,
११८१, ११८२, ११८३, ११८४, ११८५,
११८६, ११८७, ११८८, ११८९, ११९०,
११९२, ११९३, ११९४, ११९५, ११९७,
११९९, १२०० ।

विजयप्रभसूरि

३१, ३४८, ३५२, ६०८, ६५७, ६८४, ६८५,
६९६ ।

विजयशान्तिसूरि

११९८ ।

विजयशिवसूरि

११९२ ।

विजयसिंहसूरि	३४२, ११५६, ११६२, ११७१, ११८०, ११८१, ११८२, ११८४, ११८५, ११८५, ११८७ १२०० ।
विजयसेनसूरि	५८, १०४२, १०४५ १०५०, १०५१, १०५२, १०५३, १०५४, १०५५, १०५६, १०५७, १०५८, १०५९, १०६६, १०६७, १०६८, १०७५, १०८६, १०८७, १०८८, १०८९, १०९७, १०९८, ११०३, ११०७, १११६, ११२७, ११२८, ११३०, ११३१, ११३५, ११३६, ११३७, ११५८, ११५९, ११६६, ११६६ ।
विद्याकरसूरि	१५६ ।
विद्यासागरसूरि	२३६, २४७, २४८, २६७, ३८४, ४४७, ४७३, ६६५ ।
विनयकीर्तिसूरि	१०७४ ।
विनयचन्द्रसूरि	१०२१, १०६० ।
विनयचारित्र	१०३२, १०३४ ।
विनयप्रभसूरि	१०४, ६६६ ।
विनयसुन्दरगणि	१०५०, १०५१, १०५२, १०५३, १०५४, १०५५, १०५६, १०५७, १०५८, १०५९ ।
पं० विमलरत्न	१०३२, १०३४ ।
विमलसूरि	५६५, ६०१, ७०७, ७०८, ८४५, ६०० ।
वीरचन्द्रसूरि	७०१, ६७५ ।
वीरभद्रसूरि	१६१, ७८८ ।
वीरप्रभसूरि	७८७ ।
वीररत्न	१०३२ ।
वीरसूरि	३४२, ३६२, ४६३, ५२७, ६३७ ।
वीराणंदसूरि	७८७ ।
वीसल	१०३४ ।
शान्तिनाथसूरि	६४६ ।
शान्तिसुन्दरसूरि	४५३ ।
शान्तिसूरि	४६, १७७, १८३, २२७, २५५, २६३, ३०१, ३०३, ३०४, ३११, ३१८, ३४७, ३४९,

परिशिष्ट ४

—लेखस्थ ग्रामानुक्रमणिका—

अइमा	५७६	कारनार	११४३
अजयमेरु	३०	कोटेल	२११
अर्बुदाचल	६७६, ११४३, ११४४	कुमरगिरी	१०२५
अवन्ती	५५७	कंदार	६२०
अहमदाबाद	६२०, ६७६, ६६६, १०४२, १०६४	कोटनगर	१०३१, १०३२, १०३३, १०३४
अहिनगर	११६०	कल्याणद	११६५
अहिमनगर	६२७	लिरहाला	२१५
आगरा	१००१, १०२२, १०६०, १०६१ १०६२, ११००, ११०१	खीमसर	६३०, ६६५
आम्लाहि	५०३	गर्दीकोलीआ	७०२
आवराणी	६२३	गिरपुर	१०३२
आहोर	२२३	गिरपुर	३६२, ५५६
आञ्जली	६६०	गुलकुल्या (तिलंगवंश)	११६६
इलाचल	६५२	गोदूया	५५२
इलादुर्ग	५०१	गोरिज	७६६
इन्द्रीय	६६१	गोल	२६६
इसनापुर	१०१५	टीका	५२६
ईटाढी	२५४	डायलाणा	६३४
उडथल	६३२	ढंगरुआ	१२२
उवखल	१०१५	चित्रकूट	२६
उहरनाला	७००	छली	२७०
उहारुद्र	७१७	जयतलफोट	६४१
करणपुर	६६०	जवाले	१०१४
कहुर	६२४	जाखडिया	२६१
काकरी	६१३	जेसलमेर	१०१३, १०६६
कावली	४२६	तिलवडी	५६५
		दीसा	३२२
		देकावाडा	७४५

दलुलि	६६१	मालवसिंग	७८७
देवकुलपादक	३६६	मांडली	६५६
देवर	४७०	मुदागपुर	२४६
देवाडा	८८७	मुण्डाडा	७०४
घार	७२७	मुन्नडा	८८६
घीथिला	५६८	मूढहिटी	८४३
नहुलाइ	६१४	मेडता	६३०, १०७७, १०७६,
नपिहाणा	६६२		११०५, ११२७, ११२८,
नरवर	३०		११२६, ११३०, ११३१,
नागपुर	६२३, ६५०, ७५१,		११३३, ११३४, ११३६,
	६६४, ११७८		११३७, ११३८, ११३९,
नालमाम	६६		११४०, ११४२, ११४३,
नांदिआ	७५५		११६२, ११७१, ११८०,
नीतोडक	७५२		११८१, ११८२
पत्तन	४४४, ८६१, ८६५ ६६६,	मेयानगर	६७७
	११०३	मेहुणा	४८०
पाचल	८३३	मोरवी	६०६
पालडी	६८६	योधपुर	११४१, १२००
पालणपुर	७८१	राजल	७२३
पाली	११७६, ११८१	रेयडी	६२६
पीपलिया	४६१	रोयठाणा	२१६
पूनाना	५५४	लहीगापडी (?)	५४६
फलवर्दिका	२६, ३०	लाट	७६८
चलहरा	७४०	लाटहद	७६
बेलाकुल	११५६	खुद्राडा	७१८
योपसिद्धि	१२०	लोलाडा	७४७
भरिजा	६५८	बडली	२८३, ७२५
माणवड	११४३, ११४४, ११४६	चण्ड	६००
भिन्नमाल	११६५	वनुरि	६३७
ममेही	२६०	मघमान	६०८
मण्डपदुर्ग	६१४, ६३५, ६४३, ६५१	विक्रमनगर	६७०
मडाहडज	६	विमलाचल	११४३, ११४४
मलारणा	६७६	वीठलापुर	६५१
महिम	१०४४		
मालपुर	११०३, ११०७, ११८७		

वीरवाडा	८३६	सारंगपुर	७६५, १०३६
वीसनगर	५५०	सींदरसीय	८०८
वीसलनगर	७८४, ८२२	संग्रामपुर (सांगानेर)	१०७०
वेरोजपुर	६१५	सिद्धपुर	४७८
वैराट	१०२३	सिरोही	६४६, १०१८
वोटीला	६४०	सीणोर	५६३
शत्रुञ्जय	१०७८, १०८०, १०६७, ११०७, ११२७, ११२८, ११३०, ११३१, ११३२, ११४३, ११४४, ११४६.	सीहा	८७७
शांवलिया	५८४	सुन्दरसीनगर	१००५
शीवापुर	८४५	सूंद्रीयाणा	६०१
श्रीमण्डपे	५८६, ८४७	स्तम्भतीर्थ	६११, ६२१, ६४५, ६६७, ६६८, १०३५, १०४५, १०७८, १०६७, ११५६.
सहुवाला	६६७	सोजति	६०८
साकर	७४३	हमीरपुर	१०२७
सागवाटक	१०६७	हर्षपुरी	५८०
सामेर	८२७	हारीज	५२, ७५६

परिशिष्ट ५

—लेखस्थ राजाओं के नाम—

अकबर	१०६२, १०६३, १०७८, १०६७, ११०७, ११२७, ११२८, ११३०, ११३१, ११४३, ११४४, ११५८.	वाहऊंग	६६
गंजसिंह	१०७६, ११८०	महामन्त्री कर्मचन्द्र	१०७०
गोविन्ददास	१०७६	मानसिंह राउल	८३३
नूरदीन जहांगीर	१०७६, १११६, ११२७, ११२८, ११३०, ११३१, ११३२, ११३५, ११४३, ११४४.	मानसिंह	१०७०
		राउलसहसमल	१०३२, १०३३, १०३४
		राजसिंह	११६१
		रायसिंह	१०८१
		सूर्यसिंह	१०७६, १०६५, १०६६

परिशिष्ट ६

लेखस्थ ज्ञातियों के नाम—

उपकेशायंश उपकेश, उपकेश, १३७, १४०, १६०, १६२,	
ओकेश, ओशायंश, ओसवा-१६६, १७२, १७४, १७६, १७८, १८२,	
लक्षा १८३, १८६, १८६, १८८, २००, २०१,	
२०४, २०५, २०८, २१२, २१६, २२०,	
२२४, २२५, २२७, २३१, २३३, २३५,	
२४१, २४३, २४३, २४४, २४५, २६१,	
२६२, २६३, २६६, २७२, २७५, २७६,	
२७७, २८०, २८१, २८४, २८५, २८६,	
२८७, २८८, २८९, २९२, २९३, २९४,	
२९६, २९६, ३००, ३०१, ३०३, ३०४,	
३०८, ३१०, ३११, ३१२, ३१३, ३१४,	
३१५, ३१७, ३१८, ३१९, ३२०, ३२१,	
३२३, ३२५, ३२७, ३३२, ३३३, ३३६,	
३४०, ३४२, ३४४, ३४५, ३४६, ३४७,	
३४८, ३४९, ३५१, ३५४, ३५५, ३६२,	
३६३, ३६७, ३६८, ३७०, ३७१, ३७६,	
३७७, ३७८, ३७९, ३८०, ३८१, ३८७,	
३९०, ३९१, ३९३, ३९५, ३९६, ३९७,	
३९८, ३९९, ४०२, ४०३, ४०५, ४०६,	
४०८, ४१२, ४१४, ४१५, ४१६, ४१८,	
४२३, ४२४, ४२५, ४२६, ४३१, ४३२,	
४३४, ४३५, ४३८, ४३९, ४४०, ४४१, ४४३,	
४४६, ४४७, ४४८, ४५०, ४५६, ४६२,	
४६३, ४६४, ४६७, ४६८, ४६९, ४७०,	
४७४, ४७६, ४७७, ४७८, ४८१, ४८२,	
४८३, ४८५, ४८७, ४८८, ४९०, ४९१,	
४९७, ४९८, ४९९, ५०१, ५०५, ५१०,	

६२०, ६३५, ६४१, ६४३, ६५२, ६५७,
६५८, ६७०, ६७३, ६७८, ६८४, ६८५,
६८६, ६९०, ६९३, ६९४, ७०४, ७०६,
७१६, ७२७, ७२८, ७४३, ७४६, ७५०,
७५१, ७५२, ७५५, ७५६, ७६५, ७६६,
७६७, ७६८, ७८१, ७८४, ७८८, ७८९,
७९२, ७९५, ७९८, ८००, ८०२, ८०८,
८११, ८२४, ८२७, ८३४, ८३५, ८३७,
८३९, ८४४, ८६७, ८६९, ८७१, ८७२,
८७७, ८८६, ८८९, ८९६, ८९८, ८९९,
९२६, ९४१, ९४६, ९६१, ९७७, ९८२,
९८७, १००५, १०१६, १०१८, १०२५,
१०४२, १०६६, ११५८, ११५९ ।

श्रीमालज्ञातीय

१०३, ११३, १२२, १३०, १५६, १६७,
१७७, १८२, २०३, २३८, २५८, २६५,
२६०, ३०६, ३१६, ३३५, ३६४, ३७५,
३८२, ४०७, ४३३, ४४५, ४५२, ४५३,
४५४, ४५५, ४५६, ४६५, ५०६, ५०८,
५३३, ५६४, ५७५, ५८६, ६१२, ६५१,
६६५, ६६६, ६७६, ६८३, ७०७, ७११,
७१७, ७२०, ७२४, ७३१, ७५७, ७५८,
७६१, ८०६, ८१३, ८४०, ८४७, ८८२,
९१३, ९२६, ९३८, ९४८, ९६०, ९८२,
९८६, ९९४, १०००, १००६, १०३६,
१०६०, १०६१, ११०३, ११२८, ११२९,
११३०, ११३४, ११३५, ११८७, ११९४ ।

श्रीश्रीमालज्ञातीय

११२, १५१, १६४, १६५, १६६, १७१,
२१५, २१७, २४६, २७०, २८३, ३६६,
४४४, ४६०, ४८०, ४९४, ५०२, ५०७,
५०६, ५३१, ५३२, ५४५, ५४६, ५५२,
५५३, ५६७, ५७८, ५९५, ६०१, ६१७,
६३६, ६३७, ६३९, ६४०, ६५६, ६७७,
६८०, ६८७, ७००, ७०८, ७१६, ७२३,

	७४०, ७४४, ७६६, ८४५, ८४८, ८६२, ८७८, ९००, ९०६, ९१२, ९२१, ९२७ ९२८, ९५५, ९६२, ९८७, ९९०, १००६, १०३५, १०६०, १०८२, ११६०, ११६३ ।
पृषड	२२१ ।
मट्टेउरा	८२१ ।
भावसार	४५८ ।
मन्त्रिदलीय	५६६, ५६७ ।
मोद	६०८, ८६१ ।
पायड	६४५, ७४५, ८८७ ।
पृष्ठहुम्बड	१०३१ ।
श्रीवीरवज्ञातीय	९९९ ।
श्रीश्रीवंश	५४७, ५६१, ६६२, ७४७, ९५१ ।
सिमठ	९१ ।
हुंघड	१८०, ३६२, ५५६, ७१२, ८४३, ८५४, ८७५, ९३७, ९६१, १०१४, १०२८, १०३३, १०३४ ।
खडोडान्वय	१०१ ।
छोहरियान्वय	१०० ।
श्रायकान्वय	२२२ ।
सोसुलान्वय	१०७ ।
—दिगम्बर ज्ञातियाँ—	
अमोतकान्वय	८३३ ।
खंडेलपाल	८५१ ।
गोमाराडान्वय	१८७ ।
नरसिंह	२७६, ९६६ ।
नागद्रह	६६२ ।
नागभट्टजातीय	४५ ।
नागर	१०२६ ।
भदान्वय	८३३ ।
सिंहपर	१२० ।
हुंघट	११७, १३३, २०७, ३३१, ३८३, ७३२, ८१०, १०१५, १०२८, १०८४ ।

परिशिष्ट ७

—लेखस्थ गोत्रों की सूची—

अजमेरा	४४७	कण्णाट	३२७
अटकर	८२१	करमदीया	३४०
अम्वाई	१०२५	काकलवाड्या	४४६
आईरी	४३७, ४८७, ७८५	काठड	३४६
आचाहमाण	५२७	काणा	४५२, ५६६, ५६७
आकदूधिया	५०८	काला	७६२
आदित्यनाग	२६४, ४८१, ४८८,	कूकड़ा	३४३
	४६७, ४६६, ५३६,	कूकड़ा चौपड़ा	५१३, ८०३, ८०४
	५८२, ६०४, ६५०,	कोचर	६३१
	६०३, ६८८	कोठारी	४१७
आम	५३६	कांकरिया	३०८, ३२६, ४१२,
आववाडिया	६१२		११०२
आसोलिया	४०२	खटवड	३५७, ४२२, ५६०,
इटोदिया	३३८		६३०, ६५०
उच्छित्तवाल	५७७, ७३७, ७६३,	खांटड	८१५
	६१७, १११६	खाटडा	२६६
उच्छवाल	२४४	खारड	५३२, ५३३, ६४८, ६८६
उत्तरसुर	२७८	खावही (खविहि)	४१६, ६५६,
उपरणमि	६७५		७३३
उसभ	६३०, ६३२	खाहड	११६
उहवडेचा	८२४	खाहरडा	३०६
उहस	८७४	गणघरचोपड़ा	११४३, ११४४,
कच्छग	२८०		११४५, ११४६,
कटारिया	७७१, ७७३, ८१७		११४७, ११४८,
कठवलिया	६२२		११४९, ११५२,
कठियारा	१०८६, १०८७		
कनउज	२७७		

गदहिया	८६०, १०५०	छीछोढी	८६३
गहिलडा	३३०, ४४६, ६६५, ६०६, १०२२, १०६३	छोहरथा	३४५
गान्धी	४६०, ५८०, ८५८, १०११, १०३३, १०३४,	जैडिया	३५१
गुहचचा	६१६	जाइलवाल	२६०, २८२
गूंगलिया	२२७, २६३,	जाण्डलवाज	७६४
गोदुड	१६१	जावड	३५५, ४१६
गोलवेच्छा	१०७६	जालोरा बहुरा	५५५
गुहिलवाल	७८८	जावडा	१३६
गुंदोचा	५०५	जूनीवाल	५७५
घाघ	३३४, ४७३, ५००, ५१६	जोहाणेचा	६६७
चढचह्या	४५३	टप	१६८, ३४७
चण्डालिया	१८१, १६३, २३६, २४७, २४८, ३८४, ४८५, ५०४, ७४८, ६२७, ६२८, ११२६	टाँक	६८२
चणगीया	७४१	ठाकुर	६५१, ६४३
चाण	२०४	डागीय	२४१
चिणालिया	३३५	डागा	३००, ३१७
चीपू	७५१	डाँगी	२११, ७२२
चीचट	२२०, २७२, ४२४, ६६३,	ढोडावत	१७७, ४३३, ७२०
चूँपड	८२६	ढीवडडा	३७०
चोपडा	७५८, ८४०,	डूँगरिया	३८२
चोरवेडिया	५६३, ११०८, ११०६,	डेडाणा	५४४
(चोरडिया)	१११७, ११२०, ११२२, ११२३, ११३२, ११६६.	डोमेल	५५
चोवलदग	८५३	दोर	४०७, ६६०, ६६१
छाजहड	४५६, ७७२, ८०६, ६०१, ६७३, १०४४	तातरहीला	६६५
छाहड	४३०	तातहड	५७१, ६०५
		तेलहर	३८१, ४६७, ६८५
		थामलेचा	७१३, ८१६, ८४२
		थिरुत	३४८
		थूल	४८३, ४६६, ५८५
		दरडा	३७६
		दूगड	२५७, ३६४, ४६६, ५७०, ७०३, १०४१, १०६२,
		दुसाम	२६७
		देसलदर	१०६७

देल्हाशाखा	१२६	पीपाड़ा	४६८, ४७०, ८६३, ६५६
दोसी	४४२, ८८८, ८८८	पूगलिया	६१८
दोसीवोहड़	६२०	पोसालिया	२८६, ८०१
धनाणेचा	८५६	फोफलिया	७२६, ७६१, ७७६
धरकट	३३२	वगुलिया	६६६
नउवीया	५६४	वडाहडा	२१४
नगडियाना	३०३	वलहि	५१५
नवल	४६५	वरहडिया	३२५, ३३३, ७४२, ६७४
नवलखा	२००, ३१२	वन्म	२६२, ७६७, ८३६
नहुनेचा	८००	वलाहडिया	२६२, ४५५
नाग	७७६	वहकडा	८८२
नागूणा सोमलशाखा	२५६	वहुरा	३६७, ४१५, ४२५, ४६८, ५४१, ५४२, ५७४, ६६१, ६८२, ६८२, १०८५, ११३१, ११६२
नावियाडा	८०५	वातरुणरु	४७४
नाहर	२३३, २७५, ३५२, ४०५, ४०६, ४१८, ५८१, ८१८, ६६४	घापणा	२०५, २५४, ६७१, ७७७, ६२३, १०४०
नाँदेचा	३८६	वावल	६६४
परिघल	६३४	वावेल	४३८, ७१०, ७५३
प्राहोचा	३४२, ३६३, ३६६, ५८३, ७३६, १०८३, १११२, ११७०, ११७४	वाहिया	४६३
पल्हवड	७७४, ६०२	वाठिया	११७६
पहाणेचा	८६४	वूघडा	६१६
पंचुली	८६८, ८६६	वोहितिरा	७७५, ६७०, १०६४
पंचाणेचा	४०३	वोकडिचा	१८२
पाटदड	५४३	वोरोडिया	६८१, ८५६
पाताणी	११२७, ११२८, ११३४, १००६	भरटाणा	२३१
पापड	१००६	भरदव	८७३
पारिख	५१२, ६४४	वहकटा	६१२
पारेसाणी	१०६१	भण्डारी	३११, ४६१, ७८६, ६८३, ११६१, ११६२
पालडेचा	८३१	भणसाली	२६४, ३७७, ४२३, ५३८, ६१३, ६५४, ७६६
पालहड	११३८		
पाल्हाउत	५५६, ६२१, १०४३		
पहिल	५०६		

भण्डारी	६८३	लामू	८८१
भाण्डाउत	११४०	लालेण	२८७
भांडिया	६३८	लिगा	२५६, ४६३
भूरा	१४०	लिवोदिया	६६३
भेलडिया	७८३	लुणिया	६४
महता	६२६, ११०४	लूसड	२६१
महरोल	६७६	लेतिया	२५५
मंडलेचा	५१४	लोढा	२३६, २४०, २८६, ३२२,
मंडोपरा	२३४		३२८, ३८६, ३६७, ४१३,
मंडोरेचावहुरा	७२५		४३१, ५१८, ५२०, ५६६,
मन्त्रीधर	७१२, ६३७, १०१४		६११, ६६८, १००१, १०३७,
मादडेचा	८६०		१०६५, १०६६, १०७७,
मालू	३७४, ४६२		१०६४, १०६५, १०६६,
माण्डलेचा वूहरा	६५५		११००, ११०१, ११०५,
मांडुत्र	३५६	लोलस	३४६
मूठिया	४४५	यच्छरा	५४८
मुया	६२६	यडालम्बिया	३६५
मुसल	७५८, ११३०, ११८७	बॅलेवेट	३५३, ७१५
मुहतिचाण मुण्डोड	६८४	घंढाला	८८५
मूंधा	६७८, ६७६	घलटउण	७१४
मुण्डलेह	६२८	घरलव	६८१
मैडतवाल	८७६	बहकटा	११३५
मोहणेचा	१००७	विणेेलिया	७८२
मोहणेोत	११६५, १२००	वित्रांगच्छर	४२८
रेखाणी	२३०	विनायकीया	६६०, ८३०
रोटांगण	६८६	धीचूहस	११६७
रोहरीया	५८	वीरेचा	४३४
रोहियेय	७५६	त्रेष्टि	६७१, ४४३, ५६०, ६०७,
राव्ही	७८०		८४१, ६५३,
रांका	२८५, २६६, ३१६, ४६२,	समदडिया	११३६
	५३४, ६४७, ७६३, ८५२,	संखवाल	७०६, ६०७
	६३३	संखवालेचा	२२२, ८६८
लंडिका	१०१२	संघवी	६२६
ललयाणी	११२१	स्वयम्भ	१०१३, १०६२, १०६३,
			६६६

स्वर्णगिरिया	३६४	सुराणा	१४, २१३, २४३, ३७६,
साउल	६६६		४४१, ५२६, ६६८, ७०२,
साउलेचा	८२३		७०५, ७३५, ६०४, ६१५,
सामकठ	४०४		६४२, ६४७, ६५८, ६५६,
साली	७६८		१११४, ११८०, ११८१.
साहिजवा	६७५	सूरुआ	७३०
साहूला	३१८, ६७१	सेथाल	६७६
साहूसाख	६३६, ६६५	सोखुलान्वय	१०७
सांड	५११, ६६७, ७६६	सोढवाल	१०००
सांपुडा	१८६	सोन	८७०
साम्भरधा	७६२	सोनी	१७६, ३७८, ४०१, ५७३,
सीखनो	२७४		८६५, ६२२, ११६१
सिंघड	११०३	सोपरा	४४०
सिद्धाडिया	८२८	सीसोदिया	४६४, ७६४
सिंघी	६७६	श्रेष्ठि	२१६
सींधुड	८८४	हरियाणा	४५४
सीतोरेचा	८३२	हंगड	४७१
सुचिन्ती	३२०, ३४४, ३६३,	हींगड	४५१
	४०८, ४७६, ४८४,	हुम्ब	६३६
	६४८, ८२५, ८२६.	हुम्बड	५४६

—दिगम्बर गोत्रों की सूची—

उत्रेश्वर	८१०	नन्दकेरतर	१०३८
उत्तरसुर	२७८	परवेसइ	१०८४
कमलेश्वर	३८३	बुध	३६२, १०१५
कासिन	७६१	बोठेचा	६६६
कांकडेश्वर	१०२८	वासिल	८३३
गंगाआ	२०७	संपडिया	२७६
गिरिलव	५५१	सावड	१०४६
दानीपत	६२५		

परिशिष्ट ८

लेख्य श्रावक-श्राविकाओं के नामों की तालिका

—ॐॐॐ—

अंगरुतिमल	८३३	अजु	४१४
अजन	४७७	अजुआ	१०१६
अधकूराणी	५५१	अजेसि	६८६
अपायू	४३१	अद्दू	६६७
अभू	१०८१	अणपू	५४३
अशपल	६१६	अणभू	३५१
अकिक	२२	अणुपमदे	२७३, २६३
अफला	७८६	अणयरादे	१५१
अमयराज	२४२, ७७८, १०१६, ११७१, १२००	अश	३३४, ५५६
अगरसी	११६६	अदापाल	६०५
अच्युत	६२६	अदीना	६३८
अचलदास	५६६, ५६७, ११६१, ११७६, ११८५	अनतराम	६०८
अचला	६६३	अना	७३७
अचू	३६२, ८१५	अपाहमा	६७४
अधपादे	६७७, १००६	अचू	३६१, ५२६, ७५६, ७६१, १०६६, ११४६, ११५५
अना	२७८, ६८६, ६८६, ६५१	अभयपाज	२४२
अनादमईदे	११४३, ११४७, ११४८, ११५१	अमकू	२३८
अनाल	५८५	अमनदे	११७७
अमित	८५७	अमर	६५३, ७१३, ७७७
अना	७४३	अमरदत्त	१०१२
अजीथा	२८०	अमरसिध	११६१
		अमरसी	१०७६, ११४३—५०, ११५६, ११७१

અસરા	૩૬૬, ૪૮૨, ૬૪૪, ૬૬૧, ૭૭૦, ૮૪૪, ૮૬૪, ૯૮૪, ૧૧૪૦, ૧૧૬૧	અમ્	૪૩૩
અમરાદે	૧૧૪૩, ૧૧૪૦	અહિવિદે	૪૭૬
અમરી	૨૬૬, ૪૬૧, ૬૧૬, ૬૨૪, ૬૪૭, ૬૬૩, ૬૬૪, ૭૮૭, ૭૮૬, ૮૦૧, ૮૮૨, ૧૦૩૪	અહિવદે	૨૪૨, ૬૮૮, ૮૩૮, ૯૬૧
અમલભણદે	૮૬૩	આકા	૬૪૧
અમા	૬૦૦, ૧૦૩૬	આજા	૩૧૦
અમી	૬૬૧, ૭૬૦, ૮૩૪	આજી	૪૭૨
અમીદે	૧૭૮	આઢત	૧૦૧૦
અમીપાલ	૭૪૪, ૮૨૨, ૮૨૭, ૯૮૮, ૧૦૨૨, ૧૦૪૪, ૧૧૪૨-૧૧૪૬, ૧૧૪૦, ૧૧૪૩, ૧૧૪૪	આઢા	૬૧૪, ૬૪૨
અમૃત	૧૦૬૪	આઢૂ	૬૧૪, ૧૦૧૧
અમૃતદે	૧૦૪૪	આણંદ	૮૮૭, ૧૦૩૪
અમૂલકદે	૧૦૨૨	આણંદિ	૬૦૪
અમોલકદે	૧૧૪૦	આતા	૬૧૪
અરઘૂ	૪૨૪	આતૂ	૮૦૨
અરથૂ	૭૨૮	આદિકરણ	૧૦૦૨
અરદાસ	૧૧૧૦	આના	૬૦૩
અરપૂ	૩૪૬	આપૂ	૧૭૭, ૮૩૪
અરસી (સિંહ, સીંહ)	૪૬, ૧૪૮, ૪૧૧, ૪૧૨, ૭૭૬	આમૂ	૪૩
અરિ	૨૦૨, ૩૬૨	આંવડ	૪૬, ૬૩૬
અર્ચૂ	૪૨૧	આંવણ	૪૪
અર્જુન (અર્જન)	૨૬૪, ૩૨૪, ૩૩૩, ૩૪૧, ૩૭૧, ૪૪૩, ૪૬૬, ૪૭૧, ૪૪૬, ૬૧૪, ૬૨૪, ૮૩૩, ૯૧૦, ૯૭૭	આંવદત્તા	૨૪૨
અભિચલ	૧૧૭૬	આંવદીવી	૮૭૧
		આંવા ૧૭૮, ૨૧૭, ૩૬૨, ૪૧૩, ૪૩૬, ૬૬૦, ૬૬૮, ૮૬૮, ૮૬૦	
		આમકુમાર	૮૦
		આમરમુળયા	૪૦૮
		આમસીહ	૧૪૮, ૧૭૨
		આમા	૭૧૪
		આચલ	૧૧૦૪
		આરક	૪૨૪
		આલ્હ	૧૭૭
		આલ્હણ	૪૪, ૨૬૪
		આલ્હણદે ૧૭૨, ૨૩૪, ૩૬૪, ૪૪૦, ૪૨૪	
		આલ્હણસીંહ	૧૧૨

आरुहा	१६२, १८०, २२६, ३४६, ५४४, ७६३	अग्रसेन	५६६, ५६७
आरुदी	४११, ७६२,	उज्जल	६२६
आमकरण	१३६, ११४३-११५१, ११५३, ११५४, ११७६,	उज्जोअण	१०१
आमड	२४२	उदयकिरण	६६८
आसद	७८५	उदयमति	२०
आसधर	६०, ७४६	उदयराज	३६४
आसपाल	२७८, ५६६	उदयसिद्ध	७२, ३०६, ४६२, १०३४, १०६८, १०७६,
आसराज	१०६४, ११४५	उदसु	६८०
आसल	३६	उदिर	५६६
आनलदे	२०२	उधरण	४५, ३१५, ४७२, ७६४
आमा ४४, १०६ १६२, २०२ ४७६, ४६७, ६१७, ६०४ ६६१, ६७६, ६७८, ७१६, ७४६, ८१०, ८३८, ८०८, ८७७, ८६०, ८६१		उमकू	३६२
आमु	४७४	उमादेवी (उमादे,	१८४, २३४,
आमुरा	७४५	उमादे ।	४२४, ५६६, ५८३, ६५७, ७७८, ८२२, ८३५, ८६६, ८८५
आरुट	६६	उमा	४०६, ८२४
आइयदे	१०१२	ऊजी	७७६
अन्तयदे	८६४	उदपाल	३४२
अन्तली	६४७	उदलदे	८२८
अरिया	४०८	ऊरा	१४४, २३५, २६१, ३७१, ४११, ४२४, ४३५, ४३७, ४८१, ४८७, ७४३, ८०२, ८०८, ८१७, ८४८, ८६३, ८१३
अना	३३६, ४६३, ६३०, ७४२, ८८३, १११२	ऊरा	४१८, ४८४, ६११, ७६२
अनयदे	७४८	आममदाम	१०१२, १०१७ ११४३- ११४८, ११७१
अगा	१०७३	अममवीर	७३६
अनठभा	२११	अजतिगदे	३६६, ४४८, ४६६, ७७६, ८३८
अनठा	२ १	अजाटमदे	११४३-११४६
अनर	२१३, २३६ ४१२, ६११, ६०६	अजरमिद	१०५
अनरनाम	११७३		
अनम	४६४, ७७८		

कउरा	६६०	कण्ठादेवी	८५२, ६५१, १००६,
कउरी	६६६		१००८
ककुमा	१०१५	कर्णासी	८३६
ककुया	१०२	कर्णसी	८४८
कचरा	८६०, ८६२, १०१७, ११४३-११४६	कर्ण	४५४
कजा	१०४८	कर्णचंद	६६६, १०७०
कडुआ	७८, १४७, १८५, १८६, १८८, ३०२, ३६६, ७२६	कर्ण	६७, ८६, १०५, २११, ४७५, ४७७, ११८०
कनक	५१६, ११०४, ११४२	कर्णदास	७३२
कनकादे	१०१५, १०२५, १०३४, ११०५	कर्णपाल	१४५
कस्तुरी	४७६	कर्मा	६७, २६३, ३५४, ४०१, ४०४, ४६१, ४६४, ४६६, ६३१, ७१२, ७७३, ७७८, ७७६, ८०२, ८६३, ८६८, ६१८, ६३३, ६५६
कपूरचंद	११४३, ११४६, ११४६, ११५०, ११५४	कर्मादे	११४२
कपूरदास	११४८, ११५३, ११५४, ११६१	कर्मासीह (कर्मासी)	२३७, ३२८, ४७०, ५२४, ७१७, ८६४, ६०३, ६८१, ६६८, १०१८
कपूरदे	८६, ३८६, ४६७, ४७०, ६६०, ८६३, ६३६	कर्मादे	२५३, २६३, ३४६, ४०४, ४३०, ४६४, ६३७, ७३३,
कपूरा	११०१	कर्मा (करमी)	४३१, ४६१, ६११, ७४०, ७५८, ८०८, ८१०, ८२१,
कपूरी	१५१, ६५६, ६२३	करण	८४६
कमलराज	२२४	करणदेवी	६३
कमलश्री	४२२, ४८५	करणीसी	२३४
कमलसीह	८४८, १००८	करपू	३८३
कमला	४३२, ४७०, ६४५	करमलदे	२३८
कमलादे	३८७, ६३१, ७८३, ८३८, ८५२	करमाही	५४१
कमा	१०१५	कवरा	२४८, ३४६, ६५०
कमानस	३६	कल्याणदे	६७८, ६७६, १६३४
कमी	४८६		
कर्णा (करणा)	२३८, २५०, ४६७, ५४३, ६०१, ६२६, ६४६, ६६६, ८४०,		

कल्याणमल्ल	५५, ६६५	कालणदे	१४७
कलहण	८२, ६५, ७७४	काला	३५१, ३८८, ४८५,
कला	४७०, ६७८		४६४, ५६५, ७६०.
कला	१०७६, ११२६	कालाही	५७१
कलुआ	१७०	काली	३६२, ८१३
करमीरदे	४७०, ८६३	कालू	१८४, २११, ३५०, ३७५,
कस्तूरी	११०३		३६०, ४६७, ६३६, ६४४,
कसमे	१०६८		८२७, ६४६
कसू	६४६	किसनादे	८०३
कहा	१०३८	कीका	४८०, ५०६, ५६१
काउं (काऊं)	२०३, २०७, ३३१.	धीकी	४७८, ५५८, ५६४, ८११,
	७११ ७४३, ८६१, ६१३		८६५, ११६३, ११६४
कांकट	६४६	कीता	३८७, ५ ४, ७१८
काका	७११	कील्हगदे	४७०, ६७१, ७७३, ८२२
काच्छा	३७४	कील्हा	४०६, ८४०, ८७८
काजा	५२५, ५३६, ६३७, ८१७,	कुंअर	११०५,
	६०४, ६१८, ६७०	कुंअरपाल (कुंरपाल)	२०८ २३७
काडा	२७३		३००, ४४२,
कादा	३७४, ७२०		४६८, ६८६,
कानलदे	२०६		६४८, ६८६,
कान्हड	११४, ३०४		१००१, १०२८,
कान्हा (कान, काना, कांह)	३६		११०१,
	२०६, २५१, २६४, २६५,	कुंअरि	४६४
	२६१, ३२६, ३४८, ३४६,	कुउडि	११५
	३५०, ३८३, ४४८ ४८६.	कुदुर्कणि	१०५
	५६०, ६०८, ६६५, ६६१,	कुडिमदे	६०५, ८५२
	८३८, ८५३, ८६२, ६६४.	कुन्ति	४५६, ६६४
कान्हू	३०४, ४५२	कुन्तिगदेवि (कुंतिगदे, कुंतिगदे)	१२
कान्	६०८		४६५, ५१५, ७०४, ७१८,
काममणि	२१०	कुवेर	१०४३
कामगदे	२६८, २८३, २६०, ५३६	कुम्भल	५६२
कामा	७७६	कुम्भा	७८, ५२४, ६०१, ७८६
काम्	२०५	कुमर	१०८१

कुमारदेवि	६०	केशदेव	५६
कुमारमीह	८६	केशराज	५१०
कुमरी	३२६	केसरदे	१०३४, १०३६
कुमारदे	१०५२	केसव	५६७, ५८६, ८१८, ६५६, १०४८, १०६८
कुंरझी	४४३, ४७६	कोकट	१०७
कुंवरसिंह	१०८	कोचर	३२०
कुंरा	३०८	कोजा	११४४
कुंरादे	५२४, १०२२	कोडकी	१०४२
कुलचंद	६२७	कोडम	८३३
कुलधर	१०६, ११५, १०४८	कोडा	८३०
कुलचंद	४२	कोडिमदे	६६२, १२००
कुंश	१०१६	कोयवादे	३२१
कुशल	१६७, ८८१	कोल्हा	४५०, ७८०
कुशलदे	१०६२	कोहटा	१४
कुशला	४२२, ५५५, ५७७, ५८५, ६१८, ६६३	खरखद	१८६
कुसुमा	११३०	खरहथ	५०६, ७७२, ७६६, ६६६
कूंचा	५२४	खाख	११८८
कूडा	६७५	खाखट	६७६
कूपा (कूपा)	३६२, ५१३, ५३६, ५८७, ६६१, ८५३	खाहर	६५०
कूमा	४६२	खिसादे	६७६
कूपा	३५६, ७३४	खिबुधा	११३२
केदा	६४८	खिमसिरी (खीमसीरी)	१३४, १३७, १६२, ३३८, ८६२
केनू	१००	खीमदे	१०३३
केल्हाण	६६, १४२, १८८, ८४२	खीमधर	१०००
केल्हा (के.।)	६७, २०८, २०६, ३१६, ३२१, ३८६, ४४७, ५३६, ६७१, ६८४, ७८२, ८२४, ८६३, ६४१, ६६३, ४००, ८६६	खीमपाल	३३०
केल्ही	४००, ८६६	खीमराज (खिमराज,	१८६, २६७, ३२८, ३६४, ४४६, ५४१, ५५६, ५७३, ५७५, ६०६, १०७७
केल्हू	१६६	खीमराज, खीमराज)	३२८, ३६४, ४४६, ५४१, ५५६, ५७३, ५७५, ६०६, १०७७
केल्	३६०	खीमसी (खीमसिंह)	१३७, १५६, २११, ३८८, ६६७,

	६६४, ८८५	६६७, ६७०, ६८२, ६८६,
स्त्रीदा	१३१, ३५३, ३७४,	६६६, ७२४, ७३०, ७५३,
	५६०, ६६०, ८१७.	७८१, ७६४, ८१२, ८५६,
स्त्रीमा	१३३, १६२, २०७, २७१,	१०७६, ११११
	२६४, ३४७, ३५१, ३६५,	स्वेतादे ५८७, ६७६
	४०१, ४७२, ४८६, ५१३,	स्वेतू १२६, ५६२, ६६६, ८४०
	५५०, ५६८, ६१८, ६३६,	स्वेमलदे ६६१
	६८१, ७२५, ८०८, ८१२,	स्वेमी ४६६, ६२७, ११३८
	८४६, ८४७, ८८६, ८८३,	स्वेमाई ६२८
	८६६, ६३२, ६३४, ६६२,	स्वेमा ६८६
	६६७, ६६८, ६६२, १०२५,	स्वेमू ४४०
	१०८२, १०६२	स्वेदा १६३
स्त्रीमाई	७४१	गंगादास १०३१
स्त्रीपञ्च	४४५	गंगा १०४, ३६१, ८२२, ८७५
स्त्रीवर	४२१	गंगादे ३८६, ३६०, ४६२,
स्वेइला	६६६	६३५, ७६३, ६०७
स्वेई	६६६	गई ८४०
स्वेटा	६७६, ६१०	गउडर ११३
स्वेढा	२५३, २६४, ३५३,	गउल १२८
	४६२, ७२६	गउरदे (गउरादे,
स्वेडी	४२१	५८५, ६७१,
स्वेतलदे	४२५, ४८४, ५४३, ६६१,	गवरदे) ६८६, ७६३, ७८२
	६८६, ७२५, ७६४, ८१७,	गउरवर १०१७
	८८६, ११३८	गउरा ५७१
स्वेतश्री	६५३	गउरी ७२०, ८००, ६७५
स्वेतसी (स्वेतमिह)	४६१, ८५४,	गउर ४६१
	१०५८ १०६०, ११२७,	गउणी १६१
	११२८, ११६५	गउरदेवी ७१०
स्वेता	२०१, २२६, २३६-२३८,	गउसीरी ३३२
	२४७, २४०, २७६, ३४४,	गउा ६५, ३१७
	३६७, ३६०, ४०८, ४२५,	गउमल ६२२, १००६
	४८४, ४६२, ४६३, ४६६,	गउदेव २४
	५११, ५१६, ५६१, ६६१,	गउपति ४६५, ७६३, ८३८
		गणीया १०१२

गदा	१३८	गुणराज	२३४, २५८, ५८१,
गदु	६४७		६३१, ६४४, ८२४
गंधू	७	गुणसिरी	८६, २६१, २४८, ४१३
गमतादे	८२६	गुणा	३६३, ४१३
गयधर	५८१	गुणादे	७८०
गरीबदास	११४३-११४६, ११५५	गुणिया	६२०, ६६२
गहिल	३८	गुरदे	८०६
गांगश्री	६२५	गुरादे	४५३
गांगवार	११६०	गुरी	६५६, ८५४, ६४५
गांगा	२७७, ३८८, ४६२, ६१५,	गूंगा	६७१
	८४८, ८७७, ८६६, ६३६,	गूदा	२८८
	१०३३	गूजर	५८५
गांगी	१६५, २७६, ४३५, ५३७,	गूजरदे	१००७
	५४०, ६१६, ६४२, ६६६,	गूजरि	५७६, ५८१
	७४६, ८८७, ६६६	गेंदा	४५६
गांडा	६४२	गेला	३८७, ५४३, ६४०
गांडदसिंह	३७७	गेली	६६६
गातण	४३२	गेहला	८३३
गिना	५७७	गेहा	३६०, ४०३
गिरजू	८६६	गोइन्द	२१२, ३८७, ५४६, ५६७,
गिरधर	१०६२		६७१, ७४७, ८२१
गिरमल	१०८८	गोई	६६८
गिरराज	३८६, ४३७	गोगवदे	८८४
गीणा	३२४	गोगद	६५१
गीणाई	५१०	गोगन	५६३
गुजर	५६०	गोगा	६७, ३८६, ५६६
गुडसीआ	१०३२	गोणा	५७, ८६१
गुणदत्त	६०७	गोदा	३४७, ६४८
गुणदेवि	४०	गोधा	४८६
गुणधर	४६, ८६, ७८२	गोपा	५०४, ५५६, ६३८,
गुणपति	८१५		६७४, ८४७
गुणपाल	८४५	गोपाल	२६८, ३८३, ७४८, ११८७
गुणपालही	५७०	गोमति	७६०, ७६६, ६५५
		गोयंक	६२७

गोरआ	४८२	चउता	७८५
गोरल	२०१	चउहथ	५६८, १०१०, १०११, १०४०
गोरा	४१५, ५६६, ६२८	चतुरंगदे	१०६०, ११२७, ११२८, ११४३, ११४३, ११४६
गोरी	८३८, ८६१, ८६६, ६२७, ६२८	चत्रु	७७०
गोवल	२६६, १६२, १०८६	चन्द्र	७५, ३६४, ११०४
गोवलदेवी	१०८६	चन्द्रदेवी	४७
गोविन्द	१६, २७६	चन्दन	८
गोलण	७४	चन्द्रा	५८७
गोला (गोल्ह, गोल्हा)	१६४, २६१, ६६६, ७०६, ७४०, ८२७, ८३३	चन्दू	४, १००५
गोसल	१०७, २४८, ३०३, ३३३, ३६१, ४५३, ७८२	चाकू	१०१५
गोसा	१०७७	चपलदे	८३२
गोहा	१६३	चम्पू	११३५
गोदन्द	४५१	चमकू	५५७, ६१५, ६१६, १००६
गोईदास	११०३	चरहा	४५५
गोपाही	६०५	चहुयदेव	४६४
गोरदे	३६०	चाऊ	२४०, ७११, ७६१
गोरी	३६४, ४६६	चांगी	६६७
घंटू	६३६	चाया	३७६, ५१३, ५५५, ६७३, ७२५, ७०६, ७८६, ११३८
घटसी	१६८, ३२७, ४४०, ६८१	चाचिग	७७६
घरधति	५६७	चाथा	६६०
घाघा	२०	चांद	६८६
घोसकरा	१०३४	चांदगदे	८५७
घुघल	५२२	चांदलदे	६१६
घुइइ	५५४	चांदा	३६६, ५१६, ५७६, ६१४, ६१५, ६६६, ७१६, ७६२, ८४२, ८८६
घेल्ह	७७४	चांदि	५६०
घेसी	७०३	चांवी	३६२
घोघर	५६४, ८५२	चांदू	३७०, ७६८
चउथा	५६७	चांपइ	३४६
चउथ	७५६		

चांपलदे	५८४, ६६७, ६७२, ८६५, ९३७, ११३१	चोथा	९३६
चांपसी (चांपसिंह)	१२८, १०७६, ११३१, ११४३-११५६	चोला	१०८१
चांपा	३५६, ३६२, ४५२, ४५७, ५१३, ५३८, ५६५, ५८४, ६०१, ६२०, ६६७, ६८६, ७२५, ७७१, ७८६, ७९३, ८६५, ९०८, ९१३, ९१५, ९३७, ९४२, ९८७, ९९१, १०६२, १०६३	चोली	१०१३
चांपू	१९१, ३१५, ६०६, ६०९, ६२०, ६९१	चोहथ	७६६
चाप	७६	छपाई	८२१
चारु	३०२	छाछा	६०५
चावन	३४६, १०२३	छाजलदे	४६७
चाहड	७३, ८०, ३६४, ४६३, ५५४, ६११, ६७२, ७२२, ७५६, ८१८, ९१४	छाजू	४०४, ४६८, ४६७, ६२३, ८२८, ८४१, ११३० ३३६, ४६५, ६६२
चाहिणदै	५६२, ७२५, ७५६, ९३०	छाडा	७७४
चाहिणि	१७४	छाहड	६४२
चाहिमदे	२५१	छाहणी	४६२
चिराइत्र	७६४	छीछर	७६७
चुथा	३६६, १०८२	छीता	२६०
चूडा	५६५, ६१३ ८७७	छीहल	८०
चूणा	६२७	छूँहदेव	५५०
चूहड	८५८, ९६४, ९६५	जंगी	४४३, ६६६, १०१८, ११३६
चूहथ	५१४, ९३०, ९३२	जइतलदे	३५४, ३६०, ३६०, ४३०, ५५३, ७५७, ७८८, ९४५
चूहा	५०४	जइती	६०१, ६२०
चेतन	११६४	जइतु	८८५
चोखा	८४६, ८५८, ८७१	जइतू	५४०
चोजा	९५७	जगड	८०, १०८१
		जगडा	४५६
		जगत	६२३
		जगपाल	७२, १४५, ६०६, ६२५
		जगमाल	१६६, ४४८, ४६५, ४७१, ६१२, ९६७, ९६८, ९८७
		जगसीह	१४६
		जगसी	४०४, ५०६, ८४७, ९६७, ९६८
		जगा	५६३, ७७६, ९६१, ९६३

जता	५६३	जसद	२३३
जदू	११३६	जसधन	२५५
जनकू	३००, ४७५	जसघर	६०
जनु	८५७	जसपाल	६०
जनू	६४३	जसभ	२४
जवीर	६५८, ६५६	जसमादे	१८२, २३३, ३५३, ४४८, ४६४, ५१५, ७७७ ८१०, ८२२, ११६०, ११८७
जय	४५	जसमार्या	२६०
जयकरण	११०६	जसवीर	८०५
जयंतपाल	६६८	जसहरढ	२७
जयतमाल	६८७, ११६०	जसा	२४४, ३०६, ५६८, ७८६, ६८७
जयतलदे	१५०	जसाकोरु	१०६
जयता	१२६, १४४, १५०, २३७, ३०३, ३५४, ३७२, ४५२, ६५१, ८०६, ६०६, १०१८	जसाविति	७४
जयतु	२२२, ५४६, ८७७	जसु	१८८
जयदत्त	११३६	जसू	८३५
जयदास	१०६२	जहजजदे	४७२
जयपाल	१६१, १०३३	जाऊँ	५८४
जयमल	११७६	जागू	४६४
जयराध	११६७	जांजणदे	६४०
जयवंत	८७४, ६६३, १०६६, १०८३, ११३१, ११३२, ११८३	जाना	७८५
जयवंतदे	११३१	जानी	५७
जयसिंह	३५३, १०३२	जाटा	३३५, ६२१, ६२६, ६६८
जयसीह	७१	जाणा	१५६, ५१५, ६६६, ७५६
जपू	७६१	जानी	२३७
जवणमी	८३३	जायाराम	४६४
जवणादे	६६३	जादवदे	५१२
जशवंत	१०१६, ११७२, ११७६, ११८४, ११८५	जानू	४७६
जशवंतदे	११७२, ११७६, ११८५	जाल्हण	६६
जसकुमार	६५	जाल्हणदे (वि)	६३, ३०५, ५८३, ७५१
		जाला	१६, ४६७, ६८६, ८१०, ६६३

जाल्ही	६७	न७४, १०१६, १०३२	जीचिशी	४२६, ६१४, ७००,
जाल्हा	४१६, ५५८, ८५५, ११३२			७४०, ७४५, ७७२, ६६१
जालू	८३७		जीवी	८०६, ८३३
जावड	५५६, ५६६, ६१०, ७५५,		जीवू	४६५, ४६७
	७५७, ८४७, ६६३		जुगराज	६६८
जावद	५३६		जूढा	१००७
जावतदे	४३०		जूढिआ	१०३२
जावा	६६३		जेजा	२६०
जासू	७४, २४६, २८०, ४६१,		जेठश्री	१०६५
	५६१, ६८३		जेठा	१०६५, ११६०
जिदा	४७		जेठू	८८०
जिनचन्द्र	४०		जेतलदे	८१०
जिणदत्त (जिनदत्त)	१५, ४२१		जेता	८१७, १०८३
	४६२, ५५५, ८२८		जेमलदे	११६२
जिनदास	३०७, ५०२, ८२२,		जेला	२६६
	८४५, ६६६, १०६३,		जेल्ला	२०४, ३१४, ६२७
	१११२, ११२६, ११६६		जेवंत	५०८, १०३३
	११७०, ११७३, १२००		जेवंतदा	१०३३
जिणपाल	६६७, ६५८		जेसल	१४३, १८२, ५१५, ६७६
जिणश्री	५३६		जेसलदे	६७८, ६७६
जिल्हा	२५६		जेसा	१६२, २८०, ४६६, ५३५,
जिसमादे	६१६			६२४, ६४६, ६६२, ७७५,
जीऊ	३४६, ४०१			७८६, ८००, ८६७, ६१६, ६३४
जीदा	३७४, ३६७, ५०८		जेसी	३४७
जीवण	३१३		जेसामाइआ	७०१
जीवनदे	११७३		जैसी	८३५
जीवराज	१६१, ८७४, १००६,		जोई	४६१
	१०१६, ११३२, ११६६,		जोगड	६८
	११७०, ११७३, ११७४		जोगा	३७७, ७४७, ८४५, ८८२
जीवराम	६७६		जोगी	६४५, १०००
जीवा	६६७, ७४६, ८१०, ८२२,		जोजी	६१५
	८७४, ८८२, ६४५, १००५,		जोडमदे	१०४७
	१०१६, १०३२, १११२,		जोधा	८०५, ११६०
	११३३		जोला (लहा)	३४, ६२८
जीवाई	६३६		जोवा	६७०
जीवादे	४६३, ७०५, ८४७,			

मकमलदे	५४६	४३७, ५८०, ६११,
मगाडा	५३६	७८६, ८६१, ८८२, ६७३
मगकु	४४४	ठाकुरसी (ठाकरसी, १६०, ३७७,
मगू	६५८	ठाकुरसिंह) ४४४, ५६२, ६२६, ६८३,
ममशी	१००७	७२७, ७२८, ८०८, ८२७,
माइया	६४६	८३३, ८६६, ८८१, १०२५,
मांमण	८०, ८५, १२२, १७६, ४२६, ५५१, ६५१, ८२०, ६७६, १००६	११६२
मांमा	३६०, ८६०	डउठा ५७२
मामा	११६	डामर २४४, ५५५
माभू	६३२	डालू १०१, १०७, २३१,
मांयश्री	४८१	४६३, ६६५
मांया	४८१	डाहा ४१७, ५३६, ५६५, ६८३,
माली	८६८, ८६६	८८३, ६६८, १०६६,
मांयहदी	३६३	१०६४, १०६५, १०६६
मोथी	१००६	डाहिया ८४८
मीयर	८२२	डाही ४१४, ५५६, ७००, ७२६,
मूठा	६८७	७४५, ७६५ ८६८, ८६६,
टयकु	६१४, ६७६, ७०६, ८६५, ६७७	६५२
टयी	८३७	डोहा २५७, ३५८, ५६६, ७०२, ६१४
टमू	८३२	डोडी ७४८
टाला	२५०, ६२०	हुंगरदे ११३२
टाहा	२६३	हुंगर ३१, १६०, १६५, १६७,
टिला	७६७	२०५, २१४, २१७, २७०,
टीबू	५३१	२८७, ३०१, ३३१, ३७१,
टीलण	८११	४१७, ५०८, ५४', ५४२,
टील्हा	५२६	५६१, ६३२, ७६५, ८५०,
टोढर	६७४, १०६३	८६८, ८६६, ६१०, ६६६.
टोहा	६८२	हुंगरनाय १०६७
टोहा	६३०	हुंगरसी ४६१, १००७, ११२७,
ठाकुर (ठाकर)	२३६, ३०६, ३५५,	११३२, १२००
		टची ५४६
		टाला ३३१

ढाली	५८६	६८६, ६८१, ७१७, ८०१,
ढाहा	७६८	८१५, ८२०, ८२७, ८३५,
णायू	७५८	८८१, ८१३, ८३४, ८४४,
णामा	३६५	८६५, १०४३, ११८१, ११६७
तंवाभ	४३३	तेजी ६२१
ताड	४७४	तेजू १२६, ३८७, ६००,
तारा	७४२	६२५, ६२७, ६७८,
तारादे	३३८, ३३६, ४८६, ४६५	७४६, ८४६, १३२६
तारू	५५७, ६७३, ६६६,	तेलनी १६४
	८०६, ८८५	तेली ४७५
ताल्हा	५६०, ६५५	तोडा २६६
ताल्ही	१०८	तोल्हण २४४, ६७०
तिलक	८४३	तोल्हनदे ८४२
तिलोकसी	८१५	तोल्हा (तोला) ११५, १८०, २४१,
तिलोगचंद	६३७	२४४, ३२७, ३३८, ३३६,
तिहुणश्री	२४१	३६०, ४०७, ४४६, ४६५,
तिहुणसी	१०७	८३६, ८४२, ८४८, ८१६,
तिहुणा	८६, २६६, ४५६, ६१५,	६३४, ६६०, ६६५, ६७८,
	७४१, ७८०, ८१३, ८१८	६७६, ६६२, १००४, ११४४
तीजू	४६१	तोली ३६१, ५६८, ६३८, ६६५,
तीडा	१२६	११४३, ११४४
तील्ही	१६१	थरघू ८२१
तुलही	८३३	थावर ८६१, ८६७
तेजपाल	११६३, ११६४	थावरवच्छी १०३५
तेजमल	१०२७	थाहरू ६३, ६६७, ६८२
तेजराजि	३६०	थाहा ७७५
तेजलदे	१४६, ५२३, ६८६,	थाहू ५८१
	७१८, १०६६, १०६४,	थिरपाल १४६, १५१, ५६७, ६६१
	११८१	थिरा ८०२
तेजसरू	६५३	थेजा ६७१
तेजसी	१०१३	थेरा ७६६
तेजा	१०७, १५१, १६७, १६६,	दहू ४५
	२०५, ३३८, ३४५, ३८०,	दत्ता ११३२
	५२३, ५२८, ५६०, ६३६,	

दफर्या	३४८
दलहदे	६४३
दलू	८०२
दमरथ	५१६, ६७८, ६७८
दाम्ना	१०३४
दामिगदे	६६५, ८८३, १०३४, ११६५
दादह	४४६
दादू	४४, २०४, २७२
दामा	४०६, ७२०
दामोदर	१६
दामोदेव	१०४६
दासराज	११३१
दामा	४७४, ८४८, ८५०
दामी	८२७
दामू	४२६
दादह	१०५
दिन कर	६३७
दिनपाल	१०१
दीता	६१६
दुगांदास	११०१
दुंभी	३५८
दुतल	६३०
दुता	७५, ३७०
	३५६, ६२२, ७४६, १००६
दुगदा	३२३
दुगदे (धी)	६४३, ६७१
दुगदा (दुला)	३६०, ४८५
	६१६, ६००, ८६६
	६७५
दुगदे	३१३
दुली	६१८
देऊ. ७५, २४०, ४५१, ४५७, ४६५	
	४८४, ७६८, ८२७, ८५७

देऊआ	६६४
देऊजी	१६०
देकार	११४३, ११४४
देकू	६२७
देगू	६२८
देदा	७८, ६६, १०५, १३४, १४३
	२१०, २६५, ३८५, ४१६
	४५६, ४६६, ७५३, ८७०
	१०५८, १०६२, १०६३, ११०४
देधर	७५६
देपा	२५०, ५४७, ५६६, ६०१
	६०३, ७७३
देपाल	२६०, ३०७, ४१८, ४७८
	५३१, ५६६
देपू	७०, २०१, ३१५, ८४४
देसति	१५, ८६१
देल्ह	३६७
देल्हा	४६, ६२
देल्हादे	२५६, ३७०, ५६६, ६०६, ६६७
देल्हा	६७, २१३, २५४, ३३४, ३४७, ४००, ४०४, ४३६, ४७०, ५०६, ५५६, ६१६, ६३४, ७५५
देल्ही	५२८
देल्ह (देल)	६११, ६६७, ७८६, ८३२
देवकरा	८७३, १०२५
देवचद	६, १०३, १०१६
देवण	२६२
देवजी	२६२
देवदत्त	३६७, ५८३, ६६२, ७५१, ७६०, ६५८, ६५६, १११८, १११६, ११२०

देवदास	ननर, न६१	देहड	३६४
देवधर	४६१, न६२	देहा	१०३८
देवपाल	२०८, ५६७	दोसा	७७५
देवयाक	१५५	दौला	७६०
देवराज	१६७, २३५, ३६१, ३०२, ३०७, ३१६, ४४६, ४८२, ६२८, ७८२, ८०६, ८८७, १०३१	धणदत्त	६०७
देवराजही	५३६,	धणदे	३२, ६७६
देवलदे	२१०, २५३, ३१०, ३७२, ३६६, ४३६, ४७०, ४७२, ५१६, ५६६, ६०३, ७४३, ७५८, ७६४, ८७०, ६०२, ६१७, ६६८, ११२२, ११४३, ११४४	धणदेवी	५७८
देवसा	४४	धणपति	५२६
देवश्री	१०६, २६१, ७४२	धणपाल	१०८, १४२, ५७८, ६३६, ७८८
देवसी (ह-सिंह)	१०१, २५३, ३७२, ५१६, ५५६, ६०६, ७६३, ७६२, ८१०, १०७६, १११८, ११५६, ११६५	धणपाल	६१५, ६४२
देवसेन	७४५	धणलाल	७५४
देवा	११७, १३३, २७२, ३४७, ३५५, ४३०, ४३७, ४७२, ४७८, ४८८, ४६१, ५०३, ५०५, ५४८, ५५६, ५६६, ५६७, ५८३, ६३२, ६६२, ७०६, ७३३, ७४२, ७४३, ७७०, ८०८, ८६५, ६१७, ६६७, ६६८, ६६६	धणसिंह	१६१, ४१६
देवायन	७६४	धन्न	५५
देवी	३६२	धनदास	६६६
देवितारौ	८३३	धनपाल	७०३
देसल	४२४	धनराज	३०२, ३६४, ४७१
		धनश्री	६०७
		धना (जा)	२८२, ३७८, ४१३, ४१४, ४१८, ४२२, ५०३, ५१७, ५७३, ६१७, ६६६, ६६६, ७००, ७२६, ७४३, ७८६, ८१३, ८३०, ८५४, ८६४, ६१७, ६६२, ६८५, १०८५
		धनार्ई	५६३, ८४७
		धनागसी	१००
		धनी	६८५
		धरणा	८२, ६०, १६६, २५०, ४८६, ५६८, ७२६
		धरणी	१४५, २७६
		धरणदेव	६
		धरमाई	११६३

भरमादे	६७१	धीरलदे	५०५
धर्म	६६२, ७६६	धीरा	३२६, ३६५, ४३५, ४७५,
धर्मण	६००		४८६, ४८७, ५०५, ६४६,
धर्मपाल	२०७		६६०, ८७८, ६५७, १००३
धर्मसिरो	३०४	धीरु	१०३४
धर्मसी (मिह)	४७०, ५४०, ५४८, ७३८, ७४२, ७६७, ८०६, ६१०, ११४३, ११६६	धीहा	१०३३
धर्मा (रमा)	१७७, २१२, २५१, २६२, ३०४, ३६२, ४७७, ५५६, ६६६, ७३३, ७७६, ७६६, ८२४, ६३२, ६३४, १०००	धुम्बा	५५७
धर्मादे	३०५, ८५४	धुरा	५५४
धर्मिणी	४०५, ५६६, ५६७, ६३६, ६४६, ७०१, ७११	धूना	८०१
धाष्ट्या	८५८, ६००	धूरी	११३४
धाऊ	६३७	धृति	५५६
धांघलदे	१५६, ५२८, ५२६, ७२६, ७४७	धांघू	५४६
धांघा	५०६, ५८८, ६१६	नङ्गसिरी	३४५
धानसिरी	८५७	नट्वा	३८७
धाना	३३८, ३४७, ३४६, ३६१	नगदास	१११७
धानी	२७७	नगरणवाल	५२२
धाना	२४७, ६४४	नगराज	२८५, ४१६, ५१०, ५५०, ५७०, ६७६, ७७८, ११६१
धारलदे	३२६, ५३६, ५४०, ८६४	नगराजी	१०४३
धारा	१६०, १६५, ६४१, ७५६, ६००	नगा	५७४, ८६४, ११४३, ११४४
धारावन	१०६४	नणा	१४३
धारी	७५५	नयूही	५३६
धारु	७६४	नन्दन	१५०
धाथी	६८२	नन्दा	६८६
धिगा	१४४	नन्दी	३०५
धीमा	१७७, ५४८	नन्दीदाम	१०६१
		नन्नेदेवी	७३६
		नया	५५५, ८८०
		नमीदास	८५१
		नयण	११८७
		नयणा	३४३, ५००, ६०३, ६६१, ६८६

पट्टक	११८	प्रतापदे	११८७
पता	८३५	प्रतापमल्ल	१६६
पदम (पद्म)	१२१, ४८६, १०५०	प्रतापसी	११०६
पदमदे	-६४०	प्रभा	६७४
पद्मलदेवी	१६६	पल्ह	८६३
पदमलदे	६७३	पल्ही	६७६
पदमश्री	३२५	पहती	६५२
पदमसी (पदमसिंह)	३८५, ७६३, ८३३, ६६७, ६६८, १०१३	पहंड	१४१
पद्मा (पदमा),	१६६, २५८, २६८, २६४, ३०५, ४७०, ५२१, ५४८, ५७१, ६५२, ६७६, ७२४, १०५६	पहकू	८४६
पदमादे	५५५, ५८८	पहिरा	८७४
पदा	१४१, ६३६, ६०३, ६४०, ६६४	पहिराज	२७६, ५६७, ६२३, ७४८, ७६०
पदी	३६५, ८६०	पहुदेव	२४
पद्म	११२६	पाउथा	२३४
पनश्री	१०२६	पाचा	६७६, ८०४
पन्ना	३२४, ४८४, १०२६	पाँचा	३८८, ४२६, ६२०, ७६४, ८०३, ६०६, १०४३
परमा	५७	पांचू	४३१, ७८८
परवत (पर्वत)	२२५, २२८, २८६, ३४४, ४०६, ४१७, ४२०, ४४३, ४५५, ४८७, ५१६, ५६१, ६०६, ६२३, ८३२, ६४१, ६७३, ६७८, ६७६	पाटल	८७७
परवतदे	८२६	पांडण	७८२
परसा	११०७	पांडु	३६८
प्रथमसिरी	२२५	पाणीरुद्र	२७०
प्रथमा	४७८, ६०६	पातल	३६६, ८०२
प्रद्योत	६७४	पाता	६४२, ७४३
परताप	२०२	पातू	७३०
		पादा	१२०
		पादू	८६३
		पानल	६४५
		पानलदे	६४५
		पाना	१८३, १०६२, १०६३
		पानारां	६२५
		पांयछ	२४६
		पापा	२१५

पामदे	३६२
पामा	४६६
पारम	३४५, ४४३, ५७६, ७६७, ८२८
पारवती	६१७
पालक	१३५
पालदे	१७०, ६३४
पालहण	१४२, ६२५, ६७२
पालहणदे	१६७, ३६०, ४४३, ६०६, ७२७, ७४८, ७५१, ७७१, ७८७
पालहणसिंह	१६६
पालहणसी	५४०
पालही	११८, २२३, २८४, ३५२, ३५८, ३६६, ३८१, ३८४, ४४६, ४५६, ५०५, ५५१, ५६४, ६१८, ७१६, ७२७, ८०६, ८४०, ८५५, ८६८, ८६६
पालही	४५६, ८३३
पालहू	३४५, ३६६
पास	६८६
पामह	४४३, ७२४, ७७२
पासदत्ता	७५१
पासरभू	१०५८
पामहादे	६६४
पासवीर	१६६
पामा	४८३, ४८८, ६६४
पासिक	३२१
पासू (सु)	७, २२४, ७०३, ६४४, ६७२, ११२६
पाहल	७६५
पाहुल	२५
पिमणि	२६

पियंवर	७३८
प्रिमलदेव	२४६
प्रिमी	७००
पीचन	४००
पीया	६०३, ११८७
पीपराज	११५६
मीपा	७७
प्रीता	६६३
प्रीमलदे	४२०
पीलादे	२४५
पीवा	८३०
पुनसिरी	१६६
पुञ्जल	२७१, ३३६
पुरसा	६२६
पुरुसा	११६८
पुहती	१००६
पूजल	१३१
पू (पू) जा	२६८, ३०२, ४१२, ४१३, ४२८, ४८३, ५१७, ५३६, ७५६, ६०४, ६४४, १०२३
पू (पू) जी	२७७, २६४, ४०३, ६४७
पू (पू) जो	१७०, ३११
पूतणी	६६६
पूतली	६८७
पूता	५६४
पूतू	२२१
पूनह	१०१
पूनपाल	१२६, १५६
पूनम	१३८
पूतसिंह (सी,	६७, १२७, १६०,
पुनसी)	२५५, ५०७, ६३१

पूना	६१, १०२, २०६, २४६, ३४६, ३६२, ४०६, ४५६, ५५६, ५६१, ५६५, ७३४, ८०२, ८१५, ८६२, १०६२, १०६३, ११०८, ११३१	पोमदत्त	८८४
पूनादे (वी)	७०, ७३४, ६७८, ६७६, १०६२, १०६३	पोमलदे	४७०
पूनि	७५	पोसा	२६३, २८०, ३१६, ३२१, ५०५, ५३१, ६०६, ६६६
पूनिदे	११०६	पोसादे	६८५
पूनी	३६४	पोसी	५५६
पूया	६७६	पोहट	६८५
पूरण	७५१	पोहू	१११६, ११२२
पूरादे	११७८	पोराऊ	७८०
पूरिगदे	८८१	फडीआ	६८७
पूरी	१८६, २१६, २६६, २८७, ३०७, ३१७, ५४६, ५५७, ५७५, ५६१, ६०३, ८०२, ८१०, ८६७, ६४५, ११८०	फत्तू	५४५, ६४६
पूवा	३४६	फदकू	३१३
पृथ्वीपाल	५४	फदा	५०१
पेथा	२१६, २८१, २८६, २६३, ३१७, ३६७, ४२६, ५३८, ५७६	फदू	५६१, ६४५
पेमल	११००	फमराण	६२२
पेसा	१८६, ४६६, ५३४, ८६७	फमरादे	६२२
प्रेमराज	१०७७	फमरु	३३०
प्रेमलदे	४८७	फल	३२७
पेवा	८६४	फारणि	११६६
पेसा	६६६	फाई	५४८
पोइणी	८५५	फालू	३५६
पोखी	१३०	फीदा	८२३
पोपट	६६१, १०१५	फुअड	३५१
पोया	१००, ४७१	फूला ✓	७६६
		फूसामल	२१
		फेटा	६६०
		फेरु	४६०, ७६२
		वंगआ	६३७
		वंगा	१५३
		वडचू	५३१
		वटूरा	५३२
		वडधी	६६०
		वडा	३६२

बहुआ	३१०, ८५७	बेहड	१६६
बना	३८४	बोहा	८६६
बहमा	३६	बोदू	३४६
बाज	१०३३	बोहिय	२६२, ४६६, ६७१,
बलदा	१५		११३४, ११४३
बला	१०७३	भउंडु	७२१
बहुचंद	११६	भगवानदास	१०६४
बहुरा	६०१, ५६०	भडा	६१६
बहुरी	८६४	भदू	२२६, ५३४
बाई	७४३, १०१३	भयरव	६२८, ११७१
बाऊ	६२८, ६४१	भमरादे	७८२
बाघा	५०१, ६३६, ८४३	भरमा	४५४, ६८७
भानू	७८८	भरमादे	४६६, ७१५, ७६६, ६६७,
बान्हा (बाजा)	२६३, ४५५, ४६४		६६८, १११७
बान्ही	६४६	भरमी	३७४
बानू	२७५	भरद	५२०
बाज	११३	भग्हा	६३८
बाइड	१३३, २६१, २६८, ३५१	भरु	६१२
बाइडदेव	८८	भला	५६५
बाइडमोम	३६	भवानी	६६४, ६६५
बाइ	१०६	भवानीदाम	६६८
बाठीथ	६८	भाऊ	४४६, ६४३, ६२७,
बिलहु	४५४	भावर	२२१, ३०५, ३७४, ७१५,
बीजुत	४५		७६४, ८१६
बीरा	१००४	भागा	८६६
बीमा	१००४	भांगा	१०४३
बुद्धिसेन	५६६	भाग्यचंद	११४१
बूना	६७१	भाडा	४१८, ६७५, ७८८, ६१४
बूटा	१४३	भाणा	६०८, ६७८, ६६७, ११३२
बूटो	१११	भावा	६०३
बूदी	१०६१	भावा	२०४, २५१, २६४, ३६५,
बूहट	७६१		५१५, ७६६, ८३४, ६७०
बेला	७१७	भावा	३७४

भानव	१६	भीमराज	२८७
भानू	५५६, ६८८	भीमराज	१०६६, १०६४
भामर	५७७	भीमसिंह	२३८, ११४१
भामसी	३४६	भीमा	६७, १५७, १८०, १६१,
भामा	१०८३		२०६, २६५, ३१८, ३२६,
भामादे	१०२६		४७२, ५३८, ५४६, ७१५,
भामिनि	३५८		७६०, ८३६, ८४३, ६६२,
भायणी	१३६		६६६
भारती	६	भीमाउ	६६६
भारमल	५२६, ६५०	भीमिणी	६४३
भारमल	८६४	भीष्मताप	५१०
भारिमल	१०३३	सुणा	५३६
भारल	७८२	भुता	३०२
भारवणदे	१०३२	भूचर	३६२, ५२०
भाला	२८६	भूणा	३०६, ३१६
भाउड	७४१	भूदावर	८६०
भावड	७७७, ६४०	भूपति	६२८, ११३२
भावदेव	६७१	भूपर	३०६
भावल	२४६	भूमा	१७०
भावलदे	१४२, २०६, २७०,	भूभुज	५०१
	३०६, ३२६, ३६५, ५२६,	भूरा	२४७
	६८५, ७१३, ८१६, ८३८,	भेऊ	१०५६
	६०८, ६६२	भेदा	८५७
भावसिंह	१०३६	भेदाअरि	१२१
भावा	७३४	भेला	६३२
भाषण	११६१	भोज	४५
भीखणमल	१०११	भोजराज	१०६०
भीखा	३६३, ६०४	भोजल	१०६०
भीता	१२६	भोजलदे	६४८, ११२०, ११२७
भीदा	३७४, ७१४	भोजा	१८०, २३६, ४३३, ४८१,
भीनी	४५६		४८४, ५५६, ५६२, ५६६,
भीसंद	४३०		६४८, ६७०, ६८३, ७००,
भीमजी	१०२०		७०२, ७४३, ७८४, ८७८,
			८८६, १०४८, ११२०, ११२७

भोजी	६४७	मना (मन्ना)	८६१, २६२, २८३,
भोटा	७८४		३४६, ३५२, ३८६,
भोला	२४३, ५८१, ७६६, ७८२, ८३८, ६१२		४५७, ५४८, ६००, ६८०, ७३७, १००८, १०१६, ११३६
भोजी	२८६, ५८६, ६३७, ६६०, ६६६	मन्नादे	१००८
मंजू	६२४	मनि	२६५
मंडण (न)	१६१, २६६, ५६१	मनोहरदे	११६७
मंडलि(ली)क	१६४, ३१३, ३७८, ४४२, ६७६, ६४५	मम्मी	३६४
मंदोयरी	४५५	मयणजदे	५२३
मंगसा	१०६८	मरगदी	५८६
मंगल	१४०	मरमत	६२६
मगा	४४	मलयसीह	१७३
मगादे	१०३३	मलयसीह	६०
मग्गा	३१८	मलठाई	६७६, ६११
मग्नादे	११५७	मला	५१३
मघा	७६३, ८८२	महण	१८३, २६३
मचकू	७६५	महणश्री	४०६, ८१४
मची	५०३	महणसीह	४३, १३७, २२८, ५७८
मचू	६३३	महणा	११०, १७७, ३००, ४०१, ६८४, ६८६, ७८२, ८०५, ८६८
मडगू	५६४	महणादे	११०
महा	८२७	महता	५७८
मणी	६६३	महराज	४७३, ६६०
मदन	१११, १२३, ७४६	महराजी	४०७
मदनमानिक	६६	महा	४४३
मदनसी	१०७७	महाकाज	८२७
मदनो	५७०	महाधर	११४
मदा	३६८	महानन्द	६५
मदिरा	५७७	महावल	१११६
मरगमी	१०००	महामिरी	४७३
मन	११७७	महिगणदे	५६१
मनपू	७४४	महिषा	२२६, २७६, ४२६, ४६०, ६८६, ७०६, ७४५, ८४६
मनरंगदे	१०६०, १०६१, ११८२		
मनने	१०३८		

महिमादे	१११६, ११३६, ११४६	माण(णि)क	३६, ७६, २५४,
महिरा	५६६, ७०६, ८७४		२८३, ४०८, ४४४,
महिराज	३२०, ४०६, ४१५,		६०२, ७०५, ७०६,
	५४४, ६६६, ८१४		७२२, ६००, ६५५
महिरी	७४८	माणिकचंद	६५
महिलण	५६	माणिकद	२४३, ४०३, ५११,
मही	४८६, ६६६		५१६, ५८७, ६३६, ६४०,
महीआ	७५०		६६७, ६६०, ७२८, ७३६,
महीधर	८५		७७६, ८१०, ८५६, ६१६,
महीपति	४२५, १३४		१००८
महीपाल	३६, ४३, ८७, १५६,	माणिभद्र	४
	१५७, ३००, ३८०, ४१२,	माणी	६६०
	४१६, ८८४, ६११, ६६७,	मातर	३८८
	६६८, ६८६	माता	६८२
महुणसी	४८०	माधव	५८३, ६३१
महोर्वच	१६	माधी	६७६
माई	२६५, ३८१, ६०८	माधू	८३६
माईआ	६४०, ६४६, ८३२	मानसिघ	१०६०, १०६१,
माऊ	५०६, ६५५, ७५२,		१०६२, ११६५,
	८६७, १०३४	माना	११६१
माका	७३४, ६६६, १०३१	मानादे	१०८४
माकू	४७७, ६७५	मानू	४७८, ६६२, ७१०, ७६५,
मांगो	८७१, ११५६		८०७, ८४२, ८७८, ६१२, ६६१
मांजो	२२८	मापू	६५८
मांजी	६६२	मामट	५०७
मांजू	२३७	मायेअरि	२५५
मांडण	२४, ३४६, ३६१, ३६५,	माल्ह	६४२
	४०८, ५११, ५१६, ६५१,	माल्हण	१०३, ३६५
	६६७, ७२८, ७३२, ७४३,	माल्हणदेवी	११७, २६६, ३२४,
	७५७, ७७६, ८१०, ८३७,		४१५, ४५७, ४६०,
	८८८, ६३६, १००७, १०७५		७०६, ७८३, ८०५,
मांहा	८२१		६१०, ६६३, १०४३,
माडा	४६८		१०४४

माला (ला)	१६६, २०६, ३४८,	मृलादे	१०६३
	२५३, २५६, ३६०,	मृली	३५४, ५६८
	५१६, ५३७, ५४४,	मृली	२१८
	५६१, ५६४, ६४०,	मृल	१५४
	६६६, ६६०, ७१०,	मृचू	२१४
	७५२, ८५३, ८८०,	मृचपाल	१४२
	११४३, ११४४	मृचराज	३००, ६४८, १०३७
मालदी	२५४, २६८,	मृघा	१७६ ३०६, ३१४, ३८८,
माहण	६७, ५५८, ११६१		४६६, ६००, ६३०, ६३८,
माहय	७५४		७७७, ८१७, ८२५, ८४७,
माहा	५१४		६१६, ४०३८, १०६६,
मित्रदत्ता	३७२		१०६७, ११४४, ११६६
मितापदे	१०३३	मृघादे	१७६, ३५६, ३६१,
मिहृभी	८७		७१३, ८१६
मीका	६१०	मृषी	५८७ ८५८
मीकार	६५२	मृग	८३८
मीता	४५	मृग	१००
मीतु	८७३	मृघा	१६०, १६७ २७६, ४७३,
मीदा	८३१		४६६
मीया	१०६६	मृग	२७८
मीरादे	१०६३, ११७६,	मृरा	४६१, ६७४, ८४४
	११८३, ११८४	मृरु	१०५४
मुकादे	३४४, ६३१, ६८४	मृल	१६६४
मुजाल	२४४	मृला (ला)	२६६, ३१८, ४१६,
मुनिचंद्र	३०		४४७, ७८१, ८०६,
मुनी	३८८		८१०, ८६०
मुद्रणसी	७०७, ७०८	मृलार्ह	१०२३
मुंगा	२६२, ४७८	मृलादे	४४७, ६१६, १०३३
मुजा	१६३, ७४६	मृल	२४६
मूलपाल	११०	मृवा	२५४
मृला	४२६, ४६६, ५७०, ६४८,	मृहण	३२६
	७११, ७४४, ७८५, १०४२,	मृहा	१५६, १५६, ३२६, ५०३,
	१०६२, १०६३, १११६		६७४, ६७८, ६८२, ७४६,
			८५४, १०७४, ११४६

मेदिनी	"	६५५	रगसा	४५७
मोक्कल	२३२, ४६०, ८१४		रंगा	६५६, ६८८
मोक्षसी	२८६		रंगाई	६७६
मोको	८२१		रंगादे	६२१, ६६६, ६७५, ६८७, ६६०, १०१५, १०४५, १०६६, १०८५, १०८६, १०६४, १०६५, ११००, १११२, ११६०, ११६६, ११७०
मोखलदे	१६५		रंगावाई	१०३४
मोगा	८७२		रंगी	८८७
मोडा	२३७		रंगू	७०२
मोडी	२१०		रजादे	४८२
मोढ	२२२		रट्ट	२८८
मोथा	६१८		रणधीर	८६३, ६३२, ६५६, ११०२
मोदा	१०६२		रणमल्ल	५१४, ७७६, १०१०
मोल्हा	१८१, ५१२, ६६१, ६६८		रणवीर	७७३, ७६४, ८८३
मोहण	२०६, ३०१, ३१८, ३४२, ४११, ७१३, ८१६, ६६३, ११६६,		रणसिंह	२३३, ६७६, ७१७
मोहणदे	३०१, ७२१		रतन	१०८, २६७, ५८५
मोहनसी	११५६		रतनचंद	११६१
मोहनी	३१८		रत्नपाल	७०६, ७४८, ८५८, ६०६, ६११
मोहिणी	१५८, १८१		रत्नराज	६६५
यगद	१०१		रतनश्री (सिरी)	२६७, ८७५
यमुनादे	१०६८		रत्नसी	५०४, ६२८, ६६७, ६६८, १०१८
यशवंतदे	१०६४		रतना (रत्ना)	६७, १३२, २८३, ३५८, ४०४, ५०१, ५१३, ५२६, ५६७, ६१३, ६६२, ६७६, ७३३, ७३६, ७५५, ७७०, ७६०, ८०८, ८३६, ८६४, ८८६, ६१०, ६४४
यशा	६७६			
यशोदा	११३३			
यशोराज	१			
यसमादे	६२६, ८००, ८३४,			
यादव	५५३			
यादो	११०२			
यामणी	३६			
यावित्री	२६२			
योधा	४६३			
योमुचाध	६६६			

रत्नादे (रत्नादे) २१२, २२३, ३२५,	राजधर	६६३	
४१०, ५१४, ५६१, ६७७,	राजपाल	५५०, ६२२, ६७७,	
७१६, ७३६, ७७६, ८१२,		१०८४, १०६२, ११३५	
६०६, १०१५	राजमती	३६	
रत्नयनी	११४७	राजल	१३२
रत्नी	६११	राजलदे	१७५, ४०५, ५७६,
रत्ती	७६०		७१७, ७३१, ८३४,
रत्ता (रत्ता)	६३६, ६६२,		१०४२, १११०, ११३५.
	७०२, ८२४	राजश्री	१०६५
रत्न (लू)	४४४, ४५७, ४७४,	राजसिंग	८६१
	५०१, ६०५	राजमी	१०७६, १०८५
रंभा	१००२	राजा	१७४, १७५, ३०३, ३४३,
रंभापुरी	३६५		३६२, ४८५, ५०६, ५३७,
रंभू	४७६		५५७, ५७६, ६३६, ६३७,
रमकू	७२६, ८६६		६४८, ६६२, ६८३, ७१७,
रंभा	१०३६		७२४, ७३१, ७३८, ७६८,
रंभाई	५५७, ६१५, ८७२,		८१५, ८३०, ८४७, ८६२,
	६६७, ६६८, ६६५		८७४, ६१४, ६४४, ६४६,
रंभादे	६५१		६६७, ६६८, ६८२, १०१३,
रयणादे	२३७, ३१६, ३४३,		११००
	३४८, ७०६, ८१५	राजी	२७, ५७६, ६८१
रही	६५१	राजुल	१५३
राधन	११६३, ११६४	राजुलदेवी	१३३
राउ	६६२	राजू	२८३, ५१२, ५६०, ६३६,
राउन	३३३, ३३८, ५४७,		६५३, ६५६, ७०१, ७१६,
	७०६, ८११, १०४८		८३१, १०६५
रांका	८०६	राणा	८६, १६७, २३७, २७०,
राखलणदे	२८८		२७६, २८५, ३६२, ४००,
राखी	३१४		४८७, ५४५, ५६१, ६००,
रागी	३५०		६५७, ६७८, ६६२, ७२०,
राघव	२१, ४५५, ४८७,		७३४, ७४३, ७४८, ६१६,
	६६३, ११८६		६५१, ६८७, १०८८, १०७३,
राजड	६२, १०६, ८६५		११६०
गजदे	११६६, ११७०	राणादे	१८५

राणी	४१, २७६, ३३१, ३४४, ५१३, ६१०, ६३४, ६१८, १०१४	१०६५, १०६६, ११०५, १११६, ११३६ १११६	
राणू	३४६	रायरत्न	१११६
राता	६३	रायसिंह	१०५३, १०७६, १११४, ११२६, ११६१, ११६२
राथही	१०८६, १०८७	रालदा	५१३
रादा	७२८, ८८८	रावण	७६२, १००६
रानड	६३६	रासल	७१४
रानीग	६६	राहड,	४०
रानू	३८३, ७६५, ६१८	रिडणादे	६३२
रांभलदे	५४५, ७५५	रिपश्री	११०१
रांभा	५५५	रिणसा	३६५
रांभू	५०२, ३६७, ८१३, ८६८, ८६६	रिहि	६०६
राम	१०७३	रीहा	६२६
रामकंवरवाई	३३७	रुअड	६३०
रामजी	१०६७, १११६	रुक्मिणि	८४३
रामण	३११	रुडा	१०६४
रामंति	५७६, ६२८	रुडी	१६१, २०६
रामराज	४६८	रुदपाल	५६३
रामली (सिंह)	२२१, २४२, ६४१	रुदा	६७६
रामा	२१५, ३०८, ३४६, ३४६, ३६७, ४०२, ५०३, ५४२, ५५६, ५८१, ६१४, ६५५, ८०७, ८६५, ८६०, १०२८, १०३६	रुदी	४६६
रामादे	६६२	रुपणि	८२१
रायचंद	६६२, १११४, ११६४	रुल्हा	८२१
रायण	३२	रुडा	३६२, ६१७
रायदास	६८८, ११३४	रुडी	२१७, ३०८, ७६६, ८६१
रायदेवि	१३३	रुदा	६५५, ८०५
रायपाल	७५८, १०६२, १०६३	रुदी	१०२, ५०३
रायमल्ल	७७६, ८५६, ६३५, १०६६, १०७६, १०६४,	रुपचंद	६०२
		रुपलदे	४८४
		रुपसिंह	१
		रुपा	३२२, ५३६, ५३६, ५८६, ७३७, ७७०, ८४४, ८६५, ६१६, ६४६, ६५६, ६६०, १०३४, १०८२.

रुपादे	४८३, ७३७, ८०४, ६३३	लरीई	६७६
	१०३४, १०६२, १०६३,	लगमिनि	४६६
रूपी	३००, ४६०, ६८७, ८६०	लनु	६८६
रुपिणी	२६४, ४४७, ४६७	लन्दी	११३१
रुहा	३१६	लक्ष्मां	८१७
रेखा	१०६४	लज्ज	४३
रेखाश्री	१०६४	ललता	१६८
रेखा	३२६, ४२८, ४३६, ८८८	ललतादे	१६३, १६८, ६४१, ६३६,
रेखा	३२६		६६१
रेखादे	६४६	लननू	८११
रोयत	४७	लनी	२४२
रोहिणी	४१०, ६१४	लन्ना	१३१
लक्ष्मणाश्री	३७६, ४४१	लक्ष्म	४८७
लक्ष्मणासी	१६६	लक्ष्म	६६
लक्ष्मणा	३७६	लक्ष्मट	३०
लक्ष्मण	६६६	लक्ष्मी	१२३
लक्ष्मण	३६	लक्ष्मीदाम	६६४, ६६४
लक्ष्मण	७६, १३४, २४३, ३८०	लक्ष्मीसेन	४६६, ४६७
	३८४, ४३६-४४१, ४१२,	लाई	३२०
	४३७, ६०६, ६३३, ६८१	लाक्ष	६८२
	७७२, ७८२, ८८८ १०६६	लाक्ष्मण	३४६, ८०३, ८०४, ६६४
लक्ष्मश्री (मिरि)	६३, ४४२	लाक्ष्मणदे	१६८, ३४८, ४१७,
लक्ष्मसी	६४६		७६७, ६६४, ६६७
लक्ष्मसेन	२७६	लासा	१२२, २३२, ३०३, ३३०,
लक्ष्मा	१६८, ३२१, ४४६ ४२८,		३४०, ३४८, ४१७, ४४०,
	६४८, ७२८, ८६०, ६६१,		४४७, ४६६, ६४४, ७०६,
	१००३, १०८४		७६४, ७६७, ८६४, ८६७,
लक्ष्माई	६३४, ७४४		६६८, ६७४, १०६४,
लक्ष्मादे	४८, ४११, ६४४, ६६७, ७७३,		११३७, ११४२
	७७६, ७८६, ८०४, ८०४	लासी	४४४
लक्ष्मीदाम	११३६	लाख	१८०, ४०२, ४४४, ४६४,
लक्ष्मराज	१०१६		७१६
लखा	६७२	लाघु	४३२
लखी	२६३, ६२३, ७७४		

लाञ्छलदे	५१६, ६००, ६०७, ६६३, १००७	लीलार्ई	२२४
लाञ्छा	७६६, ८८५	लीलादे	१५६, ४२६, ५०८, ७५७, ७६८
लाञ्छी	१३३, ६५५, ७३०, १०१३	लीलू	३०६
लाञ्छू	१०६, ५५३, ६६०	लुंटा	७६८
लाटा	६१४	लूणगदेव	८८
लाडकि	७००, ६४६	लूणसिंह	१५१
लाडण	३६, ५८६	लूणा	६१, ३८१, ४३७, ४८७, ५१८, ५२८, ५८०, ५८८, ६५६, ७३०, ८३४, ८८५
लाडमदे	६६४, १०५०	लूणादे	१७६, ३८१, ६५६
लाडि	७२२	लूणी	६५७, ७७६
लाडकि	८५४, ८८०	लूलराय	५३
लाडिमदे	१०६५, १०६६, ११५२	लूहोला	४६६
लादी	३१८, ३७२, ७४३	लोला	२८६, ४१७, ४२६, ४३६, ५१६, ६००, ६१४, ८४६, ८८५, ८८६
लाडम	८३३	लोलादे	८४६
लादा	१३०	लोहट	४३६, ७२२, ७६७
लाधू	४४२, ५६६, ५६७	लोहड	६६
लापा	५५८	वंसल	८७०
लाभा	६६७, १०३४	ब्रजांग	५१३
लाभी	६६८	वइजणकु	२२८
लाभू	७११	वइजलदे	४४२, ७२६, ६१०
लांबा	३४७	वइजा	७२६, ७८८
लालचंद	१०६४	वइजू	३६२
लालण	८५६	वइतलदे	३६२
लाला	३६, ३०६, ३५२, ६६६, ८४३, ८४७, ८८५	वइता	२०३
लाली	६६०, ७४७, १००३, १००५, १०१५	वइरा	३७७
लाहड	४५५	वडलदे	६८५
लिक	५३५	वन्ना	७०
लीता	५४५	वच्छा	७०
लींवा	२२१	वच्छराज	५३४, ७६४, ८२६, १००५, १११६
लीला	२०६, २६६, ३५१, ८००, ६६०, ६६३		

थच्छा	४८८, ६०३, १०८५	३०६, ३७६, ३६०, ३६१,	
वजराज	१०८७	४६३, ५१३, ६०५, ८६६,	
वज्रांग	८८७	६०६, १००४	
वजसा	३६६	वल्लभराजा	१०७६
वडा	३६२	वल्हादे	८८४, ११५६
वडुआ	७५२, ७६५, ८६४	वला	५८७
वडुआदे	८६४	वल्लिराज	३३२
वणवीर	४१६, ८६३, ८६८	वलीआ	१०१५
वणा	८२३, ८५६, ६३०	स्वता	१३६, ३४७, ३८०, ६१४,
वणु	४६२	६३६, ८१०, ८५४, ६१७,	
वदरंगदे	११३१	१०२८, १०३५, ११५६,	
वदा	६३६	११८१	
वना	७६५, ८२०, ६३७	वस्ताही	११८१
वया	६०६	वस्तु	१३८
वयजल	४५, ७२४	वस्तुपाल	८८४, १०१६, १०६५,
वयजलदे	१५२, ३११, ४५६	१०६६	
वयजा	३१	वसा	७१४
वयरसिंह	४६५, ५३६	वहद	३३
वयरा	५३३	वहलादे	१००३
वयासी	३११	वाकल	१०७३
वर्जी	४१४	वापा	६१२, ६३०, ६५४, ६६३
वर्जु	७६०, ६२०	वाचाऊ	४४
वर्द्धमान	४६४, ६१७, ८८७, ६७७,	वाद्या	२०१, ३४०, ३५५, ५६१,
११०८, १११६, ११६१	८१७	६८७, ८१०, ८८३, ११५६	
वरजा	८८६, ६६६, १००४	वाङ्कू	३७८, ६५८, ७५६
वरजू	७०२	वाजू	३३०
वरता	७६, २२२	वामणदे	२३७
वरदेव	३६	वाढा	३०६, ५३२
वरमा	७८७	वादा	६५२
वरनाग	८५७	वाण	५३७
वरम्हा	६६१	वादी	७४१
वरपा	२८५	वाद्	४२८
वरसा	२८७, ३००,	वानकाई	८६५
वरसिंह (संघ, सिंग)		वानीर	७८४

वाना	१५०, ५०६	विमल	२५, ३३६
वानी	७०७, ७०८	विमलचंद्र	१०३८, ११८१
वानू (नु)	२३०, ३८८, ६१७, ७२६, ७८७, ६३१	विमलदाम	११८२
वामादे	८६६	विमलादे	३४४, ८५६, ६६२, १०३५, १०८५
वारी	२८६, ७८६		११५६, ११८१
वारु	४१२, ४३१, ७१२, ७६६	विरा	१००३
वाल्हा	२६५, ३४०, ४४७, ५६४	विरु	२७८
वाल्हादे	६६४, ७६६, ८५६, १०८८	विरुग	७२६
वाल्ही	३५०, ५०६	विरुग्रा	३८३
वालहदे	३६७	विरुग्रादे	१८६
वाला	५४८, ५७६, ६२६, ७१६, ७७२	विरुही	४०६
वाहिणदे	५१४	विवेक	१०८६, १०८७
विटलश्री	४८१	विसलदात	१०४४
विकत्रा	५२३	वीकम	१६०, ३७७
विकी	२६६	वीका	७२३
विजंजू	३४६	वीकू	६३६
विजपाल	१५३, ६७६	वीजल	२३०
विजमलनाक	३४६	वीजलदे	५०१, ६४१, ८१८
विजयपाल	२८४	वीजा	१५२, २६१, २७८, ४०६, ८१८, ८४१
विजयराज	६८६	वीजू	५६१
विजयश्री	२३०	वीमल	१३२, ६७७
विजयसी	४३१	वीमलदे	७३६
विजसी	८५७	वीठा	१०१५
विजयसीह	३५	वीडा	३६३
विजा	७२४, ८३२, ६४५, ६४७	वीडू	५६
विणहा	६७६	वीढा	३८५
विद्याधर	६६७, ६६८	वीणा	१०१५
विनादे	८४७	वीतरादे	५२२
विपरादे	६८२	वीदा	३४३, ६४८, ७३३, ६०८, ६३०, ६७३, १०८५

वीधी	६४८	वील्हा	१६८, २५७, २८१, ३४०,
वीधीना	४६५		३८०, ४६४, ५३३, ५८६,
वीधीनू	१०७५		६१७
वीधीप्रा	८८	वील्हादे	८८३ ११५२,
वीधीपा	१२६	वील्ही	५३७
वीधीमलादे	१०३८	वीला	१०३४,
वीर	४२	वीली	१०३८
वीरड	४५६	वीसल ४६. ७६, ३०४, ३८८, ४१६,	
वीरण	३६५	४४२. ५२७, ५६४, ६०६,	
वीरणग	१२२	६६४, ७२६, ७७८, ८५१,	
वीरणि	३२६		६८३
वीरदाम १०३१, १०४४, ११२२,		वीसा	१७६८
	११२६	वेऊ	८६३३
वीरदे	५७०	वेगद	१५५६
वीरदेव	१४	वेगी	८०६
वीरपाल २५६, ६४६, ७१२. ६७७,		वेसपाल	१२१६
६६१, १०१८, १०५२ १०७४,		वेदा	१५५५
वीरम ६२, ४६१, ५०६, ६६४, ८८३		वेला, (वेल्हा)	१८६, ३२६, ४६३,
वीरलत	१०३२		५३७, ५४५, ५६२,
वीरसेन	५६७		७००, ७५३, ८८१,
वीरा २२७, २४०, २४५, ३०७, ४६१,			११८६
४८१, ५४५, ५६१, ६२६, ६६२,		वेलाउला	६७७
६८३, ७३०, ७५२, ८३८, ८७७,		वेजराज	६२२
६३५, ६६७,		वेरा	११५६
वीरादे ११२२, ११५१, ११७१,		वेडा	८६८
	११७३	शदराज	५२५
वीरि	७५	शदु	५५४
वीरिणि	७८१	शाणी	२७८, ५५२, ५६३, ५७४,
वीरी १७७, ४७१, ८१०, ८५५,			८८७
	१०६६	शिलर	२१५, २८२, ७०३,
वीरु	४२०, ६५५, ६५८,	शिलरा	७७८
वील्हा	१७५	शिवकर	६६५
वील्हादे	१६८, ७६२, ६१७	शिवदत्त	५३८, ६५०

शिवपुराण	१३५, ३३०, ३०५, ३३५	३३५, ३०५
शिवपुराण	३३५	३३५
शिवपुराण	३३५, ३३५, ३३५, ३३५	३३५
	३३५, ३३५, ३३५	३३५
शिवपुराण	३३५	३३५
शिवपुराण	३३५	३३५ (३३५) ३३५, ३३५, ३३५
शिवपुराण	३३५	३३५, ३३५, ३३५, ३३५
शिवपुराण	३३५	३३५, ३३५, ३३५
शिवपुराण	३३५, ३३५	३३५
शिवपुराण	३३५	३३५
शिवपुराण	३३५	३३५
शिवपुराण	३३५	३३५
शिवपुराण	३३५	३३५
शिवपुराण	३३५	३३५
शिवपुराण (३३५)	३३५, ३३५, ३३५	३३५
	३३५	३३५
शिवपुराण (३३५)	३३५, ३३५	३३५
शिवपुराण	३३५, ३३५	३३५
शिवपुराण	३३५, ३३५, ३३५, ३३५	३३५
	३३५	३३५
शिवपुराण	३३५	३३५, ३३५
शिवपुराण	३३५	३३५
शिवपुराण	३३५, ३३५, ३३५, ३३५	३३५, ३३५, ३३५, ३३५
	३३५, ३३५	३३५, ३३५, ३३५
शिवपुराण	३३५	३३५, ३३५
शिवपुराण	३३५	३३५
शिवपुराण	३३५, ३३५, ३३५, ३३५	३३५
शिवपुराण	३३५	३३५
शिवपुराण	३३५, ३३५	३३५
शिवपुराण	३३५	३३५
शिवपुराण	३३५	३३५
शिवपुराण	३३५, ३३५, ३३५, ३३५	३३५
शिवपुराण	३३५, ३३५, ३३५, ३३५	३३५

सम्पई	७६७	सरसू	४२६
सम्पतलटि	७८५	सरामानी	४०७
सम्पूरी	७२७, ७३५	सरु	५२०
सन्द्रू	५६३	सरुदमा	१०३८
सम्बर	४१	सरुपदे	४८५, ७५१, ६१६,
समडर	६३६		६६४, ६६५, १०३३,
समदा	५७१, ७३७		११३७
समधर	२३४, २६२, २७८,	सलखण	१७, ६६, ७६४
	२८३, ४६१, ५६२,	सलखणदे	४६, ११२, ५३८, ८८६
	६३८, ६४०, ६६३,	सलखम	४५
	६७४, ७२३, ७३२,	सलखा	२२०, ४६६
	७४३, ७८२, ८३२,	सलखु	८४८
	८३७, ८६६, ६८७	सलदेव	१७
समर	७०५	सलरा	८३४
समरगा	८५८	सलहू	८६२
समरथ	६०७, ६८८	सला	८५१
समरसी	४६५	सवतीर	२७२
समरा	११५, ७११, ७६२,	सविराज	८०६
	८७३, ६८५, १११६	ससधर	७०७, ७०८
समरु	६५५	सहगई	५१०
समसीरी	३४६	सहजलदे	६६, १६५, ३६८, ५०५,
समावरा	१०३७		५६७, ५६२, ६२४, ६६६,
समीरदे	१८८, ५६८		८१२, ६१४, ६४६
समुधर	३८२	सहजपाल	२७, ६७७
सदयवच्छ	६२०	सहजा	२६६, ३८७, ४६६, ८३२,
स्याणी	३३५, ६१२		८४२, ६१२, ६२३
सरघाई	६६८	सहडा	१३८
सरतू	६०६	सहदेव	४६६, ४८५, ६५६, ७३०
सरवण	३०७, ४०५, ५१३,	सहन	१०२६
	६७३, ६४८	सहसमल्ल	४६२, ६१५, ६४२, ६६१,
सरस	५३०		६७३
सरसती	६२३	सहसराज	२२४
सरसा	४३८	सहसवीर	७०२, ६६३, १११६

सहसा (हिसा)	१५२, २२३, ३१२,	सांडा	२२३, ४१२, ६१४, ६१५
४६१, ४८६, ५६७, ५८०, ६०५,		साढा	२२३, २४३
६४०, ६४३, ७६६, ८३७, ८५३,		साणी	५५६
८७६, ८८१, ९१८, ९२१, ९७७		साता	६४२, ७२१, ७७८
सहली	८५२	साति	८८०
सहारण	८१६	साधू	५००
सहिआ	७४३, ७६६, ८६६, ९४५	सादा	३००, ४२३, ४३६, ४४४,
सहिणी	४३		४७६, ४८८, ७१३, ७६५,
साईआ	७४३		८२६, १०६०
साऊ	७६, १७३, २०७, ४७७,	साद्राण	६३
५६५, ८४७, ९२१		सादी	२२३
साऊ	४६६	सादूल	४८३, ५०२, ६५७, ८१६,
सांकण	१०७		९२०, १०५५
साखेउ	६११	साधा	४३४
सांगण	३८१, ६०७	साधारण	२८२, ५२६
सांगा	२३७, ३५६, ३६१, ३६८,	साधी	६०५
३६६, ४४८, ४७८, ४८१,		साधू (धु)	२८३, ५०८, ५६२,
५१५, ५५२, ५८७, ७११,			५६३, ६०४
८८२, ९५३, ९६५, १०३१,		सानाउ	६११
१०३३		सांपइ	४१६
सागी	२५६	सापू	२८५, ८०१
सांगू	३५४	सांपू	७७४६
सांवा	४६३, ६१२	सामंत	१६४, १६०, २५८, ४७५,
साचू	६७		५६२, ६७६, ७४३, ८६४
साजण	६१, ६७, १४५, २१०,	सामल	१६५, १७६, ४०५, ७४३,
२६५, ६६१, ७४१, ७६८,			९००, १०१३
८११, ८२२, ८७३		सामलदे	४०५
साजणसी	६२०	सामली	१००
साजा	८६, ८५३, ११७८	सामा	५२८, ५६१, ७८६, ८४७
सांढा	६३५	सामी	३८८
साठा	१०७	सामीदास	१०४४, १०६०, १०६१,
साढण	७३६		११३०, ११८२
सांइ	२५७	साम	८५२

सायट	१७१, २००, ३४४, ३५७, ५३८, ६७६, ७८६,	सिंगारदे	३५८, ५३८, ६५७, ८४१, ६५३, १००६, १०८१
सायी	१०४३	सिंगारु	१०८६
सारंग	१७१, १७३, २२६, २८०, ३८८, ३६४, ४५४, ४६०, ६६५, ६८१, ६६६, ७६३, ७६७, ७६१, ८५६, ६४७, ११४६	सिंघराज	३४२, १०३१
सारण	४६४	सिंघडी	७६१
सांरी	५२२	सिंघा	२८३, ४३४, ४४४, ४५१, ५३७, ८१३, ८४३, ८५२, ६५१, १००६, ११०६, १११७
साक (रु)	३२२, ३५०, ५६४, ५६८, ६१३, ७०७, ७०८, ६००, ६४६	सिणगरदे	१०१८
सालह	६३६	सिणा	८४१
सालहणदे	१०२८	मिरि	३०७
साल्टा	१३०, १७१, ३८४, ४१४, ४२२, ५१८, ५५८, ५७६, ६५४, ६६६, ६८१, ८२१, ६१६, ६२६, ६३८	सिरिपाल	१२८
साल्ही	२८२	सिरियादे	६१६, १०१४
साल्ही	३४८	सिरोहत	६३५
सालिंग	८०, २८३, ५०२, ५८४, ७४२, ७४६, ८३७, ८५२, ८७६, १०६२	सिरिकुआर	१११
सालिंगही	४७१	सिंदेव	२८
सापट	१८१ ३२७	सिंदराज	४७१, ५००, ७५८
सावित्री	६६१	सिवा	२७६, ३४७, ७७६, ८३२
साहद	१२६	सिंहदेव	६८
साहयादा	६६८	सिंहस्थ	११४
साहा	७८७	सिंहराज	७४५
साहिबदा	६७४	सिंहादे	६४४
साहारन	६१	सीऊ	६४२
साहिमल	११३०	सीतादे	२२३, ३६७, ६५७, ८६८, ६०३, ६०४
		सीदा	३६५
		सीधर	५६१, ६५०, ६८०, ८५३, ८८६, ८६६
		मीना	७४७, ६२१, ६४७
		सीरंग	८५८
		सीरीयादे	६८५
		मीलख	११७
		सीला	११०१

सीसा	१७८	सुं वरासा	२२०
सीहड	६२३	सुर्नाति	६
सीहमल्ल	११३०	सुहडसिरि	४८५
सीहा (सीहा)	१५१, २२७, २४८, ३६३, ३६७, ४६६, ४७३, ५४०, ५६५, ६६२, ७०४, ६४४, ६४५, ११८७	सुहडा	२४६, ४८५, ४८८, ५७०, ६२३, ६८८
सुककि	३६	सुहडादे	४४८
सुखमति	२०	सुहडाहर	४२८
सुखमल्लदे	११३०	सुहव	१०, ४१६
सुखमादे	३२०	सुहा	२४६
सुखमिणी	२८	सुहागदे	३२४, ५६३, ७७५, ८४७, ८६४, ६३६, ६६५, ६७१, ११७१, ११८३
सुखु	११२६	सुहागश्री	४८१
सुगुणादे (गनादे)	४३७, ६३२, ६६२	सूजा	६८२, ११२६
सुचा	७४७	सूजू	५८२
सुण	७४२	सूदागोइंद	६६५
सुतरण	१०५०	सूदी	४६२
सुन्दरदास	४१०, ११३०	सूदौदेवी	१०८०
सुंदरि	६७५, ७६८	सूमा	२४
सुनखत	४२४	सूरचंद	८८०
सुनन्द	११०४	सूरज	४३५
सुपरणादे	१०३४	सूरजदे	११७३
सुभवीर	६७१	सूरजन	६०३
सुयश	२३६	सूर्जनदे	५८२
सुरजा	४६६	सूरजी	१०६७
सुरताण (त्राण)	३०४, ८४६, १०५१, १०५५, १११३	सूरण	१०८८
सुरमदे	८३८	सूरतनी	३५
सुरा	६०८	सूरदास	११४३-११४५, ११५१
सुललित	६०५	सूरमदे	३६८, ५११, ७३३, ६३१, ११६१
सुल्वी	२३२	सूर्यसेन	५६६, ५६७
सुलेसरी	६२०	सूरा	२०३, ३८८, ५२१, ५८१, ८३२, ८७६
सुवंदे	७१६		

सूली	३८५	सोभा	१७२, २८७, ४५७, ६८४
सूया	८५४	सोभाई	३१६
सूखदे	४८३, ४६०, ४२१, ४८१, ७८६, ६०१, ६०३, ६८८	सोभागदे	१०६८, ६०२५, १०३१, १०५३, १११३, १११६
सेऊ	४३४	सोभागिणी	६५२
सेगा	६६५	सोमचंद	११६१
सेदा	२७३, ६६५	सोमदत्त	८८०, ६४२
सेदू	३३५	सोमदास	१०६१
सेना	५४६	सोमदेव	७०
सेपलदे	८८२	सोमल	५२१, १११६
सेरू	६३५	सोमलदे	६३६, १०६२
सोजा	२७७	सोना	१५१, १६५, १६१, २१८, २४१, ३७१, ४३८, ५०१, ५३७, ५५६, ५६३, ६५२, ७१२, ७३५, ७७७, ७८४, ८२१, ६३६, ६४५, १००५, १०१८, १०६७
सोजी	६३६, ६६२	सोमिल	८१२
सोदल	६१	सोहग	३०१
सोदा	३६८, ४६६, ५७०, ५७४, ६२२, ६४२	सोहगदेवि	२४६
सोनपाल	३२५, ४६८, ५६६, ६०४, ७०३, ७०५, ६४८, १००१, १०६५, ११०१	सोहगा	२५
सोनल	३८, ७६४	सोहद	२०५
सोनलदे	२७३, ३८३, ८१२, ८६८, ६३६	सोदा	८२३
सोनभी	१०६५	सोदागदे	८५८, १००६, १३४३
सोना	२७३, ३१३, ३४५, ३६६, ३८१, ३६३, ४२२, ४३७, ४४५, ४८८, ६०७, ६१३, ७४८, ८६५, ८६६, ६३६, ६६८	सोदगणदे	२४५
सोनाई	४६०, ८४५, ८८०	सोदिली	६७७, ८८६
सोनादे	४३०, ४१७, १०१६	सोदिय	४६
सोनी	४१३, ६११, ६१६	सोदिल	३६४, ७४८
		सोदी	७६०
		सोदीलजदे	११७६
		संगर	८०
		संगलदे	१११६
		संगार	११६१

संगारदे	६०५	हर्षा (रखा, सी) ५१३, ५३६, ६०३,
संग्राम	११४३, ११४४	६८४, ७१३, ७१६,
संग्रामसी	२८२	८१६, ८५४, ८६६,
संघराजा	५८७	८७७, ८६१, ६१३,
संसार	६६३	६१६, ६४६, ६७४,
संसारचंद ३७१, ६०७, ६५०, ७१५		६६६, १०१७, १०१६,
संसारदेवी (दे)	११८, २१६,	१०३७, १०३८, १०८३,
४६१, ५०२, ६१०,		१११२, ११६६, ११७०,
६५४, ७४६, ७७४,		११७३, ११७६, ११८२-
८७४		११८३, ११८४
हंसा ४५५, ४८८, ६२३, ७३५,	हर्षाई	६३६
हउदा	४५०	हर्ष (पु, रखु, रखू) ३०२, ३१६,
हचिन	३८१	४१८, ५२०, ५७२,
हचू	६२४	६०१, ७६७, ८०८,
हठा	४७६	८१८, ८४३, ८४७
हपू	४६५	हरा-
हसीर	६३१	७३६, ८८५
हसीरदे	५७०, ६७०, ६७६,	हरि
८१५, ८८६, ६०६		२
१०३८, १-८४		हरिआ
हरदास ७४५, ८६१, १००६,		६३४, ७४४
१०४४		हरिकरण
हसप्रति (त) १७६, ८१५, ६२५,		११८७
१०१५		हरिगण
हरपाल २७४, ५४८, ६५३		६४०
हरसदे १०१७		हरिचंद
हरराज ६६३, ६६४, ७३३,		३०३, ३४६
८२१, ६०६, १०००		हरिपाल
हरखादे १०१५		४८, १२३
हर्षराज ५६		हरिवर
		७५
		हरिराज
		८७३
		हलू
		७४५
		हर्षमदे (रसमदे, देवी) ३३३, ४८५,
		६६४, १०१७,
		१०१६, १०३८,
		१०५०, १०१५,
		११७१, ११८७
		हाता
		४०८
		हानी
		७६२
		हापराज
		५६६

हापा	१७०, १७७, १६६, ५३१, ४५४, ५६४, ६४५, ६६१	हीरी	३३५
हांपा	४२६	हीरू	३६३, ४६५, ५०७, ५६३, ५६४, ६६२, ८२७, ८४४, ६८७
हाला	१६१, ४७४	हुंति	४०८
हाल्हा	६२६	हुतल	८८६
हासल	१०५	हुदा	८६५
हांसल	६२३	हेतु	२७३
हसा	३६१, ६११, १०५६	हेनीवाई	१०३४
हांसलदे	५६६, ६७३, ७१४, ७३६, ८१७, ८८१, १००४	हेमराज	२१३, २३५, २६६, ३०७, ६६६, ८८७, ६०४, ६५८, ६५६
हांसा	३४५, ३७५, ४५२, ५६१, ५६६, ८०६, ८१७, ८८१, ६८८, १००४, १०८५	हेमल	१४६
हांमी	८६५, ६३५	हेमश्री (मिरि)	२६६, ३४६, ६०४, ६५८, ६५६
हांसू (सु)	१६६, २६५, ५६४, ६५६, ७३७, ६०८	हेमसीह	२६६
हाथीष्ठा	५६	हेमसेन	११
हिडसिरो	७१०	हेमा	६६, १३८, २५५, २७६, २६५, ३५२, ५०४, ५३७, ५८१, ६१६, ६१८, ६४७, ७६५, ७७०, ८२६, ६०६, ६२७, ६६६, ६६७, ६६८, १०३८, १०८५, ११३४
हिता	४५	हेमाई	६३८
हिमपाल	५७३	हेमादे	२१३, २३५
हिमराज	५७३	हेमी	८३६, ६०६
हिमादे	५७७	हेमो	४८५
हिम्ना	७३५	हेना	४३०
हीरराज (प्रसिद्धनाम वगुला)	३३२	हेली	८४८
हीरा	१७५, २१८, २६६, ३१०, ३४१, ३५६, ४२५, ६३५, ६६३, ७१०, ७१४, ७५०, ७६८, ७६६, ७८२, ७६५, ८४७, ८७८, ६०६, ६२६, ६७७, ६८५, ६६३	होग	६४
हीराई	८६५	होला	४६३, १०८५, १०८८
होरादे	२५५, ३५६, ४२५, ४६३, ५३६, ५४४, ७८२, ८७३, ६६२, ६७४, १०१५, १११२	त्रिपुरादे	०४४
		त्रीकम	१७५
		त्रै लोचनचंद्र	८८४
		हालप	६८१